



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 13]

नई दिल्ली, मार्च 21—मार्च 27, 2004, शनिवार/चैत्र 1—चैत्र 7, 1926

No. 13]

NEW DELHI, MARCH 21—MARCH 27, 2004, SATURDAY/CHAITRA 1—CHAITRA 7, 1926

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

(आयकर)

का. आ. 699.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "दि लेट इरवाद डी.बी. मेहतास ज़ोरो स्ट्रियन अन्जुमन अतस अदारन, कोलकता" को वर्ष 2002-03 से 2004-05 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारित उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में

विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारित आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 25/2004/फ़.सं. 197/71/2003—आई.टी.ए.-I.]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 21st January, 2004

(INCOME TAX)

S. O. 699.— In exercise of the powers conferred by the Sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “**The Late Ervad D.B. Mehta’s Zoroastrian Anjuman Atash Adaran, Kolkata**” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 2002-03 to 2004-05 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 25/2004 F.No. 197/71/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 2004

(आयकर)

का. आ. 700.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार एतद्वारा “**गुरुद्वारा बाड़ा सिख संगत, एम. जी. रोड, कोलकाता**” को वर्ष 2003-04 से 2005-06 तक के लिए आयकर अधिनियम शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिणी अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का प्रयोग करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा

अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (ii) कर-निर्धारिणी उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिणी के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिणी आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 24/2004/फा.सं. 197/167/2003-आई.टी.ए.-I.]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 21st January, 2004.

(INCOME TAX)

S. O. 700.— In exercise of the powers conferred by the Sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “**Gurdwara Bara Sikh Sangat, M.G. Road, Kolkata**” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 2003-04 to 2005-06 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of

account are maintained in respect of such business;

- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives,

[Notification No. 24/2004/F.No. 197/167/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

(आयकर)

का. आ. 701.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र, सरकार एतद्वारा "कुदालसंगम डवलपमेंट बोर्ड जिला बागाल कोट, कर्नाटक" को वर्ष 1999-2000 से 2001-2002 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप-खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 37/2004/फा.सं. 197/193/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 30th January, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 701.— In exercise of the powers conferred by Sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Kudalsangam Development Board, Distt. Bagal Kot, Karnataka" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1999-2000 to 2001-2002 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will not apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 37/2004/F.No. 197/193/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2004

आयकर

का. आ. 702.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा "नेशनल चिल्ड्रेन्स फण्ड, हौज खास, नई दिल्ली" को वर्ष 1999-2000 से 2001-2002 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 50/2004/फा.सं. 197/176/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th February, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 702.— In exercise of the powers conferred by Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "National Children's Fund, Hauz Khas, New Delhi" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1999-2000 to 2001-2002 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;

- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 50/2004/F.No. 197/176/2003/TTA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2004

आयकर

का. आ. 703.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा "ज्योतिर्मठ बद्रिकाश्रम हिमालय, श्री गुरु पादुका भवन, कोलकाता" को वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप-खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगी जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 51/2004/फा.सं. 197/190/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th February, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 703.— In exercise of the powers conferred by Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies the "Jyotirmath Badrikashram Himalaya, Sri Guru Paduka Bhawan, Kolkata" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-2005 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 51/2004/F.No. 197/190/2003/ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2004

(आयकर)

का. आ. 704.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा "दि हिन्दू वीमेन्स वेलफेयर सोसायटी श्रद्धानन्द महिला आश्रम माटुंगा (ईस्ट), मुम्बई" को वर्ष 1999-2000 से 2001-2002 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित; स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारित आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 52/2004/फा.सं. 197/192/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th February, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 704.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "The Hindu Women's Welfare Society Shradhanand Mahila Ashram, Matunga (East), Mumbai" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1999-2000 to 2001-2002 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 52/2004/F.No. 197/192/2003/ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2004

(आयकर)

का. आ. 705.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा "सेन्टर फार सोशल स्टडीज सूरत" को वर्ष 1995-1996 से 1997-1998 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारित आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 53/2004/फा.सं. 197/194/2003-आई.टी.ए.-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th February, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 705.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Centre for Social Studies Surat" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1995-1996 to 1997-1998 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

- (ii) the assessee will invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 53/2004/F.No. 197/194/2003/TTA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 2004

(आयकर)

का. आ. 706.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "रामकृष्ण अभेदानन्दा मिशन, कोलकाता" को वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;

- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 65/2004/फा.सं. 197/184/2003-आई. टी. ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 24th February, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 706.— In exercise of the powers conferred by Sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “**Ramakrishna Abhedananda Mission, Kolkata**” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-2005 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 65/2004/F.No.197/184/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 707.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “**श्री कदमपुझा भागवती देवासवोम, डाकघर-कदमपुझा, मालापपुरम जिला, केरल**” को वर्ष 1995-1996 से 1997-1998 तक के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 68/2004/फा.सं. 197/178/2003-आयकर नि.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 8th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 707.— In exercise of powers conferred by Sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “**Sree Kadampuzha Bhagavathi Devaswom, P.O. Kadampuzha Malappuram District, Kerala**” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1995-1996 to 1997-1998 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.)

for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 68/2004/F.No.197/178/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 708.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “श्री कदमपुझा भागवती देवास्वोम, डाकघर-कदमपुझा, मालापुरम जिला, केरल” को वर्ष 1998-1999 से 2000-2001 तक के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;

- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 69/2004/फ.सं. 197/179/2003-आयकर नि.-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 8th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 708.— In exercise of the powers conferred by Sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Sree Kadampuzha Bhagavathi Devaswom, P.O. Kadampuzha Malappuram District, Kerala” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1998-1999 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 69/2004/F.No.197/179/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 709.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “श्रीमान माधव

सिद्धन्तोन्नीनी सभा तिरुपति" को वर्ष 1990-1991 से 1992-1993 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 70/2004/फा.सं. 197/171/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 9th March, 2004

(INCOME-TAX)

S.O. 709.—In exercise of the powers conferred by the Sub-clause (v) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Sriman Madhwa Sidhantonnahini Sabha, Tirupati" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1990-1991 to 1992-1993 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 70/2004/F.No.197/171/2003-ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2004

(आयकर)

का.आ. 710.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "श्रीमान माधव सिद्धन्तोन्नीनी सभा तिरुपति" को वर्ष 1993-1994 से 1995-1996 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 71/2004/फा.सं. 197/171/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 9th March, 2004

(INCOME-TAX)

S.O. 710.— In exercise of the powers conferred by Sub-clause (v) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “**Sriman Madhwa Sidhantonnahini Sabha, Tirupati**” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1993-1994 to 1995-1996 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 71/2004/F.No.197/171/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2004

(आयकर)

क्र.आ. 711.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा “**श्रीमान माधव सिद्धन्तोन्नहोनी सभा तिरुपति**” को वर्ष 1996-1997 से 1998-1999 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इन्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में

विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलेख हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 72/2004/फा.सं. 197/171/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 9th March, 2004

(INCOME-TAX)

S.O. 711.— In exercise of the powers conferred by Sub-clause (v) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “**Sriman Madhwa Sidhantonnahini Sabha, Tirupati**” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1996-1997 to 1998-1999 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and Separate books of accounts are maintained in respect of such business;

- (iv) the assessee will file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 72/2004/F.No.197/171/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 712.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "श्रीमान माधव सिद्धन्तोन्नहीनी सभा तिरुपति" को वर्ष 1999-2000 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप-खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारित उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारित आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 73/2004/फा.सं. 197/171/2003-आ. टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 9th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 712.—In exercise of the powers conferred by the Sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Sriman Madhwa Sidhantonnahini Sabha, Tirupati" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 73/2004/F.No.197/171/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 713.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "श्रीमान माधव सिद्धन्तोन्नहीनी सभा तिरुपति" को वर्ष 2000-2001 से 2002-2003 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप-खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारित उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में

विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारित आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 74/2004/फा.सं. 197/171/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 9th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 713.— In exercise of the powers conferred by the Sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Sriman Madhwa Sidhantonnahini Sabha, Tirupati" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 2000-2001 to 2002-2003 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;

- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 74/2004/F.No.197/171/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 714.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 की छ की उपधारा (2) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "श्री देवराजस्वामी टेम्पल, कांचीपुरम, तमिलनाडु" को सम्पूर्ण तमिलनाडु राज्य तथा सम्पूर्ण भारत में भी एक प्रसिद्ध सार्वजनिक पूजा स्थल के रूप में उक्त धारा के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट करती है।

यह अधिसूचना रु. 71,85,250/- (इक्कहत्तर लाख पच्चासी हजार दो सौ पचास रुपये मात्र) की सीमा तक के देवराज टेम्पल, कांचीपुरम के पूर्वी गोपुरम के मरम्मत/जीर्णोद्धार कार्य के लिए ही वैध होगी तथा उक्त राशि को वसूल लिए जाने अथवा 31-3-2005, जो भी पहले हो, के उपरान्त प्रभावी नहीं होगी।

[अधिसूचना सं. 93/2004/फा.सं. 176/23/2001-आयकर नि.-I]

देवी शरण सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 714.— In exercise of the powers conferred by the clause (b) of Sub-section (2) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies the "Sri Devarajaswamy Temple, Kancheepuram, Tamil Nadu" to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu and also throughout India for the purpose of the said Section.

The notification will be valid only for the repair/renovation work of the Eastern Gopuram of Sri Devrajaswamy Temple, Kancheepuram to the extent of Rs. 71,85,250/- (Rupees Seventy one lakhs eighty five thousand two hundred fifty only) and will cease to be effective after the said amount has been collected or 31-3-2005, whichever is earlier.

[Notification No. 93/2004/F.No. 176/23/2001-ITA-I]

DEVI SHARAN SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 715.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "दि बार काउंसिल ऑफ इंडिया; नई दिल्ली" को वर्ष 1997-1998 से 1999-2000 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारित आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 83/2004/फा.सं. 197/180/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 715.— In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "The Bar Council of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-1998 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No.83/2004/F.No.197/180/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 716.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "काउंसिल फार लेदर एक्सपोर्टर्स, चेन्नै" को वर्ष 2001-2002 से 2003-2004 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 84/2004/फा.सं. 197/173/2003-आई.टी.ए.-I.]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 716.— In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Council for Leather Exports, Chennai” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2001-2002 to 2003-2004 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 84/2004/F.No.197/173/2003/ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 717.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा “श्री अहोबिला मठ संस्कृत विद्या अभिवर्धिनी सभा चेन्नै” को वर्ष 1998-1999 से 2000-2001 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर-निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 85/2004/फा.सं. 197/102/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 717.— In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Sri Ahobila Math Samskrita Vidya Abhivardhini Sabha, Chennai” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-1999 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 85/2004/F. No. 197/102/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 718.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "द इण्डो-जापान सेंटर, चेन्नै" को वर्ष 1998-1999 से 2000-2001 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियां और परिसम्पतियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 86/2004/फा.सं. 197/174/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 718.— In exercise of the powers conferred by sub-section (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "The Indo-Japan Centre, Chennai" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1998-1999 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;

- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 86/2004/F. No. 197/174/2003/ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 719.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "भारतीय आदिम जाति सेवक संघ, नई दिल्ली" को वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से तैयार पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 87/2004/फा. सं. 197/6/2004-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 719.— In exercise of the powers conferred by sub-section (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Bhartiya Adim Jati Sewak Sangh, New Delhi" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-2005 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 87/2004/F.No. 197/6/2004/ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 720.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "आन्ध्र प्रदेश स्टेट सीड सर्टिफिकेशन एजेंसी, हैदराबाद" को वर्ष 1992-1993 से 1994-1995 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा

अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 88/2004/फा.सं. 197/188/2003-आई.टी.ए.-I.]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 720.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Andhra Pradesh State Seed Certification Agency, Hyderabad" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1992-1993 to 1994-1995 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 88/2004/F.No.197/188/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 721.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "तमिलनाडु ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन, चेन्नै" को वर्ष 2001-2002 से 2003-2004 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारित आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;

- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 89/2004/फा.सं. 197/161/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 721.— In exercise of the powers conferred by Sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Tamil Nadu Trade Promotion Organisation, Chennai” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 2001-2002 to 2003-2004 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 89/2004/F. No. 197/161/2003/ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 722.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा “मराठा मंदिर, मुम्बई” को वर्ष 1999-2000 से 2001-2002 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के

अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारित उपर्युक्त कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जैना नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारित आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 90/2004/फा.सं. 197/175/2003-आई.टी.ए.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 722.— In exercise of the powers conferred by Sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Maratha Mandir, Mumbai” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1999-2000 to 2001-2002 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant

to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 90/2004/F.No.197/175/2003-ITA-I]

I.P.S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 723.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "आन्ध्र प्रदेश स्टेट सीड सर्टिफिकेशन एजेंसी, हैदराबाद" को वर्ष 1995-1996 से 1997-1998 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ जो जब तक कि

ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;

- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 92/2004/फा. सं. 197/189/2003-आई.टी.ए.1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 723.— In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Andhra Pradesh State Seed Certification Agency, Hyderabad" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-1996 to 1997-1998 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 92/2004/F.No.197/189/2003/ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

का. आ. 724.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23-छ) के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 2004-2005 से नीचे पैरा (3) में उल्लिखित उद्यम/उपक्रम को अनुमोदित करती है।

2. यह अनुमोदन इस शर्त के अधीन है कि :—

(i) उद्यम/उपक्रम आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23छ) के उपबंधों के अनुरूप होगा और उनका अनुपालन करेगा;

(ii) केन्द्र सरकार यह अनुमोदन वापिस ले लेगी यदि उद्यम/उपक्रम :—

(क) आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के स्पष्टीकरण (ख) में यथा परिभाषित पात्र कारोबार को जारी रखना बंद कर देता है; और

(ख) खाता-बहियों का रख-रखाव नहीं करता है तथा आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के उप नियम (7) द्वारा यथा अपेक्षित किसी लेखाकर द्वारा ऐसे खातों की लेखा परीक्षा नहीं कराता है; अथवा

(ग) आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के उप नियम (7) द्वारा यथा अपेक्षित लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करता है।

3. अनुमोदित उद्यम/उपक्रम है :—

हारंगी लेफ्ट बैंक केनाल निकट कुशालनगर, कोडागू जिला, कर्नाटक स्थित 9 मेगावाट मिनि हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए मैसर्स एनर्जी डवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय गांव हुलुगुंडा, तालुका सोमवरपेट, जिला कोडागू, कर्नाटक-571233 और कार्पोरेट आफिस-आजिमगंज हाउस, 7, कैमैक स्ट्रीट, प्रथम तल, कोलकाता-700017।

[अधिसूचना सं. 82/2004/फ.सं. 205/68/2000 - आयकर नि. II/खंड-I]

संगीता गुप्ता, निदेशक (आयकर नि. -II)

New Delhi, the 11th March, 2004

S. O. 724.—It is notified for general information that the enterprise/undertaking, listed at para (3) below has been approved by the Central Government for the purpose of Section 10(23G) of the Income-tax Act, 1961, read with rule 2E of the Income-tax Rules, 1962 with effect from the Asstt. Year 2004-2005.

2. The approval is subject to the conditions that—

(i) the enterprise/undertaking will conform to and comply with the provisions of Section 10(23G)

of the Income-tax Act, 1961, read with rule 2E of the Income-tax Rules, 1962;

(ii) the Central Government shall withdraw this approval if the enterprise/undertaking :—

(a) ceases to carry on the eligible business as defined in Explanation (b) of Rule 2E of I.T. Rules, 1962; or

(b) fails to maintain books of account and get such accounts audited by an accountant as required by sub-rule (6) of Rule 2E of the Income-tax Rules, 1962; or

(c) fails to furnish the audit report as required by sub-rule (6) of Rule 2E of the Income-tax Rules, 1962.

3. The enterprise/undertaking approved is—

M/s. Energy Development Company Ltd. Regd. Office Village Hulugunda, Taluka Somwarpet, Distt. Kodagu, Karnataka-571233 and Corporate Office at Azimganj House, 7, Camac Street, 1st Floor, Kolkata-700017 for 9 MW Mini Hydro Electric Project at Harangi Left Bank Canal near Kushalnagar, Kodagu Distt, Karnataka.

[Notification No. 82/2004/F.No. 205/68/2000-ITA-II (Vol.I)]

SANGEETA GUPTA, Director (ITA-II)

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

का. आ. 725.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23-छ) के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 2002-2003 से नीचे पैरा (3) में उल्लिखित उद्यम/उपक्रम को अनुमोदित करती है।

2. यह अनुमोदन इस शर्त के अधीन है कि :—

(i) उद्यम/उपक्रम आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23छ) के उपबंधों के अनुरूप होगा और उनका अनुपालन करेगा;

(ii) केन्द्र सरकार यह अनुमोदन वापिस ले लेगी यदि उद्यम/उपक्रम :—

(क) आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के स्पष्टीकरण (ख) में यथा परिभाषित पात्र कारोबार को जारी रखना बंद कर देता है; और

(ख) खाता-बहियों का रख-रखाव नहीं करता है तथा आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के उप नियम (7) द्वारा यथा अपेक्षित किसी लेखाकर द्वारा ऐसे खातों की लेखा परीक्षा नहीं कराता है; अथवा

(ग) आयकर नियमावली, 1962 के नियम 2ड के उप नियम (7) द्वारा यथा अपेक्षित लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करता है।

3. अनुमोदित उद्यम/उपक्रम है :—

मैसर्स एस्सार पावर लिमिटेड, 14, एस्सार हाउस, 11, के.के. मार्ग, महालक्ष्मी, मुम्बई-400034 (महाराष्ट्र) को हजीरा, गुजरात स्थित उनके 515 मेगा वाट कम्बाईड साइकिल पावर प्लांट के लिए। (फा. सं. 205/12/98-आ.क्र. नि.-II) (खण्ड-I)

[अधिसूचना सं. 94/2004/फा.सं. 205/12/1998-आयकर. नि. II/खंड-I]

संगीता गुप्ता, निदेशक (आयकर नि.-II)

New Delhi, the 11th March, 2004

S. O. 725.—It is notified for general information that the enterprise/undertaking, listed at para (3) below has been approved by the Central Government for the purpose of Section 10(23G) of the Income-tax Act, 1961, read with rule 2E of the Income-tax Rules, 1962 with effect from the Asstt. Year 2002-2003.

2. The approval is subject to the conditions that :—

- (i) the enterprise/undertaking will conform to and comply with the provisions of Section 10(23G) of the Income-tax Act, 1961, read with rule 2E of the Income-tax Rules, 1962;
- (ii) the Central Government shall withdraw this approval if the enterprise/undertaking :—
 - (a) ceases to carry on the eligible business as defined in Explanation (b) to Rule 2E of I.T. Rules, 1962; or
 - (b) fails to maintain books of account and get such accounts audited by an accountant as required by Sub-rule (6) of Rule 2E of the Income-tax Rules, 1962; or
 - (c) fails to furnish the audit report as required by Sub-rule (6) of Rule 2E of the Income-tax Rules, 1962.

3. The enterprise/undertaking approved is :—

M/s. Essar Power Ltd. 14, Essar House, 11, K.K. Marg. Mahalaxmi, Mumbai-400034 (Maharashtra) for their 515 MW Combined Cycle Power Palant at Hazira, Gujarat. (F. No. 205/12/98-ITA-II) (Vol. I).

[Notification No. 94/2004/F. No. 205/12/1998-ITA-II) (Vol. I)]

SANGEETA GUPTA, Director (ITA-II)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

का. आ. 726.—अधिसूचना सं. 11377 दिनांक 24-5-2000 में, क्रम सं. 1 पर "मैसर्स ऐसपी रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन, पो. बॉक्स सं. 7602, आदर्श हाउजिंग सोसायटी, क्रॉस रोड सं. 1, मलाड (प.), मुम्बई-400064" के रूप में उल्लिखित आवेदक का नाम निम्नतया पढ़ा जाए :—

मैसर्स ऐसपी एग्रीकल्चरल रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन,
पो. बॉक्स नं. 7602, आदर्श हाउजिंग सोसायटी,
क्रॉस रोड सं. 1, मलाड (प.), मुम्बई-400064

[अधिसूचना सं. 95/2004/फा. सं. 203/77/2000-आ.क्र.नि.-II]

संगीता गुप्ता, निदेशक (आयकर नि.-II)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th March, 2004

S. O. 726.—In Notification No. 11377 dated 24-5-2000, the name of the applicant indicated at Sr. No. 1 as "M/s. Aspee Research & Development Foundation, P. O. Box No. 7602, Adarsh Housing Society, Cross Road No. 1 Malad (W), Mumbai-400064" may be read as under :—

M/s. Aspee Agricultural Research & Development Foundation,

P.O. Box No. 7602, Adarsh Housing Society,

Cross Road No. Malad (W), Mumbai-400064

[Notification No. 95/2004/F. No. 203/77/2000-ITA-II]

SANGEETA GUPTA, Director (ITA-II)

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 727.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "मैसूर रिसेटलमेंट एण्ड डेवलपमेंट एजेन्सी, बंगलौर" को वर्ष 2003-2004 से 2005-2006 तक के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा

तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक) अंशदान से भिन्न का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों,

(iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा,

(v) विघटन के स्थिति में अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएगी।

[अधिसूचना सं. 96/2004/फा. सं. 197/26/2004-आयकर नि.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 12th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 727.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Mysore Resettlement and Development Agency, Bangalore” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2003-2004 to 2005-2006 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;

(iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;

(v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 96/2004/F. No. 197/26/2004-ITA-I]

I.P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 728.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “मिडिया लैब एशिया, मुम्बई” को वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,

(ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों,

(iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा,

(v) विघटन के स्थिति में अतिरिक्त राशियां और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएगी।

[अधिसूचना सं. 97/2004/फा. सं. 197/10/2004-आयकर नि.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 17th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 728.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Media Lab Asia, Mumbai” for the

purpose of the said sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-2005 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 97/2004/F. No. 197/10/2004-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 729.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "आन्ध्र प्रदेश स्टेट सीड सर्टिफिकेशन एजेंसी, हैदराबाद" को वर्ष 1989-1990 से 1991-1992 तक के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों,

(iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा,

(v) विघटन के स्थिति में अतिरिक्त राशियों और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएगी।

[अधिसूचना सं. 98/2004/फा. सं. 197/187/2003-आयकर नि.-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 12th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 729.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Andhra Pradesh State Seed Certification Agency, Hyderabad" for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 1989-1990 to 1991-1992 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 98/2004/F. No. 197/187/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2004

(आयकर)

का.आ. 730.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “वेस्ट जोन कल्चरल सेंटर, उदयपुर (राजस्थान)” को वर्ष 2001-2002 से 2003-2004 तक के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों,
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपना आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा,
- (v) विघटन के स्थिति में अतिरिक्त राशियों और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएगी।

[अधिसूचना सं. 100/2004/फा. सं. 197/181/2003-आयकर नि.-1]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 12th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 730.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of Clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “West Zone Cultural Centre, Udaipur (Rajasthan)” for the purpose of the said Sub-clause for the assessment years 2001-2002 to 2003-2004 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;

(iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;

(v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 100/2004/F. No. 197/181/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2004

(आयकर)

का.आ. 731.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “इण्टरनेशनल कमीशन आन इरिगेशन एण्ड ड्रेनेज, नई दिल्ली” को वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,
- (iii) यह आदेश किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों,

- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा,
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएगी।

[अधिसूचना सं. 101/2004/फ. सं. 197/200/2003-आयकर नि.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 12th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 731.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “**International Commission on Irrigation and Drainage, New Delhi**” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-2005 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 101/2004/F. No. 197/200/2003-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 732 .—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “**आगा खॉ रुरल सपोर्ट प्रोग्राम (इंडिया), नई दिल्ली**” को वर्ष 2000-2001 से 2002-2003 तक के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित

शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संघनन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों,
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा,
- (v) विघटन की स्थिति में अतिरिक्त राशियों और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएगी।

[अधिसूचना सं. 102/2004/फ. सं. 197/89/2002-आयकर नि.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव,

New Delhi, the 12th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 732.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “**Aga Khan Rural Support Programme (India), New Delhi**” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2000-2001 to 2002-2003 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 102/2004/F. No. 197/89/2002-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2004

(आयकर)

का. आ. 733.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेंसियल मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च, चेन्नई" को वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के कर निर्धारण वर्षों के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए उक्त उप खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती उसकी आय का इस्तेमाल अथवा उसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,
- (ii) कर-निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों,
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष फाइल करेगा,
- (v) विघटन की स्थिति में अतिरिक्त राशियों और परिसम्पत्तियां समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएगी।

[अधिसूचना सं. 103/2004/फा. सं. 197/22/2004-आयकर नि.-I]

आई. पी. एस. बिन्द्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 12th March, 2004

(INCOME-TAX)

S. O. 733.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Institute of Financial Management and Research, Chennai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-2005 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in Sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 103/2004/F. No. 197/22/2004-ITA-I]

I. P. S. BINDRA, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2004

का. आ. 734.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 9 के उपखंड (ii) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री ए.एन. बालासुब्रमणियन, विशेष सहायक, केनरा बैंक को 15-3-2004 से 31-5-2006 तक अर्थात् उनकी अधिवर्षिता की तारीख तक या केनरा बैंक के कर्मकार कर्मचारी के रूप में उनकी सेवाएं समाप्त होने तक या अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, केनरा बैंक के निदेशक बोर्ड में कर्मकार कर्मचारी निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 15/6/2003-आई.आर.]

ए. थामस, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(BANKING DIVISION)

New Delhi, the 15th March, 2004

S. O. 734.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of Sub-section (3) of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with Sub-section (2) of Clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri A.N. Balasubramanian, Special Asstt., Canara Bank as Workman Employee Director on the Board of Directors of Canara Bank with effect from 15-3-2004 to 31-5-2006 i.e. the date of his superannuation or till he ceases to be a workmen employee of Canara Bank or until further orders, whichever is earlier.

[F. No.15/6/2003-IR]

A. THOMAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2004

का. आ. 735.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 9 के उपखंड (2) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1980 की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री हनुमंत राव, लिपिक, कारपोरेशन बैंक को 15-3-2004 से तीन वर्ष की अवधि के लिए और उसके बाद उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति होने तक या कारपोरेशन बैंक के कर्मकार कर्मचारी के रूप में उनकी सेवाएं समाप्त होने तक या अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, कारपोरेशन बैंक के निदेशक बोर्ड में कर्मकार कर्मचारी निदेशक के रूप में नियुक्त करती है, बशर्ते कि वे लगातार छह वर्ष से अधिक की अवधि के लिये पदभार ग्रहण नहीं करेंगे।

[फा. सं. 15/10/2003-आई.आर.]

ए. थामस, अवर सचिव

New Delhi, the 15th March, 2004

S. O. 735.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of Sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 read with Sub-section (2) of Clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government hereby appoints Ch. Hanumantha Rao, Clerk, Corporation Bank as a Workman Employee Director on the Board of Directors of Corporation Bank for a period of three years with effect from 15-3-2004 and thereafter until his successor is appointed or till he ceases to be a workmen employee of Corporation Bank or until further orders, whichever is earlier provided that he shall not hold office continuously for a period exceeding six years.

[F. No.15/10/2003-IR]

A. THOMAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2004

का. आ. 736.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 9 के उपखंड (2) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री देवीदास रामचन्द्र तुलजापुरकर, विशेष सहायक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र को 15-3-2004 से तीन वर्ष की अवधि के लिए और उसके बाद उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति होने तक या बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कर्मकार कर्मचारी के रूप में उनकी सेवाएं समाप्त होने तक या अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के निदेशक बोर्ड में कर्मकार कर्मचारी निदेशक के रूप में नियुक्त करती है, बशर्ते कि वे लगातार छह वर्ष से अधिक की अवधि के लिये पदभार ग्रहण नहीं करेंगे।

[फा. सं. 15/11/2003-आई.आर.]

ए. थामस, अवर सचिव

New Delhi, the 15th March, 2004

S. O. 736.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of Sub-section (3) of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with Sub-section (2) of Clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri Devidas Ramachandra Tuljapurkar, Special Asstt., Bank of Maharashtra as a Workman Employee Director on the Board of Directors of Bank of Maharashtra for a period of three years with effect from 15-3-2004 and thereafter until his successor is appointed or till he ceases to be a workmen employee of Bank of Maharashtra or until further orders, whichever is earliest provided that he shall not hold office continuously for a period exceeding six years.

[F. No.15/11/2003-IR]

A. THOMAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 मार्च, 2004

का. आ. 737.—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (छ) के साथ पठित उसकी उपधारा (2) और धारा 8 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से एतद्वारा डा० आई. एस. पी. थोरेट, वर्तमान कार्यापालक निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से और उनकी आयु 60 वर्ष हो जाने तक अर्थात् 30-11-2007 तक की अवधि के लिए या अगले आदेश होने तक, इनमें से जो भी सबसे पहले हो, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक में 24050-650-26000 रुपये के वेतमान में प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 9/20/2002-बी.ओ.आई.]

रमेश चन्द, अवर सचिव

New Delhi, the 16th March, 2004

S. O. 737.—In exercise of the powers conferred by clause (g) of sub-section (1) of Section 6 read with Sub-section (2) thereof and clause (a) of Sub-section (1) of Section 8 of the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981), the Central Government, in consultation with Reserve Bank of India, hereby appoints Dr. Y.S.P. Thorat, presently Executive Director, Reserve Bank of India as the Managing Director, National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) in the pay scale of Rs. 24050-650-26000/- with effect from the date of his taking charge of the post and till he attains the age of 60 years i.e. upto 30-11-2007 or until further orders, whichever event occurs the earliest.

[F. No. 9/20/2002-B.O.I.]

RAMESH CHAND, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2004

का. आ. 738.—राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 6 की उपधारा 1 के खण्ड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा शहरी रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग, नई दिल्ली में सचिव, श्री ए. एन. तिवारी को तत्काल प्रभाव से तथा अगले आदेश तक श्री एस. एस. चट्टोपाध्याय के स्थान पर राष्ट्रीय आवास बैंक के निदेशक मण्डल में निदेशक के पद पर नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 7/15/2000-बी.ओ.आई.]

रमेश चन्द, अवर सचिव

New Delhi, the 17th March, 2004

S. O. 738.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of Sub-section (1) of Section 6 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987), the Central Government, hereby appoints Shri A.N. Tiwari, Secretary, Department of Urban Employment and Poverty Alleviation, New Delhi as a director on the Board of Directors of National Housing Bank with immediate effect and until further orders in place of Shri S. S. Chattopadhyay.

[F. No. 7/15/2000-B.O.I.]

RAMESH CHAND, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2004

का. आ. 739.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्क्रिम, 1970 के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा 3 के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री अमिताभ वर्मा, आईएएस (बिहार : 82), संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली को तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश होने तक अथवा वित्त मंत्रालय में उनके अधिकारी न रहने पर, इनमें से जो भी पहले हो, श्री शेखर अग्रवाल के स्थान पर बैंक आफ इंडिया के निदेशक मण्डल में निदेशक के पद पर नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 9/11/2004-बी.ओ.आई. (II)]

रमेश चन्द, अवर सचिव

New Delhi, the 18th March, 2004

S. O. 739.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of Sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, hereby nominates Shri Amitabh Verma, IAS (BH : 82), Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi as a Director on the Board of Directors of Bank of India with immediate effect and until further orders or until he ceases to be an officer of Ministry of Finance, whichever is earlier vice Shri Shekhar Agarwal.

[F. No. 9/11/2004-B.O.I. (II)]

RAMESH CHAND, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2004

का. आ. 740.—राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली में संयुक्त सचिव, श्री अमिताभ वर्मा, आईएएस (बिहार : 82) को तत्काल प्रभाव से तथा अगले आदेशों तक अथवा वित्त मंत्रालय में उनके अधिकारी न रहने पर, इनमें से जो भी पहले हो, श्री शेखर अग्रवाल के स्थान पर राष्ट्रीय आवास बैंक के निदेशक मण्डल में निदेशक के पद पर नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 9/11/2004-बी.ओ.आई.-1(I)]

रमेश चन्द, अवर सचिव

New Delhi, the 18th March, 2004

S. O. 740.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of Sub-section (1) of Section 6 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987), the Central Government, hereby appoints Shri Amitabh Verma, IAS (BH : 82), Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi as a Director on the Board of Directors of National Housing Bank with immediate effect and until further orders or until he ceases to be an officer of Ministry of Finance, whichever is earlier in place of Shri Shekhar Agarwal.

[F. No. 9/11/2004-B.O.I. (I)]

RAMESH CHAND, Under Secy.

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

का. आ. 741.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 12 के उपनियम (2) के साथ पठित निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963

(1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स थैराप्युटिक्स कैमिकल रिसर्च कारपोरेशन को, जो द्वार सं. 26-8-69, सत्यानिलायम, राजा राम मोहन राय रोड, विशाखापत्तनम- 530001 में अवस्थित है, वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 तारीख 20 दिसम्बर, 1965 के साथ उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज और अयस्क, समूह I, अर्थात् लौह अयस्क का विशाखापत्तनम में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए अभिकरण के रूप में तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए मान्यता प्रदान करती है, अर्थात् :—

- (i) मैसर्स थैराप्युटिक्स कैमिकल रिसर्च कारपोरेशन, विशाखापत्तनम खनिज और अयस्क समूह I के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अधीन निरीक्षण का प्रमाणपत्र देने में उनके द्वारा अनुसरित की जाने वाली निरीक्षण की पद्धति की जांच करने के लिए इस निमित्त निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा नामनिर्दिष्ट अधिकारियों को पर्याप्त सुविधाएं देगा;
- (ii) मैसर्स थैराप्युटिक्स कैमिकल रिसर्च कारपोरेशन विशाखापत्तनम इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के निर्वहन में निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 12 के उपनियम (1) के अधीन उसे समय-समय पर लिखित में दिए गए निर्देशों से आबद्ध होगा।

[फा. सं. 5/1/2004-ईआईएण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

New Delhi, the 11th March, 2004

S. O. 741.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) read with sub-rule (2) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this notification M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation, located at Door No. 26-8-69, Satyanilayam, Raja Ram Mohan Roy Road, Vishakhapatnam-530 001, as an agency for the inspection of Minerals and Ores, Group-I namely, Iron Ore, specified in the Schedule annexed to the Ministry of Commerce notification number S.O. 3975, dated 20th December 1965, prior to export at Vishakhapatnam, subject to the following conditions, namely :—

- (i) That M/s. Therapeutics Chemical and Research Corporation, Vishakhapatnam, shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Minerals and Ores Group I (Inspection) Rules, 1965;
- (ii) That M/s. Therapeutics Chemical and Research Corporation, Vishakhapatnam in the performance

of their function under this notification shall be bound by such directives as may be given to them in writing from time under sub-rule (1) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

[F. No. 5/1/2004-E I & EP]

RAJ SINGH, Director

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2004

का. आ. 742.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 12 के उपनियम (2) के साथ पठित निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स एसन एण्ड कंपनी को, जो प्रथम तल, 25-8-152, मेन रोड, निकट 1-टाउन पुलिस स्टेशन, विशाखापत्तनम- 530021 में अवस्थित है, वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 तारीख 20 दिसम्बर, 1965 के साथ उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज और अयस्क, समूह I, अर्थात् लौह अयस्क और मैंगनीज अयस्क (मैंगनीज डायक्साइड को छोड़कर) को विशाखापत्तनम में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए अभिकरण के रूप में तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए मान्यता प्रदान करती है, अर्थात् :—

- (i) मैसर्स एसन एण्ड कंपनी, विशाखापत्तनम खनिज और अयस्क समूह I के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अधीन निरीक्षण का प्रमाणपत्र देने में उनके द्वारा अनुसरित की जाने वाली निरीक्षण की पद्धति की जांच करने के लिए इस निमित्त निरीक्षण परिषद् द्वारा नामनिर्दिष्ट अधिकारियों को पर्याप्त सुविधाएं देगा;
- (ii) मैसर्स एसन एण्ड कंपनी, विशाखापत्तनम इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के निर्वहन में निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 12 के उपनियम (1) के अधीन उसे समय-समय पर लिखित में दिए गए निर्देशों से आबद्ध होगा।

[फा. सं. 5/2/2004-ईआईएण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

New Delhi, the 11th March, 2004

S. O. 742.—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) read with sub-rule (2) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Essen & Co., located at 1st Floor, 25-8-152, Main Road, Near 1-Town police Station, Vishakhapatnam-530 021, as an agency for the inspection of Minerals and Ores, Group-I namely, Iron Ore, and Manganese Ore (excluding Manganese dioxide), specified in the Schedule annexed to the Ministry of Commerce

Notification Number S.O. 3975, dated 20th December 1965, prior to export at Vishakhapatnam, subject to the following conditions, namely :—

- (i) That M/s. Essen & Co., Vishakhapatnam, shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Minerals and Ores Group I (Inspection) Rules, 1965;
- (ii) That M/s. Essen & Co., Vishakhapatnam in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as may be given to them in writing from time to time under sub-rule (1) of rule 12 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

[F. No. 5/2/2004-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

(राजभाषा अनुभाग)

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2004

का. आ. 743.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 (यथा संशोधित 1987) के नियम 10 (4) के अनुसरण में संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दूरसंचार विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालय को, जिसमें 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एतद्वारा अधिसूचित करती है।

मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार, भारत संचार निगम लि. उत्तरांचल परिमण्डल, देहरादून

उपमण्डल अधिकारी दूरसंचार, भारत संचार निगम लिमिटेड, बडकोट (उत्तरकाशी)

[सं. ई-11016/1/2004-रा.भा.]

हरिश् चन्द्र जयाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY

(Department of Telecommunications)

(OFFICIAL LANGUAGE SECTION)

New Delhi, the 15th March, 2004

S.O. 743—In pursuance of Rule 10(4) of the Official Language (Use for official purposes of the Union) rules, 1976 (as amended-1987), the Central Government hereby notifies the following Office under the administrative control of Ministry of Communications and Information Technology, Department of Telecommunications where of more than 80% of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Chief General Manager Telecom, BSNL, Uttaranchal Circle, Dehradune

Sub Divisional Officer Telecom, BSNL, Barkot (Uttar Kashi)

[No. E-11016/1/2004-O.L.]

Harish Chandra Jayal, Jt. Secy.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2004

का.आ. 744.—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) राजभाषा 1976 (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) के नियम 10 के उपनियम (2) और (4) के अनुसरण में दक्षिण-मध्य रेलवे के गुंतकल मंडल के निम्नलिखित रेल कार्यालयों को, जहां 80% से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एतद्वारा अधिसूचित करता है:—

दक्षिण-मध्य रेलवे (गुंतकल मंडल)

1. सी.डी.ओ. कार्यालय/तिरुपति
2. चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय/धर्मवरम
3. मंडल चिकित्सा अधिकारी कार्यालय/पाकाला
4. सहायक मंडल इंजीनियर कार्यालय/पाकाला
5. मंडल चिकित्सा अधिकारी कार्यालय/द्रोणाचलम
6. मंडल चिकित्सा अधिकारी कार्यालय/मदनपल्ली
7. सहायक सुरक्षा अधिकारी कार्यालय/रेणिगुंटा

[सं. हिंदी-2003/रा.भा.-1/12/3]

वी.एन. माथुर, सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 26th February, 2004

S.O. 744.—Ministry of Railways (Railway Board), in pursuance of Sub Rule (2) and (4) of Rule 10 of the Official Language Rules, 1976 (use for the official purposes of the Union) hereby, notify the following Offices of Guntkal division of South-Central Railway, where 80% or more Officers/Employees have acquired the working knowledge of Hindi :—

South-Central Railway (Guntkal Division)

1. C.D.O. Office/Tirupati
2. Medical Supdt. Office/Dharmavaram
3. Divisional Medical Officer's/Pakala
4. Assistant Divisional Engineer's Office/Pakala
5. Divisional Medical Officer's Office/Dronachellam
6. Divisional Medical Officer's Office/Madanpalle
7. Assistant Security Officer's Office/Renigunta

[No. Hindi-2003/OL-1/12/3]

V. N. MATHUR, Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2004

का.आ. 745.— भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्षक	भा मा भाग अनु. वर्ष संख्या
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	9286695	2001/06	गुजरात अम्बुजा सीमेंट लि., समीप गुरुनानक देव धर्मल प्लांट, मालआउट रोड, भटिंडा	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	00269 89
2.	9286796	2001/06	गुजरात अम्बुजा सीमेंट लि., समीप गुरुनानक देव धर्मल प्लांट, मालआउट रोड, भटिंडा	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	08112 89
3.	9286897	2001/06	फाइन स्विचगियर्स, 39-40 इंडस्ट्रियल एरिया, फगवाड़ा-144401	विद्युत सहायक अंग-घरेलू और ऐसे ही संस्थापनों के लिए अतिधारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक	08828 96
4.	9286901	2001/06	धर्म इंजीनियरिंग कं., जी.टी. रोड, बटाला-143505	एस्बेस्टॉस सीमेंट के दाब पाइपों के साथ प्रयुक्त अलग हो सकने वाले ढलवां लौहे के जोड़	08794 88
5.	9287091	2001/06	ज्योति प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेस 1, यमुना नगर-135001	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303 89
6.	9287192	2001 : 06	गोयल केमीकल्स, 188, नागरौर गोण्डा रोड, बहरोच	मैलाधियॉन डब्ल्यूपी	02569 78
7.	9287293	2001/06	सुप्रीम लुम्बर्स, प्लॉट नं. 20 बी, सैक्टर 1, परवानू जिला सोलन	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303 89
8.	9287394	2001/06	मार्कफीड एग्रो केमीकल्स, 7 और 8 बी इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, मोहाली	ब्यूटाक्लोर ई सी	09356 80
9.	9287495	2001/06	वरूण बेबरेजिज लि., 10वां किमी. स्टोन आगरा दिल्ली हाइवे, गाँव दौटाना, तहसील छाता, जिला मथुरा	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543 98
10.	9287596	2001/06	कमर्शियल सेल्स कारपोरेशन, 21, पंचवटी कालोनी पिकनिक स्पॉट रोड, समीप नैनीताल पब्लिक लखनऊ-226006	फसल संरक्षण उपस्कर हस्तचालित पीठ पर लादा जाने वाला संपीडन फुहारा, पिस्टन टाइप	03906 95

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
11.	9287697	2001/06	मॉडर्न वुड इंडस्ट्रीज, झोटा रोड, जगाधरी	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
12.	9287701	2001/06	मॉडर्न वुड इंडस्ट्रीज, झोटा रोड, जगाधरी	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
13.	9287802	2001/06	आईसबर्ग फूडस लि., 44वाँ किमी दिल्ली- रोहतक हाइवे, गाँव एवं पी ओ रोपड़, जिला झज्जर	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
14.	9287903	2001/06	स्कयरमिनरल वॉटर प्रा लि., 321, फेस 9, इंडस्ट्रियल एरिया, मोहाली	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
15.	9288093	2001/06	जुनेजा मेटल वर्क्स, गौन वरियाना, कपूरथला रोड, पी.ओ. बस्ती गुर्जा, जालंधर-144 002	सामान्य प्रयोजन के बॉल वाल्व	09890	81
16.	9288194	2001/06	जय बालाजी प्लाईवुड इंडस्ट्रीज प्रा. लि., जटोला रोड, गाँव सैदपुर, औचन्दी बॉर्डर, जिला सोनीपत	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
17.	9288295	2001/06	डेली एग्रो मिल्क फूडस इंडिया प्रा. लि., 9 एएचएसआईडीसी इंड. एस्टेट, कुण्डली, जिला सोनीपत-131 028	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
18.	9288396	2001/06	नेस्ले इंडिया लि., पाती कल्याना किवाना रोड, सामलखा-132 101	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
19.	9288497	2001/06	ऑसवाल इलेक्ट्रिकल्स (पम्प्स) 71/3 मील पत्थर, जी.टी. रोड, करनाल	तीन फेजीय प्रेरण मोटर	00325	96
20.	9288501	2001/06	अरिहन्त बेवरजिज प्रा. लि., ई-25, यूपीएसआईडीसी साइट सी, इंडस्ट्रियल एरिया, गाँव अरटोनी सिकन्दरा, आगरा	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
21.	9288602	2001/06	जे. के. बेवरेजिज, 262, कम्पू घाट आईए फैक्टरी कम्पाउंड, मथुरा	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
22.	9288703	2001/06	एशियनलक हैल्थ फूडस लि., वीपीओ जन्मडीअली, समीप कोहरा, जिला लुधियाना	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
23.	9288804	2001/06	स्वरूप केमीकल्स (प्रा.) लि., जी 31 से 345, यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया देवा रोड, चिन्हात लखनऊ	मोनोक्रोटोफॉस एस एल	08074	90

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
24.	9288905	2001/06	कसरिया कॉटन गिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी जलालाबाद रोड, मुक्तेश्वर 152026	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
25.	9289095	2001/06	साबास फूड्स इंडिया प्रा. लि. 3-बी, इंडस्ट्रियल एस्टेट बीरपुर बारी ब्राह्मण जम्मू	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
26.	9289196	2001/06	प्रीमियर इस्पात (प्रा.) लि. एफ 4 से एफ 5 यूपीएसआईडीसी इंड. एरिया, जैनपुर कानपुर देहात	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य बिन्धापित इस्पात के सरिए और तार	01786	85
27.	9289297	2001/06	किसान दूध उद्योग लि. गाँव थिरियावल पीओ धनोई हरगोविन्दपुर रोड, तह. बटाला जिला गुरदासपुर	मलाईयुक्त दूध पाउडर	13334 01	98
28.	9289301	2001/06	खखरायन फूड प्रॉडक्ट्स (प्रा.) लि. 102 इंडस्ट्रियल एरिया (यूपीएसआईडीसी) बदी जिला सोलन	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
29.	9289402	2001/06	सुप्रीम लुम्बर्स प्लॉट नं. 20 बी सेक्टर 1, परबानू, जिला सोलन	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
30.	9289503	2001/06	पेप्सीको इंडिया होल्डिंग्स प्रा. ए-2, यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया साईट 2, बाजपुर 262401 जिला यू एस नगर	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
31.	9289604	2001/06	बी के पाइप इंडस्ट्रीज बरनाला रोड; रायकोट लुधियाना 141109	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458	88
32.	9289705	2001/06	ऑरिएटल सेरेमिक्स एण्ड रिफ्रेटियरीइज प्रा. लि. गाँव दौनतहसील मोहाली जिला रोपड़	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458	88
33.	9289806	2001/06	फारीड एग्रो टेक इंडिया 4था किमी स्थान एनएच 15 कोटक पूरा रोड फरीदकोट 151203	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
34.	9289907	2001/06	एम्पायर एस्बेस्टॉस सी-18, इंडस्ट्रियल एरिया फेस 1 मोहाली	एस्बेस्टॉस सीमेंट के दाब पाइप	01592	89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
35.	929008	2001/06	डेनसंस पॉली प्रॉडक्ट्स लि. जीपी 37 एचएसआईडीसी सेक्टर 18 गुडगाँव 122001	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
36.	9290181	2001/06	जेमिनी फूड एण्ड बेवरेजिज प्रा.लि. 11/7 मील पत्थर मथुरा रोड, फरीदाबाद	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
37.	9290282	2001/06	नूकेम वाटर लि. 20/6, मथुरा रोड, फरीदाबाद	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
38.	9290383	2001/06	मॉर्डन बेवरेजिज मीरासाहिब ब्लॉक आर एस पुरा जम्मू	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
39.	9290484	2001/06	भारत रसायन एगारे (प्रा.) लि. त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब तहसील नहान जिला सिरमौर	क्लोरोपाइरिफॉस ई सी	08944	78
40.	9290585	2001/06	भारत रसायन एगारे (प्रा.) लि. त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब तहसील नहान जिला सिरमौर	फेनवेलरेट ई सी	11997	87
41.	9290686	2001/06	क्लासिक वॉटर इंडिया प्रा. लि, प्लॉट नं. 11, सेक्टर 4 आईएमटी मानेसर गुडगाँव	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
42.	9290787	2001/06	जी. के. डेयरी एण्डमिल्क प्रॉडक्ट्स 196/231 सीकरी हरफाला रोड बल्लभगढ़ फरीदाबाद	मलाई युक्त दूध पाउडर	13334 01	98
43.	9290888	2001/06	मगना मार्केटिंग डी-3 रोड नं. 3, उद्योग कुंड पनकी इंडस्ट्रियल एरिया, साइट 1, कानपुर	शल्य क्रिया हेतु ब्लेड	03319	95
44.	9290989	2001/06	अम्बा प्लास्टिक इंडस्ट्रीज गाँव रामपुरा राम नगर रोड काशीपुर जिला यू एस नगर	विद्युत संस्थापन के लिए कंड्यूट भाग 3 कंड्यूट विद्युतरोधक सामग्री के लिए दृढ़ सांद्र कंड्यूट	09537 03	83
45.	9291082	2001/06	श्री साई एक्वा मिनरल्स 20/6, डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया फेस 1, फरीदाबाद 121003	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
46.	9291183	2001/06	डी के एक्सपोर्ट्स 24, इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेस 1, यमुना नगर	जिंक सल्फेट हैप्टाहाइड्रेट कृषि ग्रेड	08249	94
47.	9291284	2001/06	प्रेस्टीज इंटरनेशनल 9, राम बाग बुलन्दपुर रोड ट्रांसपोर्ट नगर जालंधर 144 004	जल कल प्रयोजन के लिए ताम्बा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्स	00778	84

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
48.	9291385	2001/06	हिन्दुस्तान सेफ्टी ग्लास वर्क्स लि. बमरौली इलाहाबाद-211 012	सुरक्षा काँच	02553	01 90
49.	9291486	2001/05	एस्सार केबल्स एण्ड कंडक्टर्स एचपीएसआईडीसी बी 1, इंडस्ट्रियल एस्टेट, बदी	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 1	00398	01 96
50.	9291587	2001/06	सिडवाल रेफ्रिजेशन इंडस्ट्रीज लि., मनथेपल नाहन रोड कला अम्ब जिला सिरमौर	पीने के पानी के सेल्फ कॉन्टेन्ड वॉटर कुलर	01475	78
51.	9291688	2001/07	नवजोत सीमेंट कंस्ट्रक्शन (प्रा.) लि., गाँव चहेल फरीदकोट	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट	01489	01 91
52.	9291789	2001/06	गेटस इंडिया प्रा. लि., गाँव सरसिनी अम्बाला चण्डीगढ़ हाइवे, लालरू	रबड़ होज	02396	88
53.	9291890	2001/07	मरकरी सिलिण्डर्स प्रा. लि., यूपीएसआईडी इंडस्ट्रियल एरिया, साइट बी, आगरा रोड, मथुरा	अल्पदाब द्रवणीय गैसों के लिए 5-लिटर से अधिक जलक्षमता वाले वेल्डित अल्प कार्बन इस्पात के सिलिंडर	03196	01 92
54.	9291991	2001/06	माइना इलैक्ट्रॉनिक्स (प्रा.) लि., 106 उद्योग विहार फेस 4, गुड़गाँव 122 015	स्टार्टिंग युक्तियाँ भाग 2 कार्यकारिता अपेक्षाएं	12449	02 88
55.	9292084	2001/07	सूर्या शक्ति विसल्स प्रा. लि., गाँव डींग समीप असौटी रेलवे स्टेशन बल्लबगढ़	अल्पदाब द्रवणीय गैसों के लिए 5-लिटर से अधिक जलक्षमता वाले वेल्डित अल्प कार्बन इस्पात के सिलिंडर	03196	01 92
56.	9292185	2001/07	क्वालिटी पम्प प्रा. लि., 95-ए दादा नगर कानपुर	गहराई से पानी निकालने के हथबर में घटक—ढलवा लोहा	14101	94
57.	9292286	2001/07	मोहिन्दर पौलिशिंग वर्क्स ग्यासपुर रोड, जी टी रोड, लुधियाना 141 003	अपशिष्ट और संवातन के लिए रेत के साँचों में ढले लोहे के सिपगाँट और सॉकेट पाइप, फिटिंग और सहायकांग	01729	79
58.	9292387	2001/06	सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर घनश्यामधाम पी ओ लालरू जिला नैनीताल 262 402	सादा फोटो कापी के पेपर	14490	97
59.	9292488	2001/06	साई वेल्डिंग टेक्नोलोजी (इंडिया) गाँव साइली समीप एमडीएक्स पब्लिक स्कूल, पठानकोट 145001	हस्त्य धातु आर्क वेल्डिंग के लिए आवृत्त कार्बन और कार्बन मेंगनीज इस्पात इलैक्ट्रोड	00814	9
60.	9292589	2001/06	भारत रसायन एग्री (प्रा) लि., त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब तहसील-नाहन जिला सिरमौर	ईथियॉन ई सी	10319	82

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
61.	9292690	2001/07	पंजाब प्लाईवुड इंडस्ट्रीज खजूरी रोड, यमुना नगर	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतह युक्त पल्ले	02202 01	99
62.	9292791	2001/07	स्मृति प्रॉडक्ट्स प्रा. लि., 55 किमी मील पत्थर स्टेट हाइवे साह अम्बाला-133 104	आंशिक रूप से मक्खन निकाला संशोधित दूध और पूर्णरूप से मक्खन निकाला संशोधित दूध	01166	66
63.	9292892	2001/07	अपोलो पम्प दशमेश नगर सरहिन्द	साफ और ठंडे पानी के लिए क्षैतिज अपकेन्द्री पम्प भाग 1 कृषि और ग्रामीण जल पूर्ति के लिए	06595 01	93
64.	9292993	2001/07	एस. आर. जिन्दल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज ओल्ड सहारनपुर रोड, खसरा नं. 55/3, समीप अग्रसेन चौक, जगाधरी-135 003	परत चढ़ी सजावटी प्लाईवुड	01328	96
65.	9293086	2001/06	भारत ओरगेनिक्स, ए-2/3 यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, सण्डीला, हरदोई	मैलाथियोन ई सी	02567	78
66.	9293187	2001/07	अरूण फाउण्डर्स एण्ड इंजीनियर्स, जी टी रोड, सम्मुख पुराना अमृतसर ऑक्टायू पोस्ट, बटाला-143 505	अपशिष्ट को अरसंवातन के लिए रेत के साँचों में ढले लोहे के सिपगॉट और सॉकेट पाइप, फिटिंग और सहायकांग	01729	79
67.	9293288	2001/07	सैनिक फाइनेंस एण्ड इंडस्ट्रीज लि. गाँव जलिनवाल, पीओ सुथाना तहसील बावल, जिला रेवाड़ी	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	12269	89
68.	9293389	2001/07	एस.एन.डोर्स (इंडिया) प्रा लि, गाँव लालपुर, पीओ ददरौल, जलालाबाद रोड, शाहजहाँपुर-242001	परत चढ़ी सजावटी प्लाईवुड	01328	96
69.	9293490	2001/07	फाइन स्विचगियर्स, 39-40 इंडस्ट्रियल एरिया, फगवाड़ा	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	00694	90
70.	9293591	2001/07	एस.आर.जिन्दल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, समीप अग्रसेन चौक, पुराना सहारनपुर रोड, जगाधरी-135003	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतह युक्त पल्ले	02202 01	99
71.	9293692	2001/07	यश प्लाईवुड प्रा लि, आगरा बाइपास रोड, मैनपुरी	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
72.	9293793	2001/07	भारत रसायन एग्रो (प्रा.) लि., त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब, तहसील नाहन, जिला सिरमौर	कीटनाशक एनिलोफॉस	13403	92
73.	9293894	2001/07	भारत रसायन एग्रो (प्रा.) लि., त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब, तहसील नाहन, जिला सिरमौर	ब्यूटाक्लोरे ई सी	09356	80
74.	9293995	2001/07	भारत रसायन एग्रो (प्रा.) लि., त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब, तहसील नाहन, जिला सिरमौर	आइसोप्रोट्यूरॉन डब्ल्यूपी	11995	87
75.	9294088	2001/07	भारत रसायन एग्रो (प्रा.) लि., त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब, तहसील नाहन, जिला सिरमौर	कीटनाशक कारबेंडाजिम	08446	91
76.	9294189	2001/07	एम.के. प्रॉडक्ट्स प्रा. लि., गाँव सोपता हरफली, तहसील पलवल, फरीदाबाद	कंक्रीट की पटरियाँ एवं संरचनाओं में विस्तार जोड़ों के पूर्व निर्मित परकों (अभिष्कासित एवं लचीले टाइप) भाग 1 डामर मिले रेशे	01838	01 83
77.	9294290	2001/07	रुकमणी पॉलीट्यूबर्स (प्रा.) लि., 43 किमी स्टोन एनएच 10, शिव उद्योग विहार, बहादुरगढ़	पेयजल आपूर्ति के लिए गैर प्लास्टिकृत पीवीसी पाइप	04985	2000
78.	9294391	2001/07	रुकमणी पॉलीट्यूबर्स (प्रा.) लि., 43 किमी स्टोन एनएच 10, शिव उद्योग विहार, बहादुरगढ़	पेयजल आपूर्ति हेतु सीवरोचित पीवीसी फिटिंग	10124	01 88
79.	9294492	2001/08	हिमाचल प्लाईवुड (प्रा.) लि., प्लॉट नं. 1 और 2 इंडस्ट्रियल एरिया शम्शी, कुल्लू	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
80.	9294593	2001/07	नेशनल टाइल्स कारपोरेशन, 36, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, पंचकूला-134113	चकोरदार सीमेंट कंक्रीट टाइलें	13801	93
81.	9294694	2001/07	सुप्रीम एजेन्सिस 135, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, पंचकूला	द्रवचालित डोर क्लोजर	03564	95
82.	9294795	2001/07	सुरिन्दर इंजीनियरिंग कं. लि. गाँव चलहेरी राजपुरा-अम्बाला रोड (एनएच 1) समीप एसवाईएल केनल जिला पटियाला, राजपुरा-141401	मृदु इस्पात की नलियाँ नलिकाकार सामग्रियाँ तथा पिटवां इस्पात की अन्य फिटिंगे	01239	01 90
83.	9294896	2001/07	यूनिवर्सल इंजीनियर्स, 17.6 किमी लखनऊ-बाराबंकी रोड, गाँव मोहम्मदपुर चौकी, बाराबंकी	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458	88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
84.	9294997	2001/07	इंडिया पेस्टीसाइड्स लि., बी-17 से 23 यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, देवा रोड चिन्हात लखनऊ-227105	जिराम, तकनीकी	03900	75
85.	9295090	2001/07	जी के इंडस्ट्रीज ई-18 और 19 फोकल प्वाइंट, डबवाली रोड, भटिंडा	बिजली के पानी गर्म करने के भंडारण किस्म के स्थिर हीटर	02082	93
86.	9295191	2001/08	पनलैंड बेवरेजिज (प्रा) लि., जयपुरा रोड, गाँव दीपनगर तहसील पायल, समीप दोराहा, लुधियाना	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
87.	9295292	2001/08	गोरव फूड प्रॉडक्ट्स, 156, एचसीआईडीसी कुण्डली इंड. एरिया, फेस 11, सोनीपत	बिस्कुट	01011	92
88.	9295393	2001/08	रोबस्ट इंडस्ट्रीज प्रा. लि., 162.3 किमी जी.टी. रोड, समीप गाँव साँवला, कुरुक्षेत्र	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
89.	0205494	2001/07	स्वरूप केमिकल्स (प्रा) लि., जी 31 से 35 यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, देवा रोड, चिन्हात, लखनऊ	गामा - बीएचसी (लिण्डेन) ई सी	00632	78
90.	9295595	2001/07	शिवम प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, गाँव कामीमाजरा, पीओ शादीपुर, खजूरी रोड, यमुना नगर	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
91.	9295696	2001/07	रेडसन टाइल्स एण्ड पेवर्स (प्रा) लि. 375, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 11 पंचकूला	चकोरदार सीमेंट कंक्रीट टाइलें	13801	93
92.	9295797	2001/08	गंगा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, खजूरी रोड, यमुना नगर,	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
93.	9295801	2001/08	गंगा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, खजूरी रोड, समीप ऑक्टराय, यमुना नगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
94.	9295902	2001/08	मैजिक पेंट इंडस्ट्रीज, गाँव टिब्बा सहनेवाल, लुधियाना	सीमेंट रंग रोगन	05410	92
95.	9296092	2001/08	जगदम्बे इंडस्ट्रीज, गाँव नूरपुर डोना, जालंधर रोड, कपूरथला	कुशनिंग के लिए रबड़ चढ़े नारियल जटा की शीट	08391	87
96.	9296193	2001/08	शिवम प्लाईवुड इंडस्ट्रीज गाँव कामीमाजरा, पीओ शादीपुर यमुनानगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
97.	9296294	2001/08	इक्वलमिनरल्स 212, फेस II इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकुला	पैकेजबन्द पेयजल जल (पैकेज बन्द 14543 प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)		98
98.	9296395	2001/08	कंधारी बेवरेजिज लि., गाँव काथा, बदी तहसील नालागढ़, जिला सोलन	पैकेजबन्द पेयजल जल (पैकेजबन्द 14543 प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)		98
99.	9296496	2001/08	आत्म वायर्स, गाँव रतौल बेट कोट-आईसे-खान रोड, जिरा, जिला फिरोजपुर	हस्तय धातु आर्क वेल्डिंग के लिए आवृत्त कार्बन और कार्बन मेंगनीज इस्पात इलैक्ट्रोड	00814	91
100.	9296597	2001/08	माइना इलैक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि., 106, उद्योग विहार, फेस 4, गुड़गाँव	झिरीदार बत्ती उपकरण भाग 5 विशेष अपेक्षाएँ	10322 05 02	85
101.	9296601	2001/08	सम्पन्न ओवरसीज प्रा. लि., जी-51, जैनपुर इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर देहात	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
102.	9296702	2001/08	यश प्लाईवुड प्रा. लि., आगरा बाईपास रोड, मैनपुर	लाकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतह युक्त पल्ले	02202 01	99
103.	9296803	2001/08	एच.पी. एग्रो इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन, लि., पेस्टीसाइड्स फार्मूलेशन यूनिट, प्लॉट नं. 8 सेक्टर 5, परवानू जिला सोलन	फेनवेलोरेट ई सी	11997	87
104.	9296904	2001/08	भारत रसायन एग्रो प्रा. लि., त्रिलोकपुर रोड, कला अम्बा, तहसील नाहन, जिला सिरमौर	एसीफेट एस पी	12916	90
105.	9297094	2001/08	सुदर्शन डोर्स प्रा.लि., विसायकपुर रनिया, कानपुर देहात	लाकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतह युक्त पल्ले	02202 01	99
106.	9297195	2001/08	सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर, धनश्यामधाम पीओ लालकुआं, जिला नैनीताल	प्रिंटिंग और लिखने वाले पेपर	01848	91
107.	9297296	2001/08	राज ज्वेलर्स, 9, जनपथ मार्केट, हरात गंज, लखनऊ-226001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन	01417	99
108.	9297397	2001/08	हरियाणा एग्रो फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्, जी. टी. रोड, शाहबाद मारकण्डा, जिला कुरुक्षेत्र	मैलाथियोन जल पयसनीय चूर्ण सांद्र	2569	78
109.	9297401	2001/08	शिवालिक एग्रो केमिकल्स, बी-59, फेस 7, सासनगर, मोहाली	मेनकोजेब जल पायसनीय चूर्ण सांद्र	08708	78

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
110.	9297502	2001/08	जमुनादास निक्का मल जैल सर्पाफ प्रा.लि, 455 दि माल, लुधियाना-141001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्र धातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन	01417	99
111.	9297603	2001/08	इको केबल्स प्रा. लि., सी-113, फेस 7, इंडस्ट्रियल एरिया, सासनगर, मोहाली, 160055	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	00694	90
112.	9297704	2001/08	क्वालिटी फोम, जी-26, साइट 1, पनकी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर	लेटैक्स फोम रबड़ उत्पाद	01741	60
113.	9297805	2001/08	सिंगला मोटर्स, 5 किमी स्टोन कैथल रोड, करनाल	कृषि अनुप्रयोग के अपकेन्द्री पम्प के लिए तीन फेजीय स्क्वैरल केज प्रेरण मोटर्स	07538	75
114.	9297906	2001/08	लक्ष्मी इंडस्ट्रीज, बी-2, एम आई ई मम्मा चौक बहादुरगढ़	द्रवित पेट्रोलियम गैस के लिए रबड़ की नम्य नालियां	10908	91
115.	9298096	2001/08	नेस्ले इंडिया लि., फिरोजपुर-लुधियाना रोड, मोगा-142001	मलाई युक्त दूध पाउडर भाग 2 अतिरिक्त ग्रेड	13334	02 92
116.	9298197	2001/08	आर.के. बोर्ड इंडस्ट्रीज, गांव घो शतिपुर कण्डीरोड, पटानकोट	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
117.	9298201	2001/08	हीरा इंडस्ट्रीज, प्रीति नगर टांडा रोड जालंधर-144004	घरेलू प्रेशर कुकर	02347	95
118.	9298302	2001/08	एस. एम. वाल्स, डी-41, स्पोर्ट्स एण्ड सर्जिकल गुडस कॉम्प, बस्ती बाव खेल, कपूरथला रोड, जालंधर-144021	जल कल प्रयोजन के लिए ताम्बा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्व	00778	84
119.	9298403	2001/09	एपिक एग्रो गाँव मोहरा जी.टी. रोड, अम्बाला छावनी	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
120.	9298504	2001/09	स्वरूप केमीकल्स प्रा. लि., जी-31 से 35, यूपीएस आई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, देवा रोड चिन्हात, लखनऊ	ब्यूटोक्लोरे ई सी	09356	80
121.	9298605	2001/08	समसंग केबल्स इंडस्ट्रीज, बेगम पुर खटोला रोड, बेहराम पुर गाँव, गुडगाँव	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पी वी सी रोधित केबल	00694	90
122.	9298706	2001/07	आल्विन इंटरप्राइजिज (इंडिया) लि., विद्युत इस्तरी 116, इंडस्ट्रियल एरिया ए लुधियाना		00366	91

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
123.	9298807	2001/07	आल्वन इंटरप्राइज (इंडिया) 116, इंडस्ट्रियल एरिया ए चीमा चौक लुधियाना	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विशेष अपेक्षाएं अनु. 3 विद्युत इस्तरि	0030202 03	92
124.	9298908	2001/09	कोठारी बेवेरेजिज प्रा. लि., 68-बी उद्योग नगर, कानुपर	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
125.	9299001	2001/09	शान एल्युमीनियम कम्पनी, गाँव कमली परवानू, जिला सोलन	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोहित केबल	00694	90
126.	9299102	2001/09	सीएनसी कमर्शियल लि. गाँव मुबारक पुर, तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतह युक्त पल्ले	02202 01	99
127.	9299203	2001/08	सीएनसी कमर्शियल लि., गाँव मुबारक पुर, तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला	ब्लाक बोर्ड	01659	90
128.	9299304	2001/09	एलाइट प्लाईवुड इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., टिम्बर मार्केट, सहारनपुर रोड, यमुना नगर-135001	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
129.	9299405	2001/09	हरियाणा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., 33 किमी स्टोन, जी. टी. करनाल रोड पीओ कुण्डली, जिला सोनीपत-131028	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतह युक्त पल्ले	02202 01	99
130.	9299506	2001/09	एलाइट प्लाईवुड इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., टिम्बर मार्केट, सहारनपुर रोड, यमुना नगर-135001	ब्लाक बोर्ड	01659	90
131.	9299607	2001/09	मेटल मॉल्डर्स, 26 इंड. एक्सटे. एरिया, फेस 1 गंग्याल जम्मू	अग्नि होज प्रदाय युग्मन शाखा पाइप नोजल और नाकजल पाने	00903	93
132.	9299708	2001/09	उर्मिल उद्योग, -टांडा रोड, सम्मुख देवी तालाब मंदिर, जालंधर	बाड लगाने के लिए जस्तीकृत इस्पात के काटेंदार तार	00278	78
133.	9299809	2001/09	एम बी प्लाईवुड इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., पीओ धनपुर रुद्रपुर, जिला यू०एस० नगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
134.	9299910	2001/08	गुरु अमर इंडस्ट्रीज, डी-124, फोकल प्वाइंट, फेस 5, लुधियाना-141010	घरेलू सिलाई मशीन के हैंड	14769	2000
135.	9300057	2001/09	बत्रा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, वीपीओ सैदपुर, तहसील खरखोडा, जिला सोनीपत	ब्लाक बोर्ड	01659	90

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
136.	9300152	2001/09	बन्ना प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, वीपीओ सैदपुर, जटोला रोड, तहसील खरखोडा जिला सोनीपत 130 001	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89.
137.	9300259	2001/09	एशियन इंडस्ट्रीज 119/6 किमी स्टोन जी.टी. रोड, करनाल	V-पट्टे औद्योगिक प्रयोजन के लिए निरन्ज V-पट्टे भाग-1 सामान्य प्रयोजन	02494 01	94
138.	9300360	2001/09	पशुपति सीमेंट्स (प्रा०) लि० 680/1,3,5, पटनवा पो. ओ बसंत नगर पुलिस स्टेशन राननगर जिला चन्दौली	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट	01489 01	91
139.	9300461	2001/09	भाटिया इंडस्ट्रियल कारपो. समीप किंगफिशर गाँव धूलकोट, अम्बाला छावनी	बिजली के पानी गर्म करने के भंडारण किस्म के स्थिर हीटर	02082	93
140.	9300562	2001/09	बेदी एक्सपोर्ट्स इंटरनेशनल सी-89 फोकल प्वाइंट एक्सटें जालंधर	धातुवर्धक ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879	87
141.	9300663	2001/09	त्रवरसे मार्केटिंग सर्विसेस 5, सम्मुख पुलिस लाइन्स सुभाष रोड रोहतक 124 001	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
142.	9300764	2001/09	भारत ऑरगनिक्स ए-2/3 युपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया सण्डीला हरदोई	धिराम बीज उपचारण फार्मूलेशन	04783	82
143.	9300865	2001/09	जम्मू एण्ड कश्मीर मिनरल लि. वूयान सीमेंट फेक्टरी गाँव वूयान जिला श्रीनगर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	08112	89
144.	9300966	2001/09	राजिन्द्रा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., गाँव तमसरा दिल्ली मथुरा रोड पलवल 121 105	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
145.	9301059	2001/09	नवशिखा पोलीपैक इंडस्ट्रीज प्रा. लि., 194, उद्योग विहार गुडगाँव	पेय जल आपूर्ति के लिए गैर- प्लास्टिकृत पीपीसी पाइप	04985	2000
146.	9301160	2001/09	स्टडस एसेसॉरिज लि०, प्लॉट नं० 61 सेक्टर 27 ए फरीदाबाद	औद्योगिक सुरक्षा हेलमेट	02925	84.
147.	9301261	2001/09	जुनेजा मेटल वर्क्स गाँव वरियाना कपूरथला रोड पीओ बस्ती गुर्जा जालंधर 144002	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
148.	9301362	2001/09	बीर वाल्व इंडस्ट्री जी टी रोड बाईपास मकसूदन जालंधर 144008	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
149.	9301463	2001/09	आरको मैनुफैक्चरिंग कं. सी-3, इंडस्ट्रियल एस्टेट जालंधर 144004	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
150.	9301564	2001/09	जय एस इंडस्ट्रीज एस-141 सोडल चौक जालंधर 144004	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
151.	9301685	2001/09	सोंधी मैनुफैक्चरिंग कं. केनल रोड आउटसाइड इंडस्ट्रियल एरिया जालंधर 144001	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
152.	9301766	2001/09	वरुणा इंजी० कं. प्रीत नगर रोड इंडस्ट्रियल एरिया जालंधर 144004	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
153.	9301867	2001/09	एम के वाल्व प्रॉडक्ट्स ई-48, फोकल प्वाइंट एक्सटें० जालंधर	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
154.	9301968	2001/09	सोंधी इंडस्ट्रीज (रजि०) आउटसाइड इंडस्ट्रियल एरिया जालंधर शहर	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
155.	9302061	2001/09	चोपड़ा इंजीनियरिंग कारपो०, बी-1-821 अमन नगर जालंधर	धातुवर्ध दलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879	87
156.	9302162	2001/10	दिनायक एक्वफ्लैक्स (प्रा०) लि० समीप माजरा रोड साहनेवाल ऑक्टराय पोस्ट साहनेवाल कलां जी टी० रोड, लुधियाना	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
157.	9302263	2001/09	मॉडर्न मेलिएबल्स लाम्बा पिंड बाईपास जी टी रोड जालंधर	धातुवर्ध दलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879	87
158.	9302364	2001/10	पंजाब टीक प्लाईवुड इंडस्ट्रीज गॉव कामी-माजरा पीओ शादीपुर खजूरी रोड, यमुनानगर	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
159.	9302465	2001/10	पंजाब टीक प्लाईवुड इंडस्ट्रीज गॉव कामी-माजरा पीओ शादीपुर खजूरी रोड, यमुनानगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
160.	9302566	2001/10	वी एम प्लाईवुड इंडस्ट्रीज शिव विहार सोनीपत रोड पी ओ सॉपला, जिला रोहतक	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
161.	9302667	2001/10	वी एम प्लाईवुड इंडस्ट्रीज शिव विहार सोनीपत रोड, पी ओ सॉपला	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
162.	9302768	2001/10	अग्रवाल टिम्बर प्रॉडक्ट्स डब्ल्यू 9, इंडस्ट्रियल एरिया यमुनानगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
163.	9302869	2001/10	सागर हैल्थ प्रॉडक्ट्स उद्योग नगर बंशीवाला वृन्दावन मथुरा	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
164.	9302970	2001/10	हयूम पाइप इंजीनियर्स (प्रा) लि० रामपुरा देवराज बक्शी का तलाब सीतापुर रोड, लखनऊ	पूर्व ढलित कंकरीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458	88
165.	9303063	2001/10	पंजाब पेस्ट्रीसाइड्स इंडस्ट्रियल कॉ-आप. सोसइटी लि० गाँव खानपुर जिला रोपड़	क्लोरपाइरिफास ई सी	08944	78
166.	9303164	2001/09	राकेन इंडस्ट्रीज लि० बी-4 साइट 1, इंडस्ट्रियल एरिया उन्नाव	बोर नलकूपों के लिए अनम्यकृत पीवीसी जाली और आवरक पाइप	12818	92
167.	9303265	2001/09	सिग्मा सीमेंट्स लि० गाँव धेरोवाल पी और मन्डोली तहसील नालागढ़, जिला सोलन	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	00269	89
168.	9303366	2001/09	हिमाचल स्पन उद्योग गाँव धेरोवाल पीओ मन्डोली तहसील नालागढ़, जिला सोलन	पूर्व ढलित कंकरीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458	88
169.	9303467	2001/09	वीनस इंडस्ट्रीज ई-57 इंडस्ट्रियल एरिया जालंधर 144004	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
170.	9303568	2001/10	लीडर्स पम्प्स एण्ड मोटर्स डी-1/117 संजय कॉलोनी, सैक्टर 23 फरीदाबाद	बिजली के पानी गर्म करने के भंडारण किस्म के स्थिर हीटर	02082	93
171.	9303669	2001/10	डायमण्ड प्लाईवुड इंडस्ट्रीज वीपीओ परवालों पुराना सहारनपुर रोड, जगाधरी 135 003	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
172.	9303770	2001/10	डायमण्ड प्लाईवुड इंडस्ट्रीज वीपीओ परवालों पुराना सहारनपुर रोड, जगाधरी 135 003	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
173.	9303871	2001/10	सेन्चुरी पेनल्स (प्रा.) लि. गाँव गंगेर राम्बा रोड तरोड़ी तहसील निलोखेरी, जिला करनाल	तेल ज्वलन साधित्र (दाब टाइप और बिना दाब टाइप) से संबंधित पारिभाषित शब्दावली	12202	01 99
174.	9303972	2001/10	बामर लॉरी एण्ड कं. लि. मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स पी ओ पानीपत रिफाइनरी बी-बाकिली पानीपत 132140	बंद सिरे वाले बड़े ड्रम	01783	02 88
175.	9304065	2001/10	मनाली फूड एण्ड बेवरेजिज इंडस्ट्रीज गाँव बरिशिंग पीओ बाबेली कुल्लू	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
176.	9304166	2001/10	कोशिका प्लाईवुड (प्रा.) लि. 42 किमी स्टोन दिल्ली रोहतक रोड, पीओ रोड, जिला झज्जर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
177.	9304267	2001/09	स्काईटोन इलैक्ट्रिकल्स (इंडिया) लि. 42 और 43 इंडस्ट्रियल एरिया, एन.आई.टी. फरीदाबाद 121001	अनुप्रस्थ जुड़े हुए पॉलीइथाईलीन विद्युतरोधी ताप स्थायी ढके केबज	07098	01 88
178.	9304368	2001/09	एस.आर.गन पावर इंडस्ट्रीज बी-20/1बी फाउण्ड्री नगर आगरा 282006	सामान्य प्रयोजनों (20 किलोवाट तक) के लिए एक समान गति वाले संपीडन प्रज्वलित (डीजल) इंजनों हेतु कार्यकारिता संबंधित अपेक्षाएं	10001	81
179.	9304469	2001/09	बीर इंडस्ट्रीज जी.टी. रोड बाईपास मकसुडान जालंधर 144 008	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
180.	9304570	2001/10	ईस्टर्न इंडस्ट्रीज 84/14/-ए इंडस्ट्रियल एरिया फजलगंज कानपुर	चमड़े के सुरक्षा बूट और जूते	01989	86
181.	9304671	2001/10	अग्रवाल टिम्बर प्रॉडक्ट्स डब्ल्यू-9 इंडस्ट्रियल एरिया यमुना नगर	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
182.	9304772	2001/10	एडोनिस् मेडीकल इक्विपमेंट्स प्रा. लि. ई-70 फेस 8 इंडस्ट्रियल एरिया मोहाली 160 0055	चिकित्सकीय विद्युत उपस्कर नैदानिक एक्स-रे उपस्कर	07620 01	86
183.	9304873	2001/09	हिन्द आयरन फाउण्ड्री रेलवे रोड बटाला 143 505	अपशिष्ट को अरसंजातन के लिए रेत के सौंचों में ढले लोहे के सिपगॉट और सॉकेट पाइप, फिटिंग और सहायकांग	01729	79

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
184.	9304974	2001/10	ब्लेडिंग एण्ड पैकिंग प्लांट इलाहाबाद यूनिट ऑफ प्राइम सी गाँव धनुआ रेवा हाइवे नैनी 12 किमी	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	12269	87
185.	9305067	2001/10	ब्लेडिंग एण्ड पैकेजिंग प्लांट इलाहाबाद यूनिट ऑफ प्राइम सी गाँव धनुआ रेवा हाइवे नैनी 12 कि.मी. फ्राम इलाहाबाद, इलाहाबाद	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट	01489	01 91
186.	9305168	2001/10	ब्लेडिंग एण्ड पैकेजिंग प्लांट इलाहाबाद यूनिट ऑफ प्राइम सी गाँव धनुआ रेवा हाइवे नैनी 12 कि.मी. फ्राम इलाहाबाद, इलाहाबाद	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	08112	89
187.	9305269	2001/10	सरस्वती स्टील इंड. गाँव धुरकारा हिस्सार रोड अम्बाला छावनी	इस्पात के ढक्कनदार कब्जे	01341	92
188.	9305370	2001/10	गोयल एक्वा एण्ड पैकेजर्स प्रा. लि. 399 इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 2 पंचकूला	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
189.	9305471	2001/09	ई.एच.वी.पावर केबल एण्ड वायर प्रा.लि. 1-सी-II इंड. एक्सटेंशन गाँधी नगर जम्मू 180 004	पीवीसी रोधित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए	01554	01 88
190.	9305572	2001/10	जय श्री रसायन उद्योग लि. वीपीओ नाथुपर, जिला सोनीपत	कीटनाशक-फोरेट जी सम्पूटित	09359	95
191.	9305673	2001/10	हीमन्स प्रॉडक्ट्स प्रा. लि. प्लॉट नं. 14 न्यू डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद 121 003	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98
192.	9305774	2001/10	स्वरूप केमीकल्स (प्रा.) लि. जी-31 से 35 यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया देवा रोड, चिन्हात लखनऊ	क्लोरोपाइरिफास ई सी	08944	78
193.	9305875	2001/10	बंसल ट्यूब्स (आर सी सी) वीपीओ देहलान मेहनतपुर, जिला उना	पूर्वडलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458	88
194.	9305976	2001/10	भगवती पैट (इंडिया) प्रा. लि. 35/बी/22 मॉडल टाउन, बरेली 342 005	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
195.	9306069	2001/09	हिमालयन पेट्रो प्रॉडक्ट्स एण्ड एलाइड वर्क्स (प्रा) लि लामाचौर हल्द्वानी, जिला नैनीताल	पेराफिन मोम	04654	93
196.	9306170	2001/10	जय बालाजी प्लाईवुड इंडस्ट्रीज (प्रा) लि. जटोला रोड, गाँव सैदपुर, जिला सोनीपत	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
197.	9306271	2001/10	बिमल एल्युमीनियमस (प्रा) लि. 31-ए शिव शंकर नगर ओरिएन्टल इश्योरेंस कं. लि. के पीछे कोर्ट रोड, जगाधरी 135 003	घरेलू प्रेशर कुकर	02347	95
198.	9306372	2001/10	अनीता साइंटिफिक ग्लास एण्ड प्लास्टिक वर्क्स 27, प्रताप नगर पुलिस स्टेशन रोड, पीओ महेश नगर अम्बाला छावनी 133 001	विधि से दूध बसा के के लिए यंत्र	01223	03 82
199.	9306473	2001/10	कृष्णा रबड़ इंटरप्राइसेज जी.टी. रोड, उधानी करनाल 132 001	V-पट्टे औद्योगिक प्रयोजन के लिए निरन्ज V-पट्टे भाग 1 सामान्य प्रयोजन	02494	01 94
200.	9306574	2001/10	लिबर्टी प्लाईवुड (प्रा) लि. वीपीओ वेपला जगाधरी रोड, अम्बाला छावनी	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
201.	9306675	2001/10	लिबर्टी प्लाईवुड (प्रा) लि. वीपीओ वेपला जगाधरी रोड, अम्बाला छावनी	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
202.	9306776	2001/10	सी.आर. औलक एण्ड संस लि. 426 इंडस्ट्रियल एरिया लुधियाना 141 003	लाइट ड्यूटी सिलाई मशीन	12109	87
203.	9306877	2001/10	पॉली प्रोसेस इंजीनियर्स 131 इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, चंडीगढ़ 160 002	अंग्रेजी टट्टियों और मुत्रालयों के लिए प्लास्टिक के प्रधावन टंकिया	07231	94
204.	9306978	2001/10	लीडर वाल्व्स लि. एस-3, एस-4 इंडस्ट्रियल टाउन जालंधर	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
205.	9307071	2001/10	क्वालिटी स्पन पाइप फैक्टरी गाँव ताहिल साहिब, पीओ करतारपुर जिला जालंधर	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458	88

[फा.सं. सीएमडी-4/13:11]

एस. के. चौधरी, उप महानिदेशक

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

(BUREAU OF INDIAN STANDARDS)

New Delhi, the 17th March, 2004

S.O. 745.—In pursuance of Sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) regulations, 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule :

SCHEDULE

Sl.No.	Licence No.	Operative Date Year/Month	Name & Address of the Party	Title of the Standards	IS No.	Part Sec. year
1	2	3	4	5	6	
1.	9286695	2001/06	Gujarat Ambuja Cement Ltd. Near Gurunanak Dev Thermal Plant Malout Road, Bhatinda-151005.	OPC 33 Grade	00269	89
2.	9286796	2001/06	Gujarat Ambuja Cement Ltd. Near Gurunanak Dev Thermal Plant Malout Road, Bhatinda-151005.	43 Grade OPC	00112	89
3.	9286897	2001/06	Fine Switchgears 39-40, Industrial Area Phagwara-144401	Electrical Accessories Circuit	00528	96
4.	9286901	2001/06	Dharam.Engineering Co. G.T. Road, Batala-143505	Cast Iron Detachable Joint	08794	88
5.	9287091	2001/06	Jyoti Plywood Industries Industrial Estate Phase-I Yamunanagar-135001	Plywood for General Purposes	00303	89
6.	9287192	2001/06	Goel Chemicals 188, Nagraur Gonda Road, Bahraich	Malation WP	02569	78
7.	9287293	2001/06	Supreme Lumbers Plot No, 20B Sector 1 Parwanoo, Distt. Solan	Plywood for General Purposes	00303	89
8.	9287394	2001/06	Markfed Agro Chemicals 7 & 8B, Industrial Area Phase I, Mohali.	Butachlor EC	09356	80
9.	9287495	2001/06	Varun Beverages Ltd., 10th Km. Stone Agra Delhi Highway Vill. Dautana Teh. Chhatta Distt. Mathura	Packaged Drinking Water	14543	98
10.	9287596	2001/06	Commercial Sales Corporation 21, Panchwati Colony Picnic Spot Road Near Nainital, Public School, Mahanagar, Lucknow-226006	Hand Operated Knapsack Sprayer	03906	95
11.	9287697	2001/06	Modern Wood Industries Jhota Road, Jagadhri	Block Boards	01659	90

1	2	3	4	5	6	
12.	9287701	2001/06	Modern Wood Industries Jhota Road, Jagadhri	Plywood for General Purposes	00303	89
13.	9287802	2001/06	Iceberg Foods Ltd. 44th Km Delhi-Rohtak Highway Vill. & Post Rohad, Distt. Jhajjar	Packaged Drinking Water	14543	98
14.	9287903	2001/06	Square Mineral Water Pvt. Ltd., 321, Phase IX Industrial Area, Mohali	Packaged Drinking Water	14543	98
15.	9288093	2001/06	Juneja Metal Works Vill. Variana Kapurthala Road PO Basti Guzan, Jalandhar-144002	General Purpose Ball Valves	09890	81
16.	9288194	2001/06	Jai Balaji Plywood Industries Pvt. Ltd. Jatola road Vill. Saidpur Auchandi Border Distt: Sonapat	Plywood for General Purposes	00303	89
17.	9288295	2001/06	Daily Agro Milk Foods India Pvt. Ltd. 9A, HSIDC Indl. Estate Kundli Distt : Sonapat - 131028	Packaged Drinking Water	14543	98
18.	9288396	2001/06	Nestle India Ltd. Patti Kalyana Kiwana Road Samalkha - 132101	Packaged Drinking Water	14543	98
19.	9288497	2001/06	Oswal Electricals (Pumps) 71/3 Milestone G.T. Road Karnal.	Three Phase Induction Motors	00325	96
20.	9288501	2001/06	Arihant Beverages Pvt. Ltd. E-25, UPSIDC Site C Indl. Area Vill. Artoni Sikandra Agra	Packaged Drinking Water	14543	98
21.	9288602	2001/06	Jay Kay Beverages 262, Kampoo Ghat Ice Factory Compound, Mathura	Packaged Drinking Water	14543	98
22.	9288703	2001/06	Asianlak Health Foods Ltd. VPO Janmdiali-Near Kohara Distt : Ludhiana	Packaged Drinking Water	14543	98
23.	9288804	2001/06	Swarup Chemicals (P) Ltd. G 31 To 345 UPSIDC Industrial Area, Dewa Road, Chinhat Lucknow	Monocrotophose SL.	08074	90
24.	9288905	2001/06	Kasrija Cotton Ginning & Pressing Factory, Jalalabad Road, Mukatsar - 152026	Packaged Drinking Water	14543	98
25.	9289095	2001/06	Sabas Foods India Pvt. Ltd., 3-B, Industrial Estate Birpur, Bari Brahmna, Jammu	Packaged Drinking Water	14543	98

1	2	3	4	5	6
26.	9289196	2001/06	Premier Ispat (P) Ltd. F4 & F5 UPSIDC Indl. Area Jainpur Kanpur Dehat-	Deformed Steel Bar and Wires for Concrete Reinforcement	01786. 85
27.	9289297	2001/06	Kissan Duddh Udyog Ltd. Vill. Thiriawal, PO Dhandoi Sh. Hargobindpur Road Teh. Batala Distt. : Gurdaspur	Skimmed Milk Powder	13334 01 98
28.	9289301	2001/06	Khukhrain Food Products (P) Ltd. 102 Industrial Area (HPSIDC) Baddi Distt. : Solan	Packaged Drinking Water	14543 98
29.	9289402	2001/06	Supreme Lumbers Plot No. 20B Sector I Parwanoo Distt. : Solan	Block Boards	01659 90
30.	9289503	2001/06	Pepsico India Holdings Pvt. A-2, UPSIDC Indl. Area, Site II Bazpur 262401 Distt. : U.S. Nagar	Packaged Drinking Water	14543 98
31.	9289604	2001/06	R.K. Pipe, Industries Barnala Road Raikot, Ludhiana -141109	Precast Concrete Pipes	00458 88
32.	9289705	2001/06	Oriental Ceramics & Refractories Pvt. Ltd. Vill. Daon Tehsil Mohali, Distt. : Ropar	Precast Concrete Pipes	00458 88
33.	9289806	2001/06	Farid Agro Tech. India 4th Km. Stone NH 15 Kotkapura Raod, Faridkot-151203	Packaged Drinking Water	14543 98
34.	9289907	2001/06	Empire Asbestos C-18, Industrial Area Phase I Mohali	Asbestos Cement Pressure Pipes	01592 89
35.	9290080	2001/06	Densons Poly Products Ltd. GP 37 HSIDC Sector 18, Gurgaon-122001	Packaged Drinking Water	14543 98
36.	9290181	2001/06	Gemini Food & Beverages Pvt. Ltd., 11/7 Milestone, Mathura Road, Faridabad	Packaged Drinking Water	14543 98
37.	9290282	2001/06	Nuchem Weir Ltd. 20/6, Mathura Road, Faridabad	Packaged Drinking Water	14543 98
38.	9290382	2001/06	Modern Beverages Mirasahib Block R.S. Pura Jammu	Packaged Drinking Water	14543 98
39.	9290494	2001/06	Bharat Rasayan Agro (P) Ltd., Trilokpur Road Kala Amb Teh. Nahan, Distt. : Sirmour	Chlorpyrifos EC	08944 78

1	2	3	4	5	6	
40.	9290585	2001/06	Bharat Rasayan Agro (P) Ltd., Trilokpur Road Kala Amb Teh. Nahan, Distt : Nahan	Fenvalerate EC	11997	87
41.	9290686	2001/06	Classic Watek India Pvt. Plot No. 11 Sector 4 IMT Manaesar Gurgaon-	Packaged Drinking Water	14543	98
42.	9290787	2001/06	G.K. Dairy and Milk Products 196/231, Sikri Harfala Road, Ballabhgarh Faridabad-	Skimmed Milk Powder	13334 01	98
43.	9290888	2001/06	Magna Marketing D-3, Road No. 3 Udyog Kunj Panki Industrial Area, Site 1, Kanpur-	Blades Surgical, Detachable	03319	95
44.	9290989	2001/06	Amba Plastic Industries Vill., Rampura Ram Nagar Road, Kashipur Distt. : U.S. Nagar-	Conduit for Electrical Installa	09537 03	83
45.	9291082	2001/06	Sri Sai Aqua Minerals 20/6, DLF Industrial Area Phase 1, Faridabad-121003	Packaged Drinking Water	14543	98
46.	9291183	2001/06	Dee Kay Exports 24, Industrial Estate Phase 1 Yamunanagar-	Zinc Sulphate Heptahydrate, Agri	08249	94
47.	9291284	2001/06	Prestige International 9, Ram Bagh Bullandpur Road Transport Nagar Jalandhar-144004	Copper Alloy Gate Globe & Check Valves	00778	84
48.	9291385	2001/06	Hindustan Safety Glass Works Ltd. Bamrauj Allahabad-211012	Safety Glass	02553 01	90
49.	9291486	2001/05	Essar Cables & Conductors HPSIDC BJ, Industrail Estate Baddi	Alum. Conductors for Overhead Transmission Purposes	00398 01	96
50.	9291587	2001/06	Sidwal Refrigeration Indust. Ltd. Manthepaj, Nahan Road Kala AMR Distt. Sirmour	Self Contained Drinking Water Coolers	01475	78
51.	9291688	2001/07	Navjot Cement Construction (P) Ltd. Vill., Chahel Faridkot	Portland Pozzolana Cement	01489 01	91
52.	9291789	2001/06	Gates (India) Pvt. Ltd. Vill. Sarsini Ambala Chandigarh Highway Lalru	Rubber Hose for Fuel, Fencing	02396	88
53.	9291890	2001/07	Mercury Cylinders Pvt. Ltd. UPSIDC Industrial Area Site B Agra Road, Mathura	Welded Low Carbon Steel Cylinders	03196 01	92
54.	9291991	2001/06	Myna Electronics (P) Ltd. 106, Udyog Vihar Phase IV, Gurgaon-122015	Satrtng Devices	12449 02	88

1	2	3	4	5	6
55.	9292084	2001/07	Surya Shakti Vessels Pvt. Ltd. Vill. Deeg Near Asaoti, Railway Station Ballabgarh—	Welded Low Carbon Steel, Cylinders	03196 01 92
56.	9292185	2001/07	Quality Pump Pvt. Ltd. 95-A, Dada Nagar, Kanpur—	Deepwell Handpump Components	14101 94
57.	9292286	2001/07	Mohinder Polishing Works Giaspur Road, G.T. Road Ludhiana—141003	Sand Cast Iron SPIGOT and Sockets	01729 79
58.	9292387	2001/06	Century Pulp and Paper Ghanahyamdham PO Lalkau Distt : Nainital—262402	Plain Paper	14490 97
59.	9292488	2001/06	Sai Welding Technology (India) Vill. Saili, Near MDX Public School Pathankot—145001	Covered Electrodes For Manual	00814 91
60.	9292589	2001/06	Bharat Rasayan Agro (P) Ltd. Trilokpur Road Kala AMB Tehsil Nahan Distt : Sirmour—	Ethion EC	10319 82
61.	9292690	2001/07	Punjab Plywood Industries Khajuri Road Yamunanagar—	Wooden Flush Door Shutters	02202 01 99
62.	9292791	2001/7	Smriti Products Pvt. Ltd. 55, KM Mile Stone State Highway Saha Ambala—133104	Condensed Milk	01166 86
63.	9292892	2001/07	Appollo Pumps Dashimesh Nagar Sirhind	Horizontal Centrifugal Pumps	06595 01 93
64.	9292993	2001/07	S. R. Jindal Plywood Industries Old Saharanpur Road With Khasra No. 55/3, Near Aggarsain Chowk Jagadhri—135003	Veneered Decorative Plywood	01328 96
65.	9293086	2001/06	Bharat Organics A-2/3, UPSIDC Industrial Area, Sandila Hardoi—	Malathion EC	02567 78
66.	9293187	2001/07	Arun Founders and Engineers G. T. Road Opp. Old Amritsar Octroi Post Batala—143505	Sand Cast Iron Spigot and Sockets	01729 79
67.	9293288	2001/07	Sainik Finance & Industries Ltd. Vill. Jalinwal PO Suthana Teh. Bawal, Distt : Rewari—	53 GRADE Op	12269 89
68.	9293389	2001/07	S. N. Doors (India) Pvt. Ltd. Vill. Lalpur PO Dadraul, Jalalabad Road, Shahjahanpur—242001	Veneered Decorative Plywood	01328 96
69.	9293490	2001/07	Fine Swithgears 39-40, Industrial Area, Phagwara—	PVC Insulated Cables	00694 90
70.	9293591	2001/07	S. R. Jindal Plywood Industries Near Aggarsain Chowk Old, Saharanpur Road, Jagadhri—135003	Wooden Flush Door Shutters	02202 01 99

1	2	3	4	5	6	
71.	9293692	2001/07	Yash Plywood Pvt. Ltd. Agra bye Pass Road Mainpuri	Plywood for General Purposes	00303	89
72.	9293793	2001/07	Bharat Rasayan Agro (P) Ltd. Trilokpur Road Kala AMB Teh. Nahan Distt : Sirmour	Pesticide Anilophos	13403	92
73.	9293894	2001/07	Bharat Rasayan Udyog Agro (P) Ltd. Trilokpur Road Kala AMB Teh. Nahan Distt : Sirmour	Butachlor EC	09356	80
74.	9293995	2001/07	Bharat Rasayan Udyog Agro (P) Ltd. Trilokpur Road Kala AMB Teh. Nahan Distt : Sirmour-	Isoproturon, WP	11995	87
75.	9294088	2001/07	Bharat Rasayan Udyog Agro (P) Ltd., Trilokpur Road Kala Amb Teh. Nahan Distt : Sirmour	Pesticide Carbendazim	08446	91
76.	9294189	2001/07	M. K. Products Pvt. Ltd., Vill. Softa Harfali Teh. Palwal, Faridabad	Fillers for Expansion Joint in	01838	01 83
77.	9294290	2001/07	Rukmini Polytubers (P) Ltd. 43, KM Stone NH-10 Shiv Udyog Vihar, Bhadurgarh	Unplasticized PVC Pipes	04985	2000
78.	9294391	2001/07	Rukmini Polytubes (P) Ltd., 43, KM Stone NH-10 Shiv Udyog Vihar, Bahadurgarh.	PVC Fittings for Potable water	10124	01 88
79.	9294492	2001/08	Himachal Plywood (P) Ltd., Plot No. 1 & 2 Industrial Area, Shamshi Kulu	Packaged Drinking Water	14543	98
80.	9294593	2001/07	National Tiles Corporation, 36, Industrial, Area Phase I, Panchkula-134113	Chequered Cement Concrete	13801	93
81.	9294694	2001/07	Supreme Agencies, 135, Industrial Area Phase I, Panchkula	Hydraulically Regulated Door Closers	03564	95
82.	9294795	2001/07	Suprindera Engineering Co. Ltd., Vill. Chalheri Rajpura-Ambala, Road, (NH-I) Near SYL-CANAL Distt. Patiala Rajpura-140401.	Mild Steel tubes, Tubulars	01239	01 90
83.	9294896	2001/07	Universal Engineers, 17.6 KM Lucknow-Barabanki Road Vill. Mohaminadpur Chowk, Barabanki	Precast Concrete Pipes	00458	88
84.	9294997	2001/07	India Pesticides Ltd., B-17 to 23 UPSIDC Industrial, Area, Deva Road, Chinhaat, Lucknow-227105	Ziram, Technical	03900	75

1	2	3	4	5	6
85.	9295090	2001/07	Gee Kay Industries E-18 & 19, Focal Point Dabwali Road, Bhatinda	Stationary storage etc. Water Heaters	02082 93
86.	9295191	2001/08	Punland Beverages (P) Ltd., Jaipura Road Vill. Deepnagar, Teh. Payal, Near Doraha, Ludhiana	Packaged Drinking Water	14543 98
87.	9295292	2001/08	Gorav Food Products 156, HSIDC Kundli Industrial Area, Phase 11, Sonapat	Biscuits	01011 92
88.	9295393	2001/08	Robust Industries Pvt. Ltd., 162.3 K.M. G.T. Road, Near Vill. Sanwla, Kurukshetra	Packaged Drinking Water	14543 98
89.	9295494	2001/07	Swarup Chemicals Pvt. Ltd., G-31, to 35, UPSIDC Industrial Area Dewa Road, Chinhat, Lucknow-	Gamma-BHC (Lindane) EC	00632 78
90.	9295595	2001/07	Shivam Plywood Industries Vill. Kamimajra PO Shadipur, Khajuri Road, Yamunanagar	Block boards	01659 90
91.	9295696	2001/07	Redsun Tiles and Pavers, (P) Ltd., 375, Industrial Area, Phase-II, Panchkula	Chequered Cement Concrete Tiles	13801
92.	9295797	2001/08	Ganga Plywood Industries, Khajuri Road, Yamunagar	Block Boards	01659 90
93.	9295801	2001/08	Ganga Plywood Industries, Khajuri Road, Near Octroi, Yamunagar	Plywood for General purposes	01659 89
94.	9295092	2001/08	Magic paint Industries, Vill. Tibba Sahnewal, Ludhiana	Cement Plant	00303 92
95.	9296609	2001/08	Jagdamba Industries, Vill. Noorpur Dona, Jalandhar Road, Kapurthala	Rubberized coil sheets for Cushioning	08391 87
96.	9296193	2001/08	Shivam Plywood Industries, Vill. Kamimajra, PO Shadipur, Khajuri Road, Yamunanagar	Plywood for General purposes	00303 89
97.	9296294	2001/08	Equal Minerals 212, Phase II, Industrial area, Panchkula-134113	Packaged Drinking Water	14543 98
98.	9296395	2001/08	Kandhari Beverages Ltd., Vill. Katha, Baddi Teh. Nalagarh Distt. Solan	Packaged Drinking Water	14543 98
99.	9296496	2001/08	Atam Wires Vill. Ratoui, Bet Kot-ISE-Khan Road Zira, Distt. Ferozepur	Covered electrodes for Manual	00814 91

1	2	3	4	5	6
100.	9296597	2001/08	Myna Electronics Pvt., Ltd., 106, Udyog Vihar, Phase IV Gurgaon.	Luminaires	10322 05 02 85
101.	9296601	2001/08	Sampann Overseas Pvt., Ltd., G-51, Jainpur Industrial Area, Kanpur Dehat.	Packaged Drinking Water	14543 98
102.	9296702	2001/08	Yash Plywood Pvt. Ltd., Agra Bye Pass Road, Mainpuri.	Wooden Flush Door Shutters	02202 01 99
103.	9296803	2001/08	H.P. Agro Industries, Corporation Ltd., Pesticides Formulation Unit, Plot No. 8, Sector 5 Parwanoo Distt. : Solan.	Fenvalerate EC	11997 87
104.	9296904	2001/08	Bharat Rasayan Agro (P) Ltd., Trilokpur Road Kala AMB, Teh. Nahan Distt. : Sirmour.	Acephate SP	12916 90
105.	9297094	2001/08	Sudarshan Doors Pvt. Ltd., Visayakpur Rania, Kanpur Dehat.	Wooden Flush Door Shutters	02202 01 99
106.	9297195	2001/08	Century Pulp And Paper, Ghanshyamdhara PO Lalkua, Distt. : Nainital.	Writing And Printing Papers	01848 91
107.	9297296	2001/08	Raj Jewellers, 9, Janpath Market Harrat Ganj, Lucknow-226001.	Gold And Gold Alloys, Jewellery/	01417 99
108.	9297397	2001/08	Haryana Agro Fertilizers And Chemical, G.T. Road Shahbad Markanda, Distt. : Kurukshetra.	Malathion Water DP	02569 78
109.	9297401	2001/08	Shivalik Agro Chemicals, B-59, Phase VII Sas Nagar, Mohali.	Mancozer Water DP	08708 78
110.	9297502	2001/08	Jamna Dass Nikka Mal Jain, Saraf Pvt. Ltd., 455, The Mall, Ludhiana - 141001	Gold And Gold Alloys, Jewellery	01417 99
111.	9297603	2001/08	Ecko Cables (P) Ltd., C-113, Phase VII, Industrial Area, Sas Nagar, Mohali-160055	PVC Insulated Cables	00694 90
112.	9297704	2001/08	Kwality Foam, G-26, Site 1, Panki Industrial Area, Kanpur.	Latex Foam Rubber Product	01741 60
113.	9297805	2001/08	Singla Motors, 5KM Stone Kaithal Road, Kamal.	Three Phase Squirrel Cage Induction Motors	07538 75

1	2	3	4	5	6
114.	9297906	2001/08	Laxmi Industries, B-2, MIE Mamma Chowk, Bahadurgarh.	Flexible Rubber Tubing	10908 91
115.	9298096	2001/08	Nestle India Ltd., Ferozepur-Ludhiana Road, Moga-142001.	Skimmed Milk Powder	13334 02 92
116.	9298197	2001/08	R.K. Road Industry, Vill. Gho Shatipur Kandi Road, Pathankot.	Plywood for General Purposes	00303 89
117.	9298201	2001/08	Heera Industries, Preet Nagar Tanda Road, Jalandhar-144004.	Domestic Pressure Cookers	02347 95
118.	9298302	2001/08	ESSEMM Valves, D-41, Sports and Surgical Goods, Comp. Basti Bawa Khel, Kapurthala Road, Jalandhar-144021	Copper Alloy Gate Globe and Check Valves	00778 84
119.	9298403	2001/09	Epic Agro, Vill. Mohra, G.T. Road, Ambala Cantt.	Packaged Drinking Water	14543 98
120.	9298504	2001/09	Swarup Chemicals (P) Ltd., G-31 to 35, Upside Industrial Area, Dewa Road, Chinhat, Lucknow.	Butachlor EC	09356 80
121.	9298605	2001/08	Samsun Cables Industries, Begum Pur, Khatola Road, Behram Pur Vill., Gurgaon.	PVC Insulated Cables	00694 90
122.	9298706	2001/07	Allwyn Enterprises (India), 116, Industrial Area A, Ludhiana.	Electrical Irons	00366 91
123.	9298807	2001/07	Allwyn Enterprise (India), 116, Industrial Area A, Chemma Chowk, Ludhiana.	Household and Similar Elec. Appliances	00302 02 03 92
124.	9298908	2001/09	Kothari Beverages Pvt. Ltd., 68-B, Udyog Nagar, Kanpur.	Packaged Drinking Water	14543 98
125.	9299001	2001/09	Shan Aluminium Company, Vill. Kamli Parwanoo, Distt : Solan.	PVC Insulated Cables	00694 90
126.	9299102	2001/09	CNC Commercial Ltd., Vill. Mubarkpur, Teh. Derabassi, Distt : Patiala.	Wooden Flush Door Shutters	02202 01 99
127.	9299203	2001/08	CNC Commercial Ltd., Vill. Mubarkpur, Teh. Derabassi, Distt : Patiala.	Block Boards	01659 90
128.	9299304	2001/09	Elite Plywood Industries (P) Ltd., Timber Market Saharanpur Road, Yamunanagar-135001.	Plywood for General Purposes	00303 89

1	2	3	4	5	6
129.	9299405	2001/09	Haryana Plywood Industries (P) Ltd., 33 KM Stone on G.T. Karnal Road, PO Kundli, Distt : Sonapat-131028	Wooden Flush Door Shutters	02202 01 99
130.	9299506	2001/09	Elite Plywood Industries (P) Ltd., Timber Market, Saharanpur Road, Yamunanagar-135001	Block Boards	01659 90
131.	9299607	2001/09	Metal Moulders, 26 Indl. Ext. Area, Phase I, Gangyal Jammu	Fire Hose Delivery Couplings	00903 93
132.	9299708	2001/09	Urmil Udyog, Tanda Road, OPP. Devi Talab Mandir, Jalandhar	Galvanized Steel Barred Wire	00278 78
133.	9299809	2001/09	M.B. Plywood Industries (P) Ltd., P.O. Danpur Rudrapur, Distt. U.S. Nagar	Plywood For General Purposes	00303 89
134.	9299910	2001/08	Guru Amar Industries, D-124, Focal Point, Phase-V, Ludhiana-141010	Household Sewing Machine Head	14769 2000
135.	9300057	2001/09	Batra Plywood Industries, VPO Saidpur, Teh. Kharkhoda, Distt. Sonapat	Block Boards	01659 90
136.	93002562	2001/09	Batra Plywood Industries (P) Ltd., VPO Saidpur, Jatola Road, Teh. Kharkhoda, Distt. Sonapat-131001	Plywood for General Purposes	00303 89
137.	9300259	2001/09	Asian Industries, 119/6 KM Stone, G.T. Road, Karnal	V. Belts Endless V Belts for Industrial Purposes	02494 01 94
138.	9300360	2001/09	Pashupati Cement (P) Ltd., 680/1.3.5 Patanwa, PO Basant Nagar Police Station, Ran Nagar, Distt. Chandauli	Portland Pozzolana Cement	01489 01 91
139.	9300461	2001/09	Bhatia Industrial Corpn., Near Kingfisher Vill. Dhulkot Ambala City	Stationary Storage Ele. Water Heater	02082 93
140.	9300562	2001/09	Bedi Exports International, C-89 Focal Point Exten. Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879 87
141.	9300663	2001/09	Traverse Marketing Services 5, Opposite Police Lines, Subash Road, Rohtak-124001	Packaged Drinking Water	14543 98
142.	9300764	2001/09	Bharat Organics, A-2/3 UPSIDC Industrial Area, Sandila Hardoi	Thiram Seed Dressing	04783 82

1	2	3	4	5	6
143.	9300865	2001/08	Jammu and Kashmir Mineral Ltd., Wuyan Cement factory, Vill. Wuyan, Distt. Srinagar,	43 Grade OPC	08112 89
144.	9300966	2001/09	Rajindra Plywood Industries Pvt. Ltd., Vill. Tumsara, Delhi Mathura Road, Palwal-121105	Block Boards	01659 90
145.	9301059	2001/09	Navshikha Polypack Industries Pvt. Ltd., 194, Udyog Vihar, Phase-I, Gurgaon-	Unplasticized PVC Pipes	04985 2000
146.	9301160	2001/09	Studs Accessories Ltd., Plot No. 61, Sector 27 A, Faridabad(Haryana)	Industrial Safety Helmet	02925 84
147.	9301260	2001/09	Juneja Metal Works, Vill. Varianta Kapurthala Road, PO Basti Guzan, Jalandhar-144002	Sluice Valve For Water Works Purposes	14846 2000
148.	9301362	2001/09	Bir Valve Industry, G.T. Road Bye Pass Maqsudan, Jalandhar-144008	Sluice Valve For Water Works Purposes	14846 2000
149.	9301463	2001/09	Aarko Manufacturing Co., C-3, Industrial Estate, Jalandhar-144004	Sluice Valve For Water Works Purposes	14846 2000
150.	9301564	2001/09	Jay ESS Industries, S-141 Sodal Chowk, Jalandhar-4	Sluice Valve For Water Works Purposes	14846 2000
151.	9301685	2001/09	Sondhi Manufacturing Co., Canal Road, Outside Industrial Area, Jalandhar-144001	Sluice Valve For Water Works Purposes	14846 2000
152.	9301766	2001/09	Varuna Engg. Co., Preet Nagar Road, Industrial Area, Jalandhar-144004	Sluice Valve For Water Works Purposes	14846 2000
153.	9301867	2001/09	M.K. Valve Products, E-48, Focal Point Ext., Jalandhar	Sluice Valve For Water Works Purposes	14846 2000
154.	9301968	2001/09	Sondhi Industries (Regd.), Outside Industrial Area, Jalandhar.	Sluice Valve For Water Works Purposes	14846 2000
155.	9302061	2001/09	Chopra Engineering Corpon., B-1-821, Aman Nagar, Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879 87
156.	9302162	2001/10	Dinaik Aqaflux (P) Ltd., Near Majra Road, Sahnewal Octroi, Post Sahnewal Kalan, G.T. Road, Ludhiana	Packaged Drinking Water	14543 98

1	2	3	4	5	6
157.	9302263	2001/09	Modern Malleables Lamba Pind, Bypass G.T. Road, Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879 87
158.	9302364	2001/10	Punjab Teak Plywood Industries Vill., Kami Majra, P.O. Shadipur Khajuri Road, Yamuna Nagar.	Block Boards	01659 90
159.	9302465	2001/10	Punjab Teak Plywood Industries Vill., Kami Majra, P.O. Shadipur Khajuri Road, Yamuna Nagar.	Plywood for General, Purposes	00303 89
160.	9302566	2001/10	V. M. Plywood Industries, Shiv Vihar, Sonapat Road, P. O. Sampla Distt. Rohtak.	Block Boards	01659 90
161.	9302667	2001/10	V. M. Plywood Industries Shiv Vihar, Sonapat Road, P. O. Sampla, Distt. Rohtak.	Plywood for General Purposes	00303 89
162.	9302768	2001/10	Aggarwal, Timber Products W 9, Industrial Area Yamuna Nagar.	Plywood for gemneral purposes	00303 89
163.	9302869	2001/10	Sagar Health Products, Udyog Nagar Banshiwala Vrindaran Mathura.	Packaged Drinking Water	14543 98
164.	9302970	2001/10	Hum Pipe Engineers (P) Ltd., Rampur Devraj Bakshi Ka Talab, Sitapur Road, Lucknow.	Precast Concrete Pipes	00458 88
165.	9303063	2001/10	Punjab Pesticides Industial Coop. Society Ltd., Vill. Khanpur Distt. Ropar.	Chlorpyrifos EC	08944 78
166.	9303164	2001/09	Raken Industries Ltd., B-4 Site-1 Industrial Area, Unnao.	PVC Scareen ans Casing Pipes	12818 92
167.	9303265	2001/09	Sigma Cements Ltd., Vill.Dherowal, P.O. Manjauli, Tehsil Najagarh, Distt. Solan.	OPC 33 Grade	00269 89
168.	9303366	2001/09	Himachal Spun Udyog, Vill. Dherowal, P.O. Manjauli, Teh. Nalagarh, Distt. Solan	Precast Concrete Pipes	00458 88

1	2	3	4	5	6
169.	9303467	2001/09	Venus Industries E-57, Industrial Area, Jalandhar-144004	Sluice Valve for Water Works Purposes	14846 00
170.	9303568	2001/10	Leaders Pumps and Motors, D-1/117 Sanjay Colony, Sector 23, Faridabad	Stationary Storage Ele. Water Heaters	02082 93
171.	9303569	2001/10	Diamond Plywood Industries, VPO Parwalon, Old Saharanpur Road, Jagadhri-135003	Block boards	01659 90
172.	9303770	2001/10	Diamond Plywood Industries VPO Parwalon, Old Saharanpur Road, Jagadhri	Plywood for General Purposes	00303 89
173.	9303871	2001/10	Century Panels (P) Ltd., Vill. Ganger, Ramba Road, Taraori Teh. Nilokherim, Distt. Karnal	Glossary of Terms for Burning Appliances	12202 01 99
174.	9303972	2001/10	Balmer Lawrie & Co. Ltd., Marketing Complex, P.O. Panipat, Refinery V-Bakili, Panipat-132140	Drums, Large Fixed Ends	01783 02 88
175.	9304065	2001/10	Manali Food & Beverages Industries, Vill. Bashing, P.O. Babeli, Kullu	Packaged Drinking Water	14543 98
176.	9304166	2001/10	Koshika Plywood (P) Ltd., 42 Km. Stone Delhi Rohtak Road, P.O. Rohad, Distt. Jhajjar	Plywood for General Purposes	00303 89
177.	9304267	2001/09	Skytone Electricals (India) Ltd., 42 & 43 Industrial Area N.I.T. Faridabad-121001	Cross linked polyethylene Insulated PVC Sheathed Cables	07098 01 89
178.	9304368	2001/09	S. B. Genpower Industries, B-20/1-B Foundry Nagar, Agra-282006	Constant Speed Compre- ssion Ignition	10001 88
179.	9304469	2001/09	Bir Industries G. T. Road Bye Pass Maqsudan, Jalandhar- 144008	Sluice Valve for water Works Purposes	14846 00
180.	9304570	2001/10	Estern Industries, 84/14-A Industrial Area, Fazalganj, Kanpur	Leather Safety Boots and Shoes	01989 86

1	2	3	4	5	6
181.	9304671	2001/10	Aggarwal Timber Products W-9 Industrial Area, Yamunanagar	Block Boards	01659 90
182.	9304772	2001/10	Adonis Medical Equipments Pvt. Ltd., E-70 Phase VIII. Industrial Area, Mohali-160055	Diagnostic Medical X-Ray	07620 01 86
183.	9304873	2001/09	Hind Iron Foundry, Railway Road, Batala-143505	Sand Cast. Iron Spigot and Sockets	01729 79
184.	9304974	2001/10	Blending & Packing Plant, Allahabad Unit of Prism C, Vill., Dhanua Rewa Highway, Naini, 12 Km. from Allahabad, Allahabad	53 Grade OPC	12269 87
185.	9305067	2001/10	Blending & Packing Plant Allahabad Unit of Prism CE Vill. Dhanua Rewa Highway Naini, 12 Km. from Allahabad, Allahabad	Portland Pozzolana Cement	01489 01 91
186.	9305168	2001/10	Blending & Packing Plant Allahabad Unit of Prism C Vill. Dhanua Rewa Highway, Naini, 12 Km. from Allahabad, Allahabad	43 Grade OPC Cement	08112 89
187.	9305269	2001/10	Saraswati Steel Industries, Vill. Dhurkara, Hissar Road, Ambala City	Steel Butt Hinges	01341 92
188.	9305370	2001/10	Goyal Aqua & Packages Pvt. Ltd., 399 Industrial Area, Phase-II Panchkula	Packaged Drinking Water	14543 98
189.	9305471	2001/09	E. H. V. Power Cable & Wire Pvt. Ltd., 1-C Jind Extension, Gandhi Nagar, Jammu-180004	PVC Insulated (Heavy Duty) ELE	01554 01 88
190.	9305572	2001/10	Jai Shree Rasayan Udyog Ltd., VPO Nathupur, Distt. Sonapat	Pesticide Phorate G. Encapsulate	09359 95
191.	9305673	2001/10	Hiemens Products Pvt. Ltd., Plot No. 14, New DLF Industrial Area, Faridabad- 121003	Packaged Drinking Water	14543 98
192.	9305774	2001/10	Swarup Chemicals (P) Ltd., G-31 to 35 UPSIDC Industrial Area, Dewa Road, Chinhat Lucknow	Chlorpyrifos EC	08944 78

1	2	3	4	5	6	
193.	9305875	2001/10	Bansal Tubes (RCC) VPO Dehlan Mehatpur, Distt. Una	Precast Concrete Pipes	00458	88
194.	9305976	2001/10	Bhagwati Pet (India) Pvt. Ltd., 35/B/22 Model Town, Bareilly-342005	Packaged Drinking	14543	98
195.	9306069	2001/09	Himalayan Petro Products Allied Works (P) Ltd., Lamachaur Haldwani, Distt. Nainital	Paraffin Wax	04654	93
196.	9306170	2001/10	Jai Balaji Plywood Industries (P) Ltd., Jatola Road Vill. Saidpur, Distt. Sonapat	Block Boards	01659	90
197.	9306271	2001/10	Bimal Aluminiums (P) Ltd., 31-A, Shiv Shankar Nagar, Behind Oriental Insurance Co. Ltd. Court Road, Jagadhri-135003	Domestic Pressure Cookers	02347	95
198.	9306377	2001/10	Anita Scientific Glass & Plastic Works, 27, Partap Nagar Police Station Road, P.O. Mahesh Nagar, Ambala Cantt-133001	Milk Pipettes	01223 03	82
199.	9306473	2001/10	Krishna Rubber Enterprises, G. T. Road, Uchani, Kamal-13200	V. Belts Endless V. Belts for Indl.	02494 01	94
200.	9306574	2001/10	Liberty Plywood (P) Ltd., VPO Vepla Jagadhri Road, Ambala Cantt	Plywood for General Purposes	00303	89
201.	9306675	2001/10	Liberty Plywood (P) Ltd., VPO Tepla Jagadhri Road, Ambala Cantt	Block Boards	01659	90
202.	9306776	2001/10	C. R. Auluck & Sons Ltd., 426 Industrial Area, Ludhiana-141003	Light duty Sewing Machine	12109	87
203.	9306877	2001/10	Poly Process Engineers, 131, Industrial Area, Phase-I Chandigarh-160002	Lastic flushing Cistern	07231	94
204.	9306978	2001/10	Leader Valves Ltd. S-3, S-4 Industrial Town, Jalandhar	Shuice Valve for water works purposes	14846	00
205.	9307071	2001/10	Quality Spun Pipe Factory Vill. Tahil Sahib, P.O. Kartarpur, Distt. Jalandhar	Precast Concrete Pipes	00458	88

[F. No. CMD-4/13:11]

S. K. CHAUDHURI, Dy. Director General

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2004

का.आ. 746.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंस धारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्षक	भा मा भाग अनु. वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	9266689	2000/12	एस.आर. जिन्दल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, ब्लॉक बोर्ड समीप—अग्रसेन चौक पुराना सहारनपुर रोड, जगाधरी		01659 90
2.	9266790	2000/12	एस.आर. जिन्दल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, समीप—अग्रसेन चौक पुराना सहारनपुर रोड, जगाधरी	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303 89
3.	9266891	2000/12	इन्टेल गैस गजेटस (प्रा) लि., गाँव हरिपुर हिन्डन, डेराबस्सी	अल्प दाब द्रवणीय गैसों के लिए 5-लिटर से अधिक जलक्षमता वाले वेल्डित अल्प कार्बन इस्पात के सिलिण्डर भाग 1 एलपीजी सिलिण्डर	03196 01 92
4.	9266992	2000/12	सालिको ट्रेडिंग कारपो. गाँव हरिपुर हिन्डन बारावाला रोड, डेराबस्सी	अल्प दाब द्रवणीय गैसों के लिए 5-लिटर से अधिक जलक्षमता वाले वेल्डित अल्प कार्बन इस्पात के सिलिण्डर भाग 1 एलपीजी सिलिण्डर	03196 01 92
5.	9267085	2000/11	एशियन सीमेंट्स 12 इंडस्ट्रियल एस्टेट एक्स्टें, कठुआ (जम्मू और कश्मीर)	पोर्टलैंड धातुमल सीमेंट	00455 89
6.	9267186	2000/12	जैनको वाल्व्स (प्रा) लि., डी-179 फोकल प्वाइंट एक्स्टेंशन जालंधर-144004	धातुवर्ध्म ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879 87
7.	9267287	2000/12	अरोड़ा मैलिबल्स, बैंक साइड ट्रांसपोर्ट नगर, फोकल प्वाइंट जालंधर शहर-144004	धातुवर्ध्म ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879 87
8.	9267388	2000/11	च्चायथि इंडस्ट्रीज, ई-48-49 साइट 9, इंडस्ट्रियल एरिया, उन्नाव	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतहयुक्त पल्ले	02202 01 99
9.	9267489	2000/12	प्रकाश इंडस्ट्रीज, इ-6 इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर-144004	धातुवर्ध्म ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	02202 01 99

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
10.	9267590	2000/12	हरियाणा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, 33 किमी स्टोन जीटी करनाल रोड, कुण्डली सोनीपत	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड 00303	89
11.	9267691	2000/12	एस डी टिन एण्ड मेटल इंडस्ट्रीज, खाता नं. 14/17 खसरा नं. 370/199/2/0-9-18 कमोमाजरा मेहलान रोड, संगरूर 148001	चौकोर कनस्तर 00916	89
12.	9267792	2000/12	च्चायथि इंडस्ट्रीज, ई-48-49 साइट 9, इंडस्ट्रियल एरिया, उन्नाव	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड 00303	89
13.	9267893	2000/12	असम प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, गाँव रायपुर, खजुरी रोड, यमुना नगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड 00303	89
14.	9267994	2000/12	अमित डेकोरेटिव प्लाईवुड, गाँव रामपुर, पोस्ट खरखोडो, (औचन्दी बॉर्डर) समीप सैदपुर चौक, जिला सोनीपत	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड 00303	89
15.	9268087	2000/12	पूजा डेकोरेटिव प्लाईवुड, गाँव कामी माजरा पोस्ट शादीपुरा, खजुरी रोड, यमुना नगर-135 001	अल्प एवं मध्य दाब वाले भूमि बॉयलर में उपयोग होने वाले जल के उपचार की रीति संहिता 01680	90
16.	9268188	2000/12	नितिन रबड्स, 152-बी उद्योग नगर कॉ-आप, इंडस्ट्रियल एस्टेट, कानपुर 203 022	संचकित सख्त रबड़ के तले और एड्रियाँ—विशिष्ट 05676	95
17.	9268289	2000/12	सुपर इंडस्ट्रीज, मोहल्ला कटकुई समीप दवेश शाह की दरगाह अमरोहा, जिला जे.पी. नगर 244 221	द्रवीत पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे 04246	92
18.	9268390	2000/12	अनु प्रॉडक्ट्स लि., तिगौव रोड पुराना फरीदाबाद 121 001	ब्यूटाक्लोर दाने 09362	80
19.	9268491	2000/12	अनु प्रॉडक्ट्स लि., तिगौव रोड पुराना फरीदाबाद 121 001	गामा-बीएचसी (लिन्डेन) ई सी 00632	78
20.	9268592	2000/12	सुरेखा केमीकल्स सी-18, 20 और 22 गवर्न. इंडस्ट्रियल एस्टेट गोरखपुर 273 015	मिथाइल पैराथियॉन भुरकन चूर्ण 08960	78

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
21.	9268693	2001/01	अलखनन्दा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, (प्रा) लि., गाँव राम विहार कॉलोनी, खजूरी रोड, यमुना नगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड 00303	89
22.	9268794	2001/04	अलखनन्दा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, (प्रा) लि., गाँव राम विहार कॉलोनी, खजूरी रोड, यमुना नगर	ब्लॉक बोर्ड 01659	90
23.	9268895	2000/12	कृपाल सिंह एण्ड संस, सांगवान चौक, दबाली रोड, सिरसा	पावर श्रेसर 09020	79
24.	9268996	2001/01	सत्यम एप्लायंसिस, ए-3824, एस.जी.एम नगर, एमएच-3 एनआईटी, फरीदाबाद	द्रवित पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे 04246	92
25.	9269089	2001/01	लेह सीमेंट, तारू, लेह लद्दाख	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट 08112	89
26.	9269190	2001/01	लेह सीमेंट, तारू, लेह लद्दाख	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट 00269	89
27.	9269291	2000/12	सिधवाल रेफ्रिजेशन इंडस्ट्रीज, लि., मन्थापलनहान रोड, कला अम्ब सिरमौर	कक्ष वातायुक्कलन 01391	92
28.	9269392	2000/12	फंगीसाइडस इंडिया लि., लेन नं. 4, फेस 2, सिडको इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स, बारी ब्राह्मण जम्मू	फेनथोप्ट ई सी 08291	76
29.	9269493	2001/01	ड्यूरो पाइप इंडस्ट्रीज, गाँव माकरा पी ओ लाहंगपुर, जौनपुर	बोर नलकूपों के लिए, अनम्यकृत पीवीसी जाली और आधारक पाइप 12818	92
30.	9269594	2001/01	जेसीटी लि., जे.सी.टी.लि. (स्टील डिबिजन), गाँव चोहल, चिन्तापूर्ण रोड, होशियारपुर	केबल रक्षण हेतु मृदु इस्पात के तार फार्मड वायरयुक्त और टेप 03975	88
31.	9269695	2000/12	बॉमर लॉरी एण्ड कं. लि., गाँव बहोली, मार्केटिन कॉम्पलेक्स, पी ओ पानीपत रिफाइनरी, पानीपत	बिंदुमन ड्रम 03575	93
32.	9269796	2001/01	बोखारा इंडस्ट्रीज, प्रा. लि., प्लॉट नं. बी-3, सिधवन इंडस्ट्रियल एरिया, रामपुर जौनपुर	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट 00269	89
33.	9269897	2000/12	लीडर फोर्ज (इंडिया) प्रा. लि., ए-9, फोकल प्वाइंट, जालंधर	जलकल प्रयोजनों के लिए ताँबा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्व 00778	84

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
34.	9269901	2001/01	धर्म इंजीनियरिंग कम्पनी, जी टी रोड, बटाला 143 505	रेफ्रिजेशन और वातातुकूलन 03615 में प्रयुक्त शब्दावली	88
35.	9270074	2000/12	भारत इन्सेक्टीसाइड्स लि., सी-3 एण्ड 4, एम आई ई, बहादुरगढ़	डाईमिथोएट पायसनीय सांद्र 03903	84
36.	9270175	2001/01	जय केमीकल्स, 14/1, मथुरा रोड, फरीदाबाद	मेलाथियोन जल पायसनीय 02569 चूर्ण सांद्र	78
37.	9270276	2001/01	राजस्थान सीमेंट इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल एरिया, एसआईसीओपी, कथुआ 184 102	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट 01489 02	91
38.	9270377	2001/01	कृष्णा वायर इन्स्टालेशन, त्रिवेणी कॉम्प्लेक्स, गोवर्धन रोड, मथुरा 281 004	निमज्जन मोटरों की बाइंडिंग 08783 04 03 तार भाग 4 अलग-अलग तारों की विशिष्टि	95
39.	9270478	2000/12	अजन्ता राज प्रोटीन्स लि., आगरा बाह रोड बीपीओ मानिकपुरा, तहसील बाह आगरा	मलाई युक्त दूध पाउडर 13334 01 भाग 1 मानक ग्रेड	98
40.	9270579	2000/12	सुरभि पैकर्स, खाता नं. 75/141, खसरा नं. 201/1/एमआईएन/0-16-0 खमोमाजरा मेहलान रोड, संगरूर 148 001	चौकोर कनस्तर 15 किग्रा/लिटर 10325	89
41.	9270680	2001/01	जी.सी. बेवरेजिज, प्लॉट नं. 63, एनपीएसआईडीसी, बदी सोलन	बोतल बन्द प्राकृतिक 13428 खनिज जल	98
42.	9270781	2001/01	अतुल जेनेरेटर्स प्रा.लि., ननहई इंड. एरिया, आगरा 282 006	गहराई से पानी निकालने के 09301 हथबरमें	90
43.	9270882	2001/01	जय केमीकल्स, 14/1, मथुरा रोड, फरीदाबाद 121 003	कीटनाशक फॉरेट जी संपुटित 09359	95
44.	9270983	2001/01	दि ब्रिटिश मशीनरी सप्लायर्स कम्पनी, 17/ए, इंडस्ट्रियल एरिया, न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद	घरेलू सिलाई मशीन के हैंड 14769	2000
45.	9271076	2001/02	ऐवरी साइकिल इंडस्ट्रीज लि., फेस 8 फोकल प्वाइंट, चंडीगढ़ रोड, लुधियाना	वेल्लित ट्यूब और पाइपों के 10748 लिए तप्त वेल्लित इस्पात पतियां	95
46.	9271177	2001/01	अम्बिका प्लाईवुड इंड. (प्रा) लि., गांव इन्दरपुर, तहसील बिलास पुर, रामपुर	ब्लॉक बोर्डर्स 01659	90

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
47.	9271278	2001/02	दत्त मेडीप्रॉडक्ट्स लि., 53, 54 और 63 रोज-का-मेओ इंडस्ट्रियल एरिया सोहना गुड़गाँव	क्रेप पट्टी	04605 81
48.	9271379	2001/02	सी.आर. औलक एण्ड संस लि., प्लॉट नं. 426 इंडस्ट्रियल एरिया लुधियाना	घरेलू सिलाई मशीन के हैंड	14769 2000
49.	9271480	2001/02	जेमिनी इंडस्ट्रियल कारपो. 270 जी.टी. रोड धनदारी लुधियाना 14101 0	घरेलू सिलाई मशीन के हैंड	14769 2000
50.	9271581	2001/02	एम्पली हाइड्रोलिक्स जी-21 फेस 8 इंडस्ट्रियल एरिया, मोहाली	द्रव चालित डोर क्लोजर	03564 95
51.	9271682	2001/02	बी. के. इंडस्ट्रीज काटोरतला रोड, काशीपुर जिला : यू.एस. नगर-244 713	विद्युत संस्थापन के लिए कंड्यूट भाग 3 कंड्यूट विद्युत रोधक सामग्री के लिए दृढ़ सांद्र कंड्यूट	0953703 83
52.	9271783	2001/01	असन्दोत्रा सीमेंट इंडस्ट्रीज इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन एरिया कथुआ (जे और के)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	08112 89
53.	9271884	2001/02	टेन्टीवल वायर प्रॉडक्ट्स लि., राधे श्याम कॉलोनी दिल्ली मसानी रोड मथुरा	निमज्जन मोटरों की बाइंडिंग तार भाग 4 अलग-अलग तारों की विशिष्टि	08783 04 03 95
54.	9271985	2001/02	ब्ल्यू बर्ड एप्पलायसेस प्रा. लि. 3एफ/09 प्रथम तल बी.पी.एन.आई.टी., फरीदाबाद	द्रवित पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे	04246 92
55.	9472078	2001/02	वल्लभ स्टील्स लि., जी.टी. रोड, गाँव नन्दपुर सहनेवाल, लुधियाना-141 120	यांत्रिक और सामान्य प्रयोजनों के लिए इस्पात के पाइप	03601 84
56.	9272179	2001/02	सुरजीत स्टील इंडस्ट्रीज डी-130 इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-7, सास नगर मोहाली	शिरोपरि पावर लाइनों के लिए इस्पात के गोल खम्बे	02713 01- 80 03
57.	9272280	2001/03	हिन्दुस्तान वायर्स लि., 267-268 सेक्टर 24, फरीदाबाद	अल्पदाब द्रवणीय गैसों के लिए 5-लिटर से अधिक जल क्षमता वाले वेल्डित अल्पकार्बन इस्पात सिलिंडर भाग 1 एलपीजी सिलिंडर	03601 01 92

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
58.	9272381	2001/02	विनर इंडस्ट्रीज, 3761 एमजीएफ संजय कॉलोनी 33 फीट रोड, सेक्टर 23, फरीदाबाद	बिसली के पंखों की मोटर 01709	84
59.	9272482	2001/02	गैलेक्सी प्लाईवुड इंडस्ट्रीज प्रा. लि., गाँव कामीमाजरा खजूरी रोड, यमुना नगर	ब्लॉक बोर्ड 01659	90
60.	9472583	2001/02	गैलेक्सी प्लाईवुड इंडस्ट्रीज प्रा. लि., गाँव कामीमाजरा खजूरी रोड, यमुना नगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड 00303	89
61.	9272684	2001/02	ड्यूरेबल कंडक्टर्स, गाँव काथा, पीओ बदी सोलन	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 4 एल्युमीनियम मिश्रधातु के लड़दार चालक (एल्युमी-मैग्नी- सिलिकॉन टाइप) 00398	01 94
62.	9272785	2001/02	ड्यूरेबल कंडक्टर्स, गाँव काथा, पीओ बदी, सोलन-173 205	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 1 003	4 96
63.	9272886	2001/02	हरीसर इंडस्ट्रियल कारपो. सी-155 फोकल प्वाइंट 5, लुधियाना	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड 00303	89
64.	9272987	2001/02	हरीसर इंडस्ट्रियल कारपो. यसी-155 फोकल प्वाइंट 5, लुधियाना	ब्लॉक बोर्ड 01659	90
65.	9273080	2001/02	किटप्लाई इंडस्ट्रीज लि. शाहबाद रोड पी ओ रामपुर-244 901	ब्लॉक बोर्ड 01659	90
66.	9273181	2001/03	मार्टेंट ऐक्वेस्ट मिनरल वॉटर लिमिटेड वीपीओ धौला कुँआ, तह पोटा साहिब सिरमौर	बोतल बन्द प्राकृतिक खनिज जल 13428	98
67.	9273282	2001/01	अनु प्रॉडक्ट्स लि, तिगाँव रोड, पुराना फरीदाबाद-121 002	2, 4-डी इथाइल ईस्टर दानेदार 13513	92
68.	9273383	2001/03	सोनलिका एग्रो इंडस्ट्रीज कारपो. गाँव चाक गुजरां जालंधर रोड, होशियारपुर-146 002	पावर श्रेयर 09020	79
69.	9273484	2001/02	अमर सीमेंट्स एसआईसीओपी इंडस्ट्रियल एरिया, हातली मोरे कटुआ (जम्मू कश्मीर)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट 08112	89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
70.	9273585	2001/03	सविन्दर इलेक्ट्रिक इंडिया लि., 10, डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 2, फरीदाबाद	विद्युत सहायक अंग- घरेलू और ऐसे ही संस्थाओं के लिए अतिधारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक	96
71.	9273686	2001/03	प्रीत स्टीव उद्योग, गाँव गुल्लरवालासाई रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, पी.ओ. कुधवाडा, बही	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे	92
72.	9273787	2001/03	बी.एल. साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंट्स कम्पनी, 6268/43 अहाता हरि प्रसाद निकोलसन रोड, अम्बाला कैट-133001	विद्यार्थियों हेतु प्रयोग टाइप सूक्ष्मदर्शी	66
73.	9273888	2001/02	जय केमीकल्स, 14/1, मथुरा रोड, फरीदाबाद	डायकोफोयल पायसनीय सांद्र	69
74.	9273989	2001/03	सुदर्शन डोर्स प्रा.लि., विसायकपुर रनिया कानपुर देहात	समुद्री उपयोग हेतु प्लाईवुड	76
75.	9274082	2001/03	नवरंग मैन्यूफैक्चरिंग कारपो. 163 शेरपुर रोड बाईपास, लुधियाना-141010	घरेलू सिचाई मशीन हैंड	2000
76.	9274183	2001/03	शिवालिक सीमेंट इंडस्ट्रियल एस्टेट बैटल बल्लियन, उधमपुर (जम्मू और कश्मीर)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	89
77.	9274284	2001/03	गेटस इंडिया प्रा. लि., गाँव सरसिनी अम्बाला चंडीगढ़ हाइवे पी.ओ. लालरू, लालरू	सामान्य प्रयोजन जल के लिए रबड़ के होज	87
78.	9274385	2001/02	गेटस इंडिया प्रा. लि., गाँव सरसिनी अम्बाला चंडीगढ़ हाइवे पी.ओ. लालरू, लालरू	वेल्डिंग के लिए रबड़ के होज	88
79.	9274486	2001/03	एन. के. इंटरप्राइसिस, गाँव प्रीतमपुरा रोड, बडमलिक पी.ओ. पी.एस. राई सोनीपत	V-पट्टे औद्योगिक प्रयोजन के लिए निरन्ज V-पट्टे भाग-1 सामान्य प्रयोजन	94
80.	9274587	2001/03	एमएलए इंटरनेशनल डी-105 फोकल प्वाइंट एक्सटेंशन, जालंधर	धातुवर्धकलवां लोहे के पाइप फिटिंग की विशिष्टि	87
81.	9274688	2001/03	रघुनाथ रबड़ इंडस्ट्रीज, दुखेरी रोड, गाँव मोहरा, अम्बाला कैट	वेल्डिंग के लिए रबड़ के होज	88
82.	9274789	2001/03	नॉर्दर्न इंडिया केमीकल इंडस्ट्रीज 182/79 इंड. एरिया, फेस 1, चंडीगढ़	जिंक सल्फेट हैप्टाहाइड्रेट कृषि ग्रेड	94

(1)	(2)	(4)	(5)	(6)
83.	9274890 2001/03	रामा इंडस्ट्रीज लि. गाँव चोण्धरी पी ओ दापपर, तह राजपुरा, अम्बाला चण्डीगढ़ हाइवे जिला पटियाला 140 506	खाद्य ग्रेड जिलेटिन	05719 70
84.	9274991 2001/03	रेक्स सीबिंग मशीन कं. (प्रा.) लि., 245, इंडस्ट्रियल एरिया ए लुधियाना 141 003	घरेलू सिलाई मशीन हैड	14769 2000
85.	9275084 2001/03	सिंगर इंडिया लि., लेन नं. 4, सिडको इंडस्ट्रियल एरिया, बारीब्राह्मण, जम्मू 181 133	घरेलू सिलाई मशीन हैड	14769 2000
86.	9275185 2001/03	चेतन सीमेंट इंडस्ट्रीज, एसआईसीओपी इंडस्ट्रियल एरिया, हाटलीमोर कटुआ (जे एण्ड के)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	08112 89
87.	9275286 2001/03	भवानी इंडस्ट्रीज प्रा. लि., गाँव अन्जली बैकसाइड फोकल प्लांट, जी टी रोड मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला फतेहगढ़ साहिब	वेल्डिंग ट्यूब और पाइपों के लिए तप्त वेल्डिंग इस्पात पत्तियाँ	10748 95
88.	9275387 2001/03	भवानी इंडस्ट्रीज प्रा. लि., गाँव अन्जली बैकसाइड फोकल प्लांट, जी टी रोड मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला फतेहगढ़ साहिब	मृदु इस्पात की नालियाँ नलिकाकार सामग्रियाँ तथा पिटवां इस्पात की अन्य फिटिंग	01239 01 90
89.	9275488 2001/03	सूर्या टाइल्स एण्ड पेवर्स प्लाट नं. 280, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला	सीमेंट कंक्रीट की फर्श बिछाने वाली टाइलें	01237 80
90.	9275589 2001/03	सूर्या टाइल्स एण्ड पेवर्स प्लाट नं. 280, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला	सीमेंट कंक्रीट की टाइलें	13801 93
91.	9275690 2001/03	स्टार प्लाईवुड प्रा. लि., गाँव गधौली समीप तेजली स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, यमुनानगर	परतचढ़ी सजावटी प्लाईवुड	01328 96
92.	9275791 2001/03	अजय प्लाईवुड इंडस्ट्रीज प्रा. लि., जगाधरी जिला यमुना नगर	परतचढ़ी सजावटी प्लाईवुड	01328 96
93.	9275892 2001/03	भाम्बरी स्टील्स प्रा. लि., अम्लोह रोड मण्डी गोबिन्दगढ़, गाँव तूरान, जिला फतेहगढ़ साहिब 143 701	सामान्य संरचना इस्पात	02062 99
94.	9275993 2001/03	शालीमार पैट्रो प्रॉडक्ट्स प्रा. लि., नन्दगाँव रोड, गाँव बारहनाकोसी कलाँ, मथुरा	कंक्रीट की पटरियाँ एवं संरचनाओं में विस्तार जोड़ों के पूर्व निर्मित पूरकों (अनिष्कासित एवं लचीले टाइप) भाग-1 डामर मिले रेशे	01838 01 83

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
95.	9276086	2001/03	सिद्धार्थ इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. ई-30 इंडस्ट्रियल फोकल प्लांट, होशियारपुर 146 001	घरेलू प्रेशर कुकर 02347	95
96.	9276187	2001/03	श्री राम फर्टिलाइजर्स मैनु. कं., 94 सी-58 फोकल प्लांट कोटकपुरा 151 204.	जिंक सल्फेट, हैप्टाहाइड्रेट, कृषि ग्रेड 08249	.
97.	9276288	2001/03	श्री राम ग्रोप केमीकल प्रा. लि., गुदरगंभी रोड गुरु हर सहाई, जिला फिरोजपुर	जिंक सल्फेट, हैप्टाहाइड्रेट, कृषि ग्रेड 08249	94
98.	9276289	2001/03	निपको इंटरनेशनल्स, 2, गैसपुरा रोड, पीओ धनधारी कलां लुधियाना	घरेलू सिलाई मशीन हैड 14769	2000
99.	9276290	2001/03	डी. एस. फूड्स लि., गाँव रायसन जिला कुल्लू (हि प्र.)	बोतल बन्द प्राकृतिक खनिज जल 13428	98
100.	9276591	2001/03	परफेक्ट इलैक्ट्रो कंट्रोलस, बस्ती बाबा खेल कपूरधला रोड, जालंधर 144021	विद्युत सहायक अंग-घरेलू और ऐसे ही संस्थानों के लिए अतिधारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक 08828	96
101.	9276692	2001/03	विधाता सीमेंट कं. प्रा. लि., इंडस्ट्रियल एरिया सी जसपाल बंग्रान रोड आउटसाइड ऑक्टरायकंगनवाल, लुधियाना	क्लाक बोर्ड 01659	90
102.	9276793	2001/03	विधाता सीमेंट कं. प्रा. लि., इंडस्ट्रियल एरिया सी जसपाल बंग्रान रोड आउटसाइड ऑक्टरायकंगनवाल, लुधियाना	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड 00303	89
103.	9276894	2001/03	आनन्द इलैक्ट्रोलेब केबल्स प्रा. लि., 54 किमीस्टोन जी टी रोड भिगान, सोनीपत	पी वी सी रोडिंग (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए 01554	01 88
104.	9276995	2001/03	जे. के. एम्प्लायमेंसेस गाँव दौन समीप मिर्वा एकेडमी तहसील खराड जिला रोपड़	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के साथ प्रयुक्त घरेलू गैस चूल्हे 04246	92
105.	9277088	2001/03	परफेक्ट एग्रो प्रिन्स प्रा. लि., मिलनपुर रोड, बी पी ओ हमब्रान्ड, जिला लुधियाना	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड 00303	89
106.	9277189	2001/02	रीटा मशीन्स (इंडिया) लि., 416, इंडस्ट्रियल एरिया "ए" लुधियाना	घरेलू सिलाई मशीन हैड 14769	2000

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
107.	9277290	2001/03	परफेक्ट एग्रो मिल्स प्रा. लि., मिलनपुर रोड, वी पी ओ हमब्रान्ध, जिला लुधियाना	ब्लॉक बोर्ड 01659	90
108.	9277391	2001/03	सॉधी मैन्यूफैक्चरिंग कं., आउटसाइड इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर शहर 144001	जलकल प्रयोजन के लिए स्मूस 00780 बाल्व (साइज 50 से 200 मिमी तक)	84
109.	9277492	2001/03	सतराज प्रा. लि., सी-90 फेस 7 इंड. एरिया मोहाली	V-पट्टे औद्योगिक प्रयोजन के लिए मिश्रण V-पट्टे भाग 1 सामान्य प्रयोजन	02494 01 94
110.	9277593	2001/03	ए. के. टूल्स इंडस्ट्रीज एम-33 इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर	जल कल प्रयोजन के लिए ताँबा मिश्रण के गेट प्लोव और चेक वाल्व	00778 84
111.	9277694	2001/03	भारत रसायन एग्रो (प्रा.) लि., त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब, तहसील नाहन जिला सिरमौर	इंडोसल्फान ई सी	04323 80
112.	9277795	2001/03	रूप इंटरप्राइजिज, 184/74 इंड. एरिया, फेस 1, चण्डीगढ़	फिनोलीक टाइप रोगाणुनाशक प्रवाह	01061 97
113.	9277896	2001/03	बीर सैन आनन्द एण्ड कं. प्रा. लि., लेन नं. 5 फेस 2 सिडको इंड. कॉम्पलेक्स, बारी-ब्रह्मण, जम्मू	पूर्व दलित कंकरीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458 88
114.	9277997	2001/03	विद्या प्लाई एण्ड बोर्ड प्रा. लि., गाँव लालपुर पोस्ट डडरौल जलालाबाद रोड, शाहजहाँपुर 242001	परतचढ़ी संजावटी स्लाइबुड	01328 96
115.	9278090	2001/03	पूजा मशीन्स प्रा. लि., वीपीओ हरयाल, पठानकोट 145001	घरेलू सिलाई मशीन हेड	14762 2000
116.	9278191	2001/03	शिवालिक एग्रो केमीकल्स बी-59 फेस 7 सास नगर	फेनवेलरेट ई सी	11997 87
117.	9278292	2001/03	शिवालिक एग्रो केमीकल्स बी-59 फेस 7 सास नगर	ईथियॉन ई सी	10319 82
118.	9278393	2001/03	सराफ इंडस्ट्रीज, भटिण्डा रोड रामपुरा फुल, जिला भटिण्डा 151103	ए सी स्थैतिक वाट घंटा मीटर वर्ग 1 और 2	13779 93
119.	9278494	2001/03	प्रेसिजन मीटर्स (प्रा.) लि., बारवाला रोड गाँव माधोपुर डेराबस्सी, जिला पटियाला 140507	ए सी स्थैतिक वाट घंटा मीटर वर्ग 1 और 2	13779 93
120.	9278595	2001/03	विद्या डाई केम. इंडस्ट्रीज, 1891, मॉडर्न इंडस्ट्रियल एस्टेट, बहादुरगढ़ 124507	संश्लिष्ट खाद्य रंग निमित्तियाँ और मिश्रण	05346 94

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
121.	9278696	2001/03	शिवालिक केमिकल्स प्रा. लि., 349 फेज 2 इंडस्ट्रियल एरिया, चंडीगढ़	जिंक सल्फेट हैप्टाहाइड्रेट, कृषि ग्रेड	08249 94
122.	9278797	2001/04	ए.एस. मेटल स्टील वर्क्स, राम नगर जालंधर 144008	जल सेवा फेरुल	02692 89
123.	9278803	2001/04	जगोटा मेटल इंडस्ट्रीज, ई-59 इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर	जल कल प्रयोजन के लिए ताँबा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चैक वाल्व	00778 84
124.	9278902	2001/04	वरूणी इंडस्ट्रीज 32 आनन्द पुरी बसन्त विहार, लुधियाना	घरेलू सिलाई मशीन हैड	14769 2000
125.	9279092	2001/04	सिंगला मोटर्स, 5 किमी मील पत्थर कैथल रोड, करनाल	कृषि कार्यों के लिए साफ, ठण्डे पानी के मोनोसैट पम्प	09079 89
126.	9279193	2001/04	एग्रो स्टील कास्टिंग, 419, एचएसआईडीसी आफिस के पीछे इंडस्ट्रियल एस्टेट, यमुना नगर 135001	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतहयुक्त पल्ले	02202 01 99
127.	9279294	2001/04	सेफैक्स केमिकल्स इंडिया लि., ए-2, एमआईई दिल्ली रोहतक रोड, बहादुरगढ़ 124057	ब्यूटाक्लोरे ई सी	09356 80
128.	9279395	2001/04	रामा रबड़ इंडस्ट्रीज, 291, उमरान रनिया, कानपुर देहात	V-पट्टे औद्योगिक प्रयोजन के लिए निरन्ज V-पट्टे भाग 1 सामान्य प्रयोजन	02494 01 94
129.	9279496	2001/04	जी.सी. जैन इंजी वर्क्स दाबा रोड, जी टी रोड लुधियाना	घरेलू सिलाई मशीन हैड	14769 2000
130.	9279597	2001/03	गोल्ड मोहर फूड्स एण्ड फीड्स लि., फोकल प्वाइंट धाकन्सू रोड, राजपुरा, जिला पटियाला 140 501	पशुओं के लिए मिश्रित आहार	02052 79
131.	9279601	2001/04	दीपक फास्टनर्स लि., ई 535 से 538-555 फेस 6 फोकल प्वाइंट, लुधियाना	उत्पाद ग्रेड "सी" के लिए षट्कोणीय शीर्ष वाले काबलें, पेंच और दिबरियां भाग 1 षट्- कोणीय शीर्ष वाले काबले (साइज रेंज एम 5 से एम 64 तक)	01363 01 92
132.	9279702	2001/04	दीपक फास्टनर्स लि., ई 535 से 538-555 फेस 6 फोकल प्वाइंट, लुधियाना	प्रेषण टावर काबले	12427 88
133.	9279803	2001/04	सुप्रीम सर्जिकल्स, रोहतक सोनीपत रोड, बोहर, रोहतक 124 023	हथकरघे का सूती निर्जर्मित पट्टी कपड़ा	00863 88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
134.	9279904	2001/04	आर. आर. मेटल वर्क्स 78, ग्लोब कॉलोनी, जालंधर	जल कल प्रयोजन के लिए ताँबा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्व	00778	84
135.	9280077	2001/04	आर.जी. प्रॉडक्ट्स, सम्मुख : आईटीआई चांदपुर यमुनानगर 135 001	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89
136.	9280178	2001/04	आर.जी. प्रॉडक्ट्स, सम्मुख : आईटीआई चांदपुर यमुनानगर 135 001	ब्लॉक बोर्ड	01679	90
137.	9280279	2001/03	अमित डेकोरेटिव प्लाईवुड गाँव रामपुर पीओ खरखोडा (औचण्डी बार्डर) समीप सैदपुर चौक जिला सोनीपत	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
138.	9280380	2001/04	नरिन्दर साइंटिफिक इंडस्ट्रीज, 2773/18 टिम्बर मार्केट, अम्बाला कैट 133 001	हाइड्रोमीटर	03104	01 82
139.	9280481	2001/03	एसपीएल लि., कस्सार जिला झज्जर (हरियाणा) 124507	जल अवशोषण वाली डस्ट प्रेस्ड सिरेमिक टाइलें	13753	93
140.	9280582	2001/04	सदाशिव स्ट्रक्चरल (प्रा) लि., पण्डवाला रोड मुबारिकपुर, डेरा बस्सी, जिला पटियाला	मृदु इस्पात की नालियाँ नलिकाकार सामग्रियाँ तथा पिटवां इस्पात की अन्य फिटिंग	01239	01 99
141.	9280683	2001/05	आसवाल इलेक्ट्रिकल्स (पम्पस) 71/3 मील पत्थर जी टी रोड, करनाल	कृषि कार्यों के लिए साफ, ठण्डे पानी के मोनोसैट पम्प	09079	90
142.	9280784	2001/04	रेडिकल्स इन्स्ट्रूमेंट्स, 123, इंडस्ट्रियल एस्टेट, अम्बाला कैट	रोग निदान हेतु सूक्ष्मदर्शी	04381	67
143.	9280885	2001/03	हंसा ट्यूब्स लि., हबितपुर रोड, डेराबस्सी, जिला पटियाला	अतप्त बेल्लित अल्प कार्बन इस्पात की चद्दें और पत्तियाँ	00513	94
144.	9280996	2001/04	गोल्डन प्लाईवुड इंडस्ट्रीज (प्रा) लि., मुल्लानपुर, रोड, वीपीओ हम्बान, जिला लुधियाना	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (टोस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतहयुक्त पल्ले	02202	01 99
145.	9281079	2001/05	बालाजी इंडस्ट्रीज, सी.-3ए, फोकल प्वाइंट, कोटकपुरा	जिंक सल्फेट हैप्टाहाइड्रेट, कृषि ग्रेड	08249	94
146.	9281180	2001/05	एवॉन मीटर्स प्रा. लि., डी.-15 इंडस्ट्रियल फोकल प्वाइंट, डेराबस्सी	ए सी स्थैतिक वाट घंटा मीटर वर्ग 1 और 2	13779	93

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
147.	9281281	2001/04	बायस्वर स्पन पाइप इंडस्ट्रीज, गाँव बरिया (मोतीनगर), पीओ बुधेरा, जिला बाराबंकी	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458 88
148.	9281382	2001/03	श्रीनाथ इंडस्ट्रीज, 36, इंडस्ट्रियल एस्टेट, कटुआ	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट	01489 02 91
149.	9281483	2001/03	क्रिस्टल फॉसफेट्स लि., गाँव नत्थुपुर, जिला सोनीपत	इंडोसल्फान ई सी	04323 80
150.	9281584	2001/04	सुधीर साइंटिफिक वर्क्स, 1265 बंगाली मोहल्ला, अम्बाला कैट	रोग निदान हेतु सूक्ष्मदर्शी	04381 67
151.	9281685	2001/04	सुरेका केमिकल्स सी-18, 20 और 22 गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोरखपुर-273015	मैलाथियॉन भुरकन पाउडर	02568 78
152.	9281786	2001/04	शोभित मेलिएबल्स ए-25 इंड. एस्टेट, जालंधर-144 004	धातुवर्धकलोहा लोहे के फिटिंग की विशिष्टि	01879 87
153.	9281887	2001/04	राजन मेटल इंडस्ट्रीज एम-35 इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर	जल कल प्रयोजन के लिए ताँबा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्व	00778 84
154.	9281988	2001/05	जुनेजा मेटल वर्क्स, गाँव बरियाना कपूरथला रोड, पीओ बस्ती गुर्जा, जालंधर	जल कल प्रयोजन के लिए ताँबा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्व	00778 84
155.	9282081	2001/04	साहनी स्ट्रिप्स एण्ड वायर्स प्रा. लि. रथदाणा रोड अकबापुर बरोता, जिला सोनीपत	सामान्य इंजीनियरिंग प्रयोजनों के लिए मृदु इस्पात के तार	00280 78
156.	9282182	2001/04	पी.आर. मेटल इंडस्ट्रीज, 140 ई फोकल प्वाइंट, फेस 4, लुधियाना	जल कल प्रयोजन के लिए ताँबा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्व	00778 84
157.	9282283	2001/04	ईफोर्ट्स रबड़ इंडस्ट्रीज, मेन मार्किट सम्मुख : यूको बैंक, कलनपुर (रोहतक)	दूध पाउडर	05382 85
158.	9282384	2001/05	हंसा मेटलिकस लि, गाँव सुमलहेरि लालरू, जिला पटियाला	जस्तीकृत इस्पात की चद्दरें (सादी तथा नलिकाकार)	00277 92
159.	9282485	2001/05	गीता इंडस्ट्रीज, मुकजीपार्क जगाधरी, जिला यमुना नगर	निर्जर्मक सुवाह्य अर्ध दाब टाइप	08462 77
160.	9282586	2001/05	सदाशिव स्ट्रक्चरल्स प्रा. लि., पंडवाला रोड मुबारिकपुर डेराबस्सी, जिला पटियाला	संरचनात्मक उपयोग के लिए इस्पात के पाइप	01161 98

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
161.	9282687	2001/05	श्री आर. इंटरनेशनल 47/50 फर्स्ट फ्लोर जनरल, गंज कानपुर	संश्लिष्ट खाद्य रंग निमित्तियाँ और मिश्रण	05346 94
162.	9282788	2001/05	अजन्ता फीड इंडस्ट्रीज समीप गाइब दी पल्ली जी. टी. रोड, खन्ना जिला लुधियाना	पशुओं के लिए मिश्रित आहार	02052 79
163.	9282889	2001/05	स्काईटोन इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) लि., 42 और 43 इंडस्ट्रियल एरिया, एनआईटी फरीदाबाद	अनुप्रस्थ जुड़े हुए पॉलि- इथाईलीन विद्युतरोधी ताप स्थापी ढके केबल	07098 02 85
164.	9282990	2001/05	प्रतीक एक्स्ट्रूजन प्रा. लि., 401, फेस 4, उद्योग विहार, गुडगाँव	विद्युत संस्थापन के लिए कंड्यूट भाग 3 कंड्यूट विद्युत रोधक सामग्री के लिए दृढ़ सांद्र कंड्यूट	09537 03 83
165.	9283083	2001/05	रोहित इंजीनियरिंग वर्क्स आउटसाइड भगत सिंह नगर, जी. टी. रोड बाईपास जालंधर	जल कल प्रयोजन के लिए तांबा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्व	00778 84
166.	9283184	2001/05	हरियाणा प्लास्टिक्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि. 33 किमी. स्टोन जी टी करनाल रोड, पी ओ कुण्डली सोनीपत	ब्लॉक बोर्ड	01659 0
167.	9283285	2001/05	किसान केमीकल एण्ड फर्टिलाइजर्स, कोटली रोड, कुकतसर-152 026	जिंक सल्फेट हैप्टाहाइड्रेट, कृषि ग्रेड	08249 94
168.	9283386	2001/05	बजाज होम प्रॉडक्ट्स, जी.टी. रोड, फतेहबाद	बिस्कुट	01011 92
169.	9283487	2001/05	के.सन्स इलेक्ट्रिकल्स प्रा.लि., एसएच-15/79-ए शिवपुर, कराणसी	विद्युत संस्थापन के लिए कंड्यूट भाग 2	09537 02 81
170.	9283588	2001/05	विनकेम पेन्ट्स (प्रा.) लि., समीप पीसीपीएल भानुकर पुर, तह. डेराबस्सी मुबारिकपुर रोड, जिला पटियाला-140 201	सीमेंट रंग रोगन	05410 92
171.	9283689	2001/05	क्वालिटी पम्पस प्रा. लि., 95-ए दादा नगर, कानपुर	गहराई से पानी निकालने के हथबरमें पटक- नाइट्राइल रबड़	14104 94
172.	9283790	2001/05	न्यू सेन्चुरी सीमेंट कम्पनी, ग्रामीण फोकल प्वाइंट, गाँव पथराला जिला भटिण्डा	पोर्टलैंड चातुमल सीमेंट	00455 89
173.	9283891	2001/05	हरियाणा एग्रो फर्टिलाइजर्स एण्ड केमीकल्स जी.टी. रोड, शाहबाद मार्कण्डा-136 135	कीटनाशक-एनिलोफास ईसी	13403 92
174.	9283992	2001/05	हरियाणा एग्रो फर्टिलाइजर्स एण्ड केमीकल्स जी. टी. रोड, शाहबाद मार्कण्डा-136 135	ब्यूटिलोर पायसनीय सांद्र	09356 80

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
175.	9284085	2001/05	कृष्ण कृष्ण ज्वेलर्स प्रा. लि., शॉप नं. 112 पुराना कोर्ट रोड, पानीपत 132-103	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण-निर्माणकारी सुदृढ़ता एवं सुरक्षकन	01417 99
176.	9284186	2001/05	एस एस के कं. लि., फैक्टरी एरिया पोस्ट बॉक्स नं. 6, कपूरथला 144 601	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए वीवीसी रोधित केबल	00694 90
177.	9284287	2001/05	इंडिया पेस्टीसाइड्स लि., ई-18 से 23 यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, देवा रोड चिन्हात लखनऊ	जिराम डब्ल्यू डी पी	03901 75
178.	9284388	2001/05	इंडिया पेस्टीसाइड्स लि., ई-18 से 23 यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, देवा रोड चिन्हात, लखनऊ	जिराम कोलोइडल संस्परान	11010 84
179.	9284489	2001/05	स्टैंडर्ड रबड़ रबड़ मिल्स खाण्डसा रोड, गुड़गाँव-122001	द्रवित पेट्रोनियम गैस के लिए रबड़ की नम्य ट्यूब	10908 91
180.	9284590	2001/05	डायकिन श्रीराम एअर कंडीशनिंग प्रा. लि., प्लॉट नं. 14, सेक्टर 14, फरीदाबाद-121004	कक्ष वातानुकूलक	01391 01 92
181.	9284691	2001/05	क्रिस्टल फॉसफेट लि., जी. टी. करनाल रोड, बीपीओ नथूपुर जिला सोनीपत	जिक सल्फेट हैट्स/ड्रेड, कृषि ग्रेड	08249 94
182.	9284792	2001/05	पी. एन. सेफटेक प्रा. लि., ई-4 गवर्न. इंडस्ट्रियल एस्टेट, तालकटोरा रोड, लखनऊ-2261	औद्योगिक सुरक्षा हेलमेट	02925 84
183.	9284893	2001/05	हरियाणा वुड प्रॉडक्ट्स, गाँव मकराबपुर, छछरोली रोड जगाधरी, जिला यमुना नगर	ब्लॉक बोर्ड	01659 90
184.	9284994	2001/05	जसप्रीत फाउण्ड्री, गुरदासपुर रोड, गाँव कुतबी नाँगल, बटाला-143 501	जल, गैस, सीवर के लिए क्षैतिज ठले लोहे के दोहरे फ्लैंज युक्त पाइप	07181 86
185.	9285087	2001/05	साम केबल एण्ड कंडक्टर्स (प्रा.) लि., अनुप्रस्था जुड़े हुए गाँव शिमला पिस्तोर पीओ लालपुर 6 किमी रुद्रपुर—किछा रोड, रुद्रपुर जिला यू एस नगर	पॉलिइथाईलीन विद्युतरोधी ताप स्थायी ठके केबल	07098 01 88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
186.	9285188	2001/06	श्री राम एग्रो बग्रियन रोड, वी बार्डवाल धुरी 148 024	जिक सल्फेट हैप्टाहाइड्रेट, कृषि ग्रेड	08249 94
187.	9285289	2001/05	श्री गणेश ज्वेलर्स लि., फर्स्ट माल दि माल, सुधियाना	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन	01417 99
188.	9285390	2001/06	सा टिम्बर ट्रेडर्स गाँव कामीमाजरा खजूरी रोड, यमुना नगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303 89
189.	9285491	2001/06	सा टिम्बर ट्रेडर्स गाँव कामीमाजरा खजूरी रोड, यमुना नगर	ब्लॉक बोर्ड	01659 90
190.	9285592	2001/06	मेट्रो प्लाईवुड (प्रा) लि., एट एण्ड पीओ डामला दिल्ली रोड, यमुना नगर 135 001	ब्लॉक बोर्ड	01659 90
191.	9285693	2001/06	मेट्रो प्लाईवुड (प्रा) लि., एट एण्ड पीओ डामला दिल्ली रोड, यमुना नगर 135 001	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303 89
192.	9285794	2001/05	मतीब इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज 19 बी इंडस्ट्रियल एस्टेट बारजुलस संत नगर 190005	बिजली के पानी गर्म करने के भंडारण किस्म के स्थिर हीटर	02082 93
193.	9285895	2001/05	सीआईसीओ टेक्नालोजिज लि., 3 किमी बसई रोड गुड़गाँव	जल सह कार्य यौगिक	02645 75
194.	9285996	2001/06	सुधीर साइंटिफिक वर्क्स, 1265 बंगाली मोहल्ला अम्बाला कैंट	सूक्ष्मदर्शी के लिए द्विनेत्रीकाएं	08275 76
195.	9286089	2001/05	हिन्दुस्तान सेफ्टी ग्लास वर्क्स, बम्बरौली इलाहाबाद 211 012	सामान्य प्रयोजनों के लिए रजलित काँच के दर्पण	03438 94
196.	9286190	2001/06	गुजरात अम्बुजा सीमेंट लि., समीप गुरू नानक देव थर्मल प्लांट मलौट रोड, भटिंडा 151 005	पोर्टलैंड पोर्जोलान सीमेंट	01489 01 91
197.	9286291	2001/06	सुन्दर लाल मोहिन्दर पाल जैन, सदर बाजार, भटिंडा	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन	01417 99

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
198.	9286392	2001/05	भारत रसायन एग्री (प्रा) लि., त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब, तहसील नाहन, जिला सिरमौर 173 030	मोनोक्रोटोक्नास एस एल 08074	90
199.	9286493	2001/05	भारत रसायन एग्री (प्रा) लि., त्रिलोकपुर रोड कला अम्ब, तहसील नाहन जिला सिरमौर 173 030	साइपरमेथ्रीन ई सी 12016	87
200.	9286594	2001/06	गुजरात अम्बुजा सीमेंट लि., समीप गुरु नानक देव धर्मल प्लांट, मलौट रोड, भटिंडा 151 005	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट 12269	87

[संदर्भ : सीएमडी-1/13:11]

एस. के. चौधरी, उप महानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 17th March, 2004

S.O. 746.— In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date (Year/Month)	Name and Address of the Party	Title of the Standard	IS No.	Part	Sec.	Year
1	2	3	4	5	6			
1.	9266689	2000/12	S. R. Jindal, Plywood Industries Near Aggrasan Chowk, Old Saharanpur Road, Jagadhri	Block Boards	01659			90
2.	9266790	2000/12	S. R. Jindal, Plywood Industries Near Aggrasan Chowk, Old Saharanpur Road, Jagadhri	Plywood for General purposes	00303			89
3.	9266891	2000/12	Intel, Gas Gadgets (P) Ltd., Vill. Haripur Hindan Dera Bassi	Welded Low Carbon Steel Cylinders	03196	01		92
4.	9266992	2000/12	Salico Trading Corpn. Vill. Haripur Hindan Barwala Road, Dera Bassi	Welded Low Carbon Steel Cylinders	03196	01		92
5.	9267085	2000/11	Asian Cements 12, Industrial Estate Extn., Kathua (J & K)	Portland Slag Cement	00455			89
6.	9267186	2000/12	Jainco Valves (P) Ltd., D-179, Focal Point Extension, Jalandhar-144004	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879			87

1	2	3	4	5	6	
7.	9267286	2000/12	Arora Malleabries Back side Transport Nagar, Focal Point Jalandhar City-144004	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879	87
8.	9267388	2000/11	Choithi Industries E-48-49, Site 9, Industrial Area, Unnao	Wodden Flush door shutters	02202 01	99
9.	9267489	2000/12	Parkash Industries E-6, Industrial Area, Jalandhar-144004	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879	87
10.	9267590	2000/12	Haryana Plywood Industries 33 Km Stone GT Karnal Road, Kundli Sonapat	Plywood for General purposes	00303	89
11.	9267691	2000/12	Ess Dee Tin and Metal Industries, Khata No. 14/17 Khasra No. 370/199/2/0-9-18 Kamomajra Mehlan Road, Sangrur-148001	Soare Tins for solid products	00916	89
12.	9267792	2000/12	Choithi Industries 3-48-49 Site 1, Industrial Area, Unhao	Plywood for general purposes	00303	89
13.	9267893	2000/12	Assam Plywood Industries, Vill. Raipur Khajuri Road, Yamuna Nagar	Plywood for general purposes	00303	89
14.	9267994	2000/12	Amit Decorative Plywood, Vill. Rampur, Post Kharkhoda (Auchandi Boarder) Near Saidpur Chowk, Distt. Sonapat	Plywood for general purposes	00303	89
15.	9268087	2000/12	Pooja Decorative Plywood, Vill. Kami Majra PO Shadipura Khajuri Road, Yamuna Nagar-135001	Low & Medium pressure land boilers	01680	90
16.	9268188	2000/12	Nitin Rubbers 152-B, Udyog Nagar, Coop. Industrial Estate Kanpur-203022	Moulded Solid Rubber Soles and Heels	05676	95
17.	9268289	2000/12	Super Industries Mohalla Katkui, Near Durvesh Shah ki Dargah Amroha Distt. J. P. Nagar-244221	Domestic Gas Stoves	04246	92

1	2	3	4	5	6
18.	9268390	2000/12	Anu Products Ltd., Tigaon Road, Old Faridabad-121002	Butachlor Granules	09362 80
19.	9268491	2000/12	Anu Products Ltd., Tigaon Road, Old Faridabad-121002	Gamma-BHC (Lindane) EC	00632 78
20.	9268592	2000/12	Sureka Chemicals C-18, 20 & 22 Govt. Industrial Estate, Gorakhpur-273015	Methyl, Parathion dusting power	08960 78
21.	9268693	2001/01	Alakhnanda Plywood Industries (P) Ltd., Vill. Ram Vihar Colony, Khajuri Road, Yamuna Nagar	Plywood for General purposes	00303 89
22.	9268794	2001/04	Alakhnanda Plywood Industries (P) Ltd., Vill. Ram Vihar Colony, Khajuri Road, Yamuna Nagar-135001	Block Boards	01659 90
23.	9268895	2000/12	Kirpal Singh & Sons Sangwan Chowk Darwali Road, Sirsa	Power Threshers	09020 79
24.	9268996	2001/01	Satyam Appliances A-3824 S. G. M. Nagar NH-3 NIT Faridabad	Domestic Gas Stoves	04246 92
25.	9269089	2001/01	Leh Cement Taru Leh Ladakh	43 Grade OPC	08112 89
26.	9269190	2001/01	Leh Cement Taru Leh Ladakh	OPC 33 Grade	00269 89
27.	9269291	2000/12	Sidwai Refrigeration Industries Ltd. Manthapal, Nahan Road Kala Amr Sirmour	Room Air Conditioners	01391 92
28.	9269392	2000/12	Fungicides India Ltd. Lane No. 4 Phase-II Sidco Indl Complex Bari Brahmna Jammu	Phenthoate EC	08291 76
29.	9269493	2000/12	Duro Pipe Industries Vill. Makra Po Lahangpur Jaunpur	PVC Screen Ans Casing Pipes	12818 92
30.	9269594	2001/01	JCT Ltd. J.C.T. Ltd. (Steel Divn) Vill. Chohai, Chintpurni Road Hoshiarpur	Mild Steel, Wire, Formed Wires	03975 88
31.	9269695	2001/12	Balmer Lawrie & Co. Ltd. Vill. Baholi Marketing Complex PO Panipat Refinery Panipat	Bitumen Drums	03575 93

1	2	3	4	5	6	
32.	9269796	2001/01	Bokhara Industries Pvt. Ltd., Plot No. B-3, Sidhwan Industrial Area, Rampur Jaunpur	OPC 33 Grade 00269		89
33.	9269897	2000/12	Leader Forge (India) Pvt. Ltd. A-9 Focal Point Jalandar	Copper Alloy Gate Globe & Chec 00778		84
34.	9269901	2001/01	Dharam Engineering Company G.T.Road Batala-143505	Glossary of Terms Used in AC. 03615		88
35.	9270074	2000/12	Bharat Insecticides Ltd. C-3 and 4 MIE, Bahadurgarh	Dimethoate Technical 03903		84
36.	9270175	2001/01	Jai Chemicals 14/1 Mathura Road Faridabad	Malathion Water DD 02569		78
37.	9270276	2001/01	Rajasthan Cement Industries Industrial Area Sicop Kathua-184102	Portland Pozzolana Cement 01489	02	91
38.	9270377	2001/01	Krishana Wire Insulation Triveni Complex Govardhan Road Mathura-281004	Winding Wires for Submersible 08783	04 03	95
39.	9270478	2000/12	Ajanta Raj Proteins Ltd. Agra Bah Road VPO Manikpura Teh Bah Agra	Skimmed Milk Powder 13334	01	98
40.	9270579	2000/12	Surbhi Packers Khata No. 75/141 Khasra No. 201/1/Min /0-16-0, Khamomajra Mehlan Road Sangrur -148001	Square Tins-15g/ Litre 10325		89
41.	9270680	2001/01	G.C.Beverages Plot No. 63 HPSIDC Baddi Solan	Packaged Natural Mineral Water 13428		98
42.	9270781	2001/01	Atul Generators Pvt., Ltd. Nunhai Indl., Area Agra-282006	Deepwell, Handpump 09301		90
43.	9270882	2001/01	Jai Chemicals 14/1 Mathura Road Faridabad 121003	Pesticide Phorate G Encapsulate 9359		95
44.	9270983	2001/01	The British Machinery Supplied Company 17 A Industrial Area New Township Faridabad	Household Sewing Machine Head 14769		2000
45.	9271076	2001/02	Avery Cycle Industries Ltd. Phase Vill. Focal Point Chandigarh Road Ludhiana	Hot Rolled Steel Strip 10748		95
46.	9271177	2001/01	Ambika Plywood Ind. (P) Ltd. Vill., Inderpur Tehsil-Bilaspur Rampur	Block Boards 01659		90
47.	9271278	2001/02	Datt Mediproducs Ltd. 53, 54, and 63 Roz-Ka- Meoi Industrial Area Sohna Gurgaon	Crepe Bandage 4605		81

1.	2	3	4	5	6
48.	9271379	2001/02	C.R.Auluck and Sons Ltd. Plot No. 426 Industrial Area A Ludhiana	Household Sewing Machine Head 14769	2000
49.	9271480	2001/02	Geminy Industrial Corpn. 270 G.T.Road Dhandari Ludhiana-141010	Household Sewing Machine Head 14769	2000
50.	9271581	2001/02	Ample Hydraulics G-21, Phase VIII Industrial area, Mohali	Hydraulically Regulated Door Closers 03564	95
51.	9271682	2001/02	V.K.Industries Katoratal Road Kashipur Distt: U.S. Nagar-244713	Conduit for Electrical Installations 09537	03 83
52.	9271783	2001/01	Asndotra Cement Industries Industrial Extension Area Kathua (J&K)	43 Grade, OPC 08112	89
53.	9271884	2001/02	Tentiwal Wire Products Ltd. Radhey Shyam Colony Delhi-Masani Road, Mathura	Winding Wires for Submersible 08783	04 03 95
54.	9271985	2001/02	Blue Bird Appliances Pvt. Ltd. 3F/09 First Floor B.P.NIT Faridabad	Domestic Gas Stoves 04246	92
55.	9272078	2001/02	Vallabh Steels Ltd. G.T.Road Vill., Nandpur Sahnewal, Ludhiana-141120	Steel Tubes For Mech. and Gen. 03601	84
56.	9272179	2001/02	Surjeet Steel Industries D-130 Industrial Area Phase Vill. Sas Nager, Mohali	Tubular Steel Poles for Overhead 02713	1-3 80
57.	9272280	2001/03	Hindustan Wires Ltd. 267-268, Sector 24 Faridabad	Welded Low Carbon Steel Cylinders 03196	01 92
58.	9272381	2001/02	Winner Industries 3761 MCF Sanjay Colony 33 Feet Road Sector 23, Faridabad	Elec. Fan Motors 01709	84
59.	9272482	2001/02	Galaxy Plywood Industries Pvt. Ltd. Vill., Kami Majra Khajuri Road, Yamunanagar	Block Boards 01659	90
60.	9272583	2001/02	Galaxy Plywood Industries Pvt. Ltd. Vill., Kami Majra Khajuri Road Yamunanagar	Plywood for General Purposes 00303	89
61.	9272684	2001/02	Durable Conductors Vill., Katha PO Baddi Solan	Alum Conductors for Overhead Transmission Purposes 00398	04 94
62.	9272785	2001/02	Durable Conductors Vill., Katha PO Baddi Solan-173205	Alum Conductors for Overhead Transmission Purposes 00398	01 96

1	2	3	4	5	6
63.	9272886	2001/02	Harisar Industrial Corpn. C-155 Focal Point V. Ludhiana	Plywood for General Purposes	00303 89
64.	9272987	2001/02	Harisar Industrial Corpn. C-155 Focal Point Phase V Ludhiana	Block Boards	01659 90
65.	9273080	2001/02	Kitply Industries Ltd. Shahband Road PO Rampur-244901	Black Boards	01659 90
66.	9273181	2001/03	Mount Everest Mineral Water Ltd., VPO Dhaura Kaunm Teh. Paonta Sahib, Sirmour	Packaged Natural Mineral Water	13428 98
67.	9273282	2001/01	Anu Products Ltd. Tigaon Road Old Faridabad	2,4-D Ethyl Ester Granules	13513 92
68.	9273383	2001/03	Sonalika Agro Industries Corpn. Vill. Chak Gujran Jalandhar Road Hoshiarpur-146002	Power Threshers	09020 79
69.	9273484	2001/02	Amar Cements SICOP Industrial Area Hath More Kathua (J&K)	43 Grade OPC	08112 93
70.	9273585	2001/03	Schneider Electric India Ltd. 10, DLR Industrial Area Phase 2 Faridabad	Electrical Accessories- Circuit	08828 96
71.	9273686	2001/03	Preet Stove Udyog Vill. Gullarwala Sai Road Industrial Area PO. Kudhwara Baddi	Domestic Gas stoves	04246 92
72.	9273787	2001/03	B. J. Scientific Instruments Company 6268/43 Ahata Hari Parshad Nicholsan Road Ambala Cantt-133001	Student Type Microscope	03686 66
73.	9273888	2001/02	JAI Chemicals 14/1 Mathura Road Faridabad	DICOFOL., F.C.	05279 69
74.	9273989	2001/03	Sudarshan Doors Pvt. Ltd. Visayak Pur Rania Kanpur Dehat	Marine Plywood	00710 76
75.	9274082	2001/03	Navrang Manufacturing Corpn. 163 Sherpur Road Bye Pass Ludhiana-141010	Household Sewing Machine Head	14769 00
76.	9274183	2001/03	Shivalik Cement Industrial Estate Battle Ballian Udhampur (J&K)	43 Grade OPC	08112 89
77.	9274284	2001/03	Gates India Pvt. Ltd. Vill. Sarsini Ambala Chandigarh Highway PO Lalru Lalru	Rubber Water Hose	00444 87

1.	2	3	4	5	6	7
78.	9274385	2001/02	Gates India Pvt. Ltd. VIII. Sarsini Ambala Chandigarh Highway PO Lahr Lahr	Rubber Hose for Welding	00447	88
79.	9274486	2001/03	N.K. Enterprises VIII. Pritampura Road Badmalik PO P.S. Rai Sonapat	V Belts Endless V Belts For INDI.	02494	01 94
80.	9274587	2001/03	M.L.A. International D-104 Focal Point Extension Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879	87
81.	9274688	2001/03	Ragunath Rubber Industries Dukhari Road Vill. Mohra Ambala Cantt-	Rubber Hose for Welding	00447	88
82.	9274789	2001/03	Northern India Chemical Industries 182/79, INDI., Area Phase I Chandigarh	Zinc Sulphate Heptahydrate, Agri	08249	94
83.	9274890	2001/03	Rama Industries Ltd. VIII. Chaundheri PO Dappar Teh. Rajpura Ambala Chandigarh Highway Distt: Patiala - 140506	Gelatin Food Grade	05719	70
84.	9274991	2001/03	Rex Sewing Machine CO. (P) LTD. 245 Industrial Area A Ludhiana 141003	Household Sewing Machine Head	14769	2000
85.	9275084	2001/03	Singer India Ltd. Lane No. 4 SIDCO Industrial Area Bari Brahmna Jammu-181133	Household Sewing Machine Head	14769	2000
86.	9275185	2001/03	Chattan Cement Industries SICOP Industrial Area Hatimore Kathua (J&K)	43 Grade OPC	08112	89
87.	9275286	2001/03	Bhawani Industries Pvt. Ltd. VIII. Ajnali Backside Focal Point G.T. Road Mandi Gobindgarh Distt Fatehgarh Sahib	Hot Rolled Steel Strip	10748	95
88.	9275387	2001/03	Bhawani Industries Pvt. Ltd. VIII. Ajnali Backside Focal Point G.T. Road Mandi Gobindgarh Distt Fatehgarh Sahib	Mild Steel Tubes, Tubulars	01239	90
89.	9275488	2001/03	Surya Tiles And Pavers Plot No. 280 Industrial, Area Panchkula	Cement Concrete Flooring Tiles	01237	80
90.	9275589	2001/03	Surya Tiles and Pavers Plot No. 280 Industrial Area Phase II Panchkula	Chequered Cement Concrete Tiles	13801	93

1	2	3	4	5	6	
91.	9275690	2001/03	Star Plyboards Ltd. Vill., Gadhouli Near Tejli Sports Complex, Yamunanagar	Veneered Decorative Plywood	01328	96
92.	9275791	2001/03	Ajay Plywood Industries Pvt. Ltd. Jagadhri Distt. Yamunanagar	Veneered Decorative Plywood	01328	96
93.	9275892	2001/03	Bhambri Steels Pvt. Ltd. Amloh Road Mandi Gobindgarh Vill. Tooran Distt. Fatehgarhsahib-1437301	Steel for General Structural Purposes	02062	99
94.	9275993	2001/03	Shalimar Petro Products Pvt. Ltd. Nandgaon Road Vill. Barhana Kosi Kalan Mathura	Fillers for Expansion joint in	01838	01 83
95.	9276086	2001/03	Sidharth Industries Plot Nq. E-30 Industrial, Focal Point Hoshiarpur-146001	Domestic Pressure Cookers	02347	95
96.	9276187	2001/03	Siri Ram Fertilizers Mfg. Co. C-58 Focal Point Kotkapura-151204	Zinc Sulphate Heptahydrate Agri	08249	94
97.	9276288	2001/03	Shri Ram Crop Chemical, Pvt. Ltd. Gudar Dhandi Road Guru Har Sahai Distt Ferozepur—	Zinc Sulphate Heptahydrate Agri	08249	94
98.	9276389	2001/03	Nipco Internationals 2, Gaispura Road Po Dhandari Kalan Ludhiana—	Household Sewing Machine Head	14769	2000
99.	9276490	2001/03	D.S. Foods Ltd. Vill. Raison Distt. Kullu (HP)—	Packaged Natural, Mineral Water	13428	98
100.	9276591	2001/03	Perfect Electro Controls Basti Bawa Khel Kapurthala Road Jalandhar-144021	Electrical, Accessories- Circuit	08828	96
101.	9276692	2001/03	Vidhata Cement Co. Pvt. Ltd. Industrial Area C Jaspal Bangran Road Outside Octroi Kanganwai, Ludhiana—	Block Boards	01659	90
102.	9276793	2001/03	Vidhata Cement Co. Pvt. Ltd. Industrial Area C Jaspal Bangran road Outside Octroi Kanganwai, Ludhiana—	Plywood for General Purposes	00303	89
103.	9276894	2001/03	Anand Electrolab Cables (P) Ltd. 54 KM Stone GT Road Bhigan Sonapat—	PVC Insulated (Heavy Duty) Electric Cables	01554	01 88

1	2	3	4	5	6	
104.	9276995	2001/03	J.K. Appliances Vill. Daon Near Minerva Academy Teh. Kharar Distt : Ropar—	Domestic Gas Stoves	04246	92
105.	9277088	2001/03	Perfect Agro Mills (P) Ltd. Millanpur Road VPO Humbrand Distt : Ludhiana—	Plywood for General Purposes	00303	89
106.	9277189	2001/02	Rita Machines (India) Ltd. 416, Industrial Area 'A' Ludhiana—	Household Sewing Machine Head	14769	2000
107.	9277290	2001/03	Perfect Agro Mills (P) Ltd. Millanpur Road VPO Humbran Distt : Ludhiana	Block Boards	01659	90
108.	9277391	2001/03	Sondhi Manufacturing Co. Outside Industrial Area Jalandhar City-144001	Sluice Valves for water works	00780	84
109.	9277492	2001/03	Satraj Pvt. Ltd. C-90 Phase, VII Indl. Area Mohali—	V Belts Endless V Belts for Industrial Purposes	02494	01 94
110.	9277593	2001/03	A.K. Tools Industries M-33 Industrial Area Jalandhar	Copper Alloy Gate Globe and chec.	00778	84
111.	9277694	2001/03	Bharat Rasayan Agro (P) Ltd. Trilokpur Road Kala Amb. Tehsil Nahan, Dist : Sirmour	Endosul Fan EC	04323	80
112.	9277795	2001/03	Roop Enterprises 182/74 Indl. Area Phase-1 Chandigarh	Disinfectant Fluids, Phenolic Type	01061	97
113.	9277896	2001/03	Bir Sain Anand & Co. Pvt. Ltd. Lane No. 5, Phase II SIDCO Ind. Complex Bari Brahmna Jammu	Precast Concrete Pipes	00458	88
114.	9277997	2001/03	Vidya Ply & Board Pvt. Ltd. Vill. Lalpur Post-Dadraal Jalalabad Road Shahjahanpur-242001	Veneered Decorative Plywood	01328	96
115.	9278090	2001/03	Pooja Machines Pvt. Ltd. VPO Haryal Pathankot-145001	Household Sewing Machine Head	14769	2000
116.	9278191	2001/03	Shivalik Agro Chemicals B-59 Phase VII Sas Nagar	Fenvalerate EC	11997	87
117.	9278292	2001/03	Shivalik Agro Chemicals B-59 Phase VII, Sas Nagar	Ethion EC	10319	82
118.	9278393	2001/03	Saraf Industries Bhatinda Road Rampura Phul Distt. Bhatinda-151103	AC Static Watthour Meters, Class 1 and 2	13779	93
119.	9278494	2001/03	Precision Meters (P) Ltd. Barwala Road Vill. Madhopur Dera Bassi Distt : Patiala-140507	AC Static Watthour Meters, Class 1 and 2	13779	93

1	2	3	4	5	6
120.	9278595	2001/03	Vidhya Dye Chem. Industries 1891, Modern Industrial Estate Bahadurgarh-124507	Synthetic Food Colour	05346 94
121.	9278696	2001/03	Shivalik Chemicals Pvt. Ltd. 349, Phase II Industrial Area Chandigarh.	Zinc Sulphate heptahydrate, Agri	08249 94
122.	9278797	2001/04	A. S. Metal, Steel Works Ram Nagar Jalandhar-144008	Ferrules for Water Services	02692 89
123.	9278803	2001/04	Jagota Metal Industries E-59 Industrial Area Jalandhar-	Copper Alloy Gate Globe & Check Valves	00778 84
124.	9278902	2001/04	Varuni Industries 32 Anand Puri Basant Vihar Ludhiana-	Household Sewing Machine Head	14769 2000
125.	9279092	2001/04	Singla Motors 5 KM Milestone Kaithal Road, Karnal.	Monoset Pump for Clear Cold Water	09079 89
126.	9279193	2001/04	Agro Steel Castings 419, Behind HSIDC Office Industrial, Estate Yamuna Nagar-135001	Wooden Flush Door shutters	02202 99
127.	9279294	2001/04	Safex Chemicals India Ltd. A-2, MIF Delhi Rohtak Road, Bahadurgarh-124057	Butachlor EC	09356 80
128.	9279395	2001/04	Rama Rubber Industries 291, Umran Rania Kanpur Dehat-	V Belts Endles V Belts for Industrial Purposes	02494 01 94
129.	9279496	2001/04	G.C. Jain Engg. Works Daba Road G.T. Road Ludhiana-	Household Sewing Machine Head	14769 2000
130.	9279597	2001/03	Gold Mohur Foods and Feeds Ltd. Focal Point Dhakansu Road Rajpura Distt : Patiala-140501	Compound Feed for Cattle	02052 79
131.	9279601	2001/04	Deepak Fasteners Ltd. E-535 to 538-555 PH. VI Focal Point Ludhiana-	Hexagon Head Bolts Screw & Nuts	01363 01 92
132.	9279702	2001/04	Deepak Fastners Ltd. E-535 to 538-555 PH. VI Focal Point Ludhiana-	Transmission Tower Bolt	12427 88
133.	9279803	2001/04	Supreme Surgicals Rohtak Senapat Road Bohar Rohtak-124023	Handloom Cotton Bandage	00863 88
134.	9279904	2001/04	R.R. Metal Works 78, Globe Colony Jalandhar-	Copper Alloy Gate Glore & Check Valves	00778 84
135.	9280077	2001/04	R. C. Products Opp ITI Chandpur Yamunanagar-135001	Plywood for General Purposes	00303 89

1	2	3	4	5	6	
36.	9280178	2001/04	R. C. Products Opp ITI Chandpur Yamuna Nagar-135001	Block Boards	01659	90
137.	9280279	2001/03	Amit Decorative Plywoods Vill. Rampur PO Kharkhoda (Auchandi Border) Near Saidpur Chowk Distt : Sonapat-	Block Boards	01659	90
138.	9280380	2001/04	Narendera Scientific Industries 2773/18 Timber Market Ambala Cantt-133001	Density Hydrometer	03104	01 82
139.	9280481	2001/03	SPL Ltd. Kassar Distt. Jhajjar (Hr.)-124507	Dust Pressed Ceramic Tiles	13753	93
140.	9280582	2001/04	Sadashiv Structural (P)Ltd. Pandwala Road Mubarikpur Derabassi Distt. Patiala	Mild Steel Tubes, Tubulars	01239	01 90
141.	9280683	2001/05	Oswal Electricals (Pumps) 71/3 Milestone G.T.Road Karnal	Monoset Pump For Clear Cold Water	09079	85
142.	9280784	2001/04	Radicals Instruments 123, Industrial Estate Ambala Cantt.	Pathological Microscope	04381	67
143.	9280885	2001/03	Hansa Tubes Ltd. Habitpur Road Dera Bassi Distt. Patiala	Carbon Steel Sheets And Strips	00513	94
144.	9280996	2001/04	Golden Plywood Industries (P) Ltd. Mullanpur Road VPO Humbran Distt. Ludhiana	Wooden Flush Door Shutters	02202	01 99
145.	9281079	2001/05	Balaji Industries C-3A Focal Point Kotkapura	Zinc Sulphate Heptahydrate Agri	08249	94
146.	9281180	2001/05	Avon Meters Pvt. Ltd. D-15 Industrial Focal Point Dera Bassi	Ac Static Watthour Meters Class 1 and 2	13779	93
147.	9281281	2001/04	Balswar Spun Pipe Industries Vill. Bariya (Motinager) PO Budhera Distt. Barabanki	Precast Concrete Pipes	00458	88
148.	9281382	2001/03	Shri Nath Industries 36, Industrial Estate Kathua	Portland Pozzolana Cement	01480	02 91
149.	9281483	2001/03	Crystal Phosphates Ltd. Vill. Nathupur Distt. Sonapat	Endosulfan EC	04323	80
150.	9281584	2001/04	Sudheer Scientific Works 1265 Bengali Mohalla Ambala Cantt.	Pathological Microscope	04381	67

1	2	3	4	5	6	
151.	9281685	2001/04	Sureka Chemicals C-18,20 & 22 Government Industrial Estate Gorakhpur-273015	Malathion Dusting Powder	02568	78
152.	9281785	2001/04	Shobit Mallables A-25 Indl. Estate Jalandhar-144004	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879	87
153.	9281887	2001/04	Rajan Metal Industries M-35 Industrial Area Jalandhar.	Copper Alloy Gate Globe & Check and Valves	00778	84
154.	9281988	2001/05	Juneja Metal Works Vill., Variana Kapurthala Road PO Basti Guzan Jalandhar.	Copper Alloy Gate Globe & Check and Valves	00778	84
155.	9282081	2001/04	Sahni Strips & Wires Pvt. Ltd. Rathdana Road Aknbarpu. J. rota Distt. Sonapat	Mild Steel Wire	00280	78
156.	9282182	2001/04	P.R. Metal Industries 140 E Focal Point Phase IV Ludhiana.	Copper Alloy Gate Globe & Chec	00778	84
157.	9282283	2001/04	Efforts Rubber Industry Main Market Opp UCO Bank Kalanpur (Rohtak)	Tooth Powder	05382	85
158.	9282384	2001/05	Hansa Metalics Ltd. Vill., Sumalheri Lalru Distt. Patiala.	Galvanized Steel Sheets	00277	92
159.	9282485	2001/05	Geeta Industries Mukerji Park Jagadhri Distt. Yamuna Nagar.	Sterilizer Portable Vertical	08462	77
160.	9282586	2001/05	Sadashiv Structurals Pvt. Pandwala Road Mubarikpur Derabassi Distt. Patiala	Steel Tubes For Structural Purposes	01161	98
161.	9282687	2001/05	Shree R. International 47/50 First Floor General Ganj Kanpur.	Synthetic Food Colour	05346	94
162.	9282788	2001/05	Ajanta Feed Industries Near Gaib Di Pulli G. T. Road Khanna Distt. Ludhiana.	Compounded Feed For Cattle	02052	79
163.	9282889	2001/05	Skytone Electricals (India) Ltd. 42 & 43 Industrial Area NIT Faridabad.	Crosslinked Polyethylene Insulated PVC Sheathed Cables	07098	02 85
164.	9282990	2001/05	Prateek Extrusion Pvt. Ltd. 401, Phase 4 Udyog Vihar Gurgaon.	Conduits for ELE Installations	09537	03 83

1	2	3	4	5	6	
165.	9283083	2001/05	Rohit Engineering Works Outside Bhagat Singh Nagar G.T. Road Bye Pass Jalandhar.	Copper Alloy Gate Globe & Check Valves	00778	84
166.	9283184	2001/05	Haryana Plywood Industries Pvt. Ltd. 33 KM Stone G. T. Karnal Road PO Kundli Sonapat.	Block Boards	01659	90
167.	9283285	2001/05	Kissan Chemical, and Fertilizers Kotli Road Kukatsar-152026.	Zinc Sulphate Heptahydrate Agri	08249	94
168.	9283386	2001/05	Bajaj Home Products G. T. Road Fatehabad.	Biscuits	01011	92
169.	9283487	2001/05	Kay sons Electrical Pvt. Ltd. SH-15/79-A Shivpur Varanasi.	Conduit for Electrical Installations	09537	02 81
170.	9283588	2001/05	Wincem Paints (P) Ltd. Near PCPJ, Bhankerpur Teh. Derabassi Mubarikpur Road Distt, Patiala-140201.	Cement Paint	05410	92
171.	9283689	2001/05	Quality Pumps Pvt. Ltd. 95-A Dada Nagar Kanpur.	Deepwell Handpump Components-Nitrile Rubber	14104	94
172.	9283790	2001/05	New Century Cement Company Rurail, Focal, Point Vill. Pathrala Distt. Bhatinda.	Portland Slag Cement	00455	89
173.	9283891	2001/05	Haryana Agro Fertilizers and Chemicals G.T. Road Shahbad Markamda-136135.	Pesticide Anilophos	13403	92
174.	9283992	2001/05	Haryana AFRO Fertilizers and Chemicals, G.T. Road, Shahbad Markanda.	Butachlor EC	09356	80
175.	9284085	2001/05	Kirshna Krishna Jewellers Pvt. Ltd., Shop No. 112, Old Court Road, Panipat-132103.	Gold and Gold Alloys, Jewellery	01417	99
176.	9284186	2001/05	ESS ESS Kay Co. Ltd., Factory Area Post Box No. 6 Kapurthala-144601.	PVC Insulated Cables	00694	90
177.	9284287	2001/05	India Pesticides Ltd., E-18 to 23 UPSIDC Industrial Area Deva Road Chinhhat Lucknow.	Ziram Water, DP	03901	75
178.	9284388	2001/05	India Pesticides Ltd. E-18 to 23 UPSIDC Industrial Area Dewa Road Chinhhat Lucknow.	Ziram Colloidal Suspension	11010	84

1	2	3	4	5	6	
179.	9284489	2001/05	Standard Rubber Mills Khandsa Road Gurgaon-122001.	Flexible Rubber Tubing	10908	91
180.	9284590	2001/05	Daikin Shriram Air Conditioning Pvt Ltd., Plot No. 14 Sec. 14 Faridabad-121004.	Room Air Conditioners	01391 01	92
181.	9284691	2001/05	Crystal Phosphate Ltd. G.T. Karnal Road, VPO Nathupur Distt. : Sonapat.	Zinc Sulphate Heptahydrate, Agri	08249	94
182.	9284792	2001/05	P.N. Safetech Pvt. Ltd. E-4 Govt. Industrial Estate Talkotra Road Lucknow-22601.	Industrial, Safety Helmet	02925	84
183.	9284893	2001/05	Haryana Wood Products Vill. Mukarabpur Chhachhrauli Road Jagadhari Distt. : Yamunanagar.	Block Boards	01659	90
184.	9284994	2001/05	Jaspreet Foundry Gurdaspur Road Vill. : Kutbi Nangal Batala-143501.	Horizontally Cast Iron Double Flanged Pipes for Water, Gas and Sewage	07181	86
185.	9285087	2001/05	Sam Cable & Conductors (P) Ltd. Vill. : Shimla Pistor PO Lalpur 6 Km. Rudrapur-Kichha Road Rudrapur Distt. : U.S. Nagar.	Cross Linked Polyethylene Insulated PVC Sheathed Cables	07098 01	88
186.	9285188	2001/06	Shri Ram Agro Bagrian Road V. Bardwai Dhuri-148024.	Zinc Sulphate Heptahydrate, Agri	08249	94
187.	9285289	2001/05	Shree Ganesh Jewellers Ltd First Mall The Mall Ludhiana.	Gold and Gold Alloys, Jewellery/ Artefacts-Finest and Marking	01417	99
188.	9285390	2001/06	SA Timber Traders Vill. Kami Majra Khajuri Road Yamunanagar.	Plywood for General, Purposes	00303	92
189.	9285491	2001/06	SA Timber Traders Vill. Kami Majra Khajuri Road Yamunanagar.	Block Boards	01659	90

1	2	3	4	5	6
190.	9285592	2001/06	Metro Plywood (P) Ltd. At & PO Damla Delhi Road Yamunanagar.	Block Boards 01659	90
191.	9285693	2001/06	Metro Plywood (P) Ltd. At & PO Damla Delhi Road Yamunanagar-135001.	Plywood for General, Purposes 00303	89
192.	9285794	2001/05	Muteer Electrical Industries 19B Industrial Estate Barzulls Sant Nagar-190005.	Stationary Storage, ELE Water Heaters 02082	93
193.	9285895	2001/05	CICO Technologies Ltd. 3 Km Basai Road Gurgaon.	Integral Cement Waterproofing 02645	75
194.	9285996	2001/06	Sudheer Scientific Works 1265 Bengali Mohalla Ambala Cantt.	Binocular Eye- pieces for Micro- scope 08275	76
195.	9286089	2001/05	Hindustan Safety Glass Works Bamrauli Allahabad-211012.	Silvered Glass Mirrors 03438	94
196.	9286190	2001/06	Gujarat Ambuja Cements Ltd. Near Gurunanak Dev Thermal Plant Malout Road Bhatinda-151005.	Portland Pozzolana Cement 01489	91
197.	9286291	2001/06	Sunder Lal Mohinder Pal Jain Sadar Bazar Bhatinda.	Gold and Gold Alloys, Jewellery/ Artefacts-Finess and Marking 01417	99
198.	9286392	2001/05	Bharat Rasayan Agro (P) Ltd. Trilokpur Road Kala AMB. Teh. Nahan Distt. Sirmour-173030.	Monocroptophos SI 08074	90
199.	9286493	2001/05	Bharat Rasayan Agro (P) Ltd. Trilokpur Road Kala AMB. Teh. Nahan Distt. Sirmour.	Cypermethrin EC 12016	87
200.	9286594	2001/06	Gujarat Ambuja Cement Ltd. Near Gurunanak Dev Thermal Plant Malout Road, Bhatinda-151005.	53 Grade OPC 12269	87

[Ref : CMD-1/13 : 11]

S.K. CHAUDHURI, Dy. Director General

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 मार्च, 2004

का.आ. 747.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2468, तारीख 19 अगस्त, 2003, जो भारत के राजपत्र तारीख 30 अगस्त, 2003 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में महाराष्ट्र राज्य में पानेवाडी (मनमाड) से मध्य प्रदेश राज्य में मांगल्या (इंदौर) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए मुंबई—मनमाड पाइपलाइन विस्तार परियोजना के माध्यम से भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 13 अक्टूबर, 2003 तक उपलब्ध करा दी गई थीं;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : मालेगांव

जिला : नाशिक

राज्य : महाराष्ट्र

ग्राम का नाम	गट/सर्वे नंबर	क्षेत्र		
		हेक्टर	आर	चौरस मीटर
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. चोंढी	52 भाग	0	33	38
2. जलगांव (निं)	451 भाग	0	05	08
	381/2 भाग	0	07	77
3. कालेवाडी	35/1 भाग	0	03	00
	35/2 भाग	0	03	00
4. घोडेगाव	25/1 भाग	0	10	20
	79/1 भाग	0	07	87
5. मेहुणे	53/1 अ भाग	0	05	60
	55/3 भाग	0	07	34
	56/1/2 भाग	0	11	64
	109 भाग	0	16	13
6. चंदनपुरी	193 भाग	0	01	06
	188/3 भाग	0	03	57
	119/1 भाग	0	16	40
	119/2 भाग	0	06	56
	119/3 भाग	0	06	56
	89/1 भाग	0	09	50

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	चंदनपुरी (जारी)	89/2 भाग	0	09	49
		89/3 भाग	0	09	50
7.	मालधे	107 भाग	0	07	70
		106(ब) भाग	0	11	72
8.	सर्वदगांव	92 भाग	0	10	44
		109/अ भाग	0	03	66
9.	सायने बुदुख	194/3 भाग	0	06	33
		168/2 भाग	0	12	12
10.	मालहणगांव	278/2 भाग	0	14	24
		101/3 भाग	0	13	99
		90/1 भाग	0	06	20
		90/4 भाग	0	07	80
11.	चिखलओहोल	483/अ भाग	0	13	43
		484/ब भाग	0	09	00
		401/1 भाग	0	04	54
		371/1/2 भाग	0	01	54
12.	नाले	175/1ब/1 भाग	0	08	56
		175/1ब/2 भाग	0	08	56
		36/1 भाग	0	10	68
		36/2/2 भाग	0	07	26
		39/2 भाग	0	05	40
		48/1 भाग	0	05	40
13.	देवरपाडे	197/1 अ भाग	0	04	39
		197/2 भाग	0	07	00
		186/3 भाग	0	08	62
		184/2 भाग	0	04	34
		184/4 भाग	0	13	60
		176	0	17	00
14.	भिलकोट	45/1अ/1 भाग	0	08	00
		92/1 भाग	0	08	00
		123 भाग	0	07	20
		153/2 भाग	0	09	27
15.	गुगलवाड	303/3 भाग	0	07	48
		309/2 भाग	0	07	87
		282/2ब/3 भाग	0	17	36
		243/1 भाग	0	09	60
16.	पलासदर	93/2 भाग	0	03	00
		104/2 भाग	0	10	70
		173/1ए/1 भाग	0	07	40

[फा. सं. आर-31015/10/2001-ओ आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 16th March, 2004

S.O 747.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 2468 dated the 19th August 2003, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 30th August, 2003, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of petroleum products through Mumbai-Mannad Pipeline Extension Project from Panewadi (Mannad) in the State of Maharashtra to Manglya (Indore) in the State of Madhya Pradesh by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 13th October, 2003;

And whereas the competent authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the Schedule is hereby acquired for laying the pipeline.;

And, further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration, in Bharat Petroleum Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tahsil : Malegaon

District : Nashik

State : Maharashtra

Name of Village	Gat/Survey Numbers	Hectors	Area Ares	Sq. Mts.
1 2	3	4	5	6
1. Chondi	52 Pt.	0	33	38
2. Jalgaon (N)	451 Pt.	0	05	08
	380/2 Pt.	0	07	77
3. Kalewadi	35/1 Pt.	0	03	00
	35/2 Pt.	0	03	00
4. Ghodegaon	25/1 Pt.	0	10	20
	79/1 Pt.	0	07	87
5. Mehune	53/1 A Pt.	0	05	60
	55/3 Pt.	0	07	34
	56/1/2Pt.	0	11	64
	109 Pt.	0	16	13
6. Chandanpuri	193 Pt.	0	01	06
	188/3Pt.	0	03	57
	119/1 Pt.	0	16	40
	119/2 Pt.	0	06	56
	119/3 Pt.	0	06	56
	89/1 Pt.	0	09	50
	89/2 Pt.	0	09	49
	89/3 Pt.	0	09	50

1	2	3	4	5	6
7	Meldhe	107 Pt.	0	07	70
		106(B) Pt.	0	11	72
8.	Savandgaon	92 Pt.	0	10	44
		109/A Pt.	0	03	66
9	Sayane Budruk	194/3 Pt.	0	06	33
		168/2 Pt.	0	12	12
10	Malangaon	278/2 Pt.	0	14	24
		101/3 Pt.	0	13	99
		90/1 Pt.	0	06	20
		90/4 Pt.	0	07	80
11.	Chukhai Ohal	483/A Pt.	0	13	43
		484/B Pt.	0	09	00
		401/1 Pt.	0	04	54
		371/1/2 Pt.	0	01	54
12	Nale	175/1B/1 Pt.	0	08	56
		175/1B/2 Pt.	0	08	56
		36/1 Pt.	0	10	68
		36/2/2 Pt.	0	07	26
		39/2 Pt.	0	05	40
		48/1 Pt.	0	05	40
13.	Devarpade	197/1 APt	0	04	39
		197/2 Pt.	0	07	00
		186/3 Pt.	0	08	62
		184/2 Pt	0	04	34
		184/4 Pt	0	13	60
		176	0	17	00
14.	Bhilkot	45/1A/1 Pt.	0	08	00
		92/1 Pt.	0	08	00
		123/Pt.	0	07	20
		153/2 Pt.	0	09	27
15.	Gugalwad	303/3 Pt.	0	07	48
		309/2 Pt.	0	07	87
		282/2B/3 Pt.	0	17	36
		243/1 Pt.	0	09	60
16.	Palasdare	93/2 Pt.	0	03	00
		104/2 Pt.	0	10	70
		173/1A/1 Pt	0	07	40

[F. No. R-31015/10/2001-OR-II]

HARISH KUMAR, Under Secy

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2004

का आ 748.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र राज्य में पानेवाडी (मनमाड) संस्थापन से मध्य प्रदेश राज्य में माण्ड्या (इंदौर) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए।

आर केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र, की प्रतियां भारतीय जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में श्री वी०पी० पाठक, सक्षम प्राधिकारी, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सी/19-ए, स्कीम नं० 78, स्लाइस नं० 5, ए०बी० रोड इन्दौर-452010 (मध्य प्रदेश) को लिखित रूप में आक्षेप ले सकेंगा।

अनुसूची			
तहसील : देपालपुर		जिला : इन्दौर	राज्य : मध्य प्रदेश
ग्राम का नाम		सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हैक्टेयर
(1)	(2)	(3)	(4)
	1. धन्नड	533/1	0.0360
		628	0.0022
		858	0.0210
	2. धावरा	522	0.0030
		382	0.0290
		358/1	0.0070
		521/3	0.0790
		521/5	0.0990
		490/2	0.0250

[फा. सं. आर. 31015/43/2001-ओ आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 17th March, 2004

O 748.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from the Panewadi (Manmad) terminal in the State of Maharashtra, an extension pipeline from Manmad (Indore) in the State of Madhya Pradesh should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

and whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri V.P. Pathak, Competent Authority, Mumbai—Manmad Pipeline Extension Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, C/19-A, Scheme No. 78, Slice No. 5, A B Road—Indore-452010 (Madhya Pradesh).

SCHEDULE**Tehsil : Depalpur****District : Indore****State : Madhya Pradesh**

Name of Village		Survey No.	Area in Hectare
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Dhannad	633/2	0.0360
		628	0.0022
		858	0.0210
2.	Dharavara	522	0.0030
		382	0.0290
		358/1	0.0070
		521/3	0.0790
		521/5	0.0990
		490/2	0.0240

[F. No P-31 015/4/2001 (20-11)]

HARISH KUMAR, Under Secy

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2004

का. आ. 749.—तेल उद्योग (विकास) अधिनियम 1974 (1974 का 47) की धारा 3 की उपधारा (3) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार नीचे लिखे नामों के सामने इंगित अवधि के लिए निम्नलिखित अधिकारियों को तेल उद्योग विकास बोर्ड के सदस्यों के रूप में नियुक्त करने का फैसला करती है।

	से	तक
1.	श्री प्रत्युश सिन्हा, सचिव, रसायन एवं पेट्रो. रसायन मंत्रालय	3-2-2004 2-2-2006
2.	श्री जे. एम. मास्कर, संयुक्त सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय	22-9-2004 23-4-2006

[संख्या जी-35012/2/91-विन-III]

के. पी. के. नाम्बिसन, अधीक्षक सचिव

New Delhi, the 17th March, 2004

S.O. 749.—In exercise of the powers conferred by Clause (c) of Sub-section (3) of Section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby appoints/re-appoints the following officers as Members of the Oil Industry Development Board for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier :

	From	To
1. Shri Pratyush Sinha, Secretary, Deptt. of C & PC	3-2-2004	2-2-2006
2. Shri J. M. Mauskar, Joint Secretary, MOP & NG	22-9-2004	23-4-2006

[No. G-35012/2/91-File-III]

K P K NAMBI, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 मार्च, 2004

का आ 750.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 30) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी, जो भारत के राजपत्र में तारीख 01 अगस्त, 2003 को प्रकाशित की गई थी, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का. आ. 2197 तारीख 28 जुलाई 2003 द्वारा कतिपय भूमि में गुरु गोविन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की समनुपंगी) द्वारा गुजरात राज्य में मुन्द्रा पत्तन स्थित अपरिष्कृत तेल सस्थापन से पंजाब राज्य में भटिंडा तक मुन्द्रा भटिंडा अपरिष्कृत तेल पाइपलाइन के माध्यम से अपरिष्कृत तेल के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी।

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 05 सितम्बर, 2003 तक उपलब्ध करा दी गई थीं;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा करती है कि इस अधिसूचना में सहाय अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के पश्चात्, सभी विन्ययनों में मुक्त, गुरु गोविन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड की समनुपंगी) में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : अन्जार		जिला : कच्छ		राज्य : गुजरात		
ग्राम का नाम		सर्वे नंबर	भाग यदि है तो	क्षेत्र हेक्टर	आर	सेन्टी आर
1	2	3	4	5	6	7
1.	चन्द्रोडा	ट्रावर्स 600 पैकी		00	81	29
		268		00	07	71
		266		00	07	90
		ट्रावर्स 600 पैकी		00	02	08
		ट्रावर्स 600 पैकी		00	14	06
		279.3	पैकी	00	05	76
		280		00	08	48
		ट्रावर्स 600 पैकी		00	06	49
			कार्ट ट्रैक	00	00	65
			काला	00	00	18
		484		00	00	03
		485.2		00	07	80
		484		00	29	00
	माल	276		00	01	41

1	2	3	4	5	6	7
	भुवड (जारी)	—	नदी	00	00	18
		460/3		00	00	99
		—	नाला	00	03	26
		187/1		00	03	82
		—	नाला	00	07	98
		186/1		00	07	05
		—	नाला	00	07	32
		684		00	17	25
		692		00	07	00
		165/1		00	22	11
		164		00	02	07
		148		00	04	91
		147		00	04	84
		ट्रार्बस 671 पैकी		00	09	50
3.	खेडोई मोटी	ट्रार्बस 718 पैकी		00	02	10
		—	लेराख नदी	00	05	30
		ट्रार्बस 718 पैकी		00	19	60
		—	कार्ट ट्रेक	00	00	59
		ट्रार्बस 718 पैकी		00	11	13
		468		00	03	97
		466		00	00	75
4.	खंभरा	—	नाला	00	00	57
5.	सीनुग्रा	141		00	09	83
		148/2		00	00	92
		51		00	08	81
		48		00	01	54
6.	मोटा नागलपुर	26/2		00	13	55
		—	सोंग नदी	00	07	65
		—	कार्ट ट्रेक	00	00	33
		ट्रार्बस 182 पैकी		00	01	30
7.	नागदण्ड नाला-2	13		00	01	49
		9 पैकी	नदी	00	03	43

1	2	3	4	5	6	7
8.	अन्जार	158/1		00	01	23
		142		00	16	51
		140/2		00	08	50
		140/1		00	07	26
		139		00	10	93
		137		00	03	65
		253	पैकी	00	14	63
		254	पैकी	00	66	59
		267	पैकी	00	27	29
		270		00	33	64
		301		00	00	93
		306	पैकी	00	02	00
		308/1		00	01	47
		347	पैकी	00	30	44
		444/2		00	01	47
		442		00	03	46
		497		00	00	12
9.	मीठा पसवारीया	ट्रार्क्स 162	पैकी	00	00	49
		101		00	07	53
		104/1		00	21	67
		88/2		00	03	61
		87		00	27	76
		—	नाला	00	09	20
10.	खारा पसवारीया	234	पैकी	00	02	15
		197/2		00	50	68
		197/1		00	09	71
		199	पैकी	00	00	02
		198		00	05	42
		ट्रार्क्स 204	पैकी	00	00	25
		5		00	10	86
		—	नाला	00	07	41
		ट्रार्क्स 204	पैकी	00	03	72
		52		00	16	66
		51		00	07	82
		64		00	03	41

1	2	3	4	5	6	7	
11.	अजापर	296		00	11	20	
		292/2		00	13	10	
		224	पैकी	00	24	91	
		161		00	02	19	
		160	पैकी	कार्ट ट्रेक	00	00	42
12.	भीमासर	625/2		00	01	60	
		626		00	04	61	
		—		मेटल रोड	00	04	52
		ट्रार्क्स 785	पैकी	00	03	62	
		671		00	00	65	
		670		00	02	22	
		ट्रार्क्स 785	पैकी	00	01	65	
		741		00	11	79	
		731		00	13	24	
		733		00	24	52	
		736	पैकी	00	16	73	
		17	पैकी	कार्ट ट्रेक	00	00	23
		80	पैकी	00	01	01	
		89		00	00	89	
		101		00	07	67	
13.	पसुडा	308		00	04	47	
		335		00	05	79	
		336	पैकी	00	06	34	
		338/2		00	02	45	
		342	पैकी	00	01	78	
		346		00	00	32	
		349		00	01	16	
		368/1		00	06	40	
		380	पैकी	कार्ट ट्रेक	00	04	01

[फ़. सं. आर-31015/47/2001-ओआर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd March, 2004

S.O. 750.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Number S.O. 2197 dated the 28th July, 2003, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India, on the 2nd August, 2003, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in certain land for the purpose of laying pipeline for transport of Crude Oil from crude oil terminal at Mundra Port in the State of Gujarat to Bathinda in the State of Punjab through Mundra-Bathinda Crude Oil Pipeline by Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited);

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 5th September, 2003;

And whereas, the competent authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted its report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on the date of publication of the declaration, in the Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited) free from all encumbrances.

SCHEDULE

Taluka : Anjar		District : Kutch		State : Gujarat		
Name of Village	Survey No.	Part if Any	ROU Area			
			Ha.	Ar.	Sq. mt.	
1	2	3	4			
(1) Chandroda	Towers 600	P	00	81	29	
	268		00	07	71	
	266		00	07	90	
	Towers 600	P	00	02	08	
	Towers 600	P	00	14	06	
	279/3	P	00	05	76	
	280		00	08	48	
	Towers 600	P	00	06	49	
	—	Cart Track	00	00	65	
	—	Nala	00	00	18	
	488		00	00	03	
	485/2		00	07	80	
	474		00	29	80	
	(2) Bhuvad	276		00	01	41
—		River	00	00	18	
460/3			00	00	99	
—		Nala	00	03	26	
187/1			00	03	82	

1	2	3	4	
	—	Nala	00	07 98
	186/1		00	07 05
	—	Nala	00	07 32
	684		00	17 25
	692		00	07 00
	165/1		00	22 11
	164		00	02 07
	148		00	04 91
	147		00	04 84
	Trowers 671	P	00	09 50
(3) Khedoi Moti	Trowers 718	P	00	02 10
	—	Lerakh River	00	05 30
	Trowers 718	P	00	19 60
	—	Cart Track	00	00 59
	Trowers 718	P	00	11 13
	468		00	03 97
	466		00	00 75
(4) Khambhara	—	Nala	00	00 57
(5) Sinugra	141		00	09 83
	148/2		00	00 92
	51		00	08 81
	48		00	01 54
(6) Mota Nagalpar	126/2		00	13 55
	—	Song River	00	07 65
	—	Cart Track	00	00 33
	Trowers 182	P	00	01 30
(7) Nagalpur Nana-2	13		00	01 49
	9	P . River	00	03 43
(8) Anjar	158/1		00	01 23
	142		00	16 51
	140/2		00	08 50
	140/1		00	07 26
	139		00	10 93
	137		00	03 65
	253	P	00	14 63
	254	P	00	66 59
	267	P	00	27 29
	270		00	33 64
	301		00	00 93
	306	P	00	02 00
	308/1		00	01 47
	374	P	00	30 44
	444/2		00	01 47

1	2	3	4	
	442		00	03 46
	497		00	00 12
(9) Mitha Paswaria	Trowers 162	P	00	00 49
	101		00	07 53
	104/1		00	21 67
	88/2		00	03 61
	87		00	27 76
	—	Nala	00	09 20
(10) Khara Paswaria	234	P	00	02 15
	197/2		00	50 68
	197/1		00	09 71
	199	P	00	00 02
	198		00	05 42
	Trowers 204	P	00	00 25
	5		00	10 86
	—	Nala	00	07 41
	Trowers 204	P	00	03 72
	52		00	16 66
	51		00	07 85
	64		00	03 41
(11) Ajapar	296		00	11 20
	292/2		00	13 10
	224	P	00	24 91
	161		00	02 19
	160	P	00	00 42
(12) Bhimasar	625/2		00	01 60
	626		00	04 61
	—	Metal Road	00	04 52
	Trowers 785	P	00	03 62
	671		00	00 65
	670		00	02 22
	Trowers 785	P	00	01 65
	741		00	11 79
	731		00	13 24
	733		00	24 52
	736	P	00	16 73
	17	P	00	00 23
	80	P	00	01 01
	89		00	00 89
	101		00	07 67
(13) Pasuda	308		00	04 47
	335		00	05 79
	336	P	00	06 34

1	2	3	4	
(13)	Pasuda(Contd.)	338/2	00	02 45
		342	00	01 78
		346	00	00 32
		349	00	01 16
		368/1	00	06 40
		380	00	04 01
		P Cart Track		

[F. No. R-31015/47/2001-OR-II]

HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 मार्च, 2004

का.आ. 751.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 12 जुलाई 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्याक का. आ. 1923, तारीख 09 जुलाई, 2003 द्वारा कतिपय भूमि में गुरु गोबिन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की समनुषंगी) द्वारा गुजरात राज्य में मुन्द्रा पत्तन स्थित अपरिष्कृत तेल संस्थापन से पंजाब राज्य में भटिंडा तक मुन्द्रा-भटिंडा अपरिष्कृत तेल पाइपलाइन के माध्यम से अपरिष्कृत तेल के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 30 अगस्त, 2003 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और, केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगों से मुक्त, गुरु गोबिन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की समनुषंगी) में निहित होगा।

अनुसूची

तालुका : सांतलपुर

जिला : पाटण

राज्य : गुजरात

गौव का नाम	सर्वे संख्या	भाग यदि है तो	क्षेत्रफल		
			हेक्टर	आर	सेन्टी आर
1	2	3	4		
(1) सांतलपुर	203	—	00	00	89
	219	—	00	00	04
(2) पर	—	नाला	00	05	76
	483	—	00	06	86
	825	—	00	07	20
	—	कार्ट ट्रेक	00	00	39
	482	—	00	04	65
	481	—	00	06	71
	478	—	00	00	37
	473	—	00	00	33

1	2	3	4	5
(3) छानसरा	61	—	00	00
	116	—	00	00
	—	कार्ट ट्रेक	00	00
	194	पैकी कार्ट ट्रेक	00	00
(4) दईगामडा	36	—	00	00
	127	—	00	00
(5) बामरोली	29/2	—	00	02
	21	—	00	00
(6) डाभी	44/2	—	00	01
(7) उन्नरोट	41	—	00	01
(8) झेकडा	100	—	00	00
	264	—	00	00

[फा. सं. आर-31015/9/2002-ओआर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd March, 2004

S.O. 751.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Number S.O. 1923, dated the 9th July 2003, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Natural Gas Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India, dated the 12th July, 2003, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in certain land for the purpose of laying pipeline for transport of Crude Oil from crude oil terminal at Mundra Port in the State of Gujarat to Bathinda in the State of Punjab through Mundra-Bathinda Crude Oil Pipeline by Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited);

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 30th August, 2003;

And whereas the competent authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted its report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of the declaration, in the Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited) free from all encumbrances.

SCHEDULE

Taluka : Santalpur

District : Patan

State : Gujarat

Name of Village	Survey No.	Part if Any	ROU-Area		
			Ha.	Ar.	Sq. mt.
1	2	3	4		
(1) Santalpur	203	—	00	00	89
	219	—	00	00	04

1	2	3	4	
(2) Par	—	Nala	00	05 76
	483	—	00	06 86
	825	—	00	07 20
	—	Cart Track	00	00 39
	482	—	00	04 65
	481	—	00	06 71
	478	—	00	00 37
	473	—	00	00 33
(3) Chhansara	61	—	00	00 16
	116	—	00	00 70
	—	Cart Track	00	00 17
	194	P-Cart Track	00	00 17
(4) Diagamda	36	—	00	00 01
	127	—	00	00 13
(5) Banroli	29/2	—	00	02 52
	21	—	00	00 14
(6) Dabhi	44/2	—	00	01 44
(7) Unrot	41	—	00	01 59
(8) Zekada	100	—	00	00 92
	264	—	00	00 68

[F. No. R-31015/9/2002-OR-II]

HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2004

का.आ. 752.—केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ (1) में उल्लिखित व्यक्ति को उक्त अनुसूची के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में उल्लिखित क्षेत्रों की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कृत्यों का पालन करने के लिए प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

अनुसूची

प्राधिकारी का नाम और पता	अधिकारी क्षेत्र
(1)	(2)
(i) श्री एन. रामा राव पटनायक, सेवानिवृत्त स्पेशल ग्रेड डिप्टी कलेक्टर, गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि., अजय निवास, 70-14-9/16, सुंदर शिवा कालोनी, सिद्धार्थ नगर, काकीनाडा-533033	आन्ध्र प्रदेश

(1)	(2)
(ii) श्री एस. नागी रेड्डी सेवानिवृत्त डिप्टी कलेक्टर, गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि., अजय निवास, 70-14-9/16, सुंदर शिवा कोलोनी, सिद्धार्थ नगर, काकीनाडा-533003	आन्ध्र प्रदेश

[फा. सं. एल-14014/63/03-जीपी]

स्वामी सिंह, निदेशक

New Delhi, the 23rd March, 2004

S.O 752.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby authorizes the persons mentioned in column (1) of the Schedule given below to perform the functions of the competent authority under the said Act, in respect of the areas mentioned in the corresponding entry in column (2) of the said Schedule :

S. No.	Name of Person and Address	Area of Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
(i)	Mr. N. Rama Rao Patnaik, Rtd. Special Grade Deputy Collector, Gujarat State Petroleum Corporation Limited, Ajay Niwas, 70-14-9/16 Sunder Shiva Colony, Siddarth Nagar, Kakinada-533 033	Andhra Pradesh
(ii)	Mr. S. Nagi Reddy, Rtd. Deputy Collector Land Acquisition, Gujarat State Petroleum Corporation Limited, Ajay Niwas, 70-14-9/16 Sunder Shiva Colony, Siddarth Nagar, Kakinada-533 033	Andhra Pradesh

[F. No. L-14014/63/03-GP]

SWAMI SINGH, Director

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2004

का.आ. 753.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई, भारत के राजपत्र तारीख 05 जुलाई, 2003 में प्रकाशित की गई, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1838 तारीख 02 जुलाई, 2003 द्वारा कतिपय भूमि में गुरु गोबिन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की समनुषंगी) द्वारा मुन्द्रा-भटिंडा अपरिष्कृत तेल पाइपलाइन के माध्यम से गुजरात राज्य में मुन्द्रा पत्तन स्थित अपरिष्कृत तेल संस्थापन से पंजाब राज्य में भटिंडा तक अपरिष्कृत तेल के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 30 अगस्त, 2003 का उपलब्ध करा दी गई थीं;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और, केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विल्लंगमों से मुक्त, गुरु गोबिन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की समनुषंगी) में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : रापर

जिला : कच्छ

राज्य : गुजरात

गाँव का नाम	सर्वे संख्या	भाग, यदि कोई है	क्षेत्रफल		
			हेक्टर	आर	सेन्टी आर
1	2	3	4		
(1) गोविन्दपर	—	नाला	00	03	50
	ट्रार्क्स 98 पैकी		00	09	55
	71/2		00	15	62
	—	नाला	00	04	85
	72/2		00	14	46
	72/1 पैकी		00	03	35
	72/1 पैकी		00	22	37
	—	नाला	00	00	54
	77		00	43	77
	76/3		00	00	22
	ट्रार्क्स 98 पैकी		00	08	00
	ट्रार्क्स 98 पैकी		00	33	56
	ट्रार्क्स 98 पैकी		00	00	32
	66/1		00	01	80
	ट्रार्क्स 98 पैकी		00	07	55
	ट्रार्क्स 98 पैकी		00	00	78
	—	कार्ट ट्रेक	00	00	05
(2) देदरवा	141/2		00	00	50
	116		00	03	24
	117		00	03	17
	103/2		00	04	06
	ट्रार्क्स 221 पैकी		00	14	74
	ट्रार्क्स 221 पैकी		00	32	00
	80 पैकी		00	00	33

1	2	3	4	
(3) सई	435		00	00 63
	357/1		00	10 32
	362/1		00	07 61
	120		00	30 61
	111 पैकी		00	21 10
	ट्रार्क्स 892 पैकी		00	03 62
(4) किडीयानगर	591/5	—	00	07 82
	590/2		00	00 39
	589/3		00	12 24
	585		00	00 67
	685		00	00 07
	693/2		00	02 54
	691/4		00	03 25
	—	नाला	00	13 12
	811/1		00	16 55
	812/2		00	23 25
	ट्रार्क्स 1318 पैकी		00	00 83
	ट्रार्क्स 1318 पैकी		00	20 33
	ट्रार्क्स 1318/11 पैकी		00	31 59
	947/2		00	07 50
	947/1		00	19 74
	ट्रार्क्स 1318 पैकी		00	08 92
	—	नाला	00	02 18
	971/1 पैकी		00	18 95
	970 पैकी		00	10 24
	968/1		00	36 60
	ट्रार्क्स 1318 पैकी		00	02 22
	—	कार्ट ट्रैक	00	00 62
	1189/2		00	24 92
	1188/2		00	09 60
	1187/2		00	17 42
	1187/1 पैकी		00	19 92
	ट्रार्क्स 1318 पैकी		00	00 78
	—	नाला	00	01 10
	ट्रार्क्स 1318 पैकी		00	16 91

1	2	3	4	
(5) बादलपर	29		00	01 32
	21/1		00	07 12
(6) छोटापर	91/3		00	15 51
	84		00	08 45
	83	पैकी	00	27 74
(7) वेकरा	73	पैकी	00	26 41
	ट्रार्क्स 129	पैकी	00	06 81
(8) भीमासर	944/1		00	06 83
	944/2		00	00 48
	945/1		00	11 74
	938/3		00	05 20
	952	पैकी	00	16 97
	921		00	26 49
	908/3		00	00 16
	—	कार्ट ट्रेक	00	11 64
	795/2		00	00 66
	781/2		00	01 80
	ट्रार्क्स 2220/1	पैकी	00	02 94
	810/2		00	01 64
	812/1	पैकी	00	07 05
	819		00	03 98
	825		00	04 95
	836/2		00	00 49
	835/2		00	04 23
	835/3		00	00 32
	843/2		00	03 78
	844		00	00 48
	853/2		00	00 42
	ट्रार्क्स 2220/1	पैकी	00	07 36
	2191/1		00	06 19
	2182		00	00 14
	2179/4	पैकी	00	00 99
	2175/2		00	00 26
	2152/2		00	01 30
	2151/1		00	00 16
	2146/2	पैकी	00	05 22

1	2	3	4	5
(8) भीमासर (जारी)	2129/1		00	04 09
	2127	पैकी	00	05 76
	2120/1		00	15 08
	2119/2		00	10 28
	2118		00	12 54
	2116/2		00	05 96
	2114/1		00	06 48
	2112/2		00	18 12
	2111/1		00	01 52
	2110/2		00	12 79
	2110/3		00	08 92
	2109/1		00	01 46
	2108/3		00	12 66
	2210		00	00 17
	2055/6		00	04 14
	2055/7		00	06 31
	2054/4	पैकी	00	09 10
	2051/3	पैकी	00	02 29
	2051/2	पैकी	00	03 95
	2050/3		00	02 48
	2049/3		00	04 92
	2046/2		00	03 97
	2042/2		00	00 51
	2041/2		00	04 15
	2038/5		00	00 33
	2037/4	पैकी	00	02 65
	2037/2		00	00 42
(9) भंगेरा-जदुपूर	213	पैकी	00	00 35
	219/2		00	01 35
	—	कार्ट ट्रैक	00	00 28
	183/1		00	00 90
(10) आदेसर	645/1		00	04 90
	645/2		00	07 00
	644/3		00	19 07
	643	पैकी	00	12 56
	642		00	21 30
	629/7		00	09 26
	629/9		00	12 82

[फा. नं. आर-31015/10/2002-ओआर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd March, 2004

S.O 753.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Number S.O. 1838 dated the 2nd July 2003, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), and published in the Gazette of India dated the 5th July, 2003, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in certain land for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil from crude oil terminal at Mundra Port in the State of Gujarat to Bathinda in the State of Punjab through Mundra-Bathinda Crude Oil Pipeline by Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited);

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 30th August, 2003;

And whereas the competent authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on the date of publication of this declaration, in the Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited); free from all encumbrances.

SCHEDULE

Taluka : Rapar

District : Kutch

State : Gujarat

Name of Village	Survey No.	Part if Any	ROU-Area		
			Ha.	Ar.	Sq. mt.
1	2	3	4		
(1) Govindpar	—	Nala	00	03	50
	Trowers 98 P		00	09	55
	71/2		00	15	62
	—	Nala	00	04	85
	72/2		00	14	46
	72/1	P	00	03	35
	72/1	P	00	22	37
	—	Nala	00	00	54
	77		00	43	77
	76/3		00	00	22
	Trowers 98	P	00	08	00
	Trowers 98	P	00	33	56
	Trowers 98	P	00	00	32
	66/1		00	01	80
	Trowers 98	P	00	07	55
	Trowers 98	P	00	00	78
	—	Cart Track	00	00	05

1	2	3	4	
(2) Dodiara	141/2		00	00 50
	116		00	03 24
	117		00	03 17
	103/2		00	04 06
	Trowers 221	P	00	14 74
	Trowers 221	P	00	32 00
	80	P	00	00 33
(3) Dodiara	435		00	00 63
	357/1		00	10 32
	362/1		00	07 61
	120		00	30 61
	111	P	00	21 10
	Trowers 892	P	00	03 62
(4) Dodiara	591/5		00	07 82
	590/2		00	00 39
	589/3		00	00 00
	585		00	00 00
	685		00	00 07
	693/2		00	02 54
	691/4		00	03 25
	—	Nala	00	13 12
	811/1		00	16 55
	812/2		00	23 25
	Trowers 1318	P	00	00 83
	Trowers 1318	P	00	20 33
	Trowers 1318/11	P	00	31 59
	947/2		00	07 50
	947/1		00	19 74
	Trowers 1318	P	00	08 92
	—	Nala	00	02 18
	971/1	P	00	18 95
	970	P	00	10 24
	968/1		00	36 60
	Trowers 1318	P	00	02 22
	—	Cart Track	00	00 62
	1189/2		00	24 92
	1188/2		00	09 60
	1187/2		00	17 42

1	2	3	4	
(4) Kidiyanagar	1187/1	P	00	19 92
(Contd.)	Trowers 1318	P	00	00 78
	—	Nala	00	01 10
	Trowers 1318	P	00	16 91
(5) Badalpar	29		00	01 32
	21/1		00	07 12
(6) Chhotapar	91/3		00	15 51
	84		00	08 45
	83	P	00	27 74
(7) Vekara	73	P	00	26 41
	Trowers 129	P	00	06 81
(8) Bhimasar	944/1		00	06 53
	944/2		00	00 48
	945/1		00	11 74
	938/3		00	05 20
	952	P	00	16 97
	921		00	26 49
	908/3		00	00 16
	—	Cart Track	00	11 64
	795/2		00	00 66
	781/2		00	01 80
	Trowers 2220/1	P	00	02 94
	810/2		00	01 64
	812/1	P	00	07 35
	819		00	03 90
	825		00	04 95
	836/2		00	00 49
	835/2		00	04 23
	835/3		00	00 32
	843/2		00	03 78
	844		00	00 48
	853/2		00	00 42
	Trowers 2220/1	P	00	07 36
	2191/1		00	06 19
	2182		00	00 14
	2179/4	P	00	00 99
	2175/2		00	00 26
	2152/2		00	01 30
	2151/1		00	00 16
	2146/2	P	00	05 22
	2129/1		00	04 09

1	2	3	4	5
(8) Bhimasar (Contd.)	2127	P	00	05 76
	2120/1		00	15 08
	2119/2		00	10 28
	2118		00	12 54
	2116/2		00	05 96
	2114/1		00	06 48
	2112/2		00	18 12
	2111/1		00	01 52
	2110/2		00	12 79
	2110/3		00	08 92
	2109/1		00	01 46
	2108/3		00	12 66
	2210		00	00 17
	2055/6		00	04 14
	2055/7		00	06 31
	2054/4	P	00	09 10
	2051/3	P	00	02 29
	2051/2	P	00	03 95
	2050/3		00	02 48
	2049/3		00	04 92
	2046/2		00	03 97
	2042/2		00	00 51
	2041/2		00	04 15
	2038/5		00	00 33
	2037/4	P	00	02 65
	2037/2		00	00 42
(9) Bhangera Jadupur	213	P	00	00 35
	219/2		00	01 35
	—	Cart Track	00	00 28
	183/1		00	00 90
(10) Adesar	645/1		00	04 90
	645/2		00	07 00
	644/3		00	19 07
	643	P	00	12 56
	642		00	21 30
	629/7		00	09 26
	629/9		00	12 82

[F. No. R-31015/10/2002-OR-II]

HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2004

का.आ. 754.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2965, तारीख 09 अक्टूबर, 2003, जो भारत के राजपत्र तारीख 18 अक्टूबर, 2003 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में महाराष्ट्र राज्य में पानेवाड़ी (मनमाड) से मध्य प्रदेश राज्य में सांगल्या (इन्दौर) तक भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुम्बई-मनमाड पाइपलाइन विस्तार परियोजना के माध्यम से पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 5 नवम्बर, 2003 का उपलब्ध करा दी गई थीं;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और, केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग का अधिकार का अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : धार

जिला : धार

राज्य : मध्य प्रदेश

गाँव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर
1	2	3
1. सोरड्यापुरा	148/1, 148/2	0.1030
	156	0.0960
	128	0.1150
2. पीरघाटी	17	0.2700
	15/1क, 15/1	0.1118
	15/1ग, 15/2	
3. अम्बापुरा	13/3	0.1940
4. आड़ाबरडा	4	0.0560
5. जूनीढाल	21	0.1445
6. जामनझिरी	65/1. 65/2	0.0655
	58/1. 58/2	0.0606
	55	0.0960
	65/3	0.0760
7. कालीबेल	19/1, 19/2	0.0235
	24/1	0.0220
	18	0.1560
	10/1, 10/2	0.0097
	8	0.0600

[फ़. सं. आर-31015/36/2001-ओआर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd March, 2004

S.O 754.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Number S.O. 2965 dated the 9th October 2003, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 18th October, 2003, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of petroleum products through Mumbai-Manmad Pipeline Extension Project from Panewadi (Manmad) in the State of Maharashtra to Mangliya (Indore) in the State of Madhya Pradesh by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 5th November, 2003;

And whereas the competent authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the Schedule is hereby acquired for laying the pipeline.;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, Bharat Petroleum Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Dhar

District : Dhar

State : Madhya Pradesh

Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3
1. Sordyapura	148/1, 148/2	0.1030
	156	0.0960
	128	0.1150
2. Pirgati	17	0.2700
	15/1K, 15/1K 15/1G, 15/2K	0.1118
3. Ambapura	13/3	0.1940
4. Adabarda	4	0.0560
5. Junidhal	21	0.1445
6. Jamanjhiri	65/1, 65/2	0.0655
	58/1, 58/2	0.0606
	55	0.0960
	65/3	0.0760
7. Kalibel	19/1, 19/2	0.0235
	24/1	0.0220
	18	0.1560
	10/1, 10/2	0.0097
	8	0.0600

[F.No.R-31015/36/2001-OR-II]

HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2004

क्र.आ. 755.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलेियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के पेट्रोलेियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या क्र. आ. 1839 तारीख 02 जुलाई, 2003, जो भारत के राजपत्र में तारीख 5 जुलाई, 2003 को प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुरु गोबिन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलेियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सुमनुबंगी) द्वारा मुन्द्रा-भटिंडा अपरिष्कृत तेल पाइपलाइन के माध्यम से गुजरात राज्य में मुन्द्रा-पत्तन स्थित अपरिष्कृत तेल संस्थापन से पंजाब राज्य में भटिंडा तक अपरिष्कृत तेल के परिवहन के लिए पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 5 नवम्बर, 2003 का उपलब्ध करा दी गई थीं;

और सक्षम अधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और, केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अनुसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विल्लंगमों से मुक्त, गुरु गोबिन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलेियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सुमनुबंगी) में निहित होगा।

अनुसूची

तालुका : धानेरा		जिला : बन्तसर्काठा	राज्य : गुजरात		
गाँव का नाम	सर्वे संख्या	भाग यदि है तो	क्षेत्रफल		
			हेक्टर	आर	सेन्टी आर
1	2	3	4		
(1) खिंमत	69	—	00	00	10
	1055/1	पैकी	00	01	84
	333	—	00	00	10
	320	पैकी कार्ट ट्रेक	00	00	17
	353	पैकी कार्ट ट्रेक	00	02	85
(2) वासदा	7	पैकी कार्ट ट्रेक	00	00	33
(3) मांडल	10	—	00	00	10
	19	पैकी	00	00	87
(4) रामपुरा (वाघपुरा)	91	पैकी	00	00	86
(5) आलवाडा	(52+431)/6	—	00	00	10
	55	—	00	00	04
	—	सुकाल नदी	00	01	69
	110	पैकी	00	02	31
	112	पैकी	00	01	21
(6) कुंडी	(1+2)/2	पैकी	00	00	13
	17/1	पैकी	00	03	55
	17/1	पैकी	00	11	49

[फा. नं. आर-31015/48/2003-ओआर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 24th March, 2004

S.O 755.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Number S.O. 1839, dated the 2nd July, 2003, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 5th July, 2003, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil from crude oil terminal at Mundra Port in the State of Gujarat to Bathinda in the State of Punjab through Mundra-Bathinda Crude Oil Pipeline by Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited);

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 5th August, 2003;

And whereas the competent authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on the date of publication of the declaration, in the Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited) free from all encumbrances.

SCHEDULE**Taluka : Dhanera****District : Banaskantha****State : Gujarat**

Name of Village	Survey No.	Part if any	ROU-Area		
			Ha.	Ar.	Sq. mt.
1	2	3	4		
(1) Khimmat	69	—	00	00	10
	1055/1	P	00	01	84
	333	—	00	00	10
	320	P-Cart Track	00	00	17
	353	P-Cart Track	00	02	85
(2) Wasda	7	P-Cart Track	00	00	33
(3) Mandal	10	—	00	00	10
	19	P	00	00	87
(4) Rampura (Vaghpara)	91	P	00	00	86
(5) Alwada	(52 + 431)/6	—	00	00	10
	55	—	00	00	04
	—	Sukal River	00	01	69
	110	P	00	02	31
	112	P	00	01	21
(6) Kundi	(1+2)/2	P	00	00	13
	17/1	P	00	03	55
	17/1	P	00	11	49

[F. No. R-31015/48/2003-OR-II]

HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मार्च, 2004

का.आ. 756.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 4 जुलाई, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्याक का.आ. 1847 तारीख 04 जुलाई, 2003 द्वारा कतिपय भूमि में गुरु गोबिन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की समनुषंगी) द्वारा मुन्द्रा-भटिंडा अपरिष्कृत तेल पाइपलाइन के माध्यम से गुजरात राज्य में मुन्द्रा पत्तन स्थित अपरिष्कृत तेल संस्थापन से पंजाब राज्य में भटिंडा तक अपरिष्कृत तेल के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 1 सितम्बर, 2003 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और सक्षम अधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और, केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विल्लंगमों से मुक्त, गुरु गोबिन्द सिंह रिफाइनरीज लिमिटेड (हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड समनुषंगी) में निहित होगा।

अनुसूची

तालुका : कांकरेज

जिला : बनासकांठा

राज्य : गुजरात

गाँव का नाम	सर्वे संख्या	भाग यदि है तो	क्षेत्रफल		
			हेक्टर	आर	सेन्टीआर
1	2	3	4		
(1) मांडला	387	पैकी	00	04	86
	408		00	02	67
	399/1	पैकी	00	00	68
(2) जाखेल	82	—	00	01	09
(3) शिरवाडा	215/2	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	01	00
	214	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	02	84
	211	पैकी	00	00	01
	211	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	01	07
	267/2	—	00	00	21
	270/2	—	00	01	47
	557/1	—	00	13	54
	654/1	—	00	01	57
(4) चांगा	650	पैकी	00	04	80
	111	—	00	01	00
	312	पैकी	00	18	43
	290	—	00	16	10
	313	पैकी	00	32	06
	323	पैकी	00	09	70
	324	पैकी	00	01	44
	329	—	00	23	00
	330	—	00	16	96
	67	पैकी	00	01	40
(5) अघगाम	66	—	00	02	44
	60/2	—	00	12	56

1	2	3	4	5
(5) अघगाम (जारी)	57/1	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 02
	131/1	पैकी	00	01 00
	127	—	00	02 32
	202/1	पैकी	00	00 13
(6) कुडवा	25	—	00	00 29
(7) विभानेसडा	46/1	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 38
	12/2	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	01 50
	31	पैकी	00	01 04
(8) राजपुर	—	कार्ट ट्रेक	00	08 36
	141/3	पैकी	00	02 97
	141/3	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	01 10
	141/4	पैकी	00	28 99
(9) काकर	172	—	00	02 02
	174	—	00	03 48
	193	—	00	00 22
	188	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 80
	187	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 74
	—	कार्ट ट्रेक	00	40
	161	—	00	63
	229	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 63
	233	—	00	01 91
	265	—	00	01 74
	277	—	00	02 52
	280/2	—	00	00 08
(10) नेकोई	133	पैकी	00	02 65
	131	पैकी	00	09 45
(11) पादरडी	212	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 16
	212	पैकी	00	36 36
	213	पैकी	00	03 27
	213	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 26
	214	पैकी	00	00 81
	217/1	पैकी	00	09 79
	217/1	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	01 58
	264/1	पैकी	00	00 61
	261	पैकी	00	00 16
	257/	—	00	02 20
	258/	—	00	00 27
	36	पैकी	00	05 44
	35	पैकी	00	02 95
	30	पैकी	00	00 59
	30	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 10
	32	—	00	00 14
(12) चिमनगढ़	195/2	—	00	02 33
	190/3	—	00	01 69
	189/1	—	00	06 13

1	2	3	4	5
(12) चिमन गढ़	179/1	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 50
	178/1	—	00	00 21
	178/2	—	00	04 93
	112	पैकी	00	12 00
	108/2	पैकी	00	00 40
	108/2	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	01 48
	109	—	00	04 90
(13) रतनगढ़	99	पैकी	00	02 40
	103	—	00	07 06
(14) रवियाणा	18	पैकी	00	06 23
	28	—	00	00 46
	32	—	00	01 76
	42	—	00	00 62
	65	पैकी	00	00 65
	64	—	00	04 62
	89	पैकी	00	00 72
	115	—	00	06 06
(15) खोडा	44/4	—	00	00 31
	34/2	—	00	00 73
	34/1	—	00	02 46
	32	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	00 29
(16) खीमाणा	16	—	00	00 05
	67	—	00	00 77
	66	पैकी	00	00 53
	—	कार्ट ट्रेक	00	01 32
	87/2	—	00	01 19
	290/2	—	00	01 84
	289	—	00	00 10
	279	पैकी-कार्ट ट्रेक	00	01 10
	330/1	—	00	02 67

[फा. नं. आर-31015/4/2002-ओआर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 25th March, 2004

S.O 756.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Number S.O. 1847, dated the 4th July, 2003, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 5th July, 2003, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in certain land for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil from crude oil terminal at Mundra Port in the State of Gujarat to Bathinda in the State of Punjab through Mundra-Bathinda Crude Oil Pipeline by Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited);

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 1st September, 2003;

And whereas, the competent authority has, under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted its report to the Central Government;

And whereas, the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of users therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall instead of vesting in the Central Government, vest on the date of publication of this declaration, in the Guru Gobind Singh Refineries Limited (a subsidiary of Hindustan Petroleum Corporation Limited), free from all encumbrances.

SCHEDULE

Taluka : Kankrej		District : Banaskantha		State : Gujarat		
Name of Village	Survey No.	Part if Any	ROU-Area			
			Ha	Ar.	Sq. mt.	
1	2	3	4			
(1) Mandala	387	P	00	04	86	
	408		00	02	67	
	399/1	P	00	00	68	
(2) Jakhel	82	—	00	01	09	
(3) Sirwada	215/2	P-Cart Track	00	01	00	
	214	P-Cart Track	00	02	84	
	211	P	00	00	01	
	211	P-Cart Track	00	01	07	
	267/2	—	00	00	21	
	270/2	—	00	01	47	
	557/1	—	00	13	54	
	654/1	—	00	01	57	
	650	P	00	04	80	
	(4) Changa	111	—	00	01	00
312		P	00	18	43	
290		—	00	16	10	
313		P	00	32	06	
323		P	00	09	70	
324		P	00	01	44	
329		—	00	23	00	
330		—	00	16	96	
(5) Adhgam		67	P	00	01	40
	66	—	00	02	44	
	60/2	—	00	12	56	
	57/1	P-Cart Track	00	00	02	
	131/1	P	00	01	00	
	127	—	00	02	32	
	202/1	P	00	00	13	
	(6) Kundva	25	—	00	00	29
(7) Vibhanesda		46/1	P-Cart Track	00	00	38
	12/2	P-Cart Track	00	01	50	
	31	P	00	01	04	
(8) Rajpur	—	Cart Track	00	08	36	
	141/3	P	00	02	97	
	141/3	P-Cart Track	00	01	10	
	141/4	P	00	28	99	
	(9) Kakar	172	—	00	02	02
174		—	00	03	48	
193		—	00	00	22	
188		P-Cart Track	00	00	80	
187		P-Cart Track	00	00	74	
—		Cart Track	00	00	40	
161		—	00	00	63	
229		P-Cart Track	00	00	88	
233		—	00	01	91	
265		—	00	01	74	
277		—	00	02	52	
280/2		—	00	00	08	

1	2	3	4	
(10) Nekoi	133	P	00 02	65
	131	P	00 09	45
(11) Padardi	212	P-Cart Track	00 00	16
	212	P	00 36	36
	213	P	00 03	27
	213	P-Cart Track	00 00	26
	214	P	00 00	81
	217/1	P	00 09	79
	217/1	P-Cart Track	00 01	58
	264/2	P	00 00	61
	261	P	00 00	16
	257/1	—	00 02	20
	258/3	—	00 00	27
	36	P	00 05	44
	35	P	00 02	95
	30	P	00 00	59
	30	P-Cart Track	00 00	10
	32	—	00 00	14
(12) Chimangadh	195/2	—	00 02	33
	190/3	—	00 01	69
	189/1	—	00 06	13
	179/1	P-Cart Track	00 00	50
	178/1	—	00 00	21
	178/2	—	00 04	93
	112	P	00 12	00
	108/2	P	00 00	40
	108/2	P-Cart Track	00 01	48
	109	—	00 04	90
(13) Ratangadh	99	P	00 02	40
	103	—	00 07	06
(14) Raviyana	18	P	00 06	23
	28	—	00 00	46
	32	—	00 01	76
	42	—	00 00	62
	65	P	00 00	65
	64	—	00 04	62
	89	P	00 00	72
	115	—	00 06	06
(15) Khoda	44/4	—	00 00	31
	34/2	—	00 00	73
	34/1	—	00 02	46
	32	P-Cart Track	00 00	29
(16) Khimana	16	—	00 00	05
	67	—	00 00	77
	66	P	00 00	53
	—	Cart Track	00 01	32
	87/2	—	00 01	19
	290/2	—	00 01	84
	289	—	00 00	10
	279	P-Cart Track	00 01	10
	330/1	—	00 02	67

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2004

का.आ.757.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंडिकेट बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं. -2, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 67/94) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/85/94-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 1st March, 2004

S.O.757.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 67/94) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, New Delhi, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank and their workman, which was received by the Central Government on 27-02-2004.

[No.L-12012/85/94-IR(B.II)]

C. GANGADHARAN, Under-Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER : CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL : TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN,
GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE
NEW DELHI

PRESIDING OFFICER : R. N. RAI I. D. No. 67/94

IN THE MATTER OF : SANJAY KAPOOR

VERSUS

SYNDICATE BANK

Ministry of Labour vide its letter No.12012/85/94-IR(B-2), Central Government dt. 14th June, 1994 has referred the following question for adjudication. The point runs are as hereunder:—

“Whether the action of the management of Syndicate Bank, New Delhi in dismissing Shri Sanjay Kapoor, Clerk from service w.e.f. 19-3-1993 is justified ? if not, to what relief is the said workman entitled to?”

The claimant has filed statement of claim. In his statement of claim, he has stated that he was appointed as a clerk by the Syndicate Bank on

08-04-1978. In the said branch, he maintained Saving Bank Account No. 1343 in the said branch.

That he fell sick in 1989 and he was treated under the hospital.

That the Management informed the workman on 22-4-1991 that there was a debit balance in his S. B. Account No. 1343 due to clerical mistake and the same should be cleared. The workman agreed to pay the debit balance. As soon as the P. F. loan was sanctioned to him, the workman accordingly paid a sum of Rs. 5500/- on 10-05-1991 being the debit balance of Rs. 5410/- plus Rs. 90/- as interest. A further sum of Rs. 1278.19 towards interest was paid by the workman on 09-08-1991. Thereupon the management issued a certificate dt. 5-2-1993 confirming that there was no debit balance outstanding in the workman's S.B. Account. The workman deposited the aforesaid amount under the *bona fide* impression that he might have overdrawn from his S.B. Account during his mental sickness. He was drawing a salary of Rs. 4418.50 per month when his services were illegally terminated w.e.f. 19-03-1993.

It has been further submitted that about 6 months from the clearance of debit, the charge sheet was issued by the Management to the workman on 2-11-1991 alleging that the workman had manipulated the figures in his S.B. Account No. 1343 by resorting to falsification of accounts and records and in furtherance of such alleged manipulations of account, he misappropriated a sum of Rs. 5410 belonging to the bank. The charge sheet specifically levelled is as follows:—

(a) That you manipulated the figures in your S.B. Account No. 1343 by resorting to falsification of accounts and record.

(b). That in furtherance of such manipulations of account, you misappropriated a sum of Rs. 5410/- belonging to the bank.

You have committed Gross misconduct within the meaning of clause No. 19.5 (j) of the Bipartite Settlement, 1966 and charge sheet was issued to him.

It has been further submitted that the workman on 11-12-1991 replied to the charge sheet and denied all the allegations levelled against him in the said charge-sheet and said that the same was false, baseless, unfounded and malicious as he was not deputed to work in the Savings Bank Deptt. handling the concerned ledger folio during the relevant period from 27-2-1990 to 06-07-1990.

It has been further submitted that an enquiry officer was appointed on 11-1-1992 and after lapse of about 6 months, the enquiry officer issued notice to the workman on 28-07-1992, to appear on 08-08-1992 at 10.30 AM at Zonal Office. It was not written in the notice that he has to appear with his witnesses and documents. Unfortunately,

the workman could not attend the proceedings on 08-08-1992 due to illness and a medical certificate of his illness was duly submitted to the management. Enquiry of 8-8-1992 is ex parte. The workman inspected the documents as stated in the list of documents on 19-08-1992.

It has been further submitted that the workman could not attend the enquiry proceedings on 21-09-1992 due to urgent personal work and for which leave was duly sanctioned to him but instead of adjourning the proceedings to some other date, the Enquiry Officer mala fide fixed the proceedings at 2.30 P. M. on 21-09-1992 itself and the enquiry was completed ex-parte. Though he was on leave on that date, the enquiry was conducted at the back of the workman and he was not given full opportunity to participate in the proceedings in gross violation of the principles of natural justice.

It has been further submitted that the enquiry officer deliberately and with mala fide intention fixed the enquiry on 21-09-1992 though the employee was on leave on 21-09-1992 and the enquiry proceedings were completed on 22-09-1992 ex parte and without a notice to the workman i.e. in clear violation of the principles of natural justice and the law laid down by the various Hon'ble High Courts and the Hon'ble Supreme Court.

It has been further submitted that the enquiry officer did not give any opportunity to produce his witnesses. The intention of the enquiry officer was *mala fide*. The enquiry was started after more than one year at the time when he has paid the money drawn by mistake. All the records were in the knowledge of the bank if there were any manipulations then brought to have been informed after taking full payment of overdrawn amount. The bank has filed its written statement. The bank has denied some of the paras of statement of claim and given his own pleadings regarding some of the paragraphs. It is stated in the written statement that the enquiry was proper. He was given proper opportunity to represent but since he deliberately did not represent so the enquiry was completed on 22nd November, 1992 ex parte. So it is admitted that the enquiry was completed ex parte and the workman was not given time to produce his witnesses.

The workman has filed rejoinder and he has denied all the allegations of the written statement and has further reiterated that the enquiry was ex parte and he was not allowed to produce his own witnesses.

Heard arguments from both the sides and perused documents on the record. A notice has been sent to him that he was to appear at 10.30 AM on 21-09-1992. When he did not appear at 10.30, the proceedings were postponed for 2.30 PM. When he did not appear at 2.30 PM, the proceedings were fixed for the next date. I have gone through the enquiry report. Their appears to be haste in the enquiry report as only the management witnesses have

been examined and conclusion has been drawn on the same. The workman has not given any opportunity to produce his own witnesses.

It is submitted that in case it is supposed that he was not present on 22-09-1992, then a notice ought to have been served on him by registered post or through his Head of the Department and he should have been given time to examine his own witnesses. The workman has cited High Court Gujarat 1980. It has been held that there is delay of 18 months in submitting charge-sheet. The delay is fatal and would consider denial of justice. In 1997 LLR 409, Hon'ble Supreme Court of India has held that there is charge of dereliction so the enquiry should be taken completely. The instatement judgement of the Supreme Court is not applicable in the facts and circumstances of this case inasmuch there was a delay of 18 months in submitting charge-sheet and no witness of the workman has been examined. The charge-sheet has been submitted after 18 months. In case there was any forgery that would have come to light when he was asked to make over payments. Over and above, he did not work in the Savings Department and as such, no question of manipulation in the record in his own handwriting arise. I have perused the papers where manipulation is said to have made. No report of the expert of handwriting has been taken.

In view of the foregoing discussions, it is quite clear that the enquiry is ex parte and it has been held in haste. No opportunity to the workman has been given. The enquiry officer ought to have got the notice served on him but it has not been served and there is no proof of it. So far as the back wages are concerned, the case is old one and the workman himself has sought several adjournments. In such circumstances 50% back wages will meet the ends of justice. The award is replied thus:—

The action of the management of Syndicate Bank, New Delhi in dismissing Shri Sanjay Kapoor, Clerk from service w.e.f. 19-03-1993 is not justified. The workman is entitled to be reinstated from the date of termination of his service and he is entitled to get 50% back wages.

Dated 23-02-04

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2004

का. आ. 758.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल. आई. सी. ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/त्रम न्यायालय नं. -2, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 147/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/50/97-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 1st March, 2004

S.O. 758.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 147/98) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, New Delhi, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workman, which was received by the Central Government on 27-02-2004.

[No. L-17012/50/97-IR(B.-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER : CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL : TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN,
GROUND FLOOR, RAJENDRAPLACE
NEW DELHI

PRESIDING OFFICER : R. N. RAI I. D. No. 147/98

IN THE MATTER OF SATINDER PAL SINGH

VERSUS

SENIOR DIVISIONAL MANAGER

L. I. C. OF INDIA, D.O.-II

AWARD

The Ministry of Labour vide its letter No. L-17012/50/97, (IR-B-II) dt. 29-06-1998, has referred the following points for adjudication. The point runs are as here under :—

“Whether the offer of appointment given by the LIC of India to workman Shri Satinder Pal Singh as Temporary Asstt. is in conformity with the provisions of law? If not, to what relief the workman is entitled?”

The claimant has filed statement of claim. It has been stated in the statement of claim, that the workman was appointed in the LIC of India after his name was requisitioned from the Employment Exchange for the post of Asstt. in LIC of India. His name was sponsored under general category candidate. The workman was interviewed and selected by the Selection Board/Committee. He was posted at the Branch Unit-11D, 1st floor, Veer Savarkar Block, Vikas Marg, Shakar Pur, Delhi-110092 on 10-4-1996. His services were always found good and satisfactory. There was no blemish against him. His services were terminated verbally on 7-8-1996 without assigning any reason. No enquiry was held. No notice was given.

The Opposite Party has filed written statement. In the written statement, it has been submitted that the workman was a temporary workman. He was not a permanent regular employee and as such the question of absorption does not arise. There exists no industrial dispute

as envisaged under the Industrial Dispute Act. The workman was not appointed permanently. His appointment was contractual under clause (bb) of Sub-section 2(oo) Industrial Dispute Act. He was employed on temporary basis for a fixed period till the scheme of LIC was framed. The scheme of LIC was framed according to the direction of the Hon'ble Supreme Court of India. His appointment was only for specific period of 85 days. He has not completed 240 days so the question of his regularisation or reinstatement does not arise.

The workman has filed rejoinder. In his rejoinder, he has disputed all the paragraphs of the written statement and has prayed that his services should be regularised. He was appointed on permanent basis.

Heard arguments from the side of the management and perused the written arguments annexed with the record. The workman is not turning up since August, 2002. It appears that he has no interest.

The learned counsel for the management has argued that the workman has no interest. He has been served notice several times. He was not present on 1-8-2002 since then he has absented himself. The notices have been sent to him and it has been served on him but he still did not appear as he knows the fact of the case.

If overall case of the workman is taken, according to his version, he was appointed on 10-04-1996 and he was removed verbally on 7-8-1996 which shows that he worked for less than 4 months whereas the sections of the I.D. Act is applicable when the service is completed for 240 days. In this case, the service is not completed for 240 days, hence no question of regularisation or reinstatement arises. Even if the workman has turned up and he has put his case even then he could not show that he worked for more than 85 days. For 25(F), the continuous work in a calendar month, of 240 days is essential. This condition is not fulfilled. As such, the workman is entitled to no relief.

The point referred to is replied thus :—

The offer of appointment given by LIC of India to workman as Temporary Assistant is not according to the Provisions of Law. He is not entitled to any relief asked for :—

The Award is given accordingly.

Dated 26-02-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2004

का.आ. 759.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यूको बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम

न्यायालय नं. -2, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 95/96) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/266/95-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 1st March, 2004

S. O. 759.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 95/96) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, New Delhi, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of UCO Bank and their workman, which was received by the Central Government on 27-02-2004.

[No. L-12012/266/95-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER: CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN,
GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE,
NEW DELHI**

PRESIDING OFFICER: R. N. RAL I.D. No. 95/96

IN THE MATTER OF RAM SARIKH

Versus

UCO BANK

The Ministry of Labour vide its letter No. 12012/266/95 dt. 1-10-1996, the following points has been referred adjudication. The point runs are as hereunder:—

“Whether the action of the management of UCO Bank Noida in terminating the service of Shri Ram Sarik, daily wages Peon w.e.f. 23-4-1994 is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled to?”

The claimant has filed statement of claim. In the statement of claim, it has been stated that the workman has completed 240 days till the termination w.e.f. 23-4-1994. It has been further submitted that his tenure of continuous service, he was forced to receive his wages in fictitious name by the management of the branch of the bank on certain concocted pretexts. The workman was compelled to receive such wages in the fictitious name. He did so otherwise his services will be terminated.

That on 20-11-1993, the Branch Manager, UCO Bank directed the workman verbally to draw his wages in fictitious name but the workman disagreed and he decided to approach Conciliation Officer.

That the workman was represented in such reconciliation proceeding by Union named UCO Bank Employees Association, no result came out of the Conciliation proceeding. His services were verbally terminated on 23rd April, 1994. He has joined the services on 1989. He has worked in 1990. He has worked from October, 1989 to September, 1990 Rs. 20 per day. He has worked from October, 1990 to May, 1991, Rs. 25/- per day and afterwards Rs. 30/- per day.

That appropriate records were kept by the bank for calculation of the days during which the workman has worked and only through that records his wages were calculated and paid by the bank. There was no regular peon. There was only one daftry. He performed the work of Peon and did various jobs like depositing the electricity bill, telephone duties. He purchased stationery of day to day and got photocopies done. He carried registers from one table to other. He has been victimized and harassed in an illegal and arbitrary manner. He deserves to be reinstated.

The opposite party has filed written statement.

All the paras of statement of claim have been denied. It has been stated that he was working on a fixed daily wages. He was a contractual worker and when the contract came to an end, he was verbally asked not to come. There is no question of retrenchment. In AIR 1992, page 789, it has been held that the regularisation of services of the daily wage person is illegal and improper. It is against law also. He was never an employee of the bank and he has never worked for 240 days in one calendar year. Such daily rate employee cannot be regularised. The employment is made from calling names of Employment Exchange. In this case, such name has not been asked for. The plumbers, electricians are called for on contractual basis and when the work is over, they are verbally asked not to come. This workman was also employed on contractual basis. He was not an all in bank's service.

The claimant has filed rejoinder. In rejoinder, he has denied all the paras of written statement and he has stated that he was a regular employee.

Heard arguments from both the parties and perused the documents annexed with the record.

The workman has given a statement of his work but that has not been admitted by the bank. He has only shown how much rupee he has received. He has not shown for how many days he has worked. In his statement of claim as well, he has not stated anywhere that he has worked for 240 days in a calendar year.

It was agreed on behalf of the management that the oral evidence of the workman is very material for deciding this case. It is not the case of the workman that he has done 240 days in calendar year. No such document has

been filed with record. He has not himself shown anywhere that he has worked for more than 240 days. He has only mentioned the money which he has received from the bank. In his oral examination, he has admitted that he used to bring water in the bank. He was paid his wages sometimes after a week or sometimes after a month depending upon the work available. The work was taken by him in different name of the persons but he could not deliver the names of the persons for whom work was taken by him. This indicates that no work was taken by any fictitious person otherwise he would have known their names. He has also admitted in the written statement that sometimes he used to present at the time when the cash was being handled and regular peon used to be on leave. He has further admitted that he was paid his wages on daily basis from Rs. 20/- and it was raised upto Rs. 30/-. According to his own statement he brought water from the bank and he was called when the peon was on leave. It indicates that there was a peon.

The learned counsel for the workman drew my attention to FIR 438. He has got no appointment letter, so it cannot be said that he was on a fixed pay so this citation is not applicable. AIR 1986-SC Page 132, referring 25.F and 2A, he has worked for 240 days so this citation is not applicable in the facts and circumstances of this case. AIR 1996-SC Page 1001, Section 25(F) it is not applicable. It has been held in this case that under Section 2(oo) termination is not retrenchment and not illegal so the citation is not applicable.

In view of the above discussions, it is clear that the workman was neither appointed on a fixed pay nor he has completed 240 days. According to his own statement, he brought water for the bank and when the peon was on leave, he was called. It indicates that whenever the bank needed, they took his services on contractual basis. He has no right to regularisation. The point referred to is replied thus:-

The action of the management of the UCO Bank, NOIDA in terminating the services of Shri Ram Sarikh, daily wage peon w.e.f. 23-4-1994 is just and legal. the claimant is not entitled to any relief asked for.

Dated 23-02-04

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2004

का. आ. 760.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बजाज इलेक्ट्रीकल लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण मुम्बई के पंचाट (राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण में शिकायत नम्बर 02/1999 धारा 33 ए के अंतर्गत औद्योगिक विवाद संख्या एन.टी.बी.-1/1997) को

प्रकटित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-9-2003 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2004-आई.आर. (सी-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st March, 2004

S. O. 760.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the National Industrial Tribunal, Mumbai (Complaint NTB No.-02 of 1999 filed under Section 33-A in the matter of ref. No. NTB-1 of 1997) as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bajaj Electrical Limited and their workmen, which was received by the Central Government on 25-09-2003.

[No. L-22013/1/2004-IR(C.II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE NATIONAL INDUSTRIAL TRIBUNAL AT MUMBAI

Present :

Shri Justice S. C. Pandey
Presiding Officer

COMPLAINT NTB No. 02 OF 1999
(Arising out of Ref. NTB-1 of 1997)

PARTIES :

Shri R.K. Bhatia : Applicant
V/s.

Bajaj Electricals Ltd. Opp. Party

APPEARANCES :

For the applicant : Mr. Chidambaram, President
for the Opp. party : Mr. M.S. Paranjpe, Adv.
State : Maharashtra

Mumbai, dated the 10th Day of September, 2003

AWARD

1. This is a complaint under section 33-A of the Industrial Disputes Act (the Act for short) arising out of Reference No. NTB-1 of 1997.

2. The complainant is R.K. Bhatia (the workman for short). The workman has filed this complaint against the Bajaj Electricals Ltd. 45-47 V.N. Road, Mumbai and one B.S. Katariya.

3. The complainant claims that he was the permanent workman of the company. He was working at Lucknow branch office of the company. It was stated by the workman that he was granted reimbursement of conveyance expenses for maintaining a scooter from September 1986 as per order dated 14th October, 1986. He stated that this order was withdrawn by order dated 16th April 1999 (Annexure A to the application) the order was during pendency of reference-1 of 1997. No permission of the tribunal was obtained. Hence this complaint. It was said that this tribunal should pass an award in favour of the complainant holding that pursuant to order dated September 1, 1986 the complainant should be given reimbursement of in respect of maintenance of scooter and expenses of petrol (scooter allowance for short).

4. In its written statement the company stated that workman is not entitled to raise this dispute before this tribunal because Labour Court, Ahmedabad was seized of the matter numbered as Reference (Lacd 5) 47 of 1995. This issue could not be raised before this tribunal. On merits issuance of order dated September 1 of 1986 was not disputed. It was stated that a representation was made by the branch Manager, Kanpur that the workman was entitled reimbursement of Petrol as he was utilizing his scooter for promoting sale of the goods of the company and therefore, Shri A.K. Sahu passed the order of grant of reimbursement 1st September, 1986. It was said that in the year 1996, the company shifted its branch office from Kanpur to Lucknow. The company had stopped sale of diesel/pump Engine in 1987. The workman was being given the reimbursement for utilizing of his scooter for sale activities. He was, therefore, not given the scooter allowance by order dated 16th April, 1999. There was no alteration in the condition of service of the workman. In any case there was no alteration in the conditions of service to the prejudice of the workman.

5. The complainant filed his affidavit in support of his case. He was cross examined. Thereafter, the company filed the affidavit of Shri B.S. Katariya. At the request of Shri Chidambaram the matter was heard finally as he did not want to cross examine Shri Katariya.

6. The workman has stated in his affidavit that he was employed as a commercial Asstt. He stated that he had retired from Kanpur. He was granted scooter allowance from 1st September, 1986. The company withdrew it by order dated 16th April, 1999. The order was arbitrary as no opportunity was given to him to explain his position. Nor was any notice of change was given. The company had not taken permission of the tribunal. The demand No. 28 in the industrial dispute pending before this tribunal is in respect of similar allowance granted to him. Therefore, permission of the tribunal was required. The workman was cross examined. The workman admitted that he retired from Lucknow branch of the company. On 14-9-96 the company shifted its office to Lucknow. He admitted that sale of pumps and Diesel sets was discontinued by the

company. The workman stated that sometimes he was required to do the job of setting Diesel Pumps sets alongwith the sales executive V.K. Sharma. He stated that even after the closure of sale of Diesel pump sets, he was required to go out for his duties. He stated that his duties were not specified. He had to attend Court, file tax returns etc. He admitted that his superior Shri P. K. Mukherjee had written letters Exhibits B and C to the written statement recommended that his application (Exhibit A) for grant of scooter allowance be considered favourably. He admitted that conveyance allowance was also given to him alongwith scooter allowance.

7. Shri. Katariya had filed his affidavit. He stated that the workman was given Scooter allowance because he was utilizing his scooter for the work of the company. The company closed its depot at Kanpur. The activity of sale of diesel pumps also stopped. The complainant was not required to visit the customers and the transport companies at Lucknow. The scooter allowance granted to the workman was withdrawn when it came to notice of the company that he was no longer using his scooter for the company. However, the company had never asked the workman to refund of any amount. The company rectified its mistake. It was stated that the act of company did not amount to change in service conditions of the workman. Section 33(1)(a) of the Act is not attracted as permission was not necessary. There was no change in the conditions of service of the workman.

8. It is not disputed that a complaint under section 33-A of the Act can be filed for contravention of the provisions of section 33 of the Act. It is also not in dispute that workman was granted scooter allowance by order dated 14th October 1986 (Exhibit B) with effect from 01-09-1986. It has been brought to the notice of this tribunal that a demand regarding reimbursement of petrol expenses was made by item No. 28 in the demand notice of the Federation. It is pending for consideration by this tribunal in ref. NTB No. 1 of 1999. It is not in dispute that by order dated 16-04-1999 the scooter allowance was withdrawn.

9. The question is if there was any contravention of section 33 of the Act. It is not in dispute that reference NTB No. 1 1997 is pending between the workmen of Bajaj Electrical Ltd. and their workmen represented by the Federation. Therefore, this matter of withdrawal of scooter allowance is connected with the dispute pending before this tribunal. It cannot also be disputed that the workman is concerned with the dispute as the Reference NTB No. 1 of 1997 is for fulfilment of demands made by the Federation for betterment of conditions of service of all workmen. It cannot be disputed that the workman was receiving scooter allowance at the time of the making of Reference No. NTB No. 1 of 1997. It was continued to be paid and was withdrawn only by order dated 16-4-1999. This withdrawal of the scooter allowance shall amount to altering the conditions of service of the workman to his prejudice

without obtaining permission of this tribunal prior to passing of the order of withdrawal. The consequence is that there is breach of section 32(1) (a) of the Act. There is contravention of section 33-A entitling the workman to file the complaint. The argument that the Scooter allowance was granted under a mistake and therefore, the conditions of service of the workman cannot be said to be altered to his prejudice has to be rejected. Right or wrong, if the workman was receiving certain monetary benefit it cannot be withdrawn on the ground that conditions of service are not altered thereby to the prejudice of the workman. Any withdrawal of monetary benefit shall amount to altering the conditions of service to prejudice of the workman. It is baffling to understand why the company failed to obtain the permission of this tribunal if it was such an apparent case of correcting a mistake. Everybody is equal before the law, even though some persons may think that they are more than equal. This tribunal is of the firm opinion that the employer cannot unilaterally alter the conditions of service of a workman to his prejudice on the ground that the benefit given to the workman as a condition of service was granted under a misapprehension. This view of the matter, avoids the contingency that employer shall by a judge in his own cause. The authorities mentioned in 33(i) of the Act can decide, if permission is necessary and can grant it if justice so requires.

10. The next question that has to be determined is, if the complainant is entitled to relief of payment of scooter allowance from the date of withdrawal till his retirement. It has been argued that on making the application dated 16-9-86 Ex-A (to the written statement) that workman be given reimbursement allowance for maintaining his scooter and petrol expenses. It is this application that has been allowed by order dated October 14, 1986. It is no longer in dispute the Branch Manager Shri P.K. Mukherjee by letter dated 24-9-1986 recommended his case and again pressed for grant of scooter allowance by letter dated 24-10-1986. It is also clear that the Branch Manager has also stated that Scooter was being utilized for the company's work. If that be the fact then reference to circular P.A.D. 20503 dated 08-5-86 was wrong. The workman was not covered by that circular. He was not an Officer. The mention of the circular in the order of grant would not make the order of grant invalid, particularly when it was cited upon by mistake by one opposite party. A unilateral mistake of one of the parties should be such as it goes to the root of the matter rendering a grant or a contract invalid or opposed to public policy. Merely because on hindsight the mention of circular helps the employer he cannot claim that the contract was void *ab initio*. On the other hand the workman can claim that the grant of scooter allowance in this case attracts the principles of promissory estoppel or equitable estoppel so far as the company is concerned. In the opinion of this tribunal, the company has rightly conceded that it did not want to recover the scooter allowances already paid by it till 16-4-99.

11. The argument made by Mr. Chidambaram is that the order dated 16-4-99 is void *ab initio* for non-compliance of section 9-A of the Act. Mr. Pranjpe argued that that section 9-A of the Act did not apply in terms.

12. Section 9 A of the Act prohibits an employer (i) from making a proposed change in the conditions of service of any workman covered by the Fourth Schedule (ii) unless and until he gives notice to the workman likely to be affected by such change a notice in prescribed manner the nature of proposed change effected, (iii) and until 21 days have expired from date of giving notice.

13. It is not in dispute that terms of section 9-A of the Act were not complied with. The question is, if the payment of the scooter allowance can be treated as condition of service within the meaning of Section 9 of the Act. Schedule Fourth can be treated as part of section 9-A of the Act for the purpose of interpretation. The items No. (1)(3) and (8) of the Fourth Schedule are in respect of Wages, compensatory and other allowances and withdrawal of any customary concession or privilege or change in any usage.

14. Section 2(rr) of the Act defines wages to mean remuneration capable of being expressed in terms of money payable to workman in respect of employment or the work done in such employment provided the terms of employment expressed or implied were fulfilled. This definition is further expanded to include *inter alia* the (i) allowances a workman is entitled to or the time being, (ii) any traveling concession. Thus, the scooter allowance in this case is in two parts: The first part allows reimbursement of petrol expenses actually incurred by the workman for using the scooter for the work of the company. The second part is for maintenance of the scooter. It is clear that the workman was given this benefit because he was performing the work of the company and was paid the expenditure incurred by him for petrol and the incidental expenses for maintaining the scooter. Both of the aforesaid items appear to be covered by the main part of Section 2(rr) of the Act as reimbursement amounts to remuneration payable in respect of work done. If the amount given to the workman is treated as a special allowance then expended part of definition covering all allowances will come into play. The allowance can also be treated as traveling concession. However, it is not necessary to dwell further because in the opinion of this tribunal the scooter allowance is covered by the main part of Section 2(rr) of the Act. Now it cannot be disputed that the conditions of service of workman shall be changed by reduction in the amount of the wage that he was receiving by way of allowance. Section 9-A of the Act is attracted if there is violation of item (i) or (3) of Fourth Schedule. To be specific, it would item No. 3, which speaks of allowances.

15. The argument of the learned counsel for the company that there was no change in the conditions of the service cannot be accepted. The tribunal has considered

the case of Ayodhya Prasad Vs. The Eligin Mills Company Ltd., 1994 LLR 126, K. Devendran Vs. Surgrami Callories Company 1999(1) LLN 149 Workman of Indian Bank Vs. Indian Bank 1995 LLR 355. These cases are distinguishable.

16. It cannot be disputed that compliance of Section 9-A of the Act is mandatory when there is a proposed change in the condition of service of workman. It has been argued that workman was not entitled to receive the amount because admittedly the Sales Office at Kanpur was closed and workman was not required to work at Lucknow. It appears to this tribunal that the company cannot take that stand before this tribunal because the order dated 16-4-99 withdrawing the payment of scooter allowance is void *ab initio* for non-compliance of Section 9-A of the Act. Janta Co-operative Sugar Mills Ltd. Vs. Labour Court (1987) Lab IC 1093. Further, the company cannot go beyond its order dated 16-4-99 which was passed after due deliberation and the legal advice received from the Advocate who was consulted before passing the order. The company cannot be permitted to take a different stand before this Tribunal.

17. The workman has stated that he was receiving Rs. 300/- per month for maintenance of scooter and actual expenses for petrol to the extent of 30 litres. There appears to be no dispute between the parties. The result of the aforesaid discussion that order dated 16-4-99 is declared to be illegal and consequently the workman shall be entitled to receive the expenses for maintenance of scooter at rate of Rs. 300/- per month from the month of May 1999 to 1st April 2001 for maintenance of scooter. The workman has stated that he was receiving Rs. 300/- per month for maintenance of scooter and actual expenses for petrol to the extent of 30 litres. There appears to be no dispute between the parties in this question. The company shall also reimburse him to the extent of 30 litres of petrol for each month between May 1999 to April 2001 on the basis of actual price of petrol provided the workman makes a claim, by filing the petrol vouchers for the aforesaid period showing that he had used the petrol up to thirty litres per month. It is made clear that 30 litres per month is the maximum to which the workman is entitled. Nothing in this award shall prevent him from claiming less than 30 litres if he had utilized less than 30 litres in a month. An award is accordingly made. A copy of this award submitted to the Central Govt. for publication under provisions of this Act in accordance with the requirement of Section 33-A of the Act.

S. C. PANDEY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 761.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार

औद्योगिक अधिकरण नं. II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 131/91) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/14/91-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 761.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 131/91) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. II, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M. T. N. L. and their workman, which was received by the Central Government on 3-3-2004.

[No. L-40012/14/91-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER:
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT - II,
RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR,
RAJENDRA PLACE, NEW DELHI.

Presiding Officer : R. N. RAI

I.D. No. 131/91

IN THE MATTER OF:-

SMT. SUSHMA RANI

VERSUS

MAHANAGAR TELEPHONE NIGAM LIMITED

The Ministry of Labour by its letter No. L-40012/14/91-IR(DU) has referred the following point for adjudication. The points runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of Divisional Engineer (Phones), MTNL, Kidwai Bhawan, New Delhi in dismissing Smt. Sushma Rani, Short Duty Telephone Operator w.e.f. 24-1-1986 was justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?”

The claimant has filed statement of claim. It has been stated in the statement of claim that the workman was appointed as Short Duty Telephone Operator w.e.f. 19-10-1982 in the Office of Assistant Engineer, Phones, Kidwai Bhawan, New Delhi. She performed her duties continuously and to the satisfaction of her superiors. She also underwent three months training as short duty telephone operator. She also passed the examination on 20th October, 1984, but she was not regularised though all others were regularised.

It has been further stated that the workman became pregnant during 1984 and had a lot of complications in the early period of pregnancy. She had to take short leave quite often on account of her ill-health. On 25-1-1985, a son

was born to the workman by caesarian operation. For her complications, she has to remain absent. She has applied for leave along with medical certificates. The same were sent through her colleagues.

That the management did not receive the letters along with medical certificate sent by the workman. The management never objected to the leave applied for or directed her to appear before any medical board or Civil Surgeon.

That on 03-02-1986, the workman has been absenting. A letter was sent by the management and it has also stated in that letter that the workman had not cared to respond to warning letters alleged to have been issued on 1-7-1985, 15-07-1985, 28-11-1985 and 24-11-1986 and her services were, therefore, terminated with immediate effect.

It has been further submitted that she has not received any of such letters. She has suffered great agony due to complications of caesarian. The circumstances were beyond her control. By letter dt. 27-2-1986, the workman was directed to attend office within the week's time and explain the reasons for not attending office personally. It has been submitted that the workman presented herself but a departmental enquiry was instituted against the workman vide order No. E-32/SS/85-86/109 dt. 4-6-1986 without either putting the workman under suspension or taking her on duty, as a pre-requisite condition for holding an enquiry proceeding against the alleged misconduct. It has been further submitted that the workman objected to that and she participated in the enquiry and co-operated with the E.O. but her case was not considered sympathetically and her services were terminated. She was not given compensation under Section 25(F) of the Industrial Disputes Act, 1947. The enquiry conducted is void. No charge has been issued to her. The workman ought to have been suspended and during her suspension, the enquiry should have been held.

The management has filed written statement on behalf of the employer to the statement of claim. In his written statement, it has been stated that the duties of the workman is purely temporary and casual in nature and will confer no right or claim whatsoever and it has been mentioned in the appointment letter that in case of lapse or misconduct during the course of service, the name of the workman will be removed from the list. The departmental enquiry was held and she was found guilty of misconduct. It has been further submitted that her misconduct has been proved by departmental enquiry. Witnesses have been examined. The post of short duty telephone operator has been abolished and the relief in terms of the prayer for reinstatement is infructuous and impracticable. The paras of the statement of claim have been denied and the list has been appended with the statement of claim for which it has been shown that in 1984, she reported on duty for 7 days. In 1985, she reported for duty for 4 days. That was the work done by the workman. She has not completed 240 days of service to

be entitled to get the benefit of 25(F) of the I.D. Act.

That the claimant has filed rejoinder. In rejoinder, all the paragraphs of the written statement have been denied. It has been said that the preliminary objections are misconceived. She absented herself due to the circumstances beyond her control. Heard arguments from both the sides. It was argued from the side of the workman that she has undergone short duty training and she was on the list of employees. Some of the employees junior to her has been regularised but she has not been regularised. It was argued from the side of the management that she has in all done the work for 9 to 10 days. Though she has been given training of short duty operator but she has not completed 240 days work. She has been given appointment letter. In the appointment letter as well, it has mentioned that she has been appointed on short duty telephone operator and will get Rs. 2.75 per hour remuneration maximum for 8 hours. My attention was drawn to 1983 LAB. I.C. 787. This citation is not applicable in the facts and circumstances of the case. LLJ-II, 1993, page 697 is regarding enquiry. This case is also not applicable as she was given full opportunity. 1987 LAB I.C.-307 is also regarding enquiry. Enquiry in this case has been held as such. This citation is not applicable in the facts and circumstances of this case.

AIR 1960 SUPREME COURT PAGE 100. This citation is at all not related with the facts and circumstances of this case. Similarly, AIR 1966 SC-115 AND 1981 LAB I.C. 806 relate to different matters and so they are not applicable in the facts and circumstances of this case. LLJ-II-70 is regarding retrenchment. The workman has not done 240 days of work so the question of retrenchment does not arise. 2000 (84) FLR-728 is also not applicable in the facts and circumstances of this case. LLJ 1977 is also not applicable because it is regarding the contractual term of employment. It was argued from the side of the workman that the list was prepared of those who were given short telephone operator training. The fault of the applicant was that she was absent due to the circumstances over which she has no control and the juniors to him has been given appointment so her case is also considered, if not, regularisation or reinstatement at least she should be considered for re-employment.

The point referred to is replied thus :—

The action of the management of Divisional Engineer (Phones) M.T.N.L., Kidwai Bhawan, New Delhi in dismissing Smt. Sushma Rani, Short Duty Telephone Operator w.e.f. 24-1-1986 is justified. She may approach the management for re-employment and the management will consider her case for re-employment. She is neither entitled to regularisation nor reinstatement but in view of the list, she is certainly entitled for re-employment without any back wages due.

Dated:- 23-02-04

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 762.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. II, नई दिल्ली के पंचायत (संदर्भ संख्या 76/93) को प्रकाशित करती है; जो केन्द्रीय सरकार को 3-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/112/92-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd March, 2004

S.O. 762.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 76/93) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. II, New Delhi, now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M.T.N.L. and their workman, which was received by the Central Government on 03-03-2004.

[No. L-40012/112/92-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer.

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER: CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN,
GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE
NEW DELHI**

PRESIDING OFFICER: R. N. RAL I.D. NO. 76/93

In the matter of:

BRAHMJEET

VERSUS

M.T.N.L.

AWARD

The Ministry of Labour vide its letter No. L-40012/112/92/IR/DU, Central Government dt. 30-09-1993 has referred the following point for adjudication. The points runs are as hereunder:—

“Whether the action of the Management of Mahanagar Telephone Nigam Limited in terminating the services of Shri Brahmjeet, daily rated Mazdoor w.e.f. 4-3-1991 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?”

The claimant has filed statement of claim. In his statement of claim, the workman was employed as a daily rated Mazdoor by the Management of Mahanagar Telephone Nigam Limited at Kedwai Bhawan, New Delhi from July, 1981 to 3-3-1991. He worked for more than 240 days in 12 calendar months. His services were terminated

w.e.f. 4-3-1991 without complying with the provisions of Section 25-F of the I.D. Act. He made representation but that was not heard. Thereafter he filed the application before the Conciliation Officer but that too failed so he filed this statement of claim. His services were terminated on the allegations levelled against him by certain over zealous employees named Rajpal and malakhan Singh Chowkidar, Telephone Exchange, Nehru Place, New Delhi who had falsely implicated in a theft case.

It has been further submitted that the workman was on duty at Telephone Exchange, Nehru Place, New Delhi. On 04-03-1991, the above named employees cooked up a story and called the police and planted telephone cable on the workman which was infact under the custody of the store keeper. Thus, he has been victimized. The case was registered against him. He has been working in the Mahanagar Telephone Nigam Limited since 1981-82 and ever had a occasion when any finger was pointed on him.

That the services of the workman has been terminated w.e.f. 04-03-1991 without assigning any reason thereof. No written termination orders were served upon the workman. He was simply denied the work. The management was in connivance of those employees fabricated a false case of theft against the workman. They filed an FIR bearing No. 117/91 dt. 4-3-1991 and later on he was bailed out on 12-03-1991. He gave application for permitting him to join his services but he was refused and he was threatened that several cases will be registered against him. The action of the management is malafide. No letter of suspension has been served on him. That was a case of simple termination. The departmental enquiry is necessary. He was a regular and permanent employee and he worked for 240 days. Demand notice was served on the management. The management took no interest. The attitude of the management was vindictive and revengeful. The allegations of theft were false. It is, therefore, prayed that he should be reinstated in service.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been submitted that the workman was engaged as daily rated Mazdoor and his services were required for loading and unloading goods in the vehicles. He was a Muster Roll Holder. He was absent from duty w.e.f. 1-3-1991. He never reported for duty after 28-02-1991. He has not signed the Muster Roll. Thus, there was no occasion of deputing him to any other place. It has been further submitted that on 04-03-1991, he stole telephone cables and an FIR No. 117/91 has been lodged against him and he was in jail from 04-03-1991 to 12-3-1991. After coming from the jail, he made representations but the management was not in the knowledge of the fact of lodging of an FIR. The claimant sent an application dt. 27-2-1991 for reinstatement which was rejected. He denied allegations vide his communication received on 4-5-1991 and chose to stay away from duty. A theft case was registered against him. He had clearly deserted/abandoned the job. He was

daily rated wage and his services come to an end when he does not report. He was in jail w.e.f. 4-3-1991 to 12-3-1991. Thereafter he raised a dispute before the Conciliation Officer but the dispute also failed so the question was referred for adjudication. All the allegations of the claim has been denied in the written statement. It is submitted that he was daily rated worker when he did not turn up his services came to an end. It has been admitted that he was on the Muster Roll.

The workman has filed rejoinder and in the his rejoinder, he has denied all the allegations of the written statement and he has stated that he was not a daily rated worker but he was a permanent employee. A false case was registered against him. Due to that false case, he was not taken into service. He has been served no notice. His services have not been retrenched. His implication in the criminal case is false and just at the instance of the management.

Heard arguments from both the sides and perused the documents on record.

The learned counsel for the workman has stated that the FIR was registered under Section 375, 411 but the Hon'ble Court has acquitted him since there is acquittal from the Hon'ble High Court. The FIR lodged against him is false. There is no question of theft against him but Section 379/411 indicates that he admitted to commit theft. It is submitted that he was working in Mahanagar Telephone Nigam Limited at Kidwai Bhawan, New Delhi from July, 1981 to 3-3-1991. Thus, he has completed 240 days service.

Though he has been said to be daily wage but a person who works for 10 years in an Undertaking, he cannot be said to be a daily wage. It has been admitted that his name was on muster roll, he was given no notice of retrenchment that may be on the ground of the FIR under which he remained in jail for 12 months but the Hon'ble Court has declared him not guilty so he has been found innocent. In the written, he admitted that he was daily rated mazdoor. The management has not filed as to for how long period, he worked. As such, in the statement of claim that he was serving in Mahanagar Telephone Nigam Limited from July, 1991 to 3-3-1991 is to be believed and he has worked for more than 240 days.

The counsel for the workman argued that he was daily rated mazdoor and when his services were no longer required, he was not called for work since the worker has worked for more than 240 days, the notice of retrenchment is to be given. He cannot be taken into service as there is a criminal case against him but when he was declared innocent in that criminal case, there remains no charges against him. Since notice of retrenchment has not been served and he has completed for more than 240 days, so his service cannot be dispensed with since he has been held not guilty by the

Court in the offence which was registered against him so there is no blemish against him and it was in the knowledge of the management as the Chowkidar has filed FIR under Section 379/411 IPC.

From the side of the workman, my attention was drawn to 1994 SC cases, 671, in which it has been held that the back wages from the date of termination till reinstatement should be granted. In 1987-Supreme Court page-36 it has been held if the retrenchment was bad, it should be set aside. In 1977-2, FIR, it has been held that if the accused had not been found guilty, he should be reinstated. In 1987 (1) LLJ-85, it has been held that under Section 25(F) to a daily rated worker, compensation should be awarded. These citations are fully applicable in the cases of the workmen. He has been declared innocent by the Court. No retrenchment notice has been given. In such circumstances, at least when he was held not guilty by the court, he should be taken into service.

The point referred to is replied thus :—

The action of the management of Mahanagar Telephone Nigam Limited in terminating the services of Shri Brahmjeet, daily rated Mazdoor w.e.f. 4-3-1991 is neither legal nor justified. The claimant deserves to be reinstated at the post at which he was working. He was a daily rated worker so he is entitled to get 50% back wages also.

Dated : 26-02-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 763.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कैन्टीन स्टोर्स डिपार्टमेन्ट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 11, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 89/94) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-14012/13/93-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd March, 2004

S.O. 763.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 89/94) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, No. 11, New Delhi, now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Canteen Stores Deptt. and their workman, which was received by the Central Government on 03-03-2004.

[No. L-14012/13/93-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE**THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II,
NEW DELHI****PRESIDING OFFICER: R. N. RAI LD. NO. 89/1994
IN THE MATTER OF:—SATYA PRAKASH SHARMA****VERSUS****HEAD QUARTER MEERUT SUB AREA CANTEEN,
MEERUT CANTT****AWARD**

The Ministry of Labour vide its letter dt. 29-06-1994 has referred the following point for adjudication. The point referred to runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of Canteen Stores Deptt., in terminating the services of Shri Satya Prakash Sharma, son of Shri Raghuwar Dayal Sharma, Ex-Salesman w.e.f. 30-01-1991 is legal and justified. If not, what relief he is entitled to?”

The claimant has filed the statement of claim. It has been submitted in the statement of claim that Headquarters Meerut Sub-Area Canteen is a unit run canteen (HRC) functioning under Army Headquarters ‘Q’ Branch Master General and is registered with Canteen Stores Department (CSD) and its registration number is 2309. This canteen is engaged in the business of sales of various goods and items of daily use of human need. The services are meant for public as well as defence personnels and thus the sub-area canteen comes within the purview of ‘Industry’ as defined in the Industrial Disputes Act, 1947 and the concerned workman comes within the purview of “workman”.

He was appointed on 26-11-1969 and was the member of EPF and FEF scheme. It has been further submitted that his conduct and work was satisfactory and he performed his duties sincerely for continuous 21 years and there was no complaint of any misbehaviour by any customer. His services were terminated by Order dt. 30th January, 1991 in very abrupt and illegal manner on the plea of certain misconduct.

That it has been further submitted that before terminating the services, the employer served a show cause notice dated 11th September, 1990 in which several charges of misconduct as unsatisfactory performance as a salesman, discourteous and rude behaviour with the customers and very rude in subordinate and disobedient to the management has been fastened, but no date and time or place and name of person has been given in the notice.

That the workman filed his explanation on 15-09-1990 and tried to prove himself not guilty and said that the charges were false. The management without considering the explanation, passed order of termination in a very abrupt and illegal manner like a mechanical

process.

It has been further added that no legal and valid domestic enquiry constituted nor conducted nor any best and admissible evidence against the concerned workman produced. The alleged show-cause notice cannot take the place of full-fledged enquiry. No charge was given before terminating his services and he was not given any time to produce the evidence. In show cause notice, the time and place and the person with whom he misbehaved has not been given. His services were terminated on no evidence. Punishing authority did not resort to procedural power in a judicial spirit and terminated his services illegally, unjustifiably and arbitrarily.

It has been further submitted that the workman gave reply to the show-cause notice but his reply was not considered. He filed an appeal. No response has been received by the DLC, Meerut. The Government of U.P. did not find himself into the matter appropriate Govt., so this industrial dispute was raised.

The management has filed written statement.

It has been stated by the management in the written statement that the employer is not an industry. The canteen functioning under the Army Headquarters “Q” Branch, Master General. It is an extension of Canteen Stores Department with its Head Office at Bombay. It is a Department of Ministry of Defence, Government of India and its financial transactions are within the purview of the consolidated funds of India, Government of India. The workman was registered with the Canteen Stores Department, Bombay and has been allotted regn. No. 2309 being an agency of the Defence Forces Department, the retail outlets from the Canteen Stores Department, Meerut Cantt. is in the hands of individual Commanding officers of the units/formations in the army. Its profits are used for the troops at the unit level. The household goods of the canteen are purely for defence-personnel both in service or retired and not for public at large. So it is not an industrial dispute.

It has been further submitted that the reference is void and illegal and is not maintainable in this Hon’ble Tribunal. The preliminary matter relates to the jurisdiction of the Tribunal so it will be decided first.

It has been further submitted that the workman applicant was a counter attendant in the establishment of the employer. That the work performance of the workman and his conduct started deteriorating very fast since the year 1987. The establishment of the employer being an establishment for the welfare of the defence personnel, all its employees are duty bound to be helpful, courteous and respectful to the customers. The customers are ex-servicemen and old persons so they should be treated amicably.

It has been further submitted that the workman while on duty misbehaved with the retired defence officer and

was disrespectful to him. When Shri Satish Chand Sharma advised him not to disrespect the retired defence officers, the workman used abusive language against him and insulted him. Shri Satish Chand Sharma recommended disciplinary action and requested his transfer. The workman was summoned by the management of the canteen and was admonished to be careful in future. That on 17.7.1987, the workman was asked to bring liquor filled bottles from the bulk store but he deliberately left the handle of the cart causing breakage number of liquor filled bottles. He was found issuing wrong goods to the customers and it was rectified by his associates and seniors.

It has been further submitted that on 10.03.1989, the workman issued two bottles of rum to a customer to whom the same was not to be issued. The error was detected and due to the error of the workman, the incharge of the canteen has to deposit the cost of these two bottles. He was asked several times to improve his behaviour but to no affect.

On 28-05-1989, a complaint was received against him. He assaulted that person as a result of which he (customer) fell down and suffered humiliation. Later the workman apologized. Several warnings were given to him but there was no change in his behaviour.

That on 17-07-1990 again, the workman assaulted a customer and when he was checked by his superior, he spoke to him in disrespectful manner.

That on 24-08-1990, the workman misbehaved with Mrs. Seema Tyagi, wife of Flt. Lt. Rajiv Tyagi and insulted her. Considering the entire facts and the past record of his misbehaviour, his services were terminated. He is not entitled to any relief. All the pleadings of his statement of claim are denied.

The workman has filed rejoinder. In his rejoinder, he has stated that the preliminary objections are wrong. The allegations levelled against him are false. He never misbehaved with any person. All the paras of written statement are denied.

Heard arguments from both the sides and perused the papers annexed with the record. The counsel for the workman argued that the canteen is not a creation of Statute Act or legislation. The Ministry of Defence and Master General had nothing to do with the canteen and his employees so this court has jurisdiction. Earlier the matter was referred to State Tribunal but it was held that the Central Government is the appropriate authority. In this respect, he cited 81/1999, Delhi Law Times 395, 1998 (S) SLR Page 684, 1988 (S) SLR Page 687. In all the citations, it has been held that the canteen is not a government body. It is a Public Undertaking and hence the court has jurisdiction to decide this case. In 2000 LLR page 781 and 2000 LLR -1014, in 2000 LLR page 1044, it has been held that the enquiry Officer should have recorded the evidence

with an opportunity to the petitioner to defend the charges. In 1999, FLR page 601, it has been held that if the workman is not in gainful employment, back wages cannot be withheld. In 1999 (82) FLR 866, it has been held that charge sheet should have been given and enquiry should have been made, if serious charges of mis-conduct are found against the workman. In 1999 (81) FLR 687, it has been held that an enquiry should be conducted and the charges should be proved otherwise a stigma would be attached even to a probationer in this case. The workman is a permanent employee. In 2000 SCC- Page-613, it has been held that an enquiry is necessary to prove the misconduct alleged against an employee. In the instant case, no enquiry has been held. The services of the workman has been terminated on giving show-cause notice and getting reply from him. There are complaints of several persons but they have not been examined and no cross examination of the complainants has been made by the workman. The workman was removed only on the allegations and complaints. The services of the workman have been terminated. In 1975 FLR, page 194, it has been held that if evidence has not been adduced and without having any cross-examination of the witnesses, the services of the workman has been terminated such termination is illegal.

The learned counsel for the management has argued that several complaints were made against the workman and show-cause notice was issued to him. Several warnings were issued to him but he did not improve his conduct. His misbehaviour continued so he was terminated. Shri Satish Sharma has been examined from the side of the management and Satya Prakash has been examined from the side of the workman. But other witnesses who have made complaints have not been examined. No fullfledged enquiry has been held. Only by producing Shri Satish Sharma, the misconduct of the workman is not established. The management ought to have held any enquiry. If no enquiry was held atleast all the witnesses who made complaints against the workman must be examined but it has not been done so. Though there is written complaint of those witnesses but those witnesses have not come in the Court to prove their complaints. In such circumstances, the termination of services of the workman is not on the basis of any enquiry and hence it cannot be said to be legal and justified. Neither the enquiry has been held nor all the witnesses have been produced in the Court. So far as the back wages are concerned, the workman under the facts and circumstances of the case is not entitled to full back wages. The case is pending since 1994 and several dates have been taken by the workman himself, as such 20% back wages in the facts and circumstances of this case would be sufficient.

The point referred to above is replied thus :—

That the action of the management of Canteen Stores Deptt., in terminating the services of Shri Satya Prakash Sharma, son of Shri Raghuwar Dayal Sharma, ex-salesman w.e.f. 30.01.1991 is neither legal nor justified. He is entitled

to be reinstated from 30th of January, 1991 with 20% back wages and due increments.

Dated :- 23-02-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 764.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूरदर्शन केन्द्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 32/92) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/78/90-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 764.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 32/92) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. II, New Delhi, now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Doordarshan Kendra and their workman, which was received by the Central Government on 3-3-2004.

[No. L-42012/78/90-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER: CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II,**

**RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR,
RAJENDRA PLACE, NEW DELHI**

**PRESIDING OFFICER: R. N. RAI I.D. No. 32/92
SURAJ PAL SHARMA**

VERSUS

DOORDARSHAN KENDRA

AWARD

The Ministry of Labour vide its letter dt. 08-05-1992 has referred the following point for Award.

“Whether the action of the management of Doordarshan Kendra, New Delhi in terminating the services of Shri Suraj Pal Sharma of w.e.f. 11-09-1989 is justified? If not, what relief the workman concerned is entitled to?”

In this claim the claimant has stated that the workman Shri Suraj Pal Sharma joined into the employment of Doordarshan Kendra w.e.f. 1st September, 1988 as General Asstt.. He was being treated as muster roll worker and was

being wages @ Rs. 50/- per day although, he continuously worked for the whole month but he was paid for 10 days only.

That the officers of the Doordarshan Kendra have been playing a fraud with a workman by paying him only 10 days wages when actually he was working continuously and regularly from 1st September, 1988 upto date.

That no-regularisation of services of the workman aforesaid in proper pay scale and allowances is wholly illegal, bad, unjust and malafide for the following amongst other reasons :—

That after continuously working in each month and showing the workman to have worked only for 10 days and playing him wages for 10 days amounts to unfair labour practice.

That the job against which the workman aforesaid was working is of a regular and permanent nature of job which is still continuing with the management.

That employing persons on regular nature of jobs and treating them as muster roll workers for indefinite period and paying them lesser remuneration than those who are doing the identical work and the work of the same value amounts to unfair labour practice as provided in Section 2 (ra) read with item No. 10 of the 5th schedule of the Industrial Disputes Act, 1947.

That it amounts to unfair labour practice and sheer exploitation of labour.

That the pronounced by the Hon'ble High Court of Delhi a workman is deemed to have been regularised in services after completing 240 days continuous services in a span of a 12 calendar months according to which the workman aforesaid has acquired the status of a permanent employee.

That a demand notice was served upon the Director of the Doordarshan Kendra by Regd. A/D post vide communication dated 3rd August, 1989 duly received in his office but no reply was received and it was presumed that the demand was rejected. Thereafter, the dispute was raised by a filing a statement of claim before the conciliation officer, Delhi Administration, Delhi on 22-11-1989 in which the regularisation of services of the workman Sh. Suraj Pal Sharma was demanded.

That after receiving the demand notice on 2nd September, 1989 the management has terminated the service of the workman Sh. Suraj Pal Sharma w.e.f. 11-09-1989.

That the termination of services of the workman Sh. Suraj Pal Sharma is wholly illegal bad, unjust and malafide for the following amongst other reasons :—

That the workman aforesaid has been victimized for raising an industrial dispute for regularisation of his services and for that reason the management has terminated the services of the workman aforesaid by the victimization.

That the services of the workman have been terminated during the pendency of an industrial dispute in clear violation of section 33 of Industrial Disputes Act, 1947 without obtaining any permission from the conciliation officers before whom the dispute was pending.

That at the time of termination of services, no seniority list displayed, no notice was served, no notice pay was either offered or paid and no service compensation was either offered or paid to the workman aforesaid.

That the workman aforesaid had required the status of a permanent employee after rendering services from 1st September, 1988 to 11th September, 1989. He has unblemished and uninterrupted record of service to his credit.

That the workman aforesaid has been meted out with hostile discrimination as juniors to him have been retained in services, they have also been regularised in services, but the workman aforesaid has been thrown out of job.

That during the period from 01-09-1988 to 11-09-1989 he has been treated as muster roll worker. He was being paid his wages as fixed and revised from time to time under the minimum wages Act i.e. @ Rs. 50/- per day but he was paid only for 10 days in a month although he had to work throughout the month.

That even otherwise, the impugned termination of services is violative of Section 25 F, G & H of the Industrial Disputes Act, 1947 read with rules 76, 77 and 78 of the industrial disputes (Central) Rules, 1957.

That at the time of termination of services of the workman aforesaid, he was working against permanent and regular nature of job.

That no notice was served on the appropriate Govt. for effecting the retrenchment of the workman aforesaid.

That the workman aforesaid is unemployed since 12th September, 1989.

That a demand notice was served upon the Director of the Doordarshan Kendra by Regd. A/D post vide communication on 5th October, 1989 duly received in his office on 7th October, 1989 but no reply was received and it was presumed that the demand has been rejected. Thereafter, the dispute was raised by filling a statement of claim before the conciliation officer. The conciliation proceedings were initiated but resulted in failure because of the adamant and non-cooperative attitude of the management.

It is, therefore, prayed that an award be given in favour of the workman holding thereby the termination of services of Sh. Suraj Pal Sharma by the management is illegal and unjustified and holding him entitled to reinstatement in services with continuity and full back wages in proper pay scale and allowances and with all consequential benefits thereof either monetary or non-

monetary. The cost of litigation as provided in Section 11(7) of the Industrial Disputes Act, 1947 be also allowed.

Any other relief, direction or order as may deem fit to this Hon'ble court may also be given in favour of the workman.

In his written statement the opposite party has stated that the statement of claim is not maintainable as the workman failed to file the same with the Tribunal within 15 days of receipt of the order of reference and also failed to forward a copy of such statement to the management involved in the dispute as required under rule 10-b of the industrial disputes (Central) Rules, 1957.

That there is no retrenchment and the present case falls under exception (bb) of clause (oo) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 and thus the statement of claim is not maintainable.

That the statement of claim is bad for non-joinder of necessary parties. Any decision on the application made by the workman is likely to affect adversely the rights of the alleged junior employees and so the very basis and essential requirement that a person who is going to be adversely affected should be made a party to the proceeding and should alleged juniors being made parties to the proceeding, the statement of claim made by the worker is not maintainable.

That the workman is not entitled to back wages as the judicial pronouncement is in the nature of a fresh rule elaborated by a court in the interest of justice and it can have effect only from the date of pronouncement. It is submitted that in other words it would mean that its effect will be only prospective and the retrospective like any other new rule of law emanating from the Parliament or the Executive.

That the workman was engaged by the Doordarshan Kendra, New Delhi as artist on assignment basis as general Asstt. On 10 (TEN) days basis w.e.f. 21.09.88 to 30.09.88 and not from 01.09.88.

REPLY ON MERITS :

That para 1 of the statement of claim is a record.

That para 2 of the statement of claim is wrong and denied. It is submitted that the workman was engaged by Doordarshan Kendra, New Delhi as Artist on assignment basis as General Asstt. On 10 days basis w.e.f. 21-09-88 to 30-09-88 and from 01-09-88 as alleged. Before engagement as assignment basis a contract for 10 days assignment has been signed by him. He did not work for the whole month. It is denied that he was being treated as muster roll worker.

That para 3 of the statement of claim is wrong and denied. The workman has not worked for the whole month in Sept. 1988, but he worked for 10 days from 21-09-88 to 30-09-88 for which he has signed contract accordingly. As such no fraud has been played with him.

That para 4 of the statement of claim is wrong and denied. The question of regularisation in proper scale and allowances....., etc....., does not arise at all....., as he was engaged for a particular type of job for which before taking assignment he has signed the contract. It was open to him to sign the contract or to refuse to sign the contract. The sub-para are replied as under :—

Sub-para 4 (i) is wrong and denied. The workman was engaged for 10 days only in a month and has been paid for 10 days as per the terms of the contract signed by him. The question of unfair labour practice does not arise at all in this case.

Sub-para (ii) is absolutely incorrect. To meet urgent programme exigencies Doordarshan Kendra engages Artists on assignment basis. Their engagement depends on the programme requirement. It is denied that the job against which the workman was engaged is of a regular or permanent nature.

Sub-para (iii) (iv) are absolutely incorrect the Doordarshan Kendra engages the Artist on assignment basis. The fee for such Artist varies from Rs. 50/- to 400/- per assignment. Their engagement depends on the programme requirements. As per the scheme approved by the Govt. a person can be engaged as Artist on assignment basis maximum for a period of 10 days in a month. A penal of persons is prepared for this purpose and they are booked on rotation basis depending on the programme requirements. The question of unfair labour practice and exploitation does not arise at all.

Sub-para (v) is absolutely incorrect. The pronouncement of the Hon'ble High Court of Delhi is not applicable in the present case. The workman has not been employment for twelve calendar months and has actually worked for less than 240 days during the said twelve calendar months. Thus both the conditions have not been fulfilled. Details of his booking as Artist on assignment basis is given below :—

Period	No. of Days
1. 21-9-88 to 30-9-88	
2. 1-10-88 to 10-10-88	
3. 21-11-88 to 30-11-88	
4. 21-12-88 to 30-12-88	
5. 22-1-89 to 31-1-89	
6. 19-2-89 to 28-2-89	10 Days in each Period.
7. 22-3-89 to 31-3-89	
8. 21-4-89 to 30-4-89	
9. 22-5-89 to 31-5-89	
10. 21-6-89 to 30-6-89	
11. 22-7-89 to 31-7-89	
12. 21-8-89 to 30-8-89	
13. 1-9-89 to 10-9-89	

TOTAL : 130 days

That para 5 of the statement of claim is a matter of record.

That para 6 of the statement of claim is wrong and denied. The workman has left of his own.

That in reply to para 7 of the statement of claim it is submitted that the workman left of his own and was not available for further contracts. The sub-para are replied as under :—

Sub-para (i) (ii) & (iii) are denied as the workman left of his own.

In reply to sub-para (iv) it is submitted that workman was engaged on assignment basis for 10 days in a month from 21-09-1988 as per details given in para No.4 (v) above.

Sub-para (v) is wrong and denied.

The workman was engaged on assignment basis for 10 days in a month for which before taking assignment he has signed the contract. Details of his engagement are mentioned in para (v) above.

No order of termination was issued as the workman left of his own. It is denied that he was working against permanent and regular nature of job. There is no violation of any sections or rules of the Industrial Disputes Act.

Since the workman was engaged on assignment basis for a specified period, he signed the contract accordingly question of issue of notice of termination does not arise. Moreover the workman left the job of his own.

That para 8 of the statement of claim is wrong and denied.

That para 9 of the statement of claim is a matter of record.

In view of the submissions made above the application/statement of claim of the workman may be dismissed with costs.

The claimant has filed re-joinder. In his re-joinder he has refuted the allegation of WS and he has submitted that all the allegation of WS are false. He has worked for 1 year he has received payment for 10 days every month. The WS should be rejected and he should be reinstated with full back wages.

Heard arguments from both the parties and perused documents on the record.

It has been argued by the learned counsel of the workman that the workman right from 01-09-1988 to 10-09-1999 daily went to Doordarshan Kendra and performed his duties. He has annexed gate passed for the aforesaid periods. The management has not admitted the paper filed by him. However the management itself as filed 10 papers and in these papers it has been written "Artist on assignment basis to work as general Asstt.". It implies that the workman worked as General Asstt. at least for 120 days accordingly to the papers filed by the management

itself. It was further submitted that the workman has completed 120 days work and these papers also go along to prove that he was appointed at the post of General Asstt. for 120 days. On 09-06-1992 for absorption for casual Artist at various Doordarshan Kendra. It has been stated that the casual Artist in Doordarshan should be regularised even if they have worked on assingment basis as casual Artist for 120 days. It was further argued that in view of the circular letter of the management for regularisation of casual Artist in Doordarshan the workman is entitled to be regularised as he has worked for 120 days.

It was argued from the side of the management that the workman did not apply according to the scheme for regularisation so he could not be regularised. In view of the circular letter of the management the workman deserves to be reinstated at least from 09-06-1992, the day when the circular letter was issue.

It was submitted on behalf of the management that the workman is an Artist. An Artist never sits idol he does some work of Art. The workman naturally would be working these days so he should not get more than 25% of the back wages. In view of the above discussion I am of the conformed opinion that the workman deserves to be reinstated from 09-06-1992 the day when the circular was issued.

As such the question referred to for adjudication is replied thus.

'The action of the management Doordarshan Kendra New Delhi in terminating the services of Sh. Suraj Pal Sharma w.e.f. 09-06-1992 is not justify he deserves to be reinstated from 09-06-1992 with 25% wages. The Award is given accordingly.

Dated : 23-02-2004

R. N. RAI, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 765.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चेन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या आई. डी. 56/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/43/2002-आई.आर. (बी-1)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 765.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (ID. No. 56/2002) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chennai, now as shown in the Annexure in the

Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 1-3-2004.

[No. L-12012/43/2002-IR(B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHENNAI

Thursday, the 22nd January, 2004

PRESENT:

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 56/2002

[In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), between the Management of State Bank of India and their workmen]

BETWEEN :

Sri K. Mohan : I Party/Workman

AND

The Chief General Manager, : II Party/Management
State Bank of India,
Local Head Office, Chennai.

APPEARANCE :

For the Workman : M/s. Aiyar & Dolia, R.
Arumugam & N. Krishan-
kumar, Advocates

For the Management : M/s. S. Kanniah & P. Kolappa
Pillai Advocates

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Notification Order No. L-12012/43/2002-IR(B-I) dated 27-06-2002 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of State Bank of India in dismissing the services of Sri K. Mohan is justified? If not what relief is he entitled?"

2. After the receipt of the reference, it was taken on file as I. D. No. 56/2002 and notices were issued to both the parties and both the parties entered appearance through their advocates and filed Claim Statement and Counter Statement respectively.

3. The contention of the Petitioner in the Claim Statement is briefly as follows :—

The Petitioner was appointed as a clerk in the services of the Respondent/Bank at West Mambalam branch on 7-8-75 and he was subsequently transferred to T. Nagar

branch during 1984. He had thus put up 23 years of continuous service. While so, the Assistant General Manager Region II, who is not the competent authority to take disciplinary action against the Petitioner by an order dated 15-10-94 placed him under suspension. Then by charge sheet dated 14-12-1994 he framed five charges against the Petitioner alleging acts of forging and destructing the bank's records and misappropriated the bank's money. The Petitioner's explanation was not considered and the enquiry was ordered. The Enquiry Officer, after the enquiry has submitted his report stating that four charges were not proved and the fifth charge has been partly proved. But, the Enquiry Officer without giving any reason, has come to the conclusion that the charge is partly proved. Further, he did not specify which part or portion of the charge was proved. While so, the Assistant General Manager Region II has sent a letter on 8-12-1998 in which he has stated that so far as charges 1 to 4, he has concurred with the findings of the Enquiry Officer, but disagreed with the findings in respect of charge No. 5 and he also proposed the punishment of discharge and after calling for personal hearing, he has imposed the punishment of discharge and also treated the period of suspension as one of suspension for all the purposes. But, when the Assistant General Manager Region II did not concur with the findings of Enquiry Officer, before proposing the punishment, has not issued any notice to him that he disagree with the punishment on what grounds and for which reasons and did not call upon him to submit his explanation on that matter. Therefore, Assistant General Manager Region II, who is not competent authority, passed the order of discharge which is illegal. Even the appeal preferred against that order to Appellate Authority was also dismissed by him on 11-5-99. The Enquiry Officer and also the Disciplinary Authority have not followed the procedure as contemplated under various decisions of Apex Court and High Courts. The Deputy General Manager, Zonal Office, Chennai has no authority to hear the Petitioner in terms of Bipartite Settlement. Thus, the charge sheet issued and order of discharge of the Petitioner from service were not under proper authority, thus making his termination a wrongful one. The Disciplinary Authority while confirming the punishment has not considered the Petitioner's 23 years of past record of service, which is unblemished. The Appellate Authority with a biased nature had come to the conclusion and rejected the appeal. The punishment awarded to the Petitioner is not only harsh but also awarded for the acts, which were not proved and established. The Petitioner is at the age of 53 years and was kept under suspension for more than four years and this suspension period was also treated as suspension for all purposes and hence, double punishment was imposed on him. Therefore, this Tribunal has got ample powers under Section 11A to interfere with the order of discharge and to set aside the same. For all these reasons, the Petitioner prays that an award may be passed in his favour.

4. As against this, the Respondent/Bank in its Counter Statement alleged that it is no doubt true that the Petitioner has entered into the services of Respondent/Bank as a Clerk in the year 1975 and while he was working as a clerk in T. Nagar branch he has committed serious misconducts and therefore, disciplinary action was initiated against him and he was placed under suspension followed by show cause notice for the various irregularities committed by him. Since the explanation given by the Petitioner was not satisfactory, the bank has decided to conduct domestic enquiry which proved the various charges framed against him. After the Enquiry Officer's report the Disciplinary Authority who has not satisfied with the findings of the Enquiry Officer in respect of fifth charge has issued a second show cause notice in which he has mentioned that he is not agreeable with the findings of the Enquiry Officer with regard to fifth charge. Thus, after affording sufficient opportunity to the Petitioner to prove his innocence has taken a lenient view by imposing the punishment of discharge through his order dated 5-2-99. The Appellant Authority also after applying his mind has rightly rejected the appeal preferred by the Petitioner. The order passed by the Assistant General Manager Region II, who is the competent authority, is valid and it cannot be questioned by the Petitioner. The enquiry was conducted in a just and proper manner and the Enquiry Officer has given a sufficient opportunity to the Petitioner to prove his innocence in the enquiry conducted by him. The Petitioner has taken part in the enquiry along with his representative and witness were also cross examined by the representative and copies of all documents were given to the Petitioner. Under such circumstances, it cannot be contended that the enquiry was not conducted in a fair and proper way. The Petitioner was responsible for preparation of withdrawal slip/letters and obtained payment from the Cashier and later destroyed all the evidences to get over the guilt. As per the disciplinary structure applicable at the relevant time, Assistant General Manager Region II was the competent authority for initiating disciplinary proceedings against the Petitioner. During the course of enquiry, the Petitioner did not raise any objections about the manner in which the same was proceeded with. It is false to allege that admission letter given by the Petitioner was obtained by using pressure tactics adopted by the officials, who came to his house for investigation and it is an afterthought made by the Petitioner. Under such circumstances, the Respondent prays that the claim may be dismissed with costs.

5. In these circumstances, the points for my determination are —

- (i) "Whether the action of the management of State Bank of India in dismissing the services of the Petitioner is justified?"
- (ii) "To what relief, the Petitioner is entitled?"

Point No. 1:—

6. In this case, the Petitioner, who was working as a clerk in the Respondent/Bank at the T. Nagar branch, was charged for various irregularities alleged to have been committed by him in which five charges have been framed against him for which an Enquiry Officer was appointed and he has given a finding that out of the five charges, first four charges have not been proved against the Petitioner and in the fifth charge, the same has been partly proved against the Petitioner. But the Disciplinary Authority has not agreed with the findings of the Enquiry Officer has held that the fifth charge has been proved against the Petitioner and he has proposed the punishment of discharge from service. The Petitioner's appeal before the Appellate Authority has also been rejected by the Appellate Authority.

7. As against this, the Petitioner contended that the Assistant General Manager Region II is not the competent authority to pass an order of proposed punishment of discharge and according to the circular issued by the General Manager on 28-11-94, the Assistant General Manager incharge of Scale V branches in the circle as Disciplinary Authority under the provisions of Bipartite Settlement and in terms of the decision of the Executive Committee of the Central Board dated 16-7-94 and it is further stated that the Appellate Authority for such branch will be the Assistant General Managers or Deputy General Managers at the Zonal Office functioning as controlling for the branch concerned. The Petitioner in this case contended that the Assistant General Manager T. Nagar branch was very well available but the notice and also second show cause notice were issued by Assistant General Manager Region II Zonal Office as Disciplinary Authority and therefore, he is not the competent person for issuing such notice and also to take disciplinary action against the Petitioner.

8. But, on behalf of the Respondent, it is contended that this circular event though issued on 28-11-94 it will apply only to future cases with effect from 1-12-94. But in this case, action against the Petitioner was taken even prior to that date and at that time Assistant General Manager Region II was the competent authority to take disciplinary action against the Petitioner and therefore, the Petitioner cannot question the authority of the disciplinary officer.

9. But, I find there is no point in this contention of the Respondent because, even though the action was taken for the misdeed prior to 1-12-1994, the charge sheet was issued only on 14-12-1994, which is subsequent to 1-12-94 and therefore, according to the circular Ex. W1, the competent authority to take disciplinary action against the Petitioner is Assistant General Manager, Incharge of Scale V branches. In this case, the Assistant General Manager, T. Nagar branch is the competent authority but he has not taken any action and only Deputy General Manager, Zonal Office has taken action against the Petitioner, which is not proper in this case.

10. Again, the fifth charge framed against the Petitioner is that the Petitioner forged the signature of an account holder Smt. Rajalakshmi in S.B. Account No. C/8261 on 3-10-94 and made out banker's cheque for the same account in favour of Sri M. Kumar and misappropriated the said amount. Further, he destructed the letter purported to have been prepared by him and also the entire bunch of vouchers relating to current account No. C/8261 on 3-10-94, in which the Enquiry Officer has held that charge No. 5 is partly proved.

11. On behalf of the Petitioner, it is contended that the Enquiry Officer without giving any reason has come to the conclusion that the charge is partly proved and further he did not specify which part or which portion is partly proved. In the body of the findings, he has given a ruling that charges have not been proved but in the last para, he has incorrectly stated that charge No. 5 is partly proved. Further, it is his report that "it has also but not been conclusively proved that vouchers and letters were destroyed by the Petitioner". Under such circumstances, the Enquiry Officer has erred in giving the finding that charge No. 5 has been partly proved. It is also contended that the Disciplinary Authority who has not concurred with the findings of the Enquiry Officer in respect of charge No. 5 and while coming to the conclusion that the Petitioner is guilty of charge No. 5 in so far as destruction of bank record is concerned, he has to give an opportunity to the Petitioner before imposing the proposed punishment. It is well settled by the Apex Court and High Courts that in such circumstances, if the Disciplinary Authority has come to a conclusion that the charge has been proved, while the Enquiry Officer has held that it was not proved, he must give an opportunity to Petitioner nor the victim concerned. For this, the learned counsel for the Petitioner relied on the ruling reported in 1998 II LLJ 809 SC PUNJAB NATIONAL BANK & ORS. VS. KUNJ BEHARI MISRA AND ANOTHER wherein the Supreme Court held that "*when the enquiry is conducted by the Enquiry Officer his report is not final or conclusive and the disciplinary proceedings do not stand concluded. The disciplinary proceedings stand concluded with decision of the Disciplinary Authority. It is the Disciplinary Authority which can impose the penalty and not the Enquiry Officer. Where the Disciplinary Authority itself holds an enquiry an opportunity of hearing has to be granted by him. When the Disciplinary Authority differs with the view of Enquiry Officer and proposes to come to a different conclusion, there is no reason as to why an opportunity of hearing should not be granted. It will be most unfair and iniquitous that where the charged officers succeed before the Enquiry Officer, they were deprived of representing to the Disciplinary Authority before that authority differs with Enquiry Officer's report and while recording finding of guilt, imposes punishment on the officer. As a result thereof whenever the Disciplinary Authority disagrees with Enquiry Officer on any article of charge then, before it*

records its own findings on such charge, it must record its tentative reasons for such disagreement and give the delinquent employee an opportunity to represent before it records its findings. The principles of natural justice require the authority which has to take a final decision and can impose a penalty to give an opportunity to the officer charged with misconduct to file a representation before the Disciplinary Authority records its findings on charges framed against the officer." The learned counsel for the Petitioner further argued that before the Disciplinary Authority in this case given a finding with regard to Enquiry Officer's report, he has to give an explanation and he has to give reasons for his disagreement with the Enquiry Officer's report. But, in this case, the alleged Disciplinary Authority namely Assistant General Manager Region II, Zonal Office has not given any reason for his disagreement with the Enquiry Officer's report, not given any opportunity to the Petitioner to give his representation. Under such circumstances, the Disciplinary Authority's action is illegal and it is against the principles of natural justice.

12. As against this, the learned counsel for the Respondent argued that even though the Disciplinary Authority has not given an opportunity for the Petitioner before he has given a findings before issuing the show cause notice, he has expressed his opinion that he is disagreed with the findings of the Enquiry Officer with regard to charge No. 5 and he has given the proposed punishment and also given an opportunity for personal hearing and only after the personal hearing, he has imposed the punishment. In such circumstances, it cannot be said that the interest of the Petitioner has been prejudiced and therefore, it cannot be said that principles of natural justice had not been followed.

13. Again the learned counsel for the Petitioner has relied on the ruling reported in 2003 SCC L & S 185 STATEBANK OF INDIA Vs. K.P. NARAYANAN KUTTY, wherein the Supreme Court has held that "*we find it difficult to accept the contention advanced on behalf of the appellants that unless it is shown that some prejudice was caused to the Respondent, the order of dismissal could be set aside by the Court.*"

14. Therefore, I find there is no substance in the contention of the learned counsel for the II Party/Management because on reading the Enquiry Officer's report with charge to charge No. 5, he has not clearly stated which portion of charge No. 5 was partly proved against the Petitioner. In both the parts, he has come to the conclusion that the Respondent/Management has not proved the charge levelled against the Petitioner and only in the last line, he has stated that the fifth charge has been partly proved. As against this, the Disciplinary Authority who has come to a different conclusion has not given an opportunity to the Petitioner to say his representation. Under such circumstances, I find it is futile to contend that before

imposing the punishment the Disciplinary Authority has given an opportunity to the Petitioner.

15. Then, the learned counsel for the Petitioner argued that the Disciplinary Authority while confirming the punishment has not considered the Petitioner's 23 years of past record of service which is unblemished and therefore, the punishment imposed by the Disciplinary Authority is not according to the Bipartite Settlement and also Sastry Award.

16. Here again, I find some force in this contention because the Disciplinary Authority in his finding has not given any reason for imposing such a harsh and fatal punishment. Further he has not considered the past records of the Petitioner. Therefore, in view of my finding that the Disciplinary Authority in this case is not the competent authority to impose the punishment and also in view of my finding that principles of natural justice has not been followed. I find this point in favour of the Petitioner.

Point No. 2 :—

The next point to be decided in this case is to what relief the Petitioner is entitled ?

17. In view of my foregoing findings, I find the Petitioner Sri K. Mohan is to be reinstated in service with continuity of service, back wages and also other attendant benefits. Ordered accordingly. No. Costs.

18. The reference is answered accordingly.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 22nd January, 2004.)

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

Witnesses Examined :—

On either side : None

Documents Marked :—

Ex. No.	Date	Description
W1	28-11-94	Xerox copy of the circular issued by Respondent/Bank.
W2	08-12-98	Xerox copy of the letter from Disciplinary Authority to Petitioner
W3	22-01-99	Xerox copy of the letter from Petitioner to Disciplinary Authority

For the II Party/Management :—

Ex. No.	Date	Description
M1	03-10-94	Xerox copy of the statement of accounts
M2	08-10-94	Xerox copy of the complaint of customer

Ex. No.	Date	Description
M3	10-10-94	Xerox copy of the letter of Petitioner
M4	31-10-94	Xerox copy of the letter of Petitioner's father.
M5	15-10-94	Xerox copy of the suspension order.
M6	14-12-94	Xerox copy of the show cause notice
M7	Nil	Xerox copy of the letter and findings of Enquiry Officer.
M8	05-02-99	Xerox copy of the order of Disciplinary Authority
M9	26-03-99	Xerox copy of the appeal filed by Petitioner
M10	06-04-99	Xerox copy of the letter of Appellate Authority
M11	11-05-99	Xerox copy of the order of Appellate Authority
M12	13-12-96	Xerox copy of the letter from Vigilance department of Respondent/Bank to Kalpakkam branch.
M13	25-04-95 to 04-12-96	Xerox copy of the enquiry proceedings.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का० आ० 766.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को.लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 120/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012/226/97-आई०आर० (सी-1)]

एस० एस० गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 766.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 120/1998) of the Central Government Industrial Tribunal-II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/226/97-IR(C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT

SHRI B. BISWAS,
Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

Reference No. 120 of 1998

PARTIES: Employers in relation to the management of Bhowra Open Cast Project of M/s. BCCL and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the Workmen : None.

On behalf of the Employers : Mr. H. Nath,
Advocate

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, Dhanbad, the 12th February, 2004

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/226/97-I.R. (C-I), dated the 30th April, 1998.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bhowra OCP of M/s. B.C.C.L. in not taking any action on the request of the workman Smt. Kapura Bhuini, Loading Kamin for employment of her son Shri Hari Charan Bhuia is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

2. The case of the concerned workman according to written statement submitted by the sponsoring Union on his behalf in brief is as follows :—

The sponsoring Union submitted that the concerned workman was in employment under the management at Bhowra Open Cast Project for a long period. They submitted that before six years of her superannuation from service she submitted application under V.R. Scheme for employment of her son but the management did not consider her prayer arbitrarily. Thereafter in the year 1995 she again applied for acceptance of her resignation with a prayer for employment of her son under the same scheme but in that occasion too the management illegally and arbitrarily did not consider her prayer and for which her son was deprived of getting his employment. They submitted that as the management refused to consider her prayer she raised an industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad for conciliation which ultimately resulted reference to this Tribunal for adjudication.

The sponsoring union accordingly submitted prayer on behalf of the concerned workman to pass award directing the management to provide employment of her son.

3. Management on the contrary after filing written statement-cum-rejoinder have denied all the claims and allegations which the sponsoring Union asserted in the written statement submitted on behalf of the concerned workman.

They submitted that the concerned workman was engaged at Bhowra O.C.P. as wagon loader. In the year 1993 she applied for accepting her resignation under V.R. Scheme but as her such prayer was not considered she continued to her work in the same capacity. They submitted that it was not obligatory on their part to accept resignation of a female worker under V.R. Scheme and to provide employment to her dependant. Management admitted that in the year 1995 again the concerned workman submitted application for acceptance of her resignation providing employment to her dependant son under the same scheme but as at that time the concerned workman crossed her age of 50 years as per the terms of the scheme she was not eligible to tender her resignation. They categorically denied the fact that they committed any illegality or took any arbitrary decision in accepting the resignation of the concerned workman. Accordingly they submitted their prayer to pass award rejecting the claim of the sponsoring Union for providing employment to the dependant son of the concerned workman.

4. POINTS TO BE DECIDED

“Whether the action of the management of Bhowra OCP of M/s. B.C.C.L. in not taking any action on the request of the workman Smt. Kapura Bhuini, Loading Kamin for employment of her son Shri Hari Charan Bhuini is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?”

5. FINDINGS WITH REASONS

It appears from the record that in course of hearing neither the concerned workman nor his representative appeared though sufficient opportunities were given to them. In the circumstances the management also declined to adduce any evidence.

Considering the facts disclosed in the pleadings of both sides I find no dispute to hold that the concerned workman was a wagon loader at Bhowra O.C.P. It is also admitted fact that in the year 1993 concerned workman submitted his prayer to accept her resignation and to provide employment to her dependent son under V.R. Scheme for the female workers launched by the management. It is also admitted fact that such prayer of the concerned workman was rejected. It is the contention of the sponsoring Union that the management illegally and arbitrarily did not consider prayer of the concerned workman. On the contrary management submitted that introduction of V.R. Scheme amongst the female workers Ipso-facto did not confer any right to the workman to place

demand for acceptance of resignation and also to provide employment to their dependent. They submitted that it was the discretionary power of the management whether resignation submitted by any female worker will be accepted or not. They disclosed that as they did not accept resignation of the concerned workman under V.R. Scheme it did not mean that the said decision was illegal and arbitrary. They admitted that the concerned workman in the year 1995 again tendered resignation under V.R. Scheme with a view to get employment of her son. It has been submitted by the management that the said resignation of the concerned workman also could not be considered as she by that time crossed 50 years of her age. They disclosed that under the said scheme a female worker was allowed to tender resignation if she was below 50 years of age.

It is the specific claim of the management that under the said scheme there was clear provision by which they reserved the right exclusively either to accept or to reject any such application of the female worker. The sponsoring Union in their written statement did not make any whisper about said assertion. It is true that management did not accept the resignation of the concerned workman. They have clearly pointed out that it was not obligatory on their part to accept all such resignation and to provide employment to their dependents. Therefore, onus shifted on the concerned workman to establish that the management illegally and arbitrarily rejected her claim.

Record shows clearly that in spite of getting ample opportunities the sponsoring Union did not consider necessary to establish such allegation which they have made against the management. It is cardinal principle of law that facts disclosed in the pleadings cannot be considered as substantive piece of evidence until and unless the same is substantiated by cogent oral or documentary evidence. Accordingly, just relying on the facts disclosed in the written statement there is no scope to arrive into any such conclusion that decision of the management not to accept the resignation tendered by the concerned workman was illegal and arbitrary.

In view of the facts and circumstances discussed above I have no dispute to hold that the concerned workman has failed to justify her claim and for which she is not entitled to get any relief in view of her prayer.

In the result, the following award is rendered :—

“The action of the management of Bhowra OCP of M/s. B.C.C.L. in not taking any action on the request of the workman Smt. Kapura Bhuini, Loading Kamin for employment of her son Shri Hari Charan Bhuini is justified ? If not, to what relief is the concerned workman is not entitled to get any relief ?”

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 767.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को.लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 335/1999) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/372/99-आई.आर.(सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 767.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 335/99) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/372/99-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 2, DHANBAD

In the matter of a reference U/s 10(1)(d)(2A) of Industrial Disputes Act.

Reference No. 335 of 1999

PARTIES: Employers in relation to the management of Western Jharia Area of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

PRESENT: Shri B. B. Biswas, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers : None

For the Workmen : None

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, the 3rd February, 2004

AWARD

By Order No. L-20012/372/99-IR(C-1) dated 2-12-99 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the action of the management of Western Jharia Area of M/s. BCCL, to dismiss Shri Butan Bouri

from service is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. To-day was the date fixed for adducing evidence on behalf of the workman. But neither the concerned workman nor his representative is found present. None also appears on behalf of the management. This is a case of 1999. It is seen that in spite of giving sufficient opportunity the parties have failed to take appropriate steps with a view to take up hearing of this case. There is sufficient reason to believe that the parties are not interested to proceed with the hearing of this case. As such, at this stage I do not find any sufficient ground to adjourn the case *suo-motu*.

Accordingly, I render a 'No Dispute' Award in this case presuming non-existence of any dispute between the parties.

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 768.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बेस कंस्ट्रक्शन बोर्ड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 31/93) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/94/92-आई.आर.(डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. .—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 31/93) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Beas Construction Board and their workman, which was received by the Central Government on 3-3-2004.

[No. L-42012/94/92-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer.

ANNEXURE

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Presiding Officer : Shri S. M. Goel

Case No. ID 31/93

Chhota Ram son of Bikka Ram, Village Parnali, District Bilaspur, HP

... Applicant

Versus

1. General Manager BCB, BBMB,
Secretariat, Sector -19B,
Chandigarh.
2. Executive Engineer,
BCB (Power Wing Bhiwani)
3. Chief Engineer, BCB (Power Wing),
Sector-17, Chandigarh

... Respondents

APPEARANCES:

For the Workman : Shri Dhani Ram.
For the Management : Ms. Neeru Chadha

AWARD

(Passed on 11-02-2004)

Central Govt. Vide Notification No. L-42012/94/92-IR(DU) dated 24th of February, 1993 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Beas Construction Board (Power Wing) in terminating the services of Shri Chhota Ram son of Bikka Ram is justified? If not, what relief he is entitled to?"

2. It is pleaded in the claim statement by the workman that he was appointed on 3-11-1986 in DPH & TLSC Division Slapper and he was given the orders on 6-5-1991 for doing the duty at Ranjit Sagar Dam on job order and that order expired on 14-5-91. On 5-6-1991 he was transferred to Ranjit Sagar dam and no order to this effect was given to the workman. It is further pleaded that he fell ill in his village on 4-6-1991 and due to the illness he could not return to duty up to 22-6-1991. It is further pleaded that when he reported for duty alongwith medical certificate on 23-6-1991, he was told that his services have been retrenched w.e.f. 5-6-1991 without any notice. It is pleaded that the action of the management in terminating his services w.e.f. 5-6-1991 is illegal and he may be ordered to be reinstated in service with full back wages and other attendant benefits.

3. In written statement it is pleaded by the management that on completion of the Beas Project, the Beas Construction Board ceased to exist and workcharged employees, casual and contract workers and those engaged on contingent basis, had no right to continue in employment with the Beas Construction Board after the completion of the Beas Project. The Central Administrative Tribunal gave directions to the Management to regularise the services of the applicant in OA No. 468/87 or in the alternative to accommodate them on equivalent posts and in the event of their retrenchment, the applicants shall be entitled to the retrenchment compensations as per rules. In pursuance of the above orders, the management tried to adjust the surplus Staff on job order basis in other organisation on humanitarian grounds and as per

requirement of Punjab Govt. they were sent on job order at Ranjit Sagar Dam and the applicant himself chose not to be deployed at Ranjit Sagar dam and he was retrenched as per Section 25FFF(2) of the I.D. Act and thus he is not entitled to be reinstated. It is pleaded that the applicant was present on duty at Slapper on 4-6-1991 and the medical certificate which has been produced by him does not show that he was admitted in hospital at Ghumarwin and he was only under observation. There was no request of the applicant for leaving his headquarter and going to his home town where he has stated to have fallen ill. The applicant had wilfully evaded his duty and did not report for duty at Ranjit Sagar Dam at Shahpur Kundi and it tantamounts to withdrawal of consent given by him earlier and refusal to accept the offer made to him as per notice dated 6-5-1991 wherein it was clearly stated that in case he does not accept the offer made to him he would entail his retrenchment as per law. As such he has rightly been retrenched U/s 25FFF of the I.D. Act 1947, and the workman is not entitled to any relief and the reference deserves rejection.

4. Replication was also filed reiterating the claim made in the claim statement.

5. In evidence, the workman filed his affidavit Ex. W1 and documents Ex. W2 to W4. He has admitted in cross-examination that he gave his consent to resume duty at Ranjit Sagar Dam in pursuance of notice dated 6-5-1991. He has also admitted that he was did not admitted in any hospital on 4-6-1991. In rebuttal the management produced as many as three witnesses and also documents Ex. M3 to M5 and M7 to M24.

6. I have heard the learned rep. of the parties and have gone through the record and documents of the case. The learned rep. of the workman has argued that the services of the workman were terminated without following the procedure prescribed U/s 25 F of the I.D. Act, 1947, therefore, the workman is entitled to be reinstated in service with full back wages. On the other hand, the learned rep. of the management has argued that the workman himself chose not to go to the Ranjit Sagar Dam or job order basis and as there was no work available with the management, the management had no option but to retrench the services of the workman U/s 25FFF of the I.D. Act 1947. It is further argued that the retrenchment compensation was also sent to the address of the workman but the cheque was returned by the postal authorities.

7. I have carefully gone through the rival contentions of the parties. It is admitted by the applicant in his cross-examination that he left the venue without informing the management and there he fell ill. It is admitted case of the parties, that the workman of Beas Project has completed and on the directions of Hon'ble C.A.T., the applicant alongwith other co-workers was deputed on work order at Ranjit Sagar Dam on the demand of the Punjab Govt. The

workman himself did not report for duty at Ranjit Sagar Dam and no information was also given to the workman about his illness which showed his intentions not to work at Ranjit Sagar Dam on work order basis. The conduct of the workman clearly reflects that he was not willing to work at Ranjit Sagar Dam. Although it was made clear to the workman that in case the applicant was not willing to work, his services would be retrenched as there was no work at Beas Project and the applicant was retrenched U/s 25FFF of the I.D. Act 1947. It is admitted by the workman that he left for his home and it appears that the applicant was not willing to work at Ranjit Sagar Dam and he was rightly retrenched by the management for which the retrenchment compensation was also sent to the applicant at his home address which was received back with the management. In view of the aforesaid situation it can safely be held that the workman was not willing to work at Ranjit Sagar Dam and was rightly retrenched.

8. In view of the discussions made in the earlier paras, it is held that the services of the workman were rightly terminated as he was not willing to work at Ranjit Sagar Dam for which the retrenchment compensation was also sent. The workman is not entitled to any relief except the retrenchment compensation which is still lying with the management. The reference is answered accordingly. Central Govt. be informed.

Chandigarh.

11-2-2004

S. M. GOEL, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 769.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.सी.एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 221/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/557/98-आई.आर. (सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 769.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 221/99) of the Central Government Industrial Tribunal-II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CCL and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/557/98-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 2, DHANBAD

PRESENT:

Shri B. Biswas, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section
10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 221 of 1999

PARTIES:

Employers in relation to the
management of B & K Area of
M/s. C.C. L. and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : None.

On behalf of the employers : None.

State : Jharkhand

Industry : Coal

Dhanbad, the 4th February, 2004

ORDER

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/557/98-C-I dated, the 17th May, 1999.

“Whether the demand of Sh. B. K. P. Sinha for enhancement of conveyance allowance from Rs. 75/- to 175/- w.e.f. 1989 and to Rs. 330/- w.e.f. 1994 from the management of CCL, B & K Area, Justified? If so, to what relief the concerned workman is entitled?”

2. In this reference neither the concerned workman nor his representative appeared. However, the management side though appeared on one occasion but failed to submit any written statement. It is seen from the record that the instant reference was received by this Tribunal on 10-6-99 and since then it is pending for disposal. As the concerned workman failed to appear, registered notices were issued to the workman side but in spite of issuance of notices they failed to appear before this Tribunal. They also did not even respond to the notices issued by this Tribunal. In natural course the question will arise is what will be the fate of the reference made by the Ministry for its disposal. The reference is made on the basis of dispute raised by the concerned workman/union. Naturally responsibility rests with the concerned workman/union to assist the Court to dispose of the reference in issue on merit. In view of the decision reported in 2002 (94) FLR 624 it will not be just and proper to pass ‘No dispute’ Award when both parties remain absent. There is also no scope to answer the reference on merit *suo moto* in absence of any W.S. and available documents. There is no dispute to hold that when any reference is made it is expected to be disposed of on merit but when the parties do not take any step or do not consider even to file W.S./documents such expectation to

dispose of the reference on merit comes to an end. It is not expected that for years together the Court will pursue the matter *suo moto* with the expectations for appearance of the workman in spite of issuance of repeated registered notices. As per I.D. Act the workman excepting under provisions of Section 2A is debarred from raising any industrial dispute. The disputes are mainly raised by the Union for their workman. These unions in spite of receiving notices do not care to appear before the Court for the interest of the workman and as a result they have been deprived of getting any justice. Until and unless the attitude of the union is changed I consider that this uncalled for situation will persist. Definitely it is the duty of the Court to dispose of the reference on merit but it depends on the cooperation of both sides. Here the record will clearly expose that sufficient opportunities had been given to the workman/union but yielded no result. This attitude shows clearly that the workman side is not interested to proceed with the hearing of the case for disposal on merit.

Under the facts and circumstances, I do not find any sufficient reason to drag on the case for an indefinite period. Accordingly as there is no scope to dispose of the reference in question on merit, the same is closed.

B. BISWAS, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 770.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को.लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 237/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/268/2001-आई.आर. (सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 770.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 237/2001) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/268/2001-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2), AT DHANBAD

PRESENT: Shri B. Biswas, Presiding
Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section
10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 237 of 2001

PARTIES: Employers in relation to the
management of Mudidih Colliery
of M/s. B.C.C.L. and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : None.

On behalf of the employers : None.

State : Jharkhand
Industry : Coal

Dhanbad, Dated the 4th February, 2004

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-26012/268/2001-IR(C-I), dated, the 19th May, 2001.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Mudidih Colliery in non-regularisation of S/Shri S. N. Prasad, Kameshwar Prasad Singh, Upendra Prasad Singh and Shyam Behari Singh in clerical jobs in Justified? If not, to what relief are the concerned workman is entitled and from what date?"

2. In this case neither the concerned workman nor his representative appeared before this Tribunal. None also appeared on behalf of the management. The instant reference case is pending since 28-9-2001 for disposal and several notices and show cause notices were issued to the parties, for causing their appearance. But in spite of issuance of notices and show cause notices they failed to appear before this tribunal for taking necessary steps in the matter of hearing of this case. Gesture of the parties show that they are not willing to proceeding with the hearing of this case. Under the circumstances, a 'No dispute' Award is rendered and the instant reference is disposed of on the basis of 'No dispute' Award presuming non-existence of any industrial dispute between the parties presently.

B. BISWAS, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 771.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इसको के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 179/2000) को

प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/353/2000-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 771.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 179/2000) of the Central Government Industrial Tribunal II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of IISCO and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/353/2000-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), AT DHANBAD PRESENT:

Shri B. Biswas, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 179 of 2000

PARTIES: Employers in relation to the management of IISCO and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : Mr. K. Chakravorty, Advocate.
On behalf of the employers : Mr. D.K. Verma, Advocate.
State : Jharkhand
Industry : Coal

Dhanbad, Dated, the 4th February, 2004

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/353/2000-IR(C-I), dated, the 29th November, 2000.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of M/s. IISCO Ltd., in denial of Technical Gr. B to Shri Pancham Koiri & Bachan Koiri of Jitpur Colliery is Justified and legal ? If not, to what relief are the workmen entitled and from what date?”

2. In this reference learned Advocates of both sides appeared but they failed to submit W.S. Subsequently on the date fixed learned Advocate for the concerned workmen submitted that the concerned workmen involved in this dispute are not turning up and for which he is unable to proceed with this case. It reveals from the record that the instant reference was received by this Tribunal on 22-12-2000 and since then it is pending for disposal. When the concerned workmen have failed to file W.S. there is no reason to drag on the same for days together. Under such circumstances, a 'No dispute' Award is rendered and the instant reference is disposed of on the basis of 'No dispute' Award presuming non-existence of any industrial dispute between the parties.

B. BISWAS, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 772.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को.लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 222/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/559/97-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 772.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 222/98) of the Central Government Industrial Tribunal II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/559/97-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD PRESENT:

SHRI B. BISWAS, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 222 of 1998

PARTIES: Employers in relation to the management of Kusunda Area of M/s. B.C.C.L. and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : None.
 On behalf of the employers : None.
 State : Jharkhand
 Industry : Coal

Dhanbad, Dated the 4th February, 2004

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/559/97-IR(C-I), dated, the 30th November, 1991.

SCHEDULE

"Whether the denial of management of Kusunda Area of BCCL, to designate Sri N.K. Chouhan, Sr. Sales Asstt. as Weigh Bridge Incharge as per his work performed is Justified? If so, to what relief is the workman concerned is entitled?"

2. In this reference both the parties appeared on one occasion and filed their respective Written Statement. Subsequently both the parties abstained from appearing before this Tribunal for taking further steps in the matter of hearing of the instant reference although repeated registered notices were issued to them. The reference has been received by this Tribunal on 22-12-98 and since then it is pending for disposal. The gesture of the parties shows that they are not willing to proceed further with the hearing of this Case and this Tribunal cannot allow adjournment in way. Under such circumstances, a 'No dispute' Award is rendered and the instant reference is disposed of on the basis of 'No dispute' Award presuming non-existence of any industrial dispute between the parties, presently.

B. BISWAS, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 773.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को.लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 42/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/443/2000-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 773.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 42/2001) of the Central Government Industrial Tribunal II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute

between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/443/2000-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), AT DHANBAD**

PRESENT:

Shri B. Biswas, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 42 of 2001

PARTIES: Employers in relation to the management of M/s. B.C.C.L. and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : None.
 On behalf of the employers : Mr. D.K. Verma, Advocate.
 State : Jharkhand
 Industry : Coal

Dhanbad, Dated the 5th February, 2004

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/443/2000 (C-I), dated, the 12th Feb., 2001.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. IISCO Ltd., in not providing employment to Smt. Ushihan Khatoon W/o. late Islam Mia, Tyndel of Noonodih Jitpur Colliery is Justified and legal? If not, to what relief is the said dependent of the deceased employee entitled?"

2. In this reference neither the concerned workman nor his representative appeared. However, the management side represented through their learned Advocate. From the record it transpires that sufficient opportunities were given to the parties to file their respective Written Statement, but in spite of getting sufficient opportunities they failed to file their respective written statement. Therefore, there is reason to believe that the parties are not interested to proceed with the hearing of the case. Under such circumstances, a 'No dispute' Award is rendered presuming non-existence of any industrial dispute between the parties presently.

B. BISWAS, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 774.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को.लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 123/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/157/2000-आई.आर. (सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 774.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 123/2000) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/157/2000-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD
PRESENT:**

SHRI B. BISWAS, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section
10(I)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 123 of 2000

PARTIES: Employers in relation to the
management of M/s. B.C.C.L and
their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman	:	None
On behalf of the employers	:	None
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal

Dhanbad, Dated the 5th February, 2004

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(I)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/157/2000-IR(C-I), dated, the 27th September, 2000.

SCHEDULE

"Whether the demand of the union to place Shri Narayan Bhuiya Tyndel in the category V is justified and proper? If so, to what relief is the workman entitled and from what date?"

2. In this reference neither the concerned workman nor his representative appeared. However, though the management side appeared through their learned Advocate but subsequently abstained from appearing before this Tribunal. It reveals from the record that the instant reference is pending since 1-10-2000 and ample opportunities were given to the workman side but inspite of getting ample opportunities they failed to appear before this Tribunal for taking necessary steps in the matter of hearing of this case. The gesture of the workman shows that he is not willing to proceed further in the case. Under such circumstances, a 'No dispute' Award is passed presuming non-existence of any industrial dispute between the parties.

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 775.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को.लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (Comp. No. 2 of 1997) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/219/92-आई.आर. (सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 775.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Comp. No. 2 of 97) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/219/92-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), AT DHANBAD
PRESENT:**

SHRI B. BISWAS, Presiding Officer

In the matter of Complaint under Section 33A of the
I. D. Act, 1947

Complaint No. 2 of 1997**Parties :**

Hookum Mali and others ...Complainant

versus

Agent, Kendwadih Colliery of
M/s. B.C.C.L., P.O. Kusunda,
Distt. Dhanbad

... Opp. Party

(Arising out of Ref. No. 113 of 1993—Ministry's Order No.
L-20012(219)/92-IR (C-I), dt. 28-7-93).**Appearances :**

On behalf of the complainants: None
 On behalf of the O. Ps. : None
 State : Jharkhand
 Industry : Coal

Dhanbad, Dated the 5th February, 2004

AWARD

This is a complaint petition under Section 33A of the
I.D. Act filed by the complainant named above against the
O.P. Management.

It reveals from the record that neither the
complainants nor their representative appeared. None also
appeared on behalf of the O.P. management. It reveals
further that the instant complaint case is pending since
27-10-87 and ample opportunities were given to the
complainants but inspite of getting ample opportunities
they failed to take any steps in the matter of hearing of this
case. Therefore, there is reason to believe that the
complainants are not interested to proceed further. Under
such circumstances, the complaint petition filed by the
complainant is dismissed for default.

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 776.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार
भा.को.को.लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों
के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार
औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 59/2001)
को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को
प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/492/2000-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 776.—In pursuance of Section 17 of the
Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central
Government hereby publishes the award (Ref. No. 59/2001)
of the Central Government Industrial Tribunal/Labour
Court II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the

Industrial Dispute between the employers in relation to the
management of BCCL and their workman, which was
received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/492/2000-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), AT DHANBAD****Present :**SHRI B. BISWAS,
Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section
10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 59 of 2001

Parties : Employers in relation to the
management of M/s. B.C.C.L and
their workman.

Appearances :

On behalf of the workman : None
 On behalf of the employers : Mr. U.N. Lal,
Advocate.
 State : Jharkhand
 Industry : Coal

Dhanbad, Dated the 5th February, 2004

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of
the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of
the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this
Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/
492/2000 (C-I), dated, the 19th September, 2001.

"Whether the demand of the Janta Mazdoor Sangh
from the management of M/s. BCCL to regularise the
services of workman Shri Shiv Lal Manjhi as Night
Guard in Dobari Colliery is justified, legal and proper?
If so, to what relief is the workman entitled and from
what date?"

2. In course of hearing learned Advocate for the
management by filing a petition of the concerned workman
submitted that as the concerned workman has tendered
his resignation which the management accepted, the
concerned workman is not willing to proceed further with
the hearing of the case. Perused the petition of the
concerned workman and also heard the learned Advocate.
Since the concerned workman has expressed his
unwillingness to proceed with the hearing of the case,
there remains no more dispute to be adjudicated Under

such circumstances, a 'No dispute' Award is rendered and the instant reference is disposed of on the basis of 'No dispute' Award presuming non-existence of any Industrial Dispute between the parties.

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 777.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ईस्को के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 109/97) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/235/97-आई.आर. (सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 777.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 109/97) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of IISCO and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/235/97-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), AT DHANBAD

Present :

SHRI B. BISWAS,
Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section
10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 109 of 1997

Parties : Employers in relation to the
management Chasnalla Colliery of
of M/s. IISCO and their workman.

Appearances :

On behalf of the workman	: None
On behalf of the employers	: Mr. D. K. Verma, Advocate.
State	: Jharkhand
Industry	: Coal

Dhanbad, Dated the 10th February, 2004

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/235/97-IR (C-I), dated, the 19th September, 1997.

SCHEDULE

"Whether the demand of the Union for the promotion of S/Shri D. C. Satnami, Suraj Nath Rajak, Subhash Paswan, and Shankar Prasad in Technical and Supervisory Grade-B is legal and justified? If so, to what relief are these workmen entitled?"

2. The case of the concerned workmen according to the Written Statement submitted by the sponsoring Union on their behalf in brief is as follows :—

The sponsoring Union submitted that the management in the month of July, 1991 called for interview by letter No. 27/204 dt. 5-6-91 of 50 Senior Mining Sirdar and Shottfirers for promotion as Senior Mining Sirdar/Safety Assistant/ Production Assistant/ Stowing incharge in Technical and Supervisory Grade 'B'. Accordingly the concerned workman appeared in the interview and produced the required certificates in support of their claim. Inspite of appearing in the interview they alleged that the management without showing any reason denied their promotion in Tech. & Supervisory Grade. 'B'. They alleged that instead of promoting the concerned workman in Technical and Supervisory Grade 'B' on the basis of merit test as per their experience, educational qualification and also on the basis of giving preference as a Schedule Caste/Schedule Tribe candidate the management changing the criteria of promotion started promoting some of them on the basis of S.L.U.

They submitted that shifting stand for denial of promotion by the management was illegal and arbitrary and for which they raised an Industrial dispute for conciliation which ultimately resulted reference to this Tribunal for adjudication. Accordingly, the sponsoring Union submitted their prayer to pass award directing the management to pay difference of wages to the concerned workmen from 1991 to the date of their promotion in Technical and Supervisory Grade-B.

3. Management on the contrary after filing written statement-cum-rejoinder have denied all the claims and allegations which the sponsoring Union asserted in the written statement submitted on behalf of the concerned workmen.

They submitted that a large number of senior workmen than the concerned workmen were working as Mining Sirdar in Technical and Supervisory Grade-C and as there was no vacancy available they were not promoted in Technical and Supervisory Grade 'B' even after completion of 10 years of service in Tech. & Supervisory Grade-C and that being the position management upgraded 17 workmen in higher grade under SLU scheme. They

submitted that when vacancy came into existence promotion of these 17 workmen were considered in Technical and Supervisory Grade-B. They disclosed that as the concerned workmen could not complete their 10 years of service in Technical and Supervisory Grade-C they were not upgraded under S.L.U. scheme. However, the concerned workmen viz. D.C. Satnami, S.N. Rajak, Subhas Paswan and Shankar Prasad have got their promotion in Technical and Supervisory Grade B with effect from 1-7-97, 1-9-99, 1-9-99 and 1-7-97 respectively.

Accordingly management submitted that they did not commit any illegality or took any arbitrary decision in upgrading the senior most workmen under S.L.U. scheme and subsequent promotion in Tech. and Supervisory Grade-B in consequent to their upgradation under the said Scheme. In view of the facts and circumstances management submitted that the claim of the concerned workmen are not at all tenable and for which they are not entitled to get any relief.

4. POINTS TO BE DECIDED

"whether the demand of the Union for the promotion of S/Shri D.C. Satnami, Surajnath Rajak, Subhash Paswan, and Shankar Prasad in Technical and Supervisory Grade-B is legal and justified? If so, to what relief are these workmen entitled?"

FINDINGS WITH REASONS

5. It transpires from the record that inspite of giving repeated opportunity neither the concerned workman appeared in course of hearing nor they considered necessary to adduce any evidence with a view to substantiate their claim. Accordingly the instant case was fixed for ex-parte evidence of the management but on the date of ex-parte hearing management also declined to adduce any evidence.

Considering the written statement submitted by the sponsoring Union on behalf of the concerned workmen it transpires that the management called for interview by letter No. 27/204 dt. 5-6-91 of 50 mining Sirdars and shot firers for considering their promotion as Mining Sirdar/Safety Assistant Production Assistant etc. and asked the workmen to come with all papers relating to their educational qualification as well as professional certificates. The concerned workmen appeared before the interview with all requisite papers but they were denied promotion in Technical & Supervisory Grade B from Grade 'C' by the management without showing any cogent reason. They alleged that instead of giving promotion in Technical and Supervisory Grade B on the basis of interview management started promoting some of the workmen under service linked upgradation scheme illegally and arbitrarily and for which they were prejudiced seriously. On the contrary management in their written statement without making any whisper about interview submitted that a large number of

senior workmen who were senior to the concerned workmen were working as Mining Sirdar in Technical and Supervisory, Grade 'C' and they could not get any scope to give their promotion in Technical and Supervisory Grade-B for want of vacant post even after completion of 10 years of service in the same grade. Considering that situation they upgraded 17 workmen in the higher grade under S.L.U. and subsequently those 17 workmen were regularised as Senior Mining Sirdar in Technical and Supervisory Grade B. They further submitted that as the concerned workmen were juniors at that relevant time there was no scope for upgradation of their post under S.L.U. scheme. However, subsequently during the period from 1-7-97 to 1-9-99 the concerned workmen also have got their promotion in Technical and Supervisory Grade 'B'.

The grievance of the concerned workmen is that though management called for interview of 50 workmen for considering their promotion in Technical and Supervisory Grade B it was not acted upon and instead they gave promotion to some workmen under S.L.U. It is the specific contention of the management that they had to upgrade the post of 17 workmen under S.L.U. Scheme in absence of specific vacancy as these workmen remained in the same post for more than 10 years. They further submitted that the concerned workmen were juniors to those 17 workmen whose posts were upgraded. Learned Advocate for the management is course of hearing submitted that in mining industry S.L.U. scheme is very much in operation with a view to give relief to the workmen whose promotion have been stagnant for want of vacancy.

The grievance of the workmen as it appears that though they were prepared for the interview had been deprived of due to arbitrary decision of the management. For various reasons arrangement of interview may be recalled and there is no scope to say that for such withdrawal of interview they committed any illegal act. On the contrary it transpires that the most senior workmen who were in the post of Foreman in Technical and Supervisory Grade 'C' for more than 10 years had been provided with the facility of S.L.U. and those workmen were subsequently regularised in Technical and Supervisory Grade 'B'. It is the claim of the management that these workmen were much juniors to those workmen and for which they could not be considered for relief under S.L.U. though subsequently their cases were considered in between the period from 1-7-97 to 1-9-99 and they have got their promotion in Technical and Supervisory Grade B.

It is not the case of the concerned workmen that they were superseded by those workmen who got their promotion under S.L.U. Question of giving promotion in higher post only arises if their remains clear vacancy. It is not the case of the concerned workmen that inspite of existence of clear vacancy the management deprived them from getting their promotion.

Considering all aspects carefully there is sufficient reason to believe that management rightly took the decision to upgrade 17 workmen under S.L.U. who were not only senior to the concerned workmen but also remained in the same post for more than 10 years. Therefore, as the management cancelled interview it would not mean that to deprive the concerned workmen they took that decision on the contrary it shows that at least 17 workmen who were senior to the concerned workmen received compassionate treatment from the management who were rolling in the same post for more than ten years.

In view of the facts and circumstances discussed above I find no reason at all to draw any conclusion that management either took any arbitrary decision or committed any illegal act cancelling the interview and upgrading 17 workmen under S.L.U.

In the result, the following award is rendered :—

“The demand of the Union for the promotion of S/ Shri D.C. Satnami, Surajnath Rajak, Subhash Paswan and Shankar Prasad in Technical and Supervisory Grade-B is not legal and justified. Consequently, the concerned workmen are not entitled to get any relief.”

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 778.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को.लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण II, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 110/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/498/2000-आई.आर. (सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 778.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 110/2001) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II, Dhanbad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 27-2-2004.

[No. L-20012/498/2000-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Present :

SHRI B. BISWAS,
Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under
Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 110 of 2001

Parties : Employers in relation to the
management of M/s. B.C.C.L. and
their workman.

Appearances :

On behalf of the workman	:	None.
On behalf of the employers	:	Mr. H. Nath, Advocate.
State	:	Jharkhand
Industry	:	Coal

Dhanbad, Dated the 11th February, 2004

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/498/2000-IR(C-I), dated, the 29th March, 2001.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of M/s. BCCL in not providing the promotional benefits to the workman Sri Ali Mohammad, Asstt. Foreman Grade ‘C’ of Bhalgora 33-K. V. Sub-station under Kustore Area is justified, legal and proper ? If not, to what relief is the workman entitled and from what date ?”

2. In this reference neither the concerned workman nor his representative appeared. Management, however, made their appearance through their learned Advocate and took steps in the matter of hearing of the case. Subsequently, as the concerned workman failed to turn up the case was fixed for evidence of the management ex-parte. Learned Advocate for the management declined to adduce any evidence stating the facts that the concerned workman has not submitted any W.S. It also transpires from the record that inspite of giving several opportunities the concerned workman did not consider necessary to submit W.S., or rejoinder. Accordingly the case of the management was close, on prayer. As the concerned workman neither submitted any W.S. nor took any step there is sufficient reason to believe that he is not interested to proceed with the hearing of this case. Accordingly a ‘No dispute’ Award is rendered and the instant reference is disposed of on the basis of ‘No dispute’ Award presuming non-existence of any industrial dispute between the parties.

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. अ. 779.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को. लि. के प्रबंधन के संबद्ध निधियों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-II धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 50/1996) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-02-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल. 20012/156/95-आई.आर. (सी-1)]

एस.एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 779.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 50/1996) of Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II Dhanbad now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 27-02-04.

[No. L-20012/156/95-IR (C-1)]

S.S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD**

In the matter of a reference U/s. 10 (1) (d) (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 50 of 1996

Parties : Employers in relation to the management of Moonidih Project of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

SHRI B. BISWAS, Presiding Officer

APPEARANCES:

For the Employers : Shri B.M. Prasad, Advocate.

For the Workmen : Shri S.C. Gour, Advocate.

State: Jharkhand.

Industry: Coal.

Dated, the 12th February, 2004

AWARD

By Order No L-20012/156/95-I.R. (Coal-I) dated 11-6-1996 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by Clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the claim of the union that the management of Moonidih Project (UG) of M/s. BCCL in denying promotion w.e.f 1991 to Shri Radha Rama Parshad, Electrical Helper is

justified? If so, to what relief is the concerned workman entitled to?"

2. The case of the concerned workman according to the written statement submitted by the sponsoring union on his behalf, in brief, is as follows :

The sponsoring union submitted that the concerned workman was originally appointed as Electrical Helper at Moonidih Project (UG) by the management in Category-II wages on 5-11-86. They disclosed that in consideration of his good performance as Electrical Helper the concerned workman was posted to work as Face Crew at ML-II/5 since 13-7-89 and in the said capacity he discharged his duties to the full satisfaction of the management and received Face Crew wages during the period of his posting in that capacity. They submitted that for his good performance as Face Crew the concerned workman was recommended for his training at Rescue Station, Dhanbar vide Office order No. MND/Supdt/Rescue/93/169 dated 10-4-93. They alleged that the management with some ulterior motive issued a charge-sheet to the concerned workman on some occasion only on the ground that the concerned workman used to participate in the trade union Affiliation Act. They disclosed that inspite of issuance of charge-sheet on different occasions the management did not conduct any domestic enquiry against him. On the contrary, with some vindictive attitude he was removed from his place of employment without issuance of any notice under Sec. 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947. They alleged that the management refused to give him any promotion since 1991 though he was very much eligible to get his promotion under the cadre scheme/promotion rules for Electrical & Mechanical Disciplines last envisaged under the National Coal Wage Agreement-III and for which he was superseded by his juniors, some of whom have since been placed in Technical Grade 'C'.

They disclosed that for such discriminatory attitude of the management they submitted representations for considering promotion of the concerned workman but the management did not pay any heed to their representations and for which the concerned workman inspite of his having requisite qualification has been deprived of getting his promotion till date. Accordingly, they raised an industrial dispute before the A.L.C. (C), Dhanbad-III for conciliation which ultimately resulted reference to this Tribunal for adjudication. The sponsoring union accordingly submitted prayer to pass award with direction to the management of Moonidih Project to provide promotion to the concerned workman from the year 1991 as Electrician.

3. The management, on the contrary, after filing written statement-cum-rejoinder have denied all the claims and allegations which the sponsoring union asserted in the written statement on behalf of the concerned workman. They submitted that the concerned workman holds his substantive designation of Electrical Helper and his

promotion is guided by JBCCI Circular No. 30 dated 26-6-1984. As per the aforesaid circular the promotion of personnel in electrical and mechanical disciplines are to be governed as per laid down procedure in the aforesaid circular. Annexure VII-15 attached to the above circular relates to promotion of electrical personnel. A workman with three years experience as General Mazdoor Category-I or with one year experience in Category-I having educational qualification of matriculation with ITI may be selected for the post of Electrical Helper on the basis of recommendation made by D.P.C. and satisfactory performance of trade test. Similarly an electrical helper with three years of experience in Category-II for literate and two years experience for matriculate with ITI may be considered for promotion to the post of Electrician/Electrical Fitter in Category-IV provided he competes the trade test and is adjudged as suitable for his promotion by the D.P.C. The D.P.C. is required to consider all the persons eligible for promotion working in the entire area. After adjudging their suitability and their past conduct together with the results of the trade test, the list of persons suitable for promotion from Electrical Helper in Category-II to Electrician in Category-IV is prepared by the D.P.C. The management submitted that the case of the concerned workman was considered by the D.P.C. in the year 1991 along with other eligible candidates for their promotion to the post of Electrician in Category-IV. After test, the D.P.C. published a list of successful candidates. The name of the concerned workman was not included in the said successful list of the candidates as he could not come out successfully by the D.P.C. They submitted that the management is required to follow the Cadre Scheme while considering for promotion to all similar eligible candidates and the D.P.C. cannot show partiality in recommending some persons on the consideration of their position in the Trade Union. They submitted that as the concerned workman was given opportunity sometime to work as Electrician by his controlling authority definitely that would not confer any right on him to claim his promotion as Electrician. They submitted that the Electrical Helpers possessing wireman's certificate are given chance to work as Electrician for doing some minor repairing jobs so that they can gain confidence in working as Electrician and learn the job of Electrician, so that at the time to considering their promotion they get some benefits for their past performance. It is the specific claim of the management that as per JBCCI Circular No. 30 dated 26-6-1984 it is mandatory on the part of the Electrical Helper to face D.P.C. and he will be eligible for getting his promotion as Electrician subject to his recommendation by the D.P.C. As the concerned workman was not recommended by the D.P.C. after trade test his name was not enlisted for his promotion to the post of Electrician and accordingly they categorically denied the fact that they have committed any illegality and took any arbitrary decision in not considering the promotion of the concerned workman to the post of Electrician. In view of the facts any

circumstances the management accordingly submitted their prayer to pass award rejecting the claim of the concerned workman.

Points to be decided :

4. "Whether the claim of the union that the management of Moonidih Project (UG) of M/s. B.C.C.L. in denying promotion w.e.f. 1991 to Shri Radha Raman Prasad, Electrical Helper is justified? If so, to what relief is the concerned workman entitled to?"

Finding with reasons :

5. It transpires from the record that the concerned workman in order to substantiate his claim examined himself as WW-1 in the instant case. On the contrary, the management has failed to examine any witness on their part.

Now, considering the facts disclosed in the pleadings on both sides and also considering evidence of the concerned workman I find no dispute to hold that the concerned workman got his appointment as an Electrical Helper at Moonidih Project (UG) under the management in Category-II wages w.e.f. 5-11-1986. WW-1 during his evidence disclosed that he is a matriculate with ITI diploma in electrical.

He submitted that the management of Moonidih Project considering his qualification authorised him to act as electrician. The said order issued by the management during his evidence was marked as Ext. W-1. He further disclosed that by Office Order he was allowed to work as Face Crew. The said Office Order during his evidence was marked as Ext. W-2. Relying on the Office Orders marked Ext. W-1 and W-2 it has been submitted by the concerned workman that inspite of his experience and sufficient qualification the management have refused to give him promotion as Electrician since 1991. He disclosed that while the management deprived him from his legitimate promotion they did not hesitate to give promotion to his Juniors and for which he has become junior to them. It is specific allegation of the concerned workman that due to arbitrary decision of the management he has been deprived of getting his promotion as Electrician Category-IV. On the contrary, the management relying on JBCCI Circular No. 30 dated 26-6-1984 submitted that the promotion of personnel in electrical and mechanical disciplines are to be governed as per the procedure laid down in the circular. They further disclosed that Annexure VII-15 of the said circular clearly has pointed out how promotion of electrical personnel should be considered. As per the said circular it has been disclosed that a workman with three years experience as general mazdoor Category-I or with one year experience in Category-I having educational qualification of matriculation with ITI may be selected for the post of Electrical Helper on the basis of recommendations made by DPC and on satisfactory performance of trade test. Similarly an Electrical Helper with three years of experience in Category-II for

literate and two years experience for matriculate with ITI may be considered for promotion to the post of Electrician/Electrical Fitter in Category-IV provided he completes trade test and is adjudged suitable for his promotion by the D.P.C. Here in the instant case the concerned workman got his appointment as Electrical Helper Category-II. It is seen further that the concerned workman is a matriculate and is holding ITI diploma. Therefore, according to this circular the concerned workman was eligible to appear before the DPC for consideration of his promotion in the post of electrician/electrical fitter Category-IV as he by that time acquired two years experience. The concerned workman during his evidence admitted that the DPC recommended promotion on considering performance report, possessing of requisite certificate etc. As per Annexure-VII-15 of JBCCI No. 30 dated 26-6-84 it is mandatory for the workman to face DPC and also to prove their eligibility in the trade test. It is the specific claim of the management that the concerned workman in the 1991 appeared before the DPC and trade test but as he could not come out successfully the DPC did not recommend his name for his promotion in Electrician Category-IV. It has been specifically alleged by the concerned workman that for his trade union activities the management intentionally on some occasions issued charge-sheet to him. He alleged that in spite of issuance of charge-sheet the management did not conduct any domestic enquiry against him and taking that vindictive attitude they influenced the DPC and for which his name was not considered by the DPC for his promotion in Electrician Category-IV. The management admitted the fact of issuance of charge-sheet on some occasions against the concerned workman but categorically denied the fact that due to his trade union activities the said charge-sheet was issued. They submitted that for dereliction of duties the charge-sheet was issued. They further submitted that in case of promotion the DPC not only consider the qualification, experience but also very seriously consider his past conduct. They further submitted that as promotion in electrician Category-IV is guided by JBCCI Circular No. 30 dated 26-6-84 and also as it is a cadre post there was no scope on the part of the management to give him promotion as electrician in Category-IV superseding the recommendation of DPC and also by-passing the instruction given in Circular No. 30 dated 26-6-84.

6. The learned Advocate of the concerned workman in course of hearing argument relied on the decision reported in 2000 (4) PLJR (SC) 94. Considering the said decision it transpires that in the said case the concerned workman was selected by DPC but his name was kept in sealed cover as domestic enquiry was pending against him. Here it is not the case of the concerned workman that DPC in spite of recommending his name for promotion was deprived of getting his privilege due to arbitrary decision taken by the management. Here in the instant case it is seen that the name of the concerned workman was not at all recommended by DPC for his promotion in electrician

Category-IV. Therefore, there is no scope to say that the management took any arbitrary decision in withholding his promotion. The learned Advocate for the concerned workman in course of hearing has failed to place any material point relying on which it can be said that the management had the scope to give promotion to the concerned workman to the post of Electrician Category-IV by-passing the recommendation of DPC and also by-passing the instructions given in the Circular No. 30 dated 26-6-84. It is clear, considering all the materials on record that consideration of promotion to the post of Electrician Category-IV only can be considered by the management if the workman concerned passed trade test and his name is recommended by DPC. The learned Advocate for the concerned workman submitted that the management took discriminatory attitude against the concerned workman but has failed to show what discriminatory attitude the management showed against the concerned workman. The DPC is an independent body and the management has no scope at all to influence the members of DPC to pass any adverse decision against a workman in spite of his having good result in the trade test.

Accordingly, after careful consideration of all the facts I hold that the concerned workman could not get his promotion to the post of Electrician Category-IV as his name was not recommended by DPC and not for the whimsical and arbitrary decision of the management. Accordingly, I find no scope to say that the management committed any illegality in not considering his promotion to the post of Electrician Category-IV and for which the concerned workman is not entitled to get any relief.

7. In the result, I render the following award,—

The claim of the union that the management of Moonidih Project (UG) of M/s. BCCI in denying promotion w.e.f. 1991 to Shri Radha Raman Prasad, Electrical Helper is not justified. Hence, the concerned workman is not entitled to get any relief.

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. अ. 780.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को. लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-II धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 75/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-02-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल. 20012/94/2002—आई.एल. (को. 1)]

एस.एस. [को. 1] [को. 1]

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 780.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award

(Ref. No. 75/2002) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II Dhanbad now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 27-02-2004.

[No. L-20012/94/2002-IR (C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, AT DHANBAD

In the matter of a reference U/S 10 (1) (d) (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 75 of 2002

PARTIES:

Employers in relation to the management of Amlabad Project of M/S. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Shri B. Biswas, Presiding Officer

APPEARANCES:

For the Management : Shri U.N. Lal, Advocate.

For the Workmen : None.

State : Jharkhand

Industry : Coal.

Dated, the 12th February, 2004

AWARD

By order No L-20012/94/2002-I.R. (C-I) dated 7th October, 2002 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by Clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"क्या नेशनल कोल वर्कर्स काँग्रेस की भारत कोकिंग कोल लिमिटेड अमलाबाद कोलियरी के प्रबन्धतन्त्र से मांग की कि कर्मकार हरि पदा मोदी के आश्रित पुत्र श्री बुधान मोदी को एन.सी. डब्ल्यू.ए. के प्रावधानानुसार अनुकम्पा आधार पर सेवायोजन का लाभ दिया जाये उचित एवं न्यायसंगत है? यदि हाँ तो कर्मकार किस राहत के पात्र है?"

2. In this case neither the concerned workman nor his representative is found present to-day on call. Shri U.N. Lal, learned Advocate for the management is present.

3. It transpires from the record that in spite of issuance of repeated notices the concerned workman has failed to appear before this Tribunal to take steps. The concerned workman also did not consider necessary to submit any written statement. Accordingly if the conduct of the concerned workman is taken into consideration it will expose that he is not interested to proceed with the hearing of this case. In the circumstances, I do not find any reason to adjourn the case *suo moto*.

4. Accordingly, I render a 'No Dispute' Award in the present case presuming non-existence of any industrial dispute between the parties.

B.BISWAS, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 781.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयरलाइंस के प्रबन्धतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-II नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 34/97) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-11012/27/96-आई.अर. (सी-1)]

एस.एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 781.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 34/97) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II-New Delhi now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines and their workman, which was received by the Central Government on 1-3-04.

[No. L-11012/27/96-IR (C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER: CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL: CUM LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

R. N. RAI, Presiding Officer :

I. D. No. 34 of 1997

Babu Ram

Versus

Indian Airlines

AWARD

The Ministry of Labour letter dated 24-2-1997 has referred the following points for adjudication to this tribunal.

"Whether the claim of Sh. Babu Ram, Casual Attendant, that his services were illegally terminated by the management of Indian Airlines w.e.f. 1-5-1995 is legal and justified? If so, to what relief is the concerned workman entitled?"

The claimant has filed statement of claim. In his statement of claim he has stated that he had been working in employment of the management since 1990 as attendant. He has worked upto 30-04-1995. His services have been

terminated from 01-05-1995 without assigning any valid reason. the termination of the services is unjustified and illegal he deserves to be reinstated the persons who worked with him were regularised but his services have not been regularised. As such the termination order is illegal and unjustified under the several provisions of the ID Act.

The management has filed WS. It has been stated in the WS that Sh. Babu Ram has worked as a casual daily rated sweeper for a period of 37 days during the years 1994 and 57 days in the year 1995. He did not work of 240 days. It is wrong to say that he has been in service as attendant since 1990. He started working in 1994. In 1994 he worked for 53 days. In 1995 he worked for 37 days there was no employer and employee relation between the workman and the employer. He was a contract worker and worked on contract for certain period. He never worked for 240 days in a calendar year so he is not entitled to any relief.

The workman has filed rejoinder and in his rejoinder he has denied the allegation of the WS.

Heard arguments from both the sides and perused papers annexed with the record. The learned counsel has filed written Argument. In written Argument it has been mentioned that it is not sufficient to say that he has not worked for more than 240 days in a calendar year. He worked from 1990 to 13 April 1995 with artificial breaks. The management has retained wages several employees working as attendant on daily who were junior to him. He also argued that he was appointed at the post of leader. It is true that he has not served for 240 days in a calendar year. The workman has filed certain vouchers through which he has received payment.

The learned counsel for the management submitted that in his cross examination the workman has stated that the span of his work was for 5 years. He worked for 300 days in total. He worked in 1990 for 60 days. In 1991 for 90 days. In 1994 for 90 days but he did not work in 1995. He has also admitted that he worked as a loader and sweeper and no other capacity. He has also admitted that it is incorrect that he was entitled to any reinstatement. He has further admitted that at present he is doing the work of labour.

The learned counsel for the management further argued that at best he worked for 37. He never worked for 240 days in calendar year.

My attention was drawn to 2002 11LLJ page 211. The Hon'ble apex court has laid down that the tribunal should first decide that the workman has worked for 240 days and the claimant has to prove it. The claimant in this case has not proved that he had worked for 240 days so the workman is not entitled to any relief prayed for.

The point referred to is replied thus.

The claim of Sh. Babu Ram, casual attendant, that his services were illegally terminated by the management of Indain Airlines w.e.f. 01-05-1995 is neither legal nor justified. He is not entitled to get any relief.

Dated: 20-02-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

कर. अ. 782.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ब्रिटिश एयरवेज के प्रबंधन के संबंध निचोखों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकार-II नई दिल्ली के संकाय (संख्या 144/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-2-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-11012/23/99-आर्.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, जवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 782.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 144/99) of Central Government Industrial Tribunal/Labour Court II New Delhi now as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of British Airways and their workmen, which was received by the Central Government on 27-2-04.

[No. L-11012/23/99-IR (C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER: CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL: CUM LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

R.N. RAI, Presiding Officer

I.D. No. 144/99

In the matter of :—

MS. Ira Karer

Versus

British Airways

AWARD

The Ministry of Labour vide its letter dated 28-4-1999 has referred the following point for decision. The point runs as hereunder :—

"Whether the action of the management of the British Airways, New Delhi in terminating the services of Ms. Ira karer, Ex. Air Stewardess, w.e.f. 3-10-1998 is justified, valid and legal? If not what to relief she is entitled to?"

The claimant has filed statement of claim. It has been stated in the statement of claim that the workman was issued an appointment letter on 21-08-1997 for the post of Cabin Crew Member in Delhi (India) w.e.f. 20-8-97 which she accepted and she had been functioning has such since 3-10-1997. It has been further submitted that the appointment was on probation for a period of 6 months but despite excellent performance and assessment to be the best of all the crew members for the best reasons known to the management, the probation period was extended further for a period of 6 months more. After the expiry of first probation period, she was confident about her performance but she was disturbed. Therefore, the management in an arbitrary manner terminated the services w.e.f. 3-10-1998 illegally, wrongfully, and unjustifiably and without completing the legal formalities under the I.D. Act. The representation was given which has been marked as Annexure—A. The workman was not reinstated despite service legal notices which has been marked as Annexure "B". The workman had no other alternative but to file the claim Before Conciliation for her reinstatement but that too failed due to the rigid attitude of the management and thereupon the reference was made to this Tribunal.

The management has filed written statement. In his written statement, it has been stated that she was appointed admittedly as an Air Stewardess and main duties performed by her were not manual, unskilled, skilled, technical, operational or clerical in nature and the claimant is not a workman as defined in Section 2 (s) of the Industrial Disputes Act, 1947. It is obligatory and incumbent upon the claimant to prove as to how the termination of her services was illegal and unjustified. The order of reference is incompetent and bad in law.

It has been further submitted that the claimant was appointed as a Cabin Crew Member in terms of letter of appointment dt. August 21, 1997 initially on training and probation for a period of six months. The work and performance of the claimant was not found satisfactory and she was apprised about the same from time to time. The management would have terminated her services on expiry of the period of probation but further opportunity of six months was given and she was specifically informed that in case she did not perform her duties satisfactorily, she would be terminated on the expiry of the extended period of probation.

It has further submitted that her performance was closely monitored and she was told orally as well as in writing regarding her work and performance during the extended period of probation as there was no improvement during the next period of probation, it was decided to terminate her services and accordingly by letter dt. October 3rd, 1998, the claimant was informed that her services have come to an end.

It has been further stated that it has wrong to say that during her first probation period, her performance

was excellent. There is no substance in it. She had been informed time and again to improve her performance, but to no effect. Her services were not abruptly terminated on October, 3rd, 1998 but the period of probation was extended and still her performance was found unsatisfactory. Therefore, no option was left with the management but to terminate her services. The management has denied receipt of the legal notice, the raising of dispute in conciliation has been admitted. The claimant was on probation and she had no right to the post. Her services were rightly terminated and her performance was not found satisfactory in the second extended period of probation.

The workman has filed rejoinder and in his rejoinder, the allegations of written statement have been denied and it has been emphatically stated that she performed her services satisfactorily. The duties performed by the claimant are of skilled nature and as such falls within the ambit of Section 2 (s) of the ID Act, 1947. The dispute has rightly been referred to this Tribunal. The management is guilty of unfair legal practise. The termination of his services was wrong and unjustified. The management did not act in a bonafide way. The written statement and the preliminary objections are denied. Some paras of the written statement are misconceived. The claimant was never told orally or in writing regarding unsatisfactory service. Her services were terminated under the guise of probation period and it is against the principles of natural justice, equity and fair play.

Heard arguments from the side of the management.

The written arguments has been filed from the side of the management. My attention was drawn to 1995-1 ILJ at page 303 in which the definition of workman has been given. In 1982 LIC at page 551, it has been held that the party challenging the termination should prove the claim. It has also been held as in 1979 II ILJ at page 194 and 1984 (49) FLR at page 31 and 1994 LLR at page 543 and citation has been given of UCC bank versus the Presiding Officer and another. In all the citations, it has been held that the party which wants any relief or pleading is to be proved by evidence. In case evidence is not adduced, the relief shall fail. It is obvious that the rulings established that the plaintiff or the claimant has to prove his claim or pleadings in absence of evidence of either of the parties, the pleadings cannot be said to have been proved.

The learned counsel for the management argued that two issues have been framed.

(1) Whether Ms. Ira Kareer is a workman as defined in Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, 1947?

(2) Whether the order of reference is incompetent and bad in law for the reasons stated in paras 2 and 3 of the preliminary objections to the written statement filed on behalf of the management?

The first issue is whether Ms. Ira Kareer is a workman or not. She has been appointed admittedly at the post of

Stewardess. Now the question arises as to Stewardess comes under the definition of the workman or not. The word Stewardess has been defined in Oxford Dictionary as a person who looks after the passengers of a ship or aircraft and a person responsible for supply of food to a college, club etc. and an official appointed to supervise arrangements at a large public event or a person employed to manage another's property specially in a large house. When we consider the meaning given in the Oxford Dictionary, the Stewardess simply means a workman who looks after the passengers on a ship or aircraft. As such the duty of Miss Ira Kareer was to look after the passengers on a ship.

It was argued by the management regarding issue No. 1 that Ms. Ira Kareer is not a workman. In this respect the learned counsel for the management drew my attention to the definition of the workman. In 2(s) the workman has been defined it is admitted that Ms. Ira Kareer was stewardess. In Section 2(s) a person who is drawing more was Rs. 1600 is not a workman.

It was further submitted that Ms. Ira Kareer was absent for 3 years and so she has not led any evidence as such according to her own admission he was drawing a salary of Rs. 30,000 as such in the definition of 2 (s) and she is not a supervisor.

In view of the definition of the workman Ms. Ira Kareer is not a workman. This issue is decided in negative.

So, far as the next issue is concerned the reference is not competent and bad in law as Ms. Ira Kareer was not a workman and she is not entitled to refer the case under the Industrial Disputes Act. This issue is also decided in negative.

Hence the two issues framed are decided in negative and Ms. Ira Kareer is not entitled to get any relief asked for.

The learned counsel for the management argued that section 17 and 17 (A) and 20 of the ID Act the proceeding shall still deemed to be pending and the Award given on 9-2-2004 can be recalled as it has not become final under section 17 and 17(A) and 20 of the ID Act.

Hence the two issues framed are decided against the workman and such the workman is not entitled to any relief asked for and the Award of 9-2-2004 is liable to be set aside in view of the findings of the two issue.

In view of the above Ms. Ira Kareer is not entitled to get any relief and the Award dated 9-2-2004 is cancelled.

The point referred to is replied thus:

The action of the management of the British Airways New Delhi is terminating the services of Ms. Ira Kareer Ex-Air Stewardess w.e.f. 3-10-98 is justified and legal. She is not entitled to any relief claimed for. The Award dated 9-2-2004 need not be published. Award is given accordingly.

Dated : 25-2-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. अ. 783.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ बड़ोदा के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/न्यायालय नं.-II नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 5/97) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12012/297/95-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरन, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 783.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 5/97) of Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. II, New Delhi now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 1-3-2004.

[No. L-12012/297/95-IR (B-II)]

GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER: CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN,
GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE,
NEW DELHI**

Presiding Officer : R.N. Rai

I.D. No. 5/97

In the matter of :—

Shri Chotey Lal

VERSUS

Bank of Baroda

The Ministry of Labour by its letter dt. 3-1-1997 has referred the following point for adjudication. The point runs as hereunder :—

"Whether the action of the management of Bank of Baroda, Regional Office, Shahjahanpur in terminating the services of Shri Chotey Lal, Peon w.e.f. 14-11-1994 is just and legal. If not, to what relief the workman is entitled to".

The workman has submitted the statement of claim. In his statement of claim, he has stated that he worked as a peon initially at Rajanpur Branch of the bank under Mr. Shahjahanpur Regional w.e.f. 10-6-1991. He worked there till 24-8-1991. His services were abruptly terminated by way of oral orders for the Branch Manager without any prior notice and without giving any reason. Though the post was of a permanent in nature and continued to exist after termination of his services from 24-8-1991.

It has further been stated that he was a full time peon but he was paid Rs. 20 per day by of wages and the wages were not paid for holidays and Sundays.

It has been further stated that the workman was appointed at Tilhar Branch to work as peon w.e.f. 14-10-1991 and he worked there till 14-11-1994 when again his services were terminated abruptly without any prior notice and he was paid @25 per day. It was raised to Rs. 30 and in 1992, it was raised to Rs. 35 which is clear from Annexure W/1.

It has been further stated that the management appointed another person. He has given certificate of employment exchange. He was kept on daily wages basis and he was paid lumpsum amount. The action of the management in terminating his services w.e.f. 14-11-1994 is unfair and illegal. By the nature of the duties of the workman, he could not be treated as a casual daily wage worker. He has performed his services for 240 days as such he should be given notice or he should be retrenched. Even a temporary employee according to Shastri Award engaged for indefinite period shall be entitled to one month's pay and allowances. These payments will be in addition to the payments already made. He has given chart from 14-10-1991 to 27-2-1993. In 1993, he worked for 60 days according to his own statement annexed with the statement of claim. In 1994, he worked for 90 days. Management has filed written statement. It has been stated that there was no employer and employee relationship between the workman and the management. It has been stated in the written statement that he was appointed as daily wage. He was not appointed as permanent peon. There was no recruitment. He was not appointed on probation. "Employee" can claim permanent post only when he has been employed on probation and has successfully completed the entire days of probation. During the period w.e.f. 5-1-1994 to 31-12-1994, the workman has worked for 99 days has not worked for 240 days in 12 calendar months calculated from 5-1-1994 to 31-12-1994. Since he has not completed 240 days continuously, he was only a daily rated peon and until he completes 240 days continuously in a calendar year, his right to reinstatement does not arise.

The workman has filed rejoinder. He has repudiated the allegations for the written statement and he has said that he was a temporary employee but he was appointed against substantive vacancy. He has again submitted the account of his work.

Heard the sound from both the parties and perused the documents and the record. The counsel for the workman argued that he has worked as a peon on permanent post and he should be absorbed. He has worked for 202 days between November, 1993 to October, 1994 and 24 days in November, 1993, 24 days in December, 1993, 15 days in January, 11 days in April, 1994, 29 days in May, 1994, 14 days in June, 1994. However, on total

calculation of the last calendar year, he has not worked for more than 90 or 99 days. Section 25(F) of the I.D. Act is attracted only when service of 240 days in one calendar year is completed. He has filed Photostat copy of paper regarding the payments made to him in which it has been mentioned that he was a daily wage and labour charges have been paid to him and again on two occasions, he was daily wage. So paper filed by the workman itself shows that he has received labour charges from the bank and 3 to 4 times daily wages. The learned counsel for the workman drew my attention to FLR 566, it has been held by the Hon'ble Allahabad High Court that Section 25 (F) is attracted only when service of 240 days is completed. In that case, there should be retrenchment. In FLR 223, it has been held by Hon'ble Delhi High Court that 240 days are to be completed then only Section 25(F) will be attracted. In 2003 FLR, page 113., it has been held that in case 240 days are completed then only 25(F) will be attracted. In the instant case, the workman has not worked for 240 days in calendar year as such, he is not entitled to any relief and the question referred to for adjudication is to be replied in negative.

The question referred to is replied as thus :—

The action of the management of bank of Baroda, regional Office Shahjahanpur in terminating the services of Shri Chotey Lal, peon w.e.f. 14-11-1994 is neither unjustified nor illegal. The workman is entitled to no relief as prayed for.

Dated : 23-2-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 784.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय चेन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या 89/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-03-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12012/100/2002-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 784.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 89/2002) of Central Government Industrial Tribunal/Labour Court Chennai as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of Canara Bank and their workman, received by the Central Government on 01-03-2004.

[No. L-12012/100/2002-IR (B-II)]

C. GANGADHARAN,
Under Secy.

ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, CHENNAI

Friday, the 23rd January, 2004

PRESENT:

K. JAYARAMAN, Presiding Officer.

Industrial Dispute No. 89/2002

(In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of Sub-section (i) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), between the Management of Canara Bank and their workman.

BETWEEN:

Sri P. Mani : I Party/Workman

AND

The Deputy General Manager : II Party Management
 Canara Bank, Madurai

APPEARANCE:

For the Workman : M/s. K. Kannan &
 S.R. Kalyani. Advocates

For the Management : Mr. T.R. Sathianathan,
 Advocate

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Notification Order No. L-12012/100/2002-IR (B-II) dated 9-9-2002 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Canara Bank in imposing the punishment of compulsory retirement on Sri P. Mani is legal and justified? If not, what relief is he entitled?”

2. After the receipt of the reference, it was taken on file as I.D. No. 89/2002 and notices were issued to both the parties and both the parties entered appearance through their advocates and filed their Claim Statement and Counter Statement respectively.

3. The allegations in the Claim Statement of the Petitioner are briefly as follows:—

The Petitioner was appointed as sub-staff in Canara Bank in the year 1971 and he was promoted as Daftry in the year 1975. While so, in the year 1997 the Petitioner was placed under suspension by the Deputy General Manager, Madurai Circle for the alleged misconducts committed at West Avani Moola Street branch, Madurai. The allegation is that one Smt. Nirmala, Clerk who was dealing with S.B. account section has wilfully and falsely opened an S.B. account in benami name and thereby has committed misappropriation of bank funds for about six lakhs and for this act of misconduct, Smt. Nirmala and others and also Petitioner who was working in the same branch were placed under suspension. It is further alleged that the Petitioner along with other delinquent employees namely Smt. Nirmala and T.R. Sundaresan made transactions involving fictitious

credit transactions involving unauthorised/improper debts to S.B. account of customers and the funds of the bank were unauthorisedly and fraudulently taken away through S.B. account. Subsequently, a charge memo has been issued alleging that the Petitioner has unauthorisedly taken the S.B. ledger No. 66 from the branch premises and given it to Smt. M.G.Nirmala, Clerk while she was waiting in an auto rickshaw outside thereby aiding her to tamper with the official records and to commit fraud. Further, he has also colluded with Smt. M.G.Nirmala in making several bogus entries in S.B. ledger sheets and he has got passed cheques and tokens from Smt. M.G.Nirmala directly and collected money from cashier and given the money to Smt. M.G.Nirmala, though the customers of the respective accounts were present in the counter. He had abetted in committing the fraud in collusion with Smt. M.G.Nirmala for undue pecuniary gains. The Petitioner has not accepted the allegations and he denied the charges and he also alleged that the alleged confession statement obtained on 1.5.97, in a holiday by coercion and force and therefore, it is not valid in law. Only on the confession of Smt. M.G.Nirmala, the Petitioner has been suspended. Actually, he has not received any money from the cashier as alleged against him. The Enquiry Officer without considering all these things has come to the wrong and imaginary conclusion that the Petitioner would have used the money which was involved in the alleged offence and he has given a finding that the charge has been proved against the Petitioner. The Disciplinary Authority has taken a wrong conclusion and imposed the punishment of dismissal from service. The Petitioner preferred a Revision before the Chairman and Managing Director and he has even though modified the order, he has also not considered the submissions made by the Petitioner. The order passed against the Petitioner is illegal and therefore, the same has to be set aside. The findings of the enquiry officer and also the order passed by the Disciplinary Authority basing on the confessional statement obtained from the Petitioner on 1.5.97, which is a holiday, clearly proves that the management forced the Petitioner to make such a statement in order to get statement as per the confessional statement of Smt. M.G.Nirmala. The Disciplinary Authority and Appellate Authority have not given due consideration to the submissions made by the Petitioner. Hence, he prays the Tribunal to set aside the order of compulsory retirement and to reinstate him in service.

4. As against this, the Respondent in the Counter Statement alleged that the Petitioner while working as a peon in West Avani Moola Street branch of the Respondent/ Bank at Madurai during the year 1997, had indulged in certain acts of defrauding the bank in collusion with late T.Sundaresan, Ex-Special Assistant and Smt. M.G.Nirmala, Ex-Clerk of the same branch and derived pecuniary gains and the acts so committed by him are so serious misconducts and the bank initiated disciplinary proceedings against the Petitioner and as the explanation given by the

826 GI/04-22

Petitioner was not satisfactory, the domestic enquiry was ordered and the domestic enquiry was conducted fully in conformity with the principles of natural justice and 14 documents were marked and 9 witnesses were examined in the domestic enquiry and the Enquiry Officer after considering all the relevant materials, found the Petitioner guilty of having committed the misconducts levelled against him and on considering the findings of the Enquiry Officer, the Disciplinary Authority agreed with the findings of the Enquiry Officer and accorded personal hearing and proposed the punishment of dismissal. The Disciplinary Authority after consideration of the gravity of the misconducts and other relevant circumstances, imposed the punishment of dismissal on him. The Appellate Authority on considering the submissions made by the Petitioner in personal hearing and on purely humanitarian basis modified the order of dismissal to that of compulsory retirement. The Petitioner in collusion with Smt. M.G.Nirmala and in connivance with late T.Sundaresan had misappropriated to the tune of Rs. 8,00,000/- of bank's money. The confession statement was given by the Petitioner to the investigating officer at the branch in the presence of branch personnel and local union leaders and he has categorically admitted having taken the ledger No. 66 outside the branch premises for five minutes and handed over the same to Smt. M.G.Nirmala who was waiting in auto rickshaw. Further, the Petitioner has not established that his confessional statement was obtained under compulsion and coercion in the departmental enquiry and it was taken by the Petitioner before this Tribunal only as an afterthought. The Petitioner has signed the confessional statement in consultation with the local union leaders with whom he had reposed confidence, and in their presence only he had given this statement. The Disciplinary Authority imposed the punishment of dismissal only after taking into consideration the entire records, findings and submissions of the Petitioner. Hence, the Respondent prays that the claim of the Petitioner may be dismissed with costs.

5. The points for my determination in these circumstances are—

(i) "Whether the action of the management of Respondent/Bank in imposing the punishment of compulsory retirement on the Petitioner is legal and justified?"

(ii) "To what relief the Petitioner is entitled?"

Point No. 1:—

6. The charge against the Petitioner in this case is, he has unauthorisedly taken out the S.B. account ledger No. 66 from the branch premises and given it to Smt. M.G.Nirmala, a clerk while she was waiting in an auto rickshaw thereby aiding her to tamper with the bank records and to commit fraud; secondly he has colluded with Smt. M.G.Nirmala in making several bogus entries in S.B. ledger sheets and he has got passed cheques and tokens from Smt. M.G.Nirmala directly and collected money from the

cashier and given the money to Smt. M.G.Nirmala, though the customers of the respective accounts were present in the counter. Thus he has abetted Smt. M.G.Nirmala for undue pecuniary gains and also committed acts of frauds against the Bank.

7. In this case on behalf of the Petitioner, it is contended that the Petitioner worked as a daftly and the duties of Daftly are filing letters independently and other papers in the respective files as per the indication marked in that letters, secondly, simple binding of books/ledger press copying and thirdly assisting in issuing stationery and fourthly stocking under guidance of old records in a proper manner and rendering assistance in giving them out when required and fifthly, the whole process of sorting, arranging, numbering, tallying the number of vouchers and stitching them are the duties and responsibilities of the Daftly and any other work related to branch office as instructed by the Branch Manager, he will do. In this case, the Respondent/Bank alleged that he has taken the S.B. account ledger to outside the bank and helped Smt. M.G.Nirmala to make false entries in that ledger, but there is no direct or substantial evidence to prove this action that the Petitioner has taken out the ledger from bank outside the bank premises. Secondly, except the alleged confessional statement of the Petitioner, there is no other substantial evidence to prove that the Petitioner has colluded with Smt. M.G.Nirmala in defrauding the bank to the tune of Rs. 8,00,000/-.

8. The learned counsel for the Petitioner contended that even at the domestic enquiry the Petitioner has taken the stand that the confessional statement was obtained by coercion and undue influence by the bank officials and therefore, the Respondent/Bank has to establish this fact with substantial evidence, but on the other hand, except the interested version of the bank, there is no other evidence to prove this contention.

9. But, on the other hand, it is argued by the Respondent that the investigating officer has obtained the confessional statement of the Petitioner and also Smt. M.G.Nirmala in the presence of officials from Regional Office and also the local union leaders and the confession statement was obtained on 1.5.97 and the enquiry was started in 1999. It is more than two years after obtaining the confession statement, the Petitioner, only as an afterthought, has suggested that this confession statement was obtained by undue influence and coercion and in case of coercion and undue influence, initial burden lies upon the person, who alleged the same. But in this case, though the Petitioner has alleged that the confessional statement was obtained from him by coercion and undue influence, there is not even an iota of evidence to substantiate this contention of the Petitioner except the bald allegation that it was obtained by coercion, there is no material to prove that this confessional statement was obtained from the Petitioner by coercion. On the other hand, the local union leaders

who have witnessed the confessional statement who have attested the confessional statement have given an evidence that it was obtained voluntarily and only after confirmation from the Petitioner, they have signed in the confession statement. Mr. S. Marimuthu, who has been examined as a witness in domestic enquiry as MW3 has categorically stated that he has signed in the confession statement only after obtaining the concurrence of the Petitioner and the Petitioner has given this statement voluntarily. The confessional statement of the Petitioner was marked as Ex.MB8 and in that he has clearly admitted that he has taken out the S.B. account ledger from the office and handed over the same to Smt. M.G.Nirmala and he has also further admitted that it is a mistake on his part. Similarly, he has also admitted that Smt. M.G.Nirmala has passed several cheques and given tokens to him and he himself has received the cash from the cashier and paid the amount to Smt. M.G.Nirmala. This fact was also admitted by the cashier Mr. S.Jayasekaran, who was examined as sixth witness in the domestic enquiry and also Mr. Rajagopal, worked as cashier for a short time in the Respondent/Bank Avani Moola Street branch at Madurai and it is the evidence of Mr. Jayasekaran that normally he will note down in a piece of paper about the staff who has received the amount but some times, when no paper or scribbling sheet is available, he might have noted in Shroff book also and it will show that the amount will be received by which staff member of the bank and shroff book which is marked as ME 11, wherein it is mentioned that certain amounts have been received by the Petitioner and it was noted by the said person in that shroff book.

10. As against this, the counsel for the Petitioner argued that as per rule, the cashier must take the signature of the staff on the back side of the cheque in such a situation and in no case, it was proved that the signature of the Petitioner was obtained on the back side of the cheque and it was also admitted by the cashier that he has not obtained the signature of the Petitioner in any one of the cheques presented by him. Under such circumstances, it cannot be said that the Petitioner has received the money from the cashier directly and paid the amount to Smt. M.G.Nirmala. Further, though the bank has alleged the collusion between Smt. M.G.Nirmala and the Petitioner, it was not established by any satisfactory evidence and therefore, the findings of the Enquiry Officer and also the findings of the Disciplinary Authority were not based on any substantial evidence and therefore, the same are required to be set aside by this Tribunal. It is his further contention that though the allegation was made against Smt. M.G.Nirmala and the Petitioner that they have colluded with another Special Assistant, the said Smt. M.G.Nirmala has not been examined in the domestic enquiry and no explanation was offered for non-examination of Smt. M.G.Nirmala and in such circumstances, the confessional statement said to have

been given by the Smt. M.G.Nirmala cannot be relied on by the domestic authorities. On the other hand, the Enquiry Officer has based his finding only on the confession statement of the Petitioner and also the said Smt. M.G.Nirmala and therefore, no reliance can be placed on the findings of the Enquiry Officer and also the order passed by the Disciplinary Authority.

11. Though I find some force in this contention on going through the evidence of witnesses in this case and on going through the documents filed in domestic enquiry, I find there is no substance in the contention of the learned counsel for the Petitioner because the investigation officer namely Mr. Narayanan was examined in the domestic enquiry and he has given a clear evidence that Smt. M.G.Nirmala has given a voluntary statement and also accompanied the Senior Manager to his servant maid's residence and from the residence of servant maid, they have seized the account books and records of the Respondent/Bank and he has also categorically stated that the confession statement of the Petitioner was obtained in the presence of the local union leaders and only on confirmation from the Petitioner, the local union leaders have signed in the confession statement and in such circumstances, it cannot be said that the confession statement of the Petitioner and also Smt. M.G.Nirmala cannot be looked into has no substance. Further, in this case the other person Mr. Rajagopal, who has worked as Cashier for a short period has clearly stated that he refused to give the money to the Petitioner without his signature in the back side of the cheque and thereafter he has not approached subsequently. Therefore, from the documentary evidence and also from the oral evidence given by the witnesses in the domestic enquiry, it is clearly established that the Petitioner in collusion with Smt. M.G.Nirmala has misappropriated the amounts of bank and he has taken out the ledger from the branch office to suit the convenience of Smt. M.G.Nirmala to make false entries in the ledger. Therefore, I have no hesitation to come to a conclusion that the charges framed against the Petitioner have been clearly proved in the domestic enquiry.

12. Then the learned counsel for the Petitioner argued that the past record of the Petitioner has not been considered by the Disciplinary Authority and the punishment given by the Disciplinary Authority and the modified punishment given by the Appellate Authority is harsh. He further argued that under section 11A of the Industrial Disputes Act, 1947, this Tribunal has got every power to mould the relief as claimed by the Petitioner and in such circumstances, he prays that a lesser punishment may be awarded to the Petitioner.

13. But, I find no substance in the contention of the learned counsel for the Petitioner that in the past conduct of the Petitioner, namely Sri P. Mani he has not

been suffered with any penalty earlier, the order of compulsory retirement should not have been passed and I think a reference to the past record of service in Bipartite Settlement is not meant to drop any effective order of termination passed as a consequence of gross misconducts, which have been proved. Further, the Petitioner was an employee in the bank, where the confidence of customer is paramount for the success of business cannot be disputed. The effect of continuation of the employment of such person who had failed to rejoin and inspire the confidence of the employer was also evident. The risk to the bank in employing a person like the petitioner/workman who had patently duped the customer, and harmed the bank's reputation was also evident. The gross misconduct committed by the workman had been proved after due enquiry, in which the workman had fully participated. Under such circumstances, I find there is no substance in the contention of the Petitioner that provision of section 11A of the Act is to be invoked by this Tribunal in these circumstances of the case. Therefore, I find this point against the Petitioner.

Point No. 2 :—

The next point to be decided in this case is to what relief the Petitioner is entitled?

14. In view of my foregoing findings, the Petitioner Sri P. Mani is not entitled to any relief, as claimed by him. No Costs.

15. The reference is answered accordingly.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 23rd January, 2004)

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

Witnesses Examined :—

On either side : None

Documents Marked :—

For the I Party/Workman : Nil

For the II Party/Management :—

Ex. No.	Date	Description
M1	30-05-97	Xerox copy of the letter from the Branch Manager to Investigating officer
M2	30-04-97	Xerox copy of the letter from Smt. M.G. Nirmala to Senior Manager of Respondent/Bank
M3	30-5-97	Xerox copy of the letter from P. Dhanabalan to Investigating officer
M4	30-05-97	Xerox copy of the letter from Marimuthu to Investigating Officer
M5	30-05-97	Xerox copy of the letter from Ravindran to Investigating Officer

Ex. No.	Date	Description
M6	16-07-97	Xerox copy of report of Mr. N. D.A. Cell, Circle Office.
M7	01-05-97	Xerox copy of the letter from Smt. M.G. Nirmala to Investigating Officer.
M8	01-05-97	Xerox copy of the letter from the Petitioner to Investigating Officer.
M9	30-05-97	Xerox copy of the letter from Mr. Rajagopal to Investigating Officer.
M10	Nil	Extract of shroff book.
M11	30-05-97	Xerox copy of the letter from Mr. Jayasekaran to Investigating Officer
M12	30-05-97	Xerox copy of the letter from Mr. Vittalagan to Investigating Officer.
M13	23-05-97	Xerox copy of the letter from Senior Manager to Deputy General Manager Circle Office, Madurai.
M14	02-05-97	Xerox copy of the letter from Senior Manager to Commissioner of police, Madurai
M15	25-09-98	Xerox copy of the charge memo issued to Petitioner
M16	09-11-98	Xerox copy of the explanation given by Petitioner to the Charge Memo
M17	Nil	Xerox copy of the enquiry proceedings
M18	Nil	Xerox copy of the written brief filed by Presenting Officer
M19	10-03-99	Xerox copy of the defence statement filed on behalf of Petitioner
M20	03-05-99	Xerox copy of the findings of Enquiry Officer
M21	03-03-2000	Xerox copy of the proceedings of Disciplinary Authority
M22	20-03-2000	Xerox copy of the communication from Respondent to Petitioner
M23	28-03-2000	Xerox copy of the proceedings of personal hearing
M24	28-03-2000	Xerox copy of the proceedings of Disciplinary Authority
M25	02-05-2000	Xerox copy of the appeal preferred by Petitioner
M26	09-11-2000	Xerox copy of the order of Appellate Authority

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

को. आ. 785.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण केन्द्रीय सरकार इंडियन बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय चेन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या 659/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 01-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/263/98-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S. O. 785.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 659/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chennai as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the management of Indian Bank and their workman, received by the Central Government on 01-03-2004.

[No. L-12012/263/98-IR (B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHENNAI

Tuesday, the 27th January, 2004

PRESENT:

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE No. 659/2001

(Tamil Nadu Principal Labour Court CGID. No. 243/99)

(In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), between the Management of Indian Bank and their workmen)

BETWEEN:

The General Secretary, : I Party/Claimant
Indian Bank Employees Union

AND

The Zonal Manager, : II Party/Management
Indian Bank, Chennai.

APPEARANCE:

For the Claimant : Mr. K. J. Arumachalam,
Authorised Representative

For the Management : M/s. Aiyar & Dolia, R. Arumugam,
& N. Krishnakumar, Advocates

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Notification No. L-12012/263/98/IR (B-II) dated 20-04-1999 has earlier referred this industrial dispute to Tamil Nadu

Principal Labour Court, Chennai for adjudication. The Tamil Nadu Principal Labour Court has taken the same on its file as I.D.No. 243/99 and after the constitution of this Central Govt. Industrial Tribunal cum Labour Court, the said industrial dispute was transferred to this Tribunal and after getting the same, it was numbered as I.D.No. 659/2001. The Tamil Nadu Principal Labour Court issued notices to both sides and both sides entered appearance through the authorised representative and advocate respectively and filed their Claim Statement and Counter Statement respectively.

2. The dispute referred by the Govt. in the Schedule is hereunder :—

“Whether the management of the Indian Bank is justified in denying permanent full time scale wages to Sri D. Balaguru, permanent part-time sweeper and if not, to what relief the workman is entitled?”

3. The allegations made in the Claim Statement of the Petitioner Union are as follows :—

Sri E. Balaguru, who is espoused by Petitioner Union, was appointed by the Respondent/Management as sweeper/scavenger in the year 1983 being sponsored by Employment Exchange. In that year, the Respondent/Management empanelled eight persons in which Sri E. Balaguru was the seventh person in the panel. The said eight persons were engaged in permanent identified vacancies of sweepers at the maintenance department of the central office of the Respondent/Bank and were engaged from 31-10-83. Thus the concerned employees have worked more than 594 days upto 10-3-86. There is a subsisting settlement between the Union and the Respondent/Management under section 18(3) read with 2(p) of Industrial Disputes Act, 1947 entered into on 28-7-93 under the caption of career path which deals with about the filling up of sweeper vacancies at the central office and branches. This settlement is with regard to the wages for the sweepers in various offices of the bank. If the resultant vacancy is $\frac{3}{4}$ scale vacancy, the management would declare the vacancy and call for applications from the sweeper employees drawing $\frac{1}{2}$ scales wages and the vacancies would be filled in from the applicants. While so, when the eight vacancies in full time scale sweepers/scavengers arose at maintenance department of central office of the Respondent/Bank, the management as per the provisions of the above settlement called for options from the permanent part time sweeper employees drawing $\frac{3}{4}$ th scale wages and working in branches situated at Chennai and only two employees gave their option for full time sweepers in maintenance department of the central office. They are one Mr. Krishnamurthi and Mr. K. Nagalingam. The balance of six vacancies were filled up with appointing the first six temporary sweepers at Serial Nos. (a) to (f) sponsored through Employment Exchange as full time sweepers/scavengers at the maintenance

department of the central office of the Respondent/Management. Remaining two temporary sweepers namely Mr. Balaguru, the concerned employee and Mr. Alex Devadoss were absorbed as permanent part time employees in 3/4th scale wages in the vacancies created at Thiruveteeswaranpet branch. Thus, the Petitioner was engaged in 3/4th scale of pay in Thiruveteeswaranpet branch of the Respondent/Bank. Further, there is a subsisting settlement between the Federation of the Indian Bank Employees Union and the management called Intra-Cadre Posting, dealing about the posting of full time sweepers/scavengers, who had put in five years of service will be posted as a sub-staff in the branch of the Respondent/Bank. As per the above settlement, six persons have opted to be posted as sub-staff after having acquired the requisite eligibility and their requests were favourably considered and posted in the branches of Chennai city. From that date onwards, the concerned employee has been representing the Central Office management of the Respondent/Bank to absorb him in the full scale vacancy that was available at the maintenance department with his representations in the year 1987, 1989 and 1990. In the meantime, the Respondent/Bank have called for list of employees from the Employment Exchange in the year 1991 to create a panel of temporary employees to be utilised in the vacancies created by intra-cadre posting. When there is a subsisting settlement under section 18(1) with the recognised union in the matter of filling up of sweeper vacancies under the caption career path, the central office management of the Respondent/Bank totally disregarding the said settlement and totally against the interest of the employee in dispute had entered into a settlement with a minority union in the bank in appointment of eight temporary sweeper employees who are much juniors to employee concerned under this dispute. It is also further alleged that the action of the Respondent/Management is illegal, unjust and colourable exercise of power. Hence the Petitioner Union prays that an award may be passed to the relief of full time employee in the service of the Respondent/Bank to the concerned employee with all consequential and attendant benefits from the date his junior employees as full time sweepers in the maintenance department.

4. As against this, the Respondent/Management in its Counter Statement contended that it is true, that concerned employee, whose cause is espoused by Petitioner union, was engaged as a temporary sweeper by the order of Respondent on 10-3-83 and in eight vacancies that arose later at Head Office, the Respondent absorbed six persons in the order of preference in the list dated 10-3-86 and for the remaining two vacancies, those casual sweepers who were already drawing 3/4 scales wages at Respondent/Bank at Thiruveteeswaranpet branch under the Regional Office of Chennai (South) were absorbed. Only two persons, one among them was Mr. E. Balaguru, the concerned employee was given the offer of absorption

into the services in 3/4 scale wages and he has also accepted the offer and joined in the bank. Therefore, the concerned employee has no legal right for applying sub-staff conversion while working in 3/4 scale wages. No doubt those sweepers who have completed a minimum period of five years in full scale wages and satisfy the eligibility norms and applied for such conversion. The Petitioner was working in 3/4 scale wages in not entitled to claim, full scale wages. Since the concerned employee accepted the terms and conditions of appointment order and joined duty there, it is not open to seek any relief regarding full scale wages. It is also true that with a view to provide progress in the career of permanent part time sweepers who during their course of service in the bank are fixed in five scales namely consolidated, 1/3, 1/4, 3/4, and full scale wages of sub-staff cadre depending upon the area swept by them, a settlement under section 18(1) of the Industrial Disputes Act, 1947 was arrived at on 28-7-93. No doubt, it is true that full scale wages vacancies during 1988 and 1990 were filled on compassionate grounds as per the Govt. guidelines on such appointments due to death of sub-staff. Subsequent to the posting sub-staff by way of intra-cadre posting, another eight persons were engaged as casual sweepers at Head Office on need based situations and on rotation. Subsequently, the Indian Bank Association raised an industrial dispute for regularisation of services of those second set of eight casual labourers in appropriate scale wages and the bank entered into a settlement with the Association under section 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947 on 12-10-93 for the above said eight persons and the Respondent/bank has got every right to enter into the settlement with the association and therefore, the Petitioner Union cannot question the same. Subsequently, Thiruveteeswaranpet branch in which the concerned employee Sri Balaguru was working got merged with Triplicane branch as such there was no vacancy at Triplicane branch and therefore, Sri E. Balaguru was posted to Royapuram branch and he was working in that branch since 21-8-200. Further, he was posted in Royapuram branch and his wages also were protected in accordance with rules and settlement stated above. Even the Apex Court and High Courts held that once a person absorbed and accepted the terms and conditions at the time of consideration of their case, they cannot seek reopening it for the purpose of absorption in the posts of higher scale. Therefore, Sri Balaguru, the concerned employee is not entitled to stake claim for full scale wages and the action of the management in retaining him in 3/4 scale wages is valid and justified. Hence, it is prayed that the claim may be dismissed with costs.

5. As against this the Petitioner Union has filed rejoinder, wherein the Union stresses its contention made in Claim Statement and also stated that the Petitioner was engaged not to meet the exigences of sweeper vacancy at Head Office and had the Respondent/Management

appointed the concerned workman in this dispute in a permanent full was sweeper post, when he should have been legitimately entitled to, he would have also become a sub-staff in terms of intra-cadre posting along with other six persons who have empanelled along with him as temporary sweeper/scavenger. Though the concerned employee has accepted the appointment order and joined the post mentioned in the appointment order, any policy or settlement arrive at governing the interest of the such sweeper employees provide them inherent right to claim their legitimate elevation and further he has legal remedy to seek justice when his legitimate entitled dues are denied and discriminated. Further, when the claim for this concerned workman is pending resolution, the Respondent/Management has made Mr. Alex Devadoss, who was empanelled along with the workman in the dispute and the next junior in the order of seniority of empanelment as full time sweeper and this act of the management is illegal and discriminatory. The temporary sweepers who were for much juniors were made full time sweepers in total contravention to the legally binding settlement and also deprived the concerned workman his legitimate posting. Hence, the Petitioner Union prays that an award may be passed in favour of the concerned employee.

6. In these circumstances, the points for determination in this case are as follows:—

- (i) "Whether the management of Respondent/Bank is justified in denying the permanent full scale wages to Sri D. Balaguru, permanent part time sweeper?"
- (ii) "To what relief, the concerned employee is entitled?"

Point No. 1:—

7. In this case, it is admitted that the concerned employee Mr. D. Balaguru has been empanelled as a temporary sweeper and subsequently, he has been made permanent. During 1986, 8 vacancies in the post of sweepers/scavengers in permanent full time scale arose in the Respondent/Management due to intra-cadre posting of sweepers/scavengers employees at the department as sub-staff cadre employees and the Respondent/Management invited applications from the existing permanent part-time sweeper employees drawing 3/4th scale wages working in the branches situated in Chennai city and accordingly, only two permanent part time sweepers drawing 3/4th scale wages working at Thiruvcteeswaranpet branch and in Regional Office, South branch responded the call. Hence, out of the eight permanent full time sweeper vacancies that arose in office maintenance department at the Head Office of Respondent/Bank, the above two permanent part time sweepers were posted to full time sweepers posts and remaining six vacancies temporary sweeper employees, empanelled along with the concerned employee on 31-10-83 were absorbed as permanent full time sweepers in the office

maintenance department in accordance with seniority of empanelment leaving the concerned employee and the another man. It is also admitted that on 27-12-82 an understanding was reached with regard to filling up the sweeper vacancies in scale wages inclusive of full time sweepers, who have been put into practice and thus become legally enforceable terms and conditions of service. Thus, it is admitted that vacancies of full scale wages of permanent sweepers arose at Head Office in 1987, 1988 and 1990 and it is also admitted that the Respondent/Bank itself called for applications from the eligible candidates for applying the posts and the concerned employee Sri D. Balaguru has also applied for the post on each and every occasion. While so, the Respondent/Bank have not filled up the said vacancies from the eligible part time 3/4th scale wages employees, has called for fresh persons from the Employment Exchange leaving out the existing senior part time sweepers who are eligible for higher scale wages in lurch and thus, empanelled the temporary employees who were much juniors to the workman in the dispute namely Sri D. Balaguru. While so, the Respondent/Management while denying and depriving the concerned workman Sri D. Balaguru his legally and legitimately entitled posting of full time sweeper post has further entered into a settlement with minority union to absorb temporary sweepers who have been empanelled in 1991 and who are much juniors to concerned employee.

8. In this case, on the side of the Petitioner, the concerned employee was examined as WW1 and on his side Ex. W1 to W19 were marked. As against this, on the side of the Respondent one Mr. Subramanian was examined as MW1 and Ex. M1 to M4 were marked.

9. On behalf of the Respondent, it was contended that it is no doubt true that eight casual sweepers were engaged on need based situations and on rotation were called for from the Employment Exchange and appointed as Casual Labourers. But during 1991 for regularisation of the service of those second set of Casual Sweepers, the Indian Bank Employees Association has raised a dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central) and the Respondent/Bank has entered into a settlement with the said association under Section 12(3) of Industrial Disputes Act, 1947 on 12-10-93. The settlement was confined to sweepers working in Head Office alone and they were represented by the association which signed the settlement and it is false to say that the concerned employee and another man were excluded by the employees association because even prior to that date i.e. even in 1990 the concerned employee has joined the Petitioner Union and therefore, neither the Petitioner Union nor the concerned employee can question the settlement under section 12(3) of the Act and further on behalf on the concerned employee the Petitioner Union has raised this dispute after 11 years i.e. only in 1997 and therefore, it

is a belated one and it cannot be questioned by raising the dispute.

10. But, on behalf of the Petitioner Union, it is contended that this act of management of has totally deprived the legitimate claim of the concerned employee Sri D. Balaguru for being elevated to full time sweeper's post. It is further argued on behalf of the Petitioner that in order to relieve the hardship caused to the part-time sweeper since they were kept as part-time sweepers, the Union has entered into a settlement under the original of Ex. W13 and this legally binding settlement was entered into on 28-7-93 and in terms of the provisions of the said settlement also the concerned workman Sri D. Balaguru should have been elevated as permanent full time permanent sweeper. Further even during the years 1987, 1988 and 1990 there were vacancies in the permanent part time sweepers post and the bank has also called for applications from the eligible candidates for applying the post. Instead of filling up the said post with eligible candidates and allowed the post to be unfilled without any reason has called for and empanelled another set of temporary employees in which far much juniors to the concerned employee were appointed and subsequently, they have been absorbed as permanent full time sweepers by the management, which is discriminatory and it is illegal. Further, though it is contended that a settlement has been entered into between the management and Employees Association, this act of management has resulted in total deprivation of the entitlement of concerned employee for being elevated to the full time sweeper post.

11. But, as against this, the Respondent contended that the Petitioner Union has not raised this dispute with regard to Sri D. Balaguru at the time of entering into settlement with the Association and it is only an inter-party union rivalry, much later period, the Petitioner Union has raised this dispute on the allegation that juniors of the concerned employee Sri D. Balaguru have been made permanent as full time workers. Further, it is contended that even now many sweepers like the concerned employee who were senior to concerned employee are continuing in 3/4th scale wages and therefore, the concerned employee Sri D. Balaguru is not entitled to stake claim for full scale wages and the action of the Respondent/Management in retaining his in 3/4th wages is legal, valid and justified. It is also contended on behalf of the Respondent that Sri D. Balaguru had accepted the appointment in 3/4th scale wages at Thiruveteeswaranpet branch in 1986 and the Petitioner Union has chosen to raise this dispute in this case only in the year 1997 as an after thought and after a lapse of eleven years. Therefore, a person once absorbed and accepted the terms and conditions at the time of consideration of their case, they cannot seek re-opening it for the purpose of absorption in post of higher scale and it was also held by the Supreme Court in the case of ANIS

PARVEX AND DIRECTOR GENERAL, CSIR in 2002 ILLJ 826 and therefore, the Petitioner Union cannot raise this dispute after a long lapse of time.

12. In these circumstances, the main dispute is only because Sri D. Balaguru, whose cause the Petitioner Union is espousing, has come to this forum after a long lapse of time cannot question the acts of the management and while the concerned employee was working in 3/4th scale wages in the Respondent/Management, whether the management can call for temporary employees in the year 1991 and can be entered into a settlement with the minority union for regularisation of the persons who were much juniors than the concerned employee.

13. In this case, on behalf of the Petitioner, it is contended that even in the year 1987, 1988 and 1990 there were vacancies in the Respondent/Bank in the post of full scale wages of permanent sweepers, the Respondent/Bank without filling up the said vacant posts from the eligible candidates and allowed the posts to be unfilled and without any reason have called for another set of temporary employees and appointed them as permanent full time sweepers is illegal and it is in violation of legally binding settlement and also amounts to unfair labour practice. Further, on behalf of the Petitioner, it is argued that the Supreme Court in 1982 I LLJ 33 in regard to promotions, has held that *"the Tribunal should not think be so powerless, the industrial tribunal intended to adjudicate the industrial disputes between the management and workmen, settle them and pass effective awards in such a way that industrial peace between the employers and employees can be maintained, so that there can be more production to benefit all concerned....."* Further, it is held that *"the Tribunal in the instant case in view of its findings, first of all should have declared that promotions were illegal and unjustified, their promotion being the result of arbitrary action of the management which was nothing but unfair labour practice and the promotion in question should have been cancelled and the Tribunal in consultation with the management and the union should have framed norms/rules of promotion and directed the Management to give promotion/upgradation in accordance with those norms/rules."* Thus, in this case, the concerned employee Sri D. Balaguru has been victimised by the Respondent/Management by promoting his juniors as permanent full time sweepers who have been appointed long back to the concerned employee's appointment and therefore, it is illegal and to be set aside.

14. I find much force in the contention of the learned counsel for the Petitioner. In this case, it is clear that the persons who have been appointed subsequent to the appointment of the concerned employee namely Sri D. Balaguru have been admittedly made permanent and thus

the concerned employee has been deprived his rightful promotion. Even though on the side of the Respondent/Management it is contended that neither the Petitioner Union nor the concerned employee ever challenged the settlement entered into with the Association by the Respondent/Management, I am not conceived that only after challenging the settlement, the concerned employee an question the promotion given to his juniors, who have been appointed as temporary employees in the year 1991. Further, I am not convinced by the Respondent's arguments that even to-day many sweepers like the concerned employee who were senior to him are continuing in 3/4 scale wages and they were not made full time employees and they have not raised any dispute. If there are any sweepers like the concerned employee who are senior to the concerned employee are continuing, the Respondent/Management is to be blamed for the same because I find it amounts to unfair labour practice on the part of the Respondent/Management. It is unfair on the part of the Respondent/Management because while seniors are working in lower cadre, the juniors have been promoted and made as full time employees. Under such circumstances, I find the Petitioner is entitled to become full time employee in the sweeper cadre in the services of the Respondent/Bank from the date of his juniors were made will all consequence and attendant benefits. In view of the above reasoning, I find this point in favour of the Petitioner Union.

Point No. 2

The next point to be decided in this case is to what relief the concerned workman is entitled?

15. In view of my foregoing findings, I find the concerned employee Sri Balaguru is entitled to the relief as full time sweeper in the services of the Respondent/Bank from the date of his juniors were promoted as full time sweepers in the maintenance department of the Respondent/Management will all consequential and attendant benefits. Ordered accordingly. No Costs.

16. Thus, the reference is answered accordingly.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 27th January, 2004.)

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

Witness Examined :

For the I Party/Claimant : WW1 Sri E. Balaguru

For the II Party/Management : MW Sri M. Subramanian

Documents Marked :—

For the I Party/Claimant

Ex. No.	Date	Description
W1	27-10-83	Xerox copy of the letter from Respondent/Management to concerned employee regarding selection.
W2	10-03-86	Xerox copy of the application given by the concerned employee For sub staff post.
W3	10-03-86	Xerox copy of the offer of appointment issued to concerned employee.
W4	21-3-86	Xerox copy of the joining report given by concerned employee.
W5	17-09-86	Xerox copy of the particulars pertaining to concerned employee sent by Zonal Office.
W6	31-10-86	Xerox copy of the confirmation order issued to concerned employee
W7	14-09-87	Xerox copy of the circular issued by Respondent/Bank for filling up of permanent full time sweeper.
W8	Nil	Xerox copy of the representation for confirmation of Services in full scale wages given by the Petitioner.
W9	23-06-88	Xerox copy of the application submitted to Zonal Manager for full scale wages.
W10	02-07-90	Xerox copy of the application submitted to Zonal Manager by the concerned employee applying for full time sweeper vacancy
W11	25-09-80	Xerox copy of the letter from Respondent/Bank to Secretary General of Federation of Indian Bank Employees Union Regarding Intra cadre postings.
W12	28-09-80	Xerox copy of the letter from the Federation of Indian Bank Employees Union to Respondent/Bank accepting Implementation of intra cadre posting.
W13	28-07-98	Xerox copy of the settlement under section 18(1) in the matter of filling up of Part-time Sweeper.
W14	31-07-96	Xerox copy of the letter from Indian Bank Employees Union to Assist Labour Commissioner (Central) raising Industrial Dispute.

Ex. No.	Date	Description
W15	09-07-98	Xerox copy of the reply submitted by Respondent/Bank.
W16	30-07-98	Xerox copy of the rejoinder filed by Petitioner Union.
W17	27-12-82	Xerox copy of the minutes of discussions held at Head Office of Indian Bank.
W18	12-10-93	Xerox copy of the settlement with minority union under Section 12(3)
W19	12-12-97	Xerox copy of the Internal correspondence of the Respondent/Bank.

For the II Party/Management :—

Ex. No.	Date	Description
M1	18-11-80	Xerox copy of the circular issued by Respondent/Bank
M2	26-03-83	Xerox copy of the circular issued by Personnel Deptt. To all branches of Indian Bank regarding norms for engagement of permanent part-time sweepers and payment of wages
M3	26-06-96	Xerox copy of the letter issued by Reserve Bank of India to the Chairman, Indian Bank regarding Achievement of capital adequacy ratio of 8 percent.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2004

का. आ. 786.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक 'ऑफ बड़ोदा के प्रबंधन' के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं० 2, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 123/97) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 01-3-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/325/96-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2004

S.O. 786.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 123/97) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2 New Delhi as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the management of Bank of

Broda and their workman which was received by the Central Government on 01-03-2004.

[No. L-12012/325/96-IR(B.II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER: CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II,**

**RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR,
RAJENDRA PLACE, NEW DELHI**

PRESIDING OFFICER:**R. N. RAI****LD. NO. 123 OF 1997****RAMKUMAR***Versus***BANK OF BARODA****AWARD**

Ministry of Labour by its letter dated 18-08-97 has sent the following points for adjudication to the tribunal.

Whether the action of the management of Bank of Baroda in terminating the services of Shri Ram Kumar w.e.f. 19-12-1995 is legal and justified? If not, to what relief the said workman is entitled?

The workman/applicant workman in his statement of claim has stated that the applicant was appointed as 'Peon' on 13-11-1995 by the opposite party in his branch Bank of Baroda, Haqiqat Nagar, Saharanpur through the Employment Exchange (Registration No. 7691/90) after due recruitment process vide their two recruitment letters No. 15/1289 dated 12.07.1995 and No. 15/2046 dated 10/18-10-1995. That the workman was working very sincerely but suddenly on 19-12-1995 the services of workman were illegally terminated without issue of show cause notice, notice pay and enquiry which is in violation of Article 311(2) of the constitution of India, section 25 F of the Industrial Dispute Act 1947 and natural justice. Since the workman is from schedule caste category, his illegal termination of service is unfair labour practice by the opposite party and atrocite on schedule caste.

That the branch manager was not in favour of workman's appointment because on submitting all the required certificates with the opposite party on 28-10-1995, the opposite party issued instruction for the branch manager to appoint the workman as Peon but when the workman contacted the branch manager on 31-10-1995, he refused to take the workman. Hence, on 01-11-1995 the workman recontacted the opposite party, who once again issued instructions for the branch manager to take the workman as peon and also passed the same instructions through the telephone. Still the branch manager had been sending back the workman upto 12-11-1995 and took him

on duty on 13-11-1995. It is known that on illegally terminating the services of workman the branch manager has taken another favoured person on the post which is illegal.

That against the illegal termination of service several requests were made with the opposite party on 19-12-1995, 20-12-1995 and 05-01-1996 but the workman was not heard. That the services of workman were illegally terminated by a different person i.e., the branch manager, whereas the appointing authority is the opposite party.

That on 13-02-1996 applicant moved an application before the conciliation officer/ Asstt. Labour Commissioner (Central) Dehradun for the conciliation proceedings but due to negative and irresponsible attitude of the opposite party, it was a failure and the conciliation officer recommended the case to Govt. for reference.

Therefore, workman/applicant prays :

A. He may be reinstated with back wages.

B. He may be awarded any other relief as the Hon'ble Tribunal may deem fit and necessary.

That the applicant has sent a copy of this statement to the opposite party vide AD receipt No. 4701 dt. 29-08-1997 (enclosed).

The opposite party in his written statement has stated that the opposite party herein being a bank is Govt. of India's undertaking in public sector having a network of its branches and offices at various places. With the above objective of carrying on its banking business efficiently and for having an effective administrative supervision and control over its branches and offices, the opposite party has a hierarchical administrative set up as under :

Broadly, all employees in the bank are classified into two main categories or cadres and these are (a) 'non-workman' i.e. managers, officers and supervisors and (b) 'workman', also called 'Award Staff', with in the meaning of the term defined U/s 2(s) of the Industrial Disputes Act, 1947 (briefly ID Act). The workman or the Award Staff are also classified into (i) clerks and (ii) sub-staff i.e. class IV staff such as peons, sweepers, farashers etc.

In the case of recruitment of sub-staff or class IV employees the opposite party, being as establishment in public sector, notifies all substantive vacancies to employment exchanges in compliance of provisions of employment exchanges Act, save and to the extent exemption is granted by the government's appropriate authorities or the DCET. The candidates who are sponsored by the employment exchange (s) are interviewed by the opposite party's own selection committees and those candidates who are eligible and are adjudged suitable, are appointed and confirmed after completion of their probation period. Sub-staff is also appointed by Regional Managers with the concurrence and approval of Zonal Managers. It may

he also stated here with pertinence in passing that the identified permanent strength in clerical and sub-staff cadre is determined by the management of the bank from time to time on considerations such as size of the branch or office and volume of work etc.

Besides employing workman on permanent post/basis as stated in the preceding para, the opposite party herein, like another employer, be it the central or any state government or in the private sector, is occasionally compelled to engage 'daily rated workers' on *ad hoc* casual temporary basis for coping with passing necessity/contingency, e.g., contemplated recruitment process has not been initiated or having been initiated has not been completed within the stipulated period, or the newly appointed person has sought extension of time to join opposite party's service at the branch or office of his posting, or an existing permanent employee has gone on leave of absence or has not joined his duties on the expiry of leave originally granted or subsequently extended, or as pending of regularisation of daily wage as per the Govt. guidelines or a seasonal necessity has arisen, or on account of such other contingency.

ON MERITS

Para 1 of the statement of claim is wrong and denied

It is specifically denied that there was any appointment as peon as alleged. In this regard it is submitted that a requisition dated 13-03-1995 was sent to the employment Exchange, Saharanpur for giving details of the persons as per the requirement. The requirement No. 9 had clearly stated that the tenure of temporary appointment will be less than three months. It is quite clear that in no case the appointment could cross the period of three months and in fact it was for one month only which has clearly reflected as per the facts of the present case. It is a fact that the present application is not a workman at all or otherwise also the present proceedings have not support from law for its continuation before this Tribunal. In response to the requisition vide its letter dated 05-04-1995 it had clearly been confirmed and in fact the name of the present applicant was sent for 'daily wage' peon. It is specifically denied that there was any process leave alone the alleged due recruitment process was followed. It is quite clear that the name of the applicant was referred by the employment exchange for a particular purpose. In any case employment exchange as per its procedure does intimate the concerned candidates with regard to the availability of some opportunity. The present applicant has deliberately and with obvious motives has withheld that particular intimation letter

Para 2 of the statement of claim is wrong and denied.

It is specifically denied that the services of the applicant were terminated. In fact the applicant was just a daily wage peon and such the question of termination or sudden termination as alleged does not arise at all. In view of the facts of the case it is quite clear that no question of termination

or show cause notice could arise leave alone notice pay or enquiry as alleged. The provisions of law as cited has no application to the present case. It is also specifically denied that there is any question of termination leave alone illegal termination. It is also denied that there is any unfair labour practice or atrocity as alleged.

Para 3 of the statement of claim is wrong and denied

It is specifically denied that there could have been any question any question of favour as alleged. It is absolutely wrong on the part of applicant to allege that nay instructions were issued. It is specifically denied that there was any question of illegal termination or keeping another favoured person as alleged. It is a fact that the application was taken as daily wage peon and he was already aware of the same. Hence at this application cannot belie the records.

Para 4 of the statement of claim is wrong and denied. It is denied that there was any request as alleged. In any case the application has already been paid as per law.

Para 5 of the statement of claim is wrong and denied. It is specifically denied that the opposite party had ever appointed the applicant hence the question of termination also did not arise.

Para 6 of the statement of claim is wrong and denied. It is admitted that there had been proceedings before the ALC, however, there is no question of positive or negative attitude by the opposite party as alleged rather the recommendation is without any support from law for the applicant who was on purely *ad hoc* daily wage basis for a period of one month only.

Para 7 of the statement of claim is wrong and denied. Considering the facts of the case at least the applicant has no support from law to show his entitlement in any manner for any kind of reinstatement or wages as alleged. The hon'ble Tribunal would kindly appreciate that the reliefs prayed have been invalidated in various pronouncement.

In view of the above submissions it is, therefore, prayed that this Hon'ble Tribunal may be pleased to :

(i) reject the claim *in toto* ;

(ii) cost throughout the proceedings may also be granted in favour of the opposite party and against the applicant;

(iii) any other and such further orders which this Hon'ble Tribunal may deem fit and proper be passed against the applicant and in favour of the opposite party.

In rejoinder the applicant has stated that there is no need to comment on paras 1 and 2 of the written statement.

That the contents of paras No. 3, 4, and 5 of written statement are not admitted. But in para No. 4, opposite party has admitted selection of candidates through the process of due recruitment as was adopted in the case of the applicant. Applicant's appointment was done through

the employment exchange hence it was not under any occasional compulsion, the bank has no right to exploit the poor labour and victimise them through unfair labour practice. Applicant belongs to S.C. Category and the appointment was done against the reservation.

ON MERITS

That the contents of the para No. 1 are not admitted. The content of para 1 of the statement of claim are reiterated. The documents filed by the opposite party are forged. The alleged requisition dated 13-03-1995 and letter dated 05-04-1995 of the employment exchange are not connected letters, the employment exchange never intimated that the appointment was for one month only. Such a long procedure of appointment was for one month only. Such a long procedure of appointment followed by the Bank, was it mere eye wash and waste of Govt.'s money and deliberate harassment of the schedule caste candidates.

That the contents of the para No. 2 of written statement are not admitted, The contents of para 2 of the statement of claim are reiterated.

That the contents of the para No. 3 of written statement are not admitted. The contents of para 3 of the statement of claim are reiterated. Applicant was appointed on permanent basis.

That the contents of the para No. 4, 5, 6 and 7 of written statement are not admitted. Para Nos. 4, 5, 6, and 7 of statement of claim are reiterated.

That the prayer of opposite party is not admitted the prayer of applicant in his statement of claim is reiterated.

That Sh. G. K. Garg is not the duly authorized signatory of the opposite party. Sh. Narain Singh Khanna, Asstt. General Manager of the Bank cannot subdelegate the powers. Moreover, the said power of Attorney is not duly registered.

Therefore it is prayed that workman/applicant may be reinstated with back wages as he is unemployed throughout.

Heard the Arguments from both the sides and perused the records.

Workman has filed the written argument. In written argument he has taken a plea of article 311(2) constitution in India. he has cited 19 FLR 747 99 (83) FLR Page 1118, 2002 (13) FLR Page 1081 2000, (87) FLR Page 248. I have gone through citation of Hon'ble High Court and the Hon'ble Apex Court. The management has also filed written argument. I have gone through the written argument from the management and heard the counsel for the management.

It was argued from the side of the workman that he was appointed on 13-11-1995 and his post was of a permanent nature. He could not be removed without prior notice and payment for of compensation. His services were terminated on 19-12-1995. It shows that he worked in a bank

from 13-11-1995 to 19-12-1995 there is no other reference regarding his work. It is true that his name was called from the employment exchange and he was appointed in the bank. A requisition was sent to the employment exchange for employment of some persons. His name was sent but in the appointment letter it has been mentioned that he has been appointed for a temporary period. The claimant himself has said that he worked for a very short period. He was appointed on a temporary post for less than 3 months and before that 3 months he was removed from service.

It was argued from the side of management that the letter which was sent to employment exchange clearly mentions that the post is purely temporarily and for less than 3 months. As such the workman was employed for less than 3 months and he worked for less than 3 months and the name which was called for appointment was for less than 3 months. In the circumstances it becomes quite clear that some temporary workman where required for less than 3 months services and the post was purely temporarily. So his appointment was for less than 3 months and he was removed after approximately 2 months later. So he has not worked for 240 days and his appointment was not regular. The case law cited by the workman do not apply in the facts and circumstances of the case the workman is not entitled to get any relief.

The point referred to for adjudication is replied thus.

The action of the management of the Bank of Baroda in terminating the services of Sh. Ram Kumar w.e.f. 19-12-95 is quite legal and justified and he is not entitled to get any relief. The Award is given accordingly.

Dated : 24-02-04

R.N.RAI PRESIDING OFFICER

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2004

का० आ० 787.—राष्ट्रपति, श्री ए. आर. सिद्दिकी को 08-03-04 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-सह-श्रम न्यायालय, बंगलौर के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

[संख्या: ए-11016/4/2002 सी एल एस-II]

वाई. पी. सहगल अवर सचिव

New Delhi the 18th March, 2004

S. O. 787.—The President is pleased to appoint Sh. A. R. Siddiqui as Presiding Officer Center Govt. Industrial Tribunal-Cum-Labour Court, Bangalore w.e.f. 08-03-04 (F. N.) for a period of three years.

[No. A-11016/4/2002-CLS-II]

Y. P. SEHGAL, Under Secy.

संरक्षी प्रभाग

नई दिल्ली, 16 मार्च 2004

का० आ० 788.—केन्द्रीय सरकार, उत्प्रवास अधिनियम, 1983

(1983 का 32) की धारा-3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रम मंत्रालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी, श्री पी. सी. भारद्वाज को 24 फरवरी, 2004 (पूर्वाह्न) से उत्प्रवास संरक्षी, चंडीगढ़ के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एस-13011/1/2003-उत्प्रवास]

अशोली चलाई, अवर सचिव

(Emigration Division)

New Delhi, the 16th March, 2004

S. O. 788.—In exercise of the powers conferred by Section 3, Sub-Section (1) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri P. C. Bhardwaj Section Officer of the CSS cadre of Ministry of Labour, as Protector of Emigrants, Chandigarh with effect from 24th February, 2004 (Forenoon).

[No. S-13011/1/2003-Emig.]

ASHOLI CHALAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 मार्च, 2004

का० आ० 789.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा-(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 अप्रैल, 2004 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44व 45 धारा के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उप धारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :

"जिला तृशूर के मुकुंद पुरम तालुक में कुरुविलशरी के अधीन आने वाले क्षेत्र "।

[संख्या एस-38013/15/04-एस. एस.-I]

के. सी. जैन निदेशक

New Delhi, the 16th March, 2004

S. O. 789.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st April, 2004 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall Come into force in the following areas in the State of Kerala namely:—

"KURUVILASSERYIN MUKUNDAPURAM TALUK IN TRICHUR DISTRICT."

[No. S-38013/15/2004-S.S.I.]

K. C. JAIN, Director

नई दिल्ली, 16 मार्च, 2004

का० आ० 790.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा-(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 अप्रैल, 2004 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44व 45 धारा के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उप धारा (1) और धारा -77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

"जिला तृशूर के तालापल्ली तालुक में पाम्पडी के आधीन आने वाले क्षेत्र "।

[संख्या एस-38013/16/2004-एस. एस.-I]

के. सी. जैन, निदेशक

New Delhi, the 16th March, 2004

S. O. 790.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st April, 2004 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except Sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely:—

"PAMPADI IN THALAPPALLY TALUK OF TRICHUR DISTRICT."

[No. S-38013/16/2004-S.S.I.]

K. C. JAIN, Director

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2004

का० आ० 791.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा-(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 अप्रैल, 2004 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44व 45 धारा के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा -76 की उप धारा (1) और धारा -77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध तमिलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

" दिण्डुगल जिला में वडसन्तुर तालुक के वी. पुदुकोट्टै कैतियनकोट्टै आदि राजस्व ग्राम "।

[संख्या एस-38013/17/2004-एस. एस.-I]

के. सी. जैन, निदेशक

New Delhi the 19th March, 2004

S. O. 791.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State

Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st April, 2004 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except Sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu namely:—

"Areas comprising the Revenue Villages of V. pudukkottai, Kaithinkottai of Vedasanthur Taluk in Dindigul District."

[No. S-38013/17/2004-S.S.I.]

K. C. JAIN, Director

(रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय)

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2004

का०आ० 792.—केन्द्रीय सरकार, शिक्षा अधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा 2 के खण्ड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और केन्द्रीय शिक्षा परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियमों के प्रयोजनों के लिए प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निम्नलिखित विषय को अभिहित व्यवसायों के रूप में विनिर्दिष्ट करता है, अर्थात् :—

1. "मुद्रण प्रौद्योगिकी" तकनीशियन (व्यावसायिक) शिक्षाओं के लिए
2. "पैकेजिंग प्रौद्योगिकी" तकनीशियन शिक्षाओं के लिए।

[फा०सं० डीजीईटी-2(1)/2003-एपी]

एन. लंका, उप सचिव

(Directorate General of Employment and Training)

New Delhi, the 23rd March, 2004

S.O. 792.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of Section 2 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961), and after consultation with the Central Apprenticeship Council, the Central Government hereby specifies the following subject fields in technology as designated trades for the purposes of the said Act, namely :—

1. "Printing Technology" for Technician (Vocational) Apprentices
2. "Packaging Technology" for Technician Apprentices.

[F. No. DGET-2(1)/2003-AP]

N. LANKA, Dy. Secy.